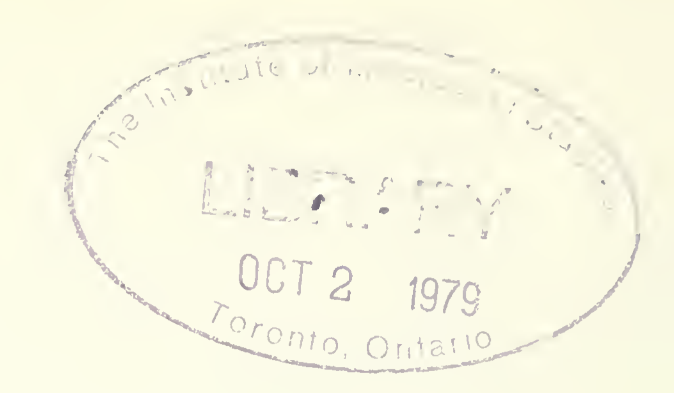
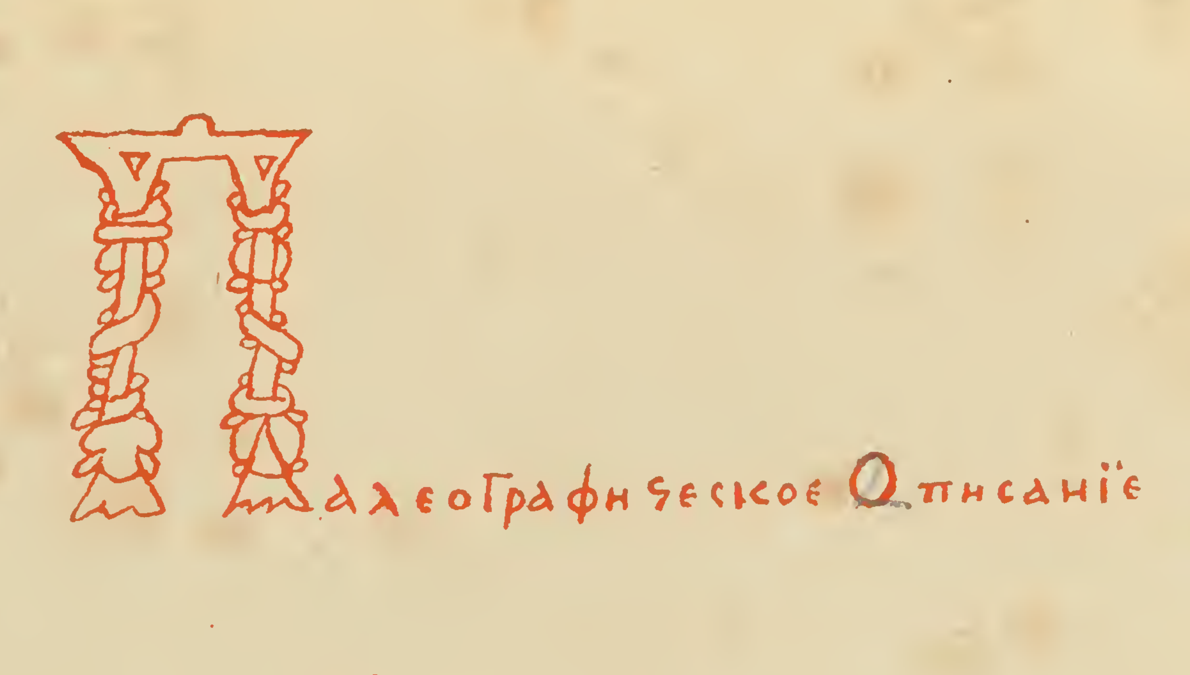
ПАЛЕОГРАФИЧЕСКОЕ ОПИСАНІЕ ГРЕЧЕСКИХЪ РУКОПИСЕЙ XI и XII ВѢКА

АРХИМАНДРИТА АМФИЛОХІЯ







Палеографическое Описаніе

Греческихъ Рукописей

XI и XII вѣка

Опредѣленныхъ лѣтъ съ 30 Таблицами

снимковъ въ двѣ краски.

Томъ II.

Трудъ

Архимандрита Амфилохія

Москва.

Типографія Е. А. Кудрявцевой.

҂АѠП. Года.

Литографія Н. Ефимова.

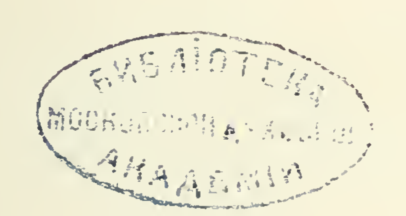


ПАЛЕОГРАФИЧЕСКОЕ ОПИСАНІЕ

ГРЕЧЕСКИХЪ РУКОПИСЕЙ XI и XII В.

ОПРЕДѢЛЕННЫХЪ ЛѢТЪ

СЪ 30-Ю ТАБЛИЦАМИ СНИМКОВЪ, ВЪ ДВѢ КРАСКИ.



ТОМЪ II.



ТРУДЪ АРХИМАНДРИТА АМФИЛОХІЯ.

МОСКВА.
Типографія бывш. А. В. Кудрявцевой, Мясницкая, Кривое колѣно, д. Сытова.
1880.

Отъ Спб. Комитета Духовной Цензуры печатать позволяется Спб. 30 Іюля 1879 г.
Цензоръ Архимандритъ Арсеній.

ПАЛЕОГРАФИЧЕСКОЕ ОПИСАНІЕ

ГРЕЧЕСКИХЪ РУКОПИСЕЙ XI и XII В.

ОПРЕДѢЛЕННЫХЪ ЛѢТЪ

С Ъ 30-Ю ТАБЛИЦАМИ СНИМКОВЪ, ВЪ ДВѢ КРАСКИ.

ТОМЪ II.

ТРУДЪ АРХИМАНДРИТА АМФИЛОХІЯ.

МОСКВА.
Типографія бывш. А. В. Кудрявцевой, Мясницкая, Кривое колѣно, д. Сытова.
1880.





Отъ Спб. Комитета Духовной Цензуры печатать позволяется Спб. 30 Іюля 1879 г.

Цензоръ Архимандритъ Арсеній.

XI ВѢКЪ.

1) Бесѣды св. Іоанна Златоустаго на Евангеліе отъ Матѳея,

Находятся въ Московской Сунадальной Библіотекѣ подъ №. 75-мъ.

Длина пергамина	$7\frac{1}{2}$	вершк.
Ширина.	$6\frac{3}{4}$	в.
Къ корешку	$\frac{7}{8}$	в.
Между столбцами.	$\frac{5}{8}$	в.
Къ правой сторонѣ	$1\frac{7}{8}$	в.
Къ верху	1	вершк.
Къ низу.	$1\frac{7}{8}$	в.

Пергаменъ выдѣланъ довольно хорошо, мѣстами отъ времени пожелтѣлъ и поврежденъ. Писано скорописью въ два столбца по нарѣзамъ на 377. листахъ. На оборотѣ 1-го листа исписаннаго по Грузински вверху подписано: Βιβλίον ἔστιν τῆς μονῆς τῶν Ἰβήρων. Внизу 2-го листа: τῶν ἰβήρων. До 7-й бесѣды заставки и заглавныя буквы фигурны и раскрашены синею, голубою, зеленою, бѣлою и темно-малиновою красками; а съ 7-й до 44-й включительно раскрашены одною краскою темно-розоваго цвѣта. Колеръ чернилъ темнокоричневый. Число строкъ на страницѣ 30-ть. Помѣта тетрадей внизу у корешка съ обоихъ сторонъ.

Всѣхъ бесѣдъ 44-ре.

Выписки изъ подлинника съ древнимъ славянскимъ переводомъ.

л. 189. β. Ὁμ λία. к. Οταν δὲ νηστεύητε, μὴ γίνεσθε ὥσπερ οἱ ὑποκριταὶ σκυθρωποί.

л. 189 об α. Ἀφανίζουσι γὰρ τὰ πρόσωπα αὐτῶν. τούτ ἔστι διαφθειρουσιν ἀπολλύουσιν. ἐιδὲ τοῦτο ἀφανισμὸς προσώπου. τὸ πρὸς κενοδοξίαν ὠχρὸν φαίνεσθαι. τί ἂν εἴποιμεν περὶ τῶν ἐπι τρίμμασι καὶ ὑπογραφαις διαφθειρόντων τὰ πρόσωπα . . .. ἐκεῖνοι μὲν γὰρ ἑαυτοὺς βλάπτουσι μόνον. αὗται δὲ καὶ ἑ ας καὶ τοὺς ὁρῶντας. διὸ χρὴ καὶ ταύτην κἀκείνην φεύγειν.... β..... καὶ ἐπὶ μὲν τῆς ἐλεημοσύνης,...... προσέχετε μὴ ποιεῖν ἔμπροσθεν τῶν ἀν῀ων προσέθηκε πρὸς τὸ θεαθῆναι αὐτοῖς. ἐπὶ δε τῆς νηστείας καὶ τῆς εὐχῆς, οὐδὲν τοιοῦτο διώρισε....... ὅτι ἐλεημωσύνην μὲν ἀδύνατον πάντη λαθεῖν. εὐχὴν δὲ καὶ νηστείαν, δυνατον.. л. 190. ἀλείφεσθαι κελέυσα,.

Изъ 20-й Бесѣды.

Ѥгда же поститеса рече. не бѫдѣте же ıако лицемѣри сѣтыни. (не подобıеть бо отъчнѭ не ıавлати. нъ и тъщатиса. и ити повелѣ.) а ıеже каꙁать лица своıа. се ıесть. ıако тьлѧть. и погѫблıаѭть. аще ли се каꙁъ (ἀφανισμὸς) ıесть лица. ıеже тъщеславиıа ради блѣдѫ ıавитиса. что имамъ рещи о просмража҃ѭщиихъ женахъ л. 217 об. а. лица своıа. помаꙁанıемь красотѣ. они бо себѣ тъчнѭ пакости дѣѭть. сиıа же и себѣ. и видащиимъ. тѣмь же подобıеть. и сеıа и їноıа отъбѣгнѫти. (съ многъмь тъщанıемь.) чесо ради о милостыни рекъ. вънимаите ıа не творите еıа прѣдъ чловѣкы. приложи да бевидать ıеıа. ѡ постѣ же б) и молитвѣ. ничесоже такова оуста-

ὐχ' ἵνα ἀλειφώμεθα πάντως ἐνομοθέτησεν. ἐπεὶ πάντες. εὑρεθησόμεθα τὸν νόμον παραβαίνοντες τοῦτον. καὶ πρόγε πάντων, οἱ μάλιστα αὐτὸν φυλάττειν ἐσπουδακότες, οἱ τῶν μοναχῶν δῆμοι........... οὐ τοίνυν τοῦτο ἐπέταξεν. ἀλλ' ἐπειδὴ τοῖς παλαιοῖς ἔθος ἀλείφεσθαι συνεχῶς ἦν, εὐφραινομένοις. . . . . καὶ τοῦτο, ἀπὸ τοῦ δᾱδ καὶ τοῦ δανιὴλ ἄντις κατίδοι σαφῶς, εἶπεν ἀλείφεσθαι. οὐχ' ἵνα πάντως τοῦτο, ποιῶμεν, ἀλλ' ἵνα διὰ πάντων σπουδάζωμεν μετὰ ἀκριβείας πολλῆς κρύπτειν τὸ κτῆμα τοῦτο. . . . . καὶ νηστεύσας τεσσαράκοντα л. 190 β'. ἡμέρας....... οὔτε ἠλείψατο, οὔτε ἐνίψατο. . . . . л. 190 об. β. νῦν μὲν γάρ σε ἀπορρήγνυσι τῆς πρός με δόξης τοῦτο. ὥσπερ οὖν συγκολλᾶ τὸ τούτων ὑπεροράν. л. 192 об. ά. ὅπου ὁ θησαυρὸς τοῦ ἀν̄ου ἐκεῖ καὶ ἡ καρδία β'. αὐτοῦ. κἄν γὰρ μηδὲν τȣ́των γένηται φησιν, οὐ μικρὰν ὑποστήσῃ βλάβην τοῖς κάτω προσηλωμένος. καὶ δοῦλος ἀντ' ἐλευθέρȣ γενόμενος. καὶ τῶν οὐν̄ῶν ἐκπίπτων. . . . . ἀλλ' ὥσπερ κύων τάφρῳ προσδεδεμενος. ἁπάσης ἁλύσεως χαλεπώτερον. τῇ τῶν χρημάτων τυραννίδι κατὰ τῶν προσιόντων л. 193 ά. ἁπάντων ὑλακτῶν. ἓν ἔργον τοῦτο ἔχεις διηνεκες. τὸ τηρεῖν. ἑτέροις τὰ κείμενα. л. 193 об. ά. οὐκ' ἂν ἕλοιο χρυσοφορεῖν (τυφλος....) ἀλλὰ τὴν ὑγείαν τὴν τούτων. ἁπάσης τῆς τοιαύτης περιουσίας, ποθεινοτέραν εἶναι νομίζεις. л. 193 об. β. . . . οὕτως ὁ τὸν νοῦν ἀφανίσας πᾶσαν αὐτοῦ τὴν ἐν τῇ ζωῇ ταύτῃ πρᾶξιν ἐθόλωσεν. διὸ φησιν. ἐι τὸ φῶς τὸ ἐν σοὶ σκότος, τὸ σκότος πόσον. ὅτάν. . . . ὁ λύχνος σβεσθῇ.... л. 194 α. ποία λοιπὸν ἔσται τοῖς ὑπηκόοις ἐλπίς...... л. 194 β. τί γὰρ ὄφελος στρατιωτῶν χρυσοφορούντων. ὅτ' ἂν ὁ στρατηγὸς αἰχμάλωτος ἕλκηται.

кнлъ. юко милостынн. не оудобь юсть таитнса. иатвѣ же и постж възможно юсть. помазати же са повелѣвъ. не да помазаюмъса тъ въ законнлъ. зане обращемса вси. прѣстжплажще законъ. прѣжде же всѣхъ паче потъщакъшенса хранити юго. мъножъство черньць. не се оубо повелѣ. нъ понеже обычан вѣ древлнимъ помазатнса. раджжщемъ же са. и веселащемъса. се же юкѣ оузрѣти юсть. отъ давыда и отъ данинла. сего ради рече юже помазатнса. всако да не творимъ ю. нъ да потъщимъса. съ всакомь испытанниемь. таити сътажанние се б) и самъ во поцьса м҃. дн҃ь. ни помазаса ни оумыса лицемѣръ. . . зане се ѿлжчаюеть отъ моеіа славы. юко же прилнпаеть юже л. 128 об. а. прѣзьрѣти ихъ. л. 218 об. б. идеже юсть съкровище чловѣческо. тж и ср҃дце юго. аще во нижнимн. пригвожденъ боудеши рече. не малж. л. 219 а. пакость приимеши. рабъ въ свободы мѣсто бываш. и съ небесъ ѿпадаш. (оумови прилѣпленыи имѣнию.) юко пс҃ъ гробѣ (sic) τάφρῳ) привазанъ всакомь оужьмь желѣзнъмь лющее (sic). мжчениемь имѣнїш. и приходащиихъ лаш. юдино се дѣло имѣш вънньно. южѣ нѣмъ хранити имѣние.

л. 61 об. а. Певы волилъ въ златѣ ходити. слѣпы очима. нъ паче сею съдравие. паче всего сего богатьства любльше мьниши. такоже. б) осквръникъ оубо оума, л. 61 а. все свое дѣание юже въ житии возмжтилъ..... тѣмь же рече. аще свѣтъ иже тѣ тьма волика. югда во свѣтильникъ оугаснеть. каш оуже надежа боудеть. ли каш польза воиномъ въ златѣ ходащемъ. югда во воеводоу пленена водать (такоже и тьла и оума. могжщаго роушити ст҃рти похотью богатьттва омрачимь. весьма прѣврѣдилъ себе.

Изъ 21-й Бесѣды.

л. 198 β. Οὐδεὶς δύναται δυσὶ κυρίοις δουλεύειν. δύο τοὺς τὰ ἐναντία ἐπιτάττοντας λέγων ἐνταῦθα. ἐπει ἐιμὴ τοῦτον εἴη, οὐδέ δύο ἂν εἶεν. καὶ γὰρ τοῦ. πλήθους τῶν πιστευσαντων, ἦν ἡ καρδία καὶ ἡ ψυχὴ μία . . . . οὐ μόνον οὐ δουλέυσει, ἀλλα καὶ μισήσει, καὶ ἀποστραφήσεται. ἢ γὰρ τὸν ἕνα μισήσει, φησιν, καὶ τὸν ἕτερον ἀγαπήσει л. 198 об. ά. ἢ ἑνὸς ἀνθέξεται καὶ τοῦ ἑτέρου καταφρονήσει..... ἐιπὼν τοίνυν ἀορίστως ἵνα πείσῃ τὸν ἀκροατὴν ἀδέκαστον κριτὴν γενέσθαι τῶν λεγομένων.. ἐπήγαγε γ' οὖν οὐ δύνασθε θῶ δουλέυειν καὶ μαμονᾶ. φρίξωμεν ἐννοοῦντες τι παρεσκευάσαμεν τὸν χν̄ ἐιπεῖν, καὶ μετὰ θῦ θεῖναι τὸν χρυσόν. л. 198 об. β. σόν. ἐι δὲ τοῦτο φρικτόν. τὸ διὰ τῶν ἔργων γίνεσθαι. καὶ προτιμᾶσθαι τοῦ φόβου τοῦ θῦ τὴν τοῦ χρυσοῦ τυραννίδα, πολλῷ φρικωδέστερον. . . . . πῶς οὖν ὁ ἀβραάμ φησί. πῶς ὁ ἰὼβ' εὐδοκήμησεν..... οὐκ ἐδούλευε τῷ μαμονᾶ. ἀλλ' εἶχεν αὐτὸν καὶ ἐκράτει.

Изъ 21-й Бесѣды.

Что юсть юже никто же можеть двѣма господинома работати. два повелѣвающа противна гл҃еть. имь же, аще се не бы было. ни дъва аще бждеть имоущии во юдинюние. аще и мнози боудоуть. юди но соуть. пко множьствоу вѣровавъшихъ рече. вѣ ср҃дце и дш҃а юдина. нетъ л. 61 об: а. вмо не работаете кто овѣма господинома. нъ и възненавидить и ѿвратитьса еа. аще во юдинаго възненавидить рече. и дроугаго възлюбить. ли юдиного послоушаеть а о дроузѣмь нерадити начьнеть. рекъ же неправочьно ова г҃а. да пренырить послоушьнїка. нелицемѣрна сждью бы тоу гл҃емъ ихъ. тъгда. б) прирече. не можете бо҃у работати и мамонѣ. оустрашимъса разоумѣвъше. что приготовахомъ х҃а рещи. юко съ б҃гь положилъ злато. аще ли се страшно. како не страшьнѣе. юже таковомъ быти дѣлъми и прѣдъчести бж҃ьга го страх҃а златьное мжчение. Какоже авраамъ рече.

καὶ δεσπότης. . . . . . ὥσπερ οὖν ἀλλοτρίων οἰκονόμος. ὧν χρημάτων, οὕτω πάντα ἐκεῖνα ἐκέκτητο. οὐ μόνον τὰ ἑτέρων οὐχ ἁρπάζων, ἀλλὰ καὶ τὰ ἴδια προϊέμενος τοῖς δεομένοις. . . . . . л. 200 ά. . . . μὴ μεριμνήσητε τῇ ψυχῇ ὑμῶν τί φάγητε. οὐκ ἐπειδὴ ἡ ψυχὴ τροφῆς δεῖται. ἀσώματος γὰρ, ἀλλὰ κατὰ τὴν κοινὴν ἐφθέγξατο συνήθειαν. ἐι γὰρ καὶ μὴ δεῖται τροφῆς, ἀλλ' ἄλιος οὐκ ἂν ἀνάσχοιτο μένειν ἐν τῷ σώματι, ἀλλ' ἢ τρεφομένου αὐτοῦ. . . . λέγων. οὐχὶ πλέον ἐστιν ἡ ψυχὴ τῆς τροφῆς, καὶ τὸ σῶμα τοῦ ἐνδύματος. ὁ τοίνυν β. τὸ μεῖζον δοὺς, πῶς τὸ ἔλαττον οὐ δώσει. ὁ τὴν τρεφομένην σάρκα . . . . πῶς τὴν τροφὴν οὐ παρέξει. . . . . . . ἐπηγαγε λέγων τίς δύναται ἐξ ὑμῶν προσθεῖναι ἐπὶ τὴν ἡλικίαν αὐτοῦ πῆχυν ἕνα л. 200 об. β. . . . τῶν ὀρνίθων μέμνηται, καὶ σφόδρα ἐντρεπτικῶς. ὅπερ μεγίστην ἐις παραινεσεως λόγον ἔχει τὴν ἰσχύν . . . . . . ὅτι τρέφεται χωρὶσ μερίμνησ ὅπερ καὶ ἡμῖν ἐὰν ἐθέλωμεν, εὔκολον κατορθωθῆναι. καὶ τοῦτο ἔδειξαν, οἱ διὰ τῶν ἔργων αὐτὸ ἀνύσαντες. . . л. 201. ά . . . . . τὸν ἡλίαν. καὶ τὸν μωσέα καὶ τὸν ἰωάννην. καὶ ἑτέρους τοιούτους μὴ μεριμνήσαντας. . . . . . οὐκ εἶπεν ὅτι οὐ καπηλέυουσιν οὐδὲ ἐμπορέυονται. ταῦτα γὰρ τῶν σφόδρα ἀπειρημένων ἦν, ἀλλὰ τί. οὐ σπείρουσιν οὐδὲ θερίζουσιν τί οὖν. οὐ δεῖ σπείρειν φησιν οὐ δεῖ, ἀλλ' ὅτι μεριμνᾶν οὐ δεῖ. οὐδ' ὅτι ἐργάζεσθαι οὐ χρὴ, ἀλλ' ὅτι μικρόψυχον εἶναι καὶ κατατείνειν ἑαυτὸν ταῖς φροντίσιν οὐ χρή... л. 201 об. ά. ἀλλὰ παρὰ τοῦ θῦ τὸ πᾶν ζητȣ̃ντος ἦν. τοῦτο καὶ οἱ ἀπόστολοι κατώρθωσαν. ἅπαντα ῥίψαντες.... ἐι δε οὐκ ἀνέχῃ τοσούτων ἀκούων ῥημάτων ἀπολῦσαι σαυτὸν τῶν χαλεπῶν τούτων δεσμῶν. . . . τῷ σώματι. οὐ δὲ μικρὸν л. 221 об. β. προσθῆναι δυνήσῃ μεριμνῶν..... ἂν ἐι ἐκεῖνος ἡμᾶς ἐγκαταλίπῃ, οὐ φροντίς. οὐ μέριμνα. οὐ πόνος. οὐκ ἄλλό τι τῶν τοίουτων.

како новъ оугодилъ. ѿвѣт. ꙗко не бѣ про л. 62. а. стѫ богатѣахꙋ ни работахꙋ мамонѣ. нъ дрьжахоу ѥ. и владѣахѫ имь. и ꙗкоже тоуждемь имѣнью. приставника соуща. Тако всего имѣасте. не тъкмо тѫжда възимахоу. нъ и своꙗ трѣбѫющимъ подаваасте. . . . . л. 62. об. а. не пьцѣтеса д҃шеѭ вашеѭ что ꙗсте. рече же се. не ꙗко д҃ша трѣбѫеть пища. бесплътьна бо ѥсть. нъ по обычьнѫмоу издрече обычаю. аще бо и не трѣбоуеть пища. нъ инако не сътьрпи. ть прѣбыти въ тѣлеси. нъ питомоу ѥмоу. (да не г҃ать же етери.).. рече не ваще ли есть д҃ша пища. и тѣло одежда. ѥже г҃ать сице есть. ꙗко давыи вящьшеѥ. како мьньшаго не въдасть. питомоую плъть (и покрываѥмѫ създравы.) како пища и одежа не подасть . . . . . л. 63 а. . . . при- рече. кто можеть отъ васъ приложити на тѣло своѥ. лакъть единъ. , . . и птица помяноу. и ѕѣло посрамно. ѥже велие въ наоучение слово имать крѣпость. ꙗко питаютьса бе печали. ѥже аще хощемъ. и намъ оудобь бѫдеть исправлено и се показаша съконьчавше дѣлъми. моси илиꙗ. иоанъ. и инии тачи же непопекъшеса л. 63 б. почто не рече ꙗко не кръчьмѫють птица ни коупла творꙗть. нъ ꙗко ни сѣють ни жьнють. понеже кръчьмовати. и коупла дѣꙗти л. 63 об. а. тѣмъ ѥсть иже отъречени соуть ѕѣло ѿвѣт. чьто же не подобаѥть ли сѣꙗсти рече. не рече ꙗко не подобаѥть сѣꙗти. нъ ꙗко попѣщиса не подобаѥть. ни ꙗко не подобаѥть дѣлати. нъ ꙗко не подобаѥть нетрьпѣливоу быти. и простирати себе бе въ печали (sic) нъ паче ѿ б҃а всего просити. се бо и ап҃ли исправиша. все ѿвъргъше. аще ли не трьпиши толико словесъ слыша. свободити себе ѿ лютыхъ оузъ печалии. . . . и ни тѣлеси своѥмь мало что приложити можеши. . . . . . . л 64. а. иже аще онъ ны оставїль ни примышление ни печаль ни болѣзнь. ни ино ничтоже . . . .

Изъ 22-й главы.

л. 202 об. β. Ειπὼν περὶ τῆς ἀναγκαίας τροφῆς. καὶ δείξας л. 203. ά. . . . . . ὅτι οὐδὲν ὑπὲρ ταύτησ χρὴ μεριμνᾶν. ἐπὶ τοκȣφότερον μεταβαίνει λοιπόν. οὐδὲ γὰρ οὕτως ἀναγκαῖον ἔνδυμα, ὡς τροφή. . . . . . . β. τὸ πολυτίμητον καὶ περισπούδαστον τοῦ γένουσ..... ὑμᾶς. οἷς ψυχὴν ἔδωκεν. οἷς σῶμα διέπλασε. δὶ οὓσ τὰ ὁρώμενα πάντα ἐποίησε.... καὶ τὰ μυρία ἐργάσατο ἀγαθά. . . . л. 203 об. ά...... οὐ κοπιῶσιν. ὥστε κόπων ἡμᾶς ἀπαλλάξαι βουλόμενος.... ȣ̓ τοίνυν τό μὴ μεριμνᾶν ταῦτα πόνος, ἀλλὰ τὸ μεριμνᾶν. καὶ καθάπερ ἐιπὼν οὐ σπείρουσιν, οὐ τὸν σπόρον ἀνέτρεψεν ἀλλα τὴν φροντίδα. β. οὕτως ἐιπὼν οὐ κοπιῶσιν. οὔτε νήθουσιν. οὐ τὸ ἔργον ἀνεῖλεν. ἀλλὰ τὴν μέριμναν. 'Ει δε σολομὼν ἡττήθη τοῦ κάλλους αὐτῶν. καὶ οὐχ' ἅπαξ οὐ δε δὶς, ἀλ-

Изъ 22-й Бесѣды.

л. 64. а. Рекъ о ноуждьныꙗ пища. и показавъ. ꙗко ни о сеи же подобаѥть попѣщиса. оуже на льгъкоѥ прѣходить. нѣсть бо ѕѣло потребна пища. ꙗкоже пища. . . . л. 64. б. . . . . многочьстьнаго и обычьнаго б҃ви жывотна. сиречь чл҃вка. ѥмоуже д҃шю дасть. и тѣло създалъ. ѥго же ради вса видимаꙗ створилъ. и прѣмного блага сдѣла. не трѫдать бо са рече. да свободить ны ѿ троуда. нѣсть бо трꙋдꙋ попѣщиса о сѣмь. нъ ѥже попѣщиса. и ꙗко же рекъ о птицахъ. ꙗко не сѣють. ни сѣтвы възбрани. нъ печали. сице рекъ. не прадоуть. не дѣла отатъ нъ печаль. и еще соломонъ побѣженъ бы о добротѣ ихъ не ѥдиною нъ вторицею. нъ вьсѣмь црьствомъ своимь. се бо г҃ла рекъ въ все цр҃тво своѥ тъгда ты прѣ-

λὰ καὶ δὶ ὅλης τῆς βασιλείας αὐτοῦ....... τοῦτο γὰρ ἐδήλωσεν ἐιπὼν. ἐν πάσῃ τῆ βασιλία αὐτȣ̃ . . . . πότε περιγενέσθαι л. 204 ά. δυνησῃ. μᾶλλον δὲ ἐγγὺς γενέσθαι, κᾂν μικρὸν. τῆς τοιάυτης ἐυμορφίας. ἐντεῦθεν ἡμᾶς παιδέυει, μηδ̀ ὅλως ἐφίεσθαι τοῦ τοιούτου β. καλλωπισμοῦ... Ἐιτοίνυν τῶ χόρτω τὸ μὴ δὲ ἐν χρεία δέδωκε. τί γὰρ αὐτοῦ τὸ κάλλος.... συντελεῖ. πῶς σοὶ τὸ πάντων εὐτελέστερον ἐκαλλώπισεν ἐκ περιουσίας. καὶ ταῦτα οὐ πρὸσ χρείαν ἀλλὰ πρὸς φιλοτιμίαν τοῦτο ποιῶι πολλῶ μᾶλλον σὲ τὸν ἁπάντων τιμώτερον. ἐν τοῖς κατὰ τὴν χρείαν τιμήσειεν... ἐι γὰρ л. 204 об а. τὸν χόρτον τοῦ ἀγροῦ ὁ θ̅σ̅ οὕτως ἀμφιέννυσιν, πολλῶ μᾶλλον ὑμᾶς ὀλιγόπιστοι... л. 205. β. τίνος ἂν εἴημεν ἄξιοι.... ἐν τῆ τῶν ἐθνικῶν εὐτελεία μένοντος, καὶ τὴν αὐτῶν μικροψυχίαν ζηλοῦντες. . . οἶδεν γὰρ ὁ π̅ῆ̅ρ̅ ὑμῶν ὁ οὐράνιος, ὅτι χρήζετε τȣ́των ἁπάντων. οὐκ ἔιπεν οἶδεν ὁ θ̅σ̅, ἀλλ᾽ οἶδεν ὁ π̅ῆ̅ρ̅. ὥστε αὐτοὺς ἐις μείζονα ἐλπίδα ἀγαγεῖν. ἐι γὰρ π̅ῆ̅ρ̅ ἐστι. καὶ π̅ῆ̅ρ̅ τοιοῦτος, οὐ δυνήσεται περιϊδεῖν τοὺς ὑιοὺς ἐν ἐσχάτοις л. 205 об. ά. ὄντας κακοῖς.

вратитися можеши. паче же близъ быти. понѣ малы то ѩ красоты. симь каꙁа ны. не любити красоты риꙁьныя. аще же травѣ не соущи на потребоу. сиречь криномъ. толикоу добротоу дасть имѣти. како тебе потрѣбноумоу не дасть. аще всехъ мьнеѥ оудобри соущьствомь. и не на потрѣбоу же л. 65. а. сѫщю. нъ начьстолюбьѥ ѥѥ твора' кольми паче тебе чьстьнѣйшаго всѣхъ. потрѣбьными почьтеть. тѣмьже и припрѣщаѩ рече..... Аще травоу сельноую сице б҃ъ обличить (sic). кольми паче васъ маловѣри .... еще же о малыхъ. и ноужьныихъ не подобаѥть попещися. какомоу оубо достоина бѫдоуть отъноущенью. некоущися о раꙁличьныихъ и прѣбывающе. въ оумалении ваꙁычьнѣ и малодш҃ьѩ ихъ подражающе. чесо же ради рече. вѣсть бо о҃ць вашь нб҃сьный. ѩко трѣбжете всего сего и не рече вѣсть богъ. да ѩ л. 65 об. а. възвѣдеть въ болшюю надежю. аще бо о҃ць ѥсть. и такъ о҃ць никакоже имать прѣꙁьрѣти с҃новъ. въ послѣдьнихъ ꙁълѣхъ.

Изъ 14-й Бесѣды Матѳея.

л. 118 об. ά. Δῆλον, ὅτι δευτέρα αὕτη κλῆσις ἦν. . . . . φησὶν. ὅτι οὔπω βληθέντος ἐις τὴν φυλακὴν ἰωάννην προσῆλθον. ἐνταῦθα δὲ, μετὰ τὸ ἐμπεσεῖν αὐτὸν. κακεῖ μὲν ὁ ἀνδρέας καλεῖ τὸν πέτρον. ἐνταῦθα δὲ, ἀμφοτέρους ὁ ι̅σ̅........ л. 119 ά. τοιαύτην γὰρ ὁ χ̅σ̅ ὑπακοὴν ζητεῖ παρ᾽ ἡμῶν. ὥστε μὴ δὲ ἀκαριαῖον ἀναβάλλεσθαι χρόνον, κἀν σφόδρα τι τῶν ἀναγκαιοτάτων ἡμᾶς κατέπειγῃ, διὸ καὶ ἕτερον τινα προσελθόντα. καὶ ἀξιοῦντα θάψαι τὸν ἑαυτοῦ π̅ρ̅ᾶ̅. οὐ δὲ τοῦτο ποιῆσαι ἀφῆκε. β΄. τοῖς δὲ περὶ ἰάκωβον καὶ ἰωάννην, οὐδὲν τοιοῦτον φησιν ἡ γὰρ τῶν προφθασάντων ὑπακοὴ, προωδοποίησε λοιπὸν τούτοις.

Изъ 14-й Бесѣды.

л. 57 об. а. Подобаѥтъ се вѣдѣти. ѩко въторое ꙁъваниѥ петра и андреѩ...... б) рече. ѩко не оу въвърженоу крьстителеви придоша. сьде же повьржениѥ ѥго. онъ де оубо. андрея ꙁоветь петра. съде же оба х҃ъ і҃с. но.......... л. 58 а. вься оставльша...... тако ва бо и х҃ъ послоушаниѩ ищеть ѿ насъ. ѩко да иꙁдреченька времене не прѣждемъ. аще и ꙁѣло что отъ нѫжьныихъ вещии настоить насъ ѩкоже и иного етера пристѫпльша и просѧща погрѣти о҃ца своѥго. ни се оставилъ сътворити. полнъ. сего же ради понѣ. и ѩковъ ни ѥдинаго обѣщаниѩ слышавъша. послѣдоваста абье. ꙁа ꙇне послоушаниѥ пьрвоую. прѣдъпоутьѥ створи сима...........

Чтеніе и объясненіе снимка.

Τότε ἀνήχθη ὁ ι̅ς̅. ἐις τὴν ἔρημον ὑπὸ τοῦ πνεύματος, πειρασθῆναι ὑπὸ τοῦ διαβόλου:

Τότε πότε. μετὰ τὴν τοῦ πνευματος κάθοδον. μετὰ τὴν φωνὴν τὴν ἄνωθεν ἐνεχθεῖσαν καὶ λέγουσαν. οὗτοσ ἐστιν ὁ ὑιος μου ὁ ἀγάπητος, ἐν ᾧ ἐυδόκησα. καὶ τὸ δὴ θαυμαστὸν, ὅτι ὑπὸ τοῦ Πνέυματος τοῦ ἁγίου τοῦτο. γὰρ.

Ἑγράφη ἡ θεόπνευστος βίβλος αὕτη. χειρὶ Θεοφάνους ἁμαρτωλοῦ μοναχοῦ. καὶ ἐτελεώθη μηνὶ ἀπριλλίω ἰνδικτιῶνος δ҃. ἔτους. ͵ςφιδ҃. (1006.).

Азбука изъ заглавій, скорописная, заглавныя буквы и заставки:

Слова съ знаками препинанія: ἀμήν: χριστοῦ. Слова съ титлами: χριστοῦ ἀνθρώπων. Сокращенія: καὶ φησιν, οὕτως ομιλία γ҃. Буква α въ связи съ другими: ἐπέταξεν ἀγαθὰ ε., ἀνεξικακίαν, ἐπίταγμα. ν., τοιαύτην, σ., ἐυεργεσίας, τ., φυλαττόντων, χρημάτων. Цифры съ титлами, знаки вносныхъ мыслей.

II) Евангеліе по Недѣлямъ,

Находится въ Императорской публичной Библіотекѣ подъ №. 71-мъ

Длина пергамина	$4\frac{1}{4}$	в.
Ширина.	$3\frac{3}{8}$	в.
Къ корешку	$\frac{3}{8}$	в.
Между столбцами.	$\frac{1}{4}$	в.
Къ правой сторонѣ	$\frac{5}{8}$	в.
Къ верху.	$\frac{1}{2}$	в.
Къ низу	$\frac{5}{8}$	в.

Пергаменъ выдѣланъ довольно хорошо, но отъ времени пожелтѣлъ и покоробился, а мѣстами и поврежденъ (урѣзанъ) Писано довольно крупною скорописью въ два столбца по нарѣзамъ на 169-ти листахъ. Въ началѣ заставка, состоящая изъ перевитыхъ круговъ вверху, а внизу и по бокамъ изъ перевитаго шнура разрисована красками пунцовою, зеленою, голубою и черною. Первая буква ε. изображаетъ лѣвую руку, у которой 2-й палецъ отъ мизинца приложенъ къ 1-му большому, а мизинецъ и 2-й и 3-й отъ большаго пальца протянуты. Заглавія писаны уставомъ красною краскою, а заглавныя буквы красною же, а мѣстами голубою и желтоватою. Колеръ чернилъ коричневый. По полямъ и наверху много замѣтокъ Латинскихъ. Помѣта на нѣкоторыхъ тетрадяхъ видна у корешка съ оборотной стороны внизу. Число строкъ на страницѣ 21.

Это Евангеліе неполный апракосъ т. е. послѣ пятьдесятницы здѣсь не положено чтеній въ понедѣльникъ, вторникъ , среду, четвертокъ и пятницу.

Съ л. 116 по 147. об. начинается сунаксарь, гдѣ написаны чтенія Евангелскія избраннымъ святымъ и на праздники, и оканчивается 147 л. об.

Съ 148. на Бездождіе, 11-ть Воскресныхъ Евангелій, и общія Апостоламъ Пророкамъ, мученикамъ по 168 л.

На 168 и 169 листахъ запись писца.

Выписки изъ подлинника съ древнимъ славянскимъ переводомъ.

л. 18 β'. Κυριακῆ τῆς ꙋ̑ Τῆ ἐσχάτη ἡμέρα τῆς μεγάλης τῆς ἑορτῆς ἱστήκει ὁ ῑς. καὶ л. 18 об. ά. ἐκραζεν λέγων. ἐὰν τίς διψᾶ. ἐρχέσθω πρός με καὶ πινέτω. ὁ πιστέυων ἐις ἐμὲ. καθῶς εἶπεν ἡ γραφῆ. ποταμοὶ ἐκ τῆς κοιλίας αὐτοῦ ῥέυσουσιν ὕδατος ζῶντος. τοῦτο δὲ εἶπεν περὶ τοῦ πν͂ς. οὗ ἤμελλον λαμβάνην οἱ πιστέυωντες ἐις αυτὸν. οὔπω γὰρ ἦν πν͂α ἅγιον. ὅτι ῑς οὐδέπω ἐδοξασθῆ πολλοῖ οὖν ἐκ τοῦ ὄχλου ἀκούσαντεσ τὸν λόγον τοῦτων ἔλεγον. οὗτος ἐστιν ἀληθῶς ὁ προφήτης. ἄλλοι β'. ἔλεγον. μὴ γὰρ ἐκ τῆσ γαλιλαίας ὁ χσ͂ ἔρχεται; ου-

Изъ Юрьескаго Евангелія 1118—28 г. Воскресенской Ново — Іерусалимской Библіотеки.

л. 32 б. Нє҃. в҃. єуа҃. ѿ иωанна. Къ послѣдьнии же дьн҃ь. великыи праздьникъ. стояаше ис҃ъ и зваше гл҃а. аще къто жаждеть. да приидеть къ мънѣ и пиєть. ꙗвѣроуꙗи въ ма , ꙗко же книгы рекоша. рекы отъ чрева єго истекоуть воды живы. се же рече о доусѣ. иже хотяахоу приимати. вѣроующии вънь. не оубо бѣ дхъ с҃тыи данъ. [1]) ꙗко ис҃ъ не оу бѣ просаавленъ. мънози же отъ народа. слышавъше

---

1) Въ варіантахъ Тейля и Штира отмѣчено (α β. † διδομένον). Покойнымъ Митрополитомъ Филаретомъ о семъ разночтеніи въ Остромировомъ Евангеліи на л. 54. въ его отношеніи отъ 30-го Іюля 1841. года къ Оберъ Прокурору сказано: „Это такое разнорѣчіе съ обыкновенымъ текстомъ, которое Богословъ съ радостію встрѣтитъ въ древнемъ текстѣ: потому что оно защищаетъ и объясняетъ одно изъ трудныхъ мѣстъ Евангелія отъ Іоанна.“ Это замѣчаніе сообщилъ мнѣ Павелъ Ивановичъ Саввантовъ, имѣя у себя копію съ отношенія Митрополита Филарета.

χὶ ἡ γραφῆ εἶπεν. ὅτι ἐκ τϋ σπέρματος δᾱδ. καὶ ἀπὸ βη-θλεὲμ τῆς κώμησ, ὅπου ἦν δᾱδ. ὁ χσ̄ ἔρχεαι; σχίσμα οὖν ἐν τῶ ὄχλω ἐγένετο διαυτόν τινὲς δὲ ἤθελον ἐξ αὐ-τῶν πιάσαι αὐτὸν. ἀλλ᾽ ουδεῖς ἐπέβαλέν ἐπ᾽ αυτὸν τὰσ χεί-ρας. ἦλθον οὖνοι οἱ ὑπηρεται πρὸς τοὺσ ἀρχιερεῖσ καὶ φα-ρισαίους. καὶ ἔιπον αὐτοῖσ ἐκείνει. δια τί οὐκ ηγαγεται αὐτον; л. 19 ά. ἀπεκρίθησαν οἱ ὑπηρέται. οὐδέποτε οὕ-τως ἐλάλησεν ἄν̄ος. ὡς οὗτος ὁ ἀν̄ος. ἀπεκρίθησαν οὖν αὐτοῖσ οἱ φαρισαίοι. μὴ καὶ ὑμεῖσ πεπλάνησθε; μήτισ ἐκ τῶν ἀρχώντων ἐπιστευσεν ἐις αὐτὸν. ἢ ἐκ τῶν φαρισαίων; ἀλλ᾽ ὄχλος οὗτος ὁ μη γινώσκων τὸν νόμον. ἐπάρατοί ἐι-σιν. λέγει νικόδομοσ πρὸς αὐτούς, ὁ ἐλθὼν προς αὐτὸν νυκτὸσ, εἷς ὢν εξ αὐτῶν. μὴ ὁ νόμοσ ἡμῶν κρινεῖ τὸν ἄν̄ον. ἐὰν μὴ ἀκούσῃ παρ αυτοῦ πρῶτον. καὶ γνῶ τί ποιεῖ. ἀπεκρίθησαν καὶ εἶπον αυτῶ. μὴ καὶ σὺ ἐκ τῆς γαλλαίασ ἔι. ἐρέυνησον καὶ ἴδε. ὅτι προφήτησ ἐκ τῆς γαλιλαίας οὐκ ἐγήγερται. πάλιν οὖν αὐτοῖς ὁ ῑσ ἐλάλησεν. λέγων. ἐγώ ἐιμι τὸ φῶς τοῦ κόσμου. ὁ ἀκολουθῶν ἐμοί. οὐ μὴ περιπα-τήσῃ ἐν τῇ σκοτία. ἀλλ᾽ εξει τὸ φῶσ τῆς ζωῆσ.

словеса си глаахоу сь ѥсть въ истиноу пророкъ. дроу-ꙁии же глаахоу. сь ѥсть христосъ. ови же глаахоу ѥда ѿ галилѣꙗ хсъ придеть. оу то ни писание ли рече. ꙗко отъ племене дв҃два. и отъ виѳлеомьскы вьси. идеже бѣ давыдъ. хсъ приидеть. распьрѣние же бы въ народѣ ѥго дѣла. нѣции же отъ нихъ хотѣшѧ и ꙗти. нъ никътоже въꙁложи нань роукоу. придошѧ же слоугы къ старѣишинамъ жьрьчьскамъ и фарисѣ-омъ. и рекошѧ имъ ти. почьто не привѣдосте ѥго. отъвѣщашѧ слоугы николиже тако ѥсть глалъ чл҃вкъ. ꙗко сьи чл҃вкъ. отъвѣщашѧ имъ фарисѣи. ѥда и вы прѣльщени бысте. ѥда къто отъ кнѧꙁь вѣрова вънь. или отъ фарисѣи. нъ народъ сь иже не вѣсть ꙁако-на. проклѧти соуть. гл҃а никодимъ къ нимъ прихо-дивыи къ немоу. нощиѭ ѥдинъ сы ѿ нихъ. ѥда ꙁа-конъ нашь соудить чл҃вка. аще не оуслышить отъ него прѣжде. и раꙁоумѣѥть чьто творити. отъвѣщашѧ и рекошѧ ѥмоу. ѥда и ты отъ галилѣꙗ еси. испытаи и виждь. ꙗко отъ галилѣꙗ пророкъ не приходить. пакы же имъ ис҃ъ рече гл҃а. аꙁъ ѥсмь свѣтъ мирови. ходꙗи по мънѣ. не иматъ ходити въ тьмѣ. нъ иматъ свѣтъ животьнъ ·:·

л. 19 об. ά. Σαββάτω μετὰ τὴν н̄. λ̄. Ευαγγέλιον κατὰ Ματθέον.

Ἔιπεν ὁ κσ̄. τῶ αἰτοῦντί σε δίδου; καὶ τὸν θέλοντα ἀπὸ σοῦ δανεῖσασθαι. μὴ ἀποστραφῇς. ἠκούσατε ὅτι ἐρέθη. ἀγαπήσεις τὸν πλησιον σου. καὶ μισήσεις τὸν ἐχθρὸν σου. ἐγὼ δὲ λέγω ὑμῖν. ἀγαπατε τοὺς ἐχθρϋς ὑμῶν. εὐλογεῖ-τε τοὺς καταρωμένους ὑμᾶς καλῶς ποιεῖται, τοῖς μισοῦσιν ὑμᾶς. καὶ πρὸςεῦχεσθαι ὑπερ β΄. τῶν περεαζόντων ὑμᾶσ. ὅπως γένησθαι υἵ (sic) τοῦ πρ̄ς ἡμῶν τοῦ ἐν οὐν̄οῖς. ὅτι τὸν ἥλιον αὐτοῦ ἀνατέλλει. ἐπι πονηροὺσ καὶ ἀγαθοὺσ. καὶ βρέχει ἐιπι δικαίους καὶ αμαρδίκουσ (sic). ἐὰν γὰρ ἀγα-πήσητε. τοὺς ἀγαπόντασ ὑμᾶσ τίνα μισθὸν ἔχειτε. οὐχὶ καὶ οἱ τελῶναι. τὸ αὐτῶ ποιουσιν; καὶ ἐὰν ἀσπάσησθαι τοὺς φίλουσ ὑμῶν. τί περισσὸν ποιεῖτε; οὐχὶ καὶ οἱ τελοῦ-ναι οὕτως ποιοῦσιν; ἔσεσθαι οὖν ὑμεῖσ τέλειοι. л. 20 ά. ὥσπερ ὁ πῆρ ὑμῶν ὁ ἐν τοῖσ οὐν̄οις:

Въ соу҃. л҃. не҃. еу҃а. ѿ матѳеа.

л. 36. Рече гь҃ просѧщюоумоу оу тебе даи. и хо-тѧщааго отъ тебе ꙁаѧти не отъврати. слышасте. ꙗко речено ѥсть. въꙁлюбиши ближьнꙗаго своѥго. и да ненавидиши врага твоѥго. аꙁъ же гл҃ѭ вамъ. лю-бите врагы ваша. блг҃ословите бльноущаꙗ вы. добро творите ненавидѧщиимъ васъ. и молите ꙁа творѧщаꙗ вамъ напасти. и иꙁгонѧющаꙗ вы. да боудете сн҃ове оц҃а вашего. иже ѥсть на небесьхъ. ꙗко слн҃це своѥ сиꙗѥть на ꙁълыꙗ и бл҃гыꙗ. и дъждить на правьдь-ныꙗ и не на правьдьныꙗ. аще любите любѧщаꙗ вы. коуѭ мьꙁдоу имате. не и мытаре ли тоже тво-рѧть. и аще цѣлоуѥте дроугы ваша чьсо лихо тво-рите. не и мытаре ли тако творѧть. боудѣте оубо вы съвършени. ꙗко и оц҃ь вашь нб҃сьныи съвършенъ ѥсть ·:·

Чтеніе и объясненіе снимка.

Ἐις ἀνομβρίαν καὶ ἐις μνήμην φόβου. καὶ ἐπὶ πολέμων κατὰ Ματθαῖον. κεφάλαιον ξ̄θ. Τῶ καιρῶ ἐκείνω. ἐνα-ναβάντι τῶ Ἰησοῦ εἰσ πλοῖον ἠκολούθησαν αὐτῶ οἱ μαθηταὶ αὐτοῦ.

Τῶ συμπεραστῆ: τῆν ἀπάντων κτισμάτων. σοι δόξα τιμη χριστὲ καὶ σεβας πρεπει.

Ἐγράφη χειρὶ μηχαῆλ ταπεινοῦ καὶ ἀμαρτωλοῦ μοναχϋ καὶ ἀναξίου ἱερέως ἐν ἔτει ͵ѕкн҃ ινδικτιῶνος г̄. κυρίου д̇. с. м̄і. ἐπὶ τῆς βασιλείας βασιλείου καὶ Κωνσταντίνου τῶν ἐκ Θεοῦ ἐστεμένων μεγάλων βασιλέων καὶ αὐτοκρα-τωρων.

Слова съ знаками препинанія: λαλεῖν: χριστὸς. αὐτὸν; сокращенія: τῶ σαββάτω, κατὰ Μάρκον. κατὰ Λουκᾶν. καὶ. Слово съ титломъ: ἀνθρώπω. Буквы: α., въ связи съ другими, φαγεῖν. ε.. ἐξῆλθεν. ν, οὖν, конечная ν., ἰουδαιων· σ, ἐπίνασεν τ. σταδίων τῶν βαΐων.; цифра 3 съ 3-мя титлами вверху.

Скорописная азбука, нѣсколько буквъ изъ заглавій. заглавныхъ буквъ и заставокъ.

III) Канонникъ Богородичный 8-ми гласовъ

На каждой день недѣльный, писанъ на пергаминѣ въ одинъ столбецъ скорописью на 257-ми листахъ Іоанномъ Монахомъ въ 1022-мъ году. Въ нѣкоторыхъ гласахъ, не 7-мъ каноновъ, а болѣе; Лишній канонъ на полѣ означался περίσσοσ лишній. Каноны въ честь Божіей Матери здѣсь написанные разныхъ творцевъ, Іосифа, Козмы, Θеофана, Климента, Филоθея Игнатія и другихъ.

Послѣ Каноновъ Богородичныхъ на 8-мь гласовъ съ л. 203 об. написаны Каноны на различные случаи.

φυλ. 203 об. — 206 об. Κανὼν ψαλλομενος εἰς ὑποτακτικὸν Μοναχῶν. ηχ. πβ῀. (6).

Начало 1-го тропаря: Τῆς ζωῆς τῶ ἀρχηγῶ. καὶ τοῦ θανάτου τῶ καθαιρέτη....

φ. 206 об. — 210. Ἕτερος κανὼν ἐις κοιμηθέντα μοναχῶν φέρων ἀκροστιχίδα τὴν δε: Ἕκτον προσάξω, τοῖς σοῖς. μονάζουσι μέλος: ηχ. πλβ. (6). Начало 1-го тропаря: Ἐξαποστείλας ἐξ ὕψους τοὺς σοὺς χ̄ε δούλους.

φυλ. 210.—213 об. Ἕτεροσ κανὼν ἐις κοιμηθέντα μοναχῶν. ηχ. πλ. (8). Начало 1-го тропаря: Σοῦ τὸν στρὸν ἐπὶ τῆς γῆσ ἀραμένος, ὁ μεταστὸς ἀφ' ἡμῶν......

φ. 213 об.—216 об. Ἕτερος κανὼν νεκρῶν ηχ. πλδ. (8). θεοφαν. Начало 1-го тропаря: Τῶν ζώντων ὑπάρχων χ̄ε ζωή.....

φυλ. 217. —219. Στιχηρ. ψαλλόμεν. εἰς κοιμηθεντ. μοναχῶν καὶ ἡγούμενων ηχ. в. (2). Начало 1-й стихиры: Ὤμοισ τὸν στρὸν ἀναλαβὼν. σοι ἀνεπιστρόφω καρδία.

Всѣхъ стихиръ 13-ть.

φυλ. 119—223. Κανὼν ἱκετευτικὸς ψαλλομενος εἰς ἀνομβρίαν. ηχ. πλδ. (8). Начало 1-го тропаря: Τῶ ἐν ἀρρήτοισ λόγοισ προνοίας.

φ. 223—226 об. Ἕτεροσ κανὼν ψαλλόμενος εἰς σεισμὸν φέρων ἀκροστιχίδα τὴν δε: ὦ χ̄ε τῆς γῆσ, τὸν κλόνον παῦσον τάχοσ. Начало 1-го тропаря: Ὡσ φοβερᾶ ἡ ὀργῆ σου......

φυλ. 226 об. —229. Ἕτερος κανὼν ψαλλόμενος εἰς ἐγκαινίαν ναοῦ τῆς ὑπεραγίασ θ̄κου. φέρων ἀκροστιχίδα τὴν δε. Ναόν με δεῖξον, τοῦ τόκου σου παρθένε ηχ. δ. (4). Начало 1-го тропаря: Ναόν σε θ̄ῦ τοῦ ζῶντος ἔμψυχον.

229 — 232 об. Κανὼν τοῦ ἁγίου ἱερομαρτύρου ὑπατίου ψαλλόμενοσ εἰσ ἀσθενοῦντασ. ηχ. πλδ. (8). Начало 1-го тропаря. Γενοῦ μοι σρία. τῶ ὑπὸ τὴν σκέπην σου προστρέχοντι.......

φ. 232 об.—237 об. Ἀκολουθία ψαλλομένη εἰς πάντα ἄ̄νον ἐξερχόμενον εἰσ πόλεμον. Сначала написанъ сѣдалѣнъ: Τῆς ἐπελθούσης σου ὀργῆς. потомъ двѣ стихиры: Далѣе канонъ: Начало 1-го тропаря: Ὁ τῆς κτίσιν ἅπασαν παραγαγῶ τῶ λόγω σου.

φ. 337 об. — 240 об. Κανῶν εἰς ἀσθενοῦντασ. ηχ. πλδ. (8) Ιγνατ. Начало 1-го тропаря: Τῆς εὐσπλαγχνίας πηγὴ ὑπάρχων τῶν ιαμάτων δαψηλῶς.

φ. 240 об. 249 . Μηνὶ ἰαννναρίω κζ. κανὼν ψαλλόμενοσ εἰσ τὴν ἀνακομιδὴν τοῦ ἁγίου, Ιωαννв Χρυσοστόμου. φέρων ακροστιχίδα τὴν δε χριστοκύηητον ἐνιστόματεσε ἱερεῖα γεραίρων: ἐν δε τοῖς τριαδικοῖς καὶ θεοτοκίοισ τῆς α ω. καὶ τῆς γ. τῆς δ. καὶ τῆς ε. καὶ πάλιν ἀναποδίζου ἀπὸ τὴν θ. ἕωσ τὴν ε. γεωργίв: ηχ. δ. Начало 1-го тропаря: Χῶροσ εἷς, ἅπαξ, εἶδεν ἥλιον.,..

φ. 249—253. Ἕττρος κανὼν εἰς τὴν αὐτὴν ἑορτὴν φέρων ἀκροστιχίδα τὴν δε: Τὴν παγχρυσον μελπωσε, τοῦ θ̄ῦ λύραν: Начало 1-го тропаря: Τῆς ἀνεσπέρου ὅσιε αὐγης. ἀποπληρούμενος...

φ. 253—257. Ἕτερος κανὼν εἰσ τὴν αυτὴν ἑορτὴν ηχ. πλδ. (8). Начало 1-го тропаря: Χύμα. ὡσ φημὶ ο σολομῶν. καρδίασ πλάτοσ δοὺς θσ.

ВЫПИСКИ

Изъ Канонника Богородичнаго 8-ми гласовъ на каждый день 1022 г. №438. Московской Сун. Библ.

φυλ. 159 об. Ἕτερος κανων ἐις τὴν ὑπεραγίαν θκ͠ον φέρων ἀκροστιχίδα τὴν δε:

Τὴν παντάνασσαν εὐλογῶ νῦν ἑπτάκις:

Τῇ γ҃. ἑσπέρας Μητροφάνης. Τάγματα τῶν ἀγγέλων. ὡς ἀληθῶς καὶ κυρίως. μρ͠α σε πάναγνε. θυ͠ τῶν ὅλων σέβουσιν. ἀλλὰ καὶ νῦν τῶν πηλίνων. δέξαι μου χειλέων ᾠδὴν τὴν ἱκέσιον.

Ἥλιον ἐξ ἡλίου. τὸν ἀκατάληπτον λόγον ἀχρόνως ἐκλάμψαντα. ἐν χρόνῳ ἀνατετάλκας. οὗ ταῖς ἀκτῖσι παρθενε φ. 160. φώτισον, ἡμῶν τὰς ψυχὰς καὶ συνέτισον:

Νέκρωσον τῆς σαρκός μου. τὴν ἔτι ζῶσαν κακίαν. ζωὴν ἡ γεννήσασα. τὴν ἀληθῆ πανάχραντε. καὶ τῶν καθῶν καὶ πταισμάτων βράβευσον. ἁγνὴ τῷ σῷ δούλῳ τὴν λύτρωσιν:

Πρέπει σοι θκ͠ε τῶν ἐγκωμίων ὁ λόγος. ἀεὶ ἐνεργούμενος. ἀλλ' ἡμεῖς δυσωποῦμεν σε σῶσον. ἐκ πάσης τοῦ βίου θλίψεως ἁγνὴ τοὺς ἐν σοὶ καταφεύγοντας:

ὠ͠. γ҃. ὁ καταργὸς τοὺς ὑν͠ οὺς:

Ἀποδιδοῦς τὰς ὀφειλὰς. δουλοπρεπῶς εὐγνωμόνως. τῶν χαρίτων. Δέσποινα τῶν σῶν. θερμῶς ἀνυμνῶ. σὲ μῆρ ἄχραντε. λόγου τοῦ πάντων λυτρωτοῦ. ἀλλα καὶ νῦν ἐξελοῦμαι. τῶν κατὰ τὸν βίον περιστάσεων:

Νενεκρωμένον τὸν ἀδὰμ. ἐκ παραβάσεως πάλαι τῆς βελτίω. πάναγνε. ζωῆς. τὸν ζωαρχικὸν τεκοῦσα δέσποινα. λόγον ἠξίωσας σαφῶς. ἀλλὰ καὶ νῦν με θανάτου. τοῦ τῆς ἁμαρτίας ἐλευθέρωσον:

Τραχηλιάσας τῆς σαρκὸς. ὁ ἐμπαθέστατος νόμος. νῦν συνθλίβει. τὸν πν͠ικὸν. καὶ πρὸς χαλεπὰς τὸν νοῦν μου πάναγνε. ἐπιθυμίας συνωθεῖ. ἀλλ' απαθειας φυλ. 160 об. εἰρήνην. βράβευσον μοι θαττον σαῖς ἐντεύξεσιν:

Ανερμηνέυτως ἐν γαστρὶ. τὸν συνοχέα τῶν ὅλων. συλλαβοῦσα. πάναγνε χν͠. τὴν τῶν γηγενῶν οὐσίαν. ἔλυσας. ἐκ τῆς τοῦ ᾅδου κατοχῆς. ἀλλὰ καὶ νῦν πολυπλόκους. ἄρκυς τῶν φθονοῦντων με διάρρηξον:

ὠ͠. δ҃. ὁ πν͠ικοὺς κολπ. Νυκτομαχῶ. ζοφῷ τῶν δεινῶν. ἀμαυρωθεὶς τὸν λογισμὸν ὦ πύλη φωτὸς. ταῖς σαῖς αἴγλαις με καταύγασον. καὶ τῆς χαλεπότητος. ἐξελοῦ συντόμως τῶν θλίψεων.

Изъ Канонника Богородичнаго Рум. Музея XV в. № 210 л. 212—217 об.

К не. вер. како млебнь, къ пртѣи бци. гла. з. пѣ. а. Ірмо.

Мании.

Чиноке архагглъ. и къ истинѫ и къ рѣснотѫ мтрь тѧ пртѫѧ и бѧ вси чтоу. нѫ и нинѣ ѿ бренны оустѣ бце прїими нѣ млебнѫѧ пртаѧ дво:

Слнце ѿ слнцѧ не постыноє, слово безлѣтноє ис тебе въсїавшее бгородителнице дво бце. въ врѣмѧ въсїа. его зарами просвѣти влчце нша дша. и тѣло ѡсти и въразоуми:

Иже жизнь родшаѧ истиннѫѧ пртоуа. тѣмь оумртви плъти моєи и е (sic) живоущаѧ въ мнѣ моѫ злобѫ. множство прегрѣшенїи и стрте дароуи пренепорочнаѧ. твоємоу рабоу избавленїе, и оцѣщенїе:

Подобаєт ти бце хваленїє слово. въсегда дѣиствоуємо. но мы млим тѧ спси нас бце. ѿ въсакїа житенскыѧ печали пртаѧ. к тебѣ бо прибѣгаѫщии:

Пѣ. г. ірмо. и въ плаѣ:

Ѿдаѧ дл҃гы раболѣпны. пртаѧ дво. благозоумнѣ твои благодѣтели влчце. нинѣ же бце тъплѣ въспѣваѫ тѧ мти бга. бгородителнице л. 213. слова всѣ избавитела. изми мѧ ѿ житенскых настоанїи въсепѣтаѧ:

Оумрщвенна адама ѿ престѫпленїа древле къ лоучшеи жизни чтаѧ. живоначалное слово, сподобила єси ѡвѣ. нѫ и нинѣ мѧ смртнаго грѣха свобо бце бгородителнице дво:

Ожести плъти стртеи законо, нинѣ ѡскрьблѣѫт духовнаго пртаѧ дво и въ лютѣишии оумь мои печты похотѣ въвоуплѣе. нѫ и нинѣ бжїа безстртїа миръ подаи ми въскорѣ въсепѣтаѧ млтвами твоими бгородителнице:

Не исказанно. въ ѫтробѣ ѕижителѧ и съдръжителѧ всѣ, зачеши пртаѧ влчце бце дво земны соущество ѡбновила єси. и разрѣшила єси ѿ адовѣ верїи. нѫ и нинѣ, въсепѣтаѧ многоплетенныѧ пленницѧ растръгни тлѣѫщаго:

Пѣ. д. ірмо. Иже оу а. О пртаѧ бце дво, помоѕи ми ѡ всѣ, нинѣ оубо нощїѫ борѧ съ тоугоѫ люты. ѡ двери свѣта твоими лоучами ѡзари. ѿ стрте и бѣ и печалїи въскорѣ:

Αμαρτιῶν. πλήθει συσχεθείς. καὶ ταῖς σειραῖς τῶν πειρασμῶν. σφοδρῶς πεδηθείς. τὴν σὴν δέσποινα βοήθειαν. νῦν ἐπιβαλούμενος. λυτρωθείην πάσης κακώσεως.

Грѣхо мностко есмъ стѣгноу, плѣницами напастеи вѣмн ѥмь свѣза. нж нинѣ твож влуце помщ пріѕнвлж ѡкаліины. да тобож нѕбавлѣемса ѿ всѣ злъ.

Συναγωγῆς. φαύλων καὶ δεινῶν. καὶ φθονερῶν καὶ πονηρῶν ἀνῶν βουλάς. διασκέδασον πανύμνητε. καὶ πάσης με λύτρωσαι. συμφορᾶς τοῦ βίου καὶ θλίψεως.

Мти бжїа прутаа, нзми ма нѕбави ѿ съборищь злы и люты. и ѿ ѕавистны и лжавы улкъ. съвѣ разори въсепѣтаа ѿ раба твоего и въсакыа ма нзбави печали, и житїа и скрьби прно дво:

Στραγγαλιάς. λόγων τῶν ψευδῶν. καὶ συσκευὰς τὰς κατ' ἐμοῦ τῷ ξίφει τῶν σῶν. πρεσβειῶν σύγκοψον δέσποινα. καὶ θᾶττον διάλυσον. καὶ παντοίας ῥῦσαί με θλίψεως.

Бце дво нзми ма ѿ развращенїа злы слове лжикы. и ѿ дѣиства неправены улкь иже на ма воюющи. погоуби мечь твои млткъ. и исцѣли влуце, и въскорѣ раздроушии препепорочнаа, и въсакыа печали съхрани:

ѡ̃. ε̃. Νὺξ ἀφεγγὴς ταῖς ἀπίστοις.

Пѣ. ѥ. ірмо нощ не свѣлаа.

φυλ. 161. Ἀκαταμάχητον τεῖχος. ὑπάρχουσα τῶν πιστῶν. σκέπη γενοῦ τῷ δούλῳ σου καὶ ἀπὸ πάσης. σφοδρᾶς παρθένε. ῥῦσαί με λύπης καὶ κακώσεως.

Въсепѣтаа бце, нао непобѣдимаа си стѣна твръда соущи вѣрны. и покро бжді ми рабоу твоемоу. и ѿ въсѣкыа бѣды пжныа дво. нзбави печалїи, и ѡзлобленїа бгородітльнице:

Νοσηλευόμενος. σφόδρα. καὶ καταμφοῖν χαλεπῶς. κεκακωμένος πάναγνε, ψυχῆς τὴν ῥῶσιν. ἐκ σοῦ δεξοίμην. ταῖς σαῖς πρεσβείαις καὶ τοῦ σώματος.

Влуце мти бжїа нинѣ недѹгоуж ѕѣло ѿ обою странноу лютѣ озлобленъ ѥмъ прутаа. дшевнжа и телеснжа прїи силоу. нж и паче твоими млтвами оукрѣпи ма:

Ἐν τῷ πελάγει παρθένε. τῶν οἰκτιρμῶν σου καὶ νῦν. προσπεφευγὼς ὁ δοῦλος σ8. τῆς συνεχούσης. βουλῆς ἀδίκου. ἐκλυτρωθείην καὶ κακώσεως.

Въ поучинж дво щедро твои. нинѣ прибѣго рабъ твои. ѿ одръжащаго ма съвѣта неправена. да нзбавльса ѡзлобленїа въсепѣтаа:

Ὑπέρφερές σου τὸ κάλλος τῶν πρεσβειῶν πανταχοῦ. παρθενομῆτορ ἄχραντε. δι' ὧν καὶ νῦν με. παντοίας ῥῦσαι τῆς ἐν τῷ βίῳ περιστάσεως.

О мти біа бце мріе бгородітльнице. превъзносима ѥ слава твоа твои млткъ повъсж прутаа. ими ма нинѣ нзбави въсакого житеискаго настоанїа:

ѡ̃. ς̃. Ναυτιοῦντα σάλῳ.

Пѣ. ѕ. ірмо. Влънаще: Бце прутаа реченїа пррки, и всѣ слове тебе вѣрно въсхвалаж, мти бжїа и улвкь всѣ дльг. рождьство твое явѣ разрѣше. но нинѣ дво утаа, пѣке твои прїими млъбж и нзбави всѣ нскоушенїи. бѣ и печалїи и скрьбїи:

Λαλιαὶ καὶ λόγοι. πάντων σε πιστῶν εὐφημοῦσιν. ὡς ὅλον τὸ ὄφλημα τῶν ἀνων. τῷ τοκετῷ σου σαφῶς ἀποτίσασαν. ἀλλὰ καὶ τὰ νῦν τὸν ὑμνῳδόν σου. πρόσδεξαι λητ. καὶ ῥῦσαι [1]) πειρασμῶν καὶ θλίψεων.

Ὀδυνόμενον με. καὶ ταῖς τῶν παθῶν καὶ παισμάτων. ἀκάνθαις κεντούμενον. καὶ ζητοῦντα. τὴν παρὰ σοῦ θεραπείαν πανάχραντε. πάσης ἀλγηδόνος τε καὶ λύπης. λύτρωσαι καὶ ῥῦσαι φ. 161 об. πειρασμῶν καὶ θλίψεων.

Болаща ма стртны и грѣховны трънїе бодомѣ нщжща во ѥ ѿ тебе цѣлебъ прутаа, и въсакыа болезни изми прутаа, и нзбави на ѿ въсакы печалїи, и скръбїи въсепѣтаа бце:

Γηγενῶν τὴν φύσιν. εἰς τὸν οὐνὸν θχε. προδήλως ἀνήγαγες γεγονυῖα. τοῦ βασιλέως τῆς δόξης παλάτιον. διό με βυθοῦ πολλῶν πταισμάτων. καὶ τῶν πειρασμῶν καὶ τῶν παθῶν ἀνάγαγε.

Ѕемнорадны ѥства, на нбо бце. проявленно възыде. бывшїа црѣ славы полата. тѣмь ма безны многы прегрѣшенїи и напастеи. и ѿ стртїи ма възвеі млтви:

ѡ̃. ζ̃. οἱ καμίνῳ τοῦ π.

Пѣ. ѕ. Ірмо. иже въ пещь:

Ὤρα ἰσμένη κροσσωτοῖς. τῆς ἁγνείας ἄχραντε κόρη. ψυχῆς. ἐμῆς νῦν μετάβαλε. τῆς κακίας τὸ αἶσχος. πρὸς θεῖον κάλλος. εὐλογημένη δέσποινα. προστασία τοῦ γένους ἡμῶν.

Оукрашенна ресмами чистоты препепороунаа отроковице. дшж мож нинѣ претвори ѿ скврненныа злобы. и къ бжтвнѣи добротѣ бжественаа влуце престатѣнице родѹ нашемоу:

Νεανιεύονται καὶ νῦν. ἐρινύες. δαίμονες ἄγαν. καὶ πῦρ παθῶν μοι πρὸς ἅπτουσιν. ἀλλὰ μᾶλλον ταῖς αἴγλαις τούτους εἰς τέλος. τῶν οἰκτιρμῶν σου σύμφλεξον. προστασία τοῦ γένους ἡμῶν.

Влуце мти бжїа. свръжжащаа нинѣ злобы бѣсовскїа. ѕѣло и огнь стртеи ма въжигаж нж паче бце твоими зарами. нзбави ма си доволна щедротами своими попали. престательнице родоу хрїанскомѹ:

---

[1]) δεξαι λητ. καὶ ῥῦσαι по скобленому писано.

Ὑπὲρ ἡμῶν τὸν σὸν υἱὸν ἱκετεύειν. ἄχραντε μῆρ. θῦ. μὴ παύσῃ τὸ σύνολον. δια τῶν πρεσβειῶν σου. τῶν ἀνθρωπίνων. ἐξαιρουμένη θλίψεων. καὶ δεινῶν τοὺς οἰκέτας τοὺς σούς.

ῳ̄. η̄. Τὸν ὄντως ὄντα θν̄:

Χομάδες ὄντως παθῶν. καὶ πολυτρόπων κυκλοῦσι δέσποινα. δεινῶν τὸν σὸν οἰκέτην ἀλλὰ λύτρωσαί με παντοίας φ. 162. ἐπηρείας.

Ἐλθέτω νῦν ἐφ ἡμᾶς ἡ κραταία σου παλάμη δέσποινα. καὶ τῆς προσδοκωμένης. ἀνθρωπίνης λύπης. ἐκλυτρωσάτω ἡμᾶς:

Παγίδας τῶν πονηρῶν. καὶ κακοβούλων. ἀν̄ων σύντριψον. ἁγνὴ θεοκυῆτορ. καὶ τὸν σὸν οἰκέτην. παντοίων ῥῦσαι δεινῶν.

Τὴν μόνην οὖσαν πιστῶν. λιμένα θεῖον παρθένε πάναγνε. λιτάζω σε ῥυσθῆναι τῆς ἐν τῇ θαλάσσῃ. τοῦ βίου ζάλης πικρᾶς:

ῳ̄. θ̄. Τὴν ὑπὲρ φύσιν μρ̄α:

Ἀποσκιρτήσας ὡς πῶλος. τῶν ἐντολῶν τοῦ δεσπότου. κημῶ σου τῶν πρεσβειῶν. ἀνθελκυσθείην. πάναγνε πρὸς ὁδοὺς. τῆς σπουδαίας καταστάσεως:

Κατολοφύρομαι σφόδρα. κατολισθαίνων ἀβούλως. πρὸς πράξεις τὰς πονηρὰς. τῆς ἁμαρτίας. λύτρωθαι τῆς τροπῆς. θκ̄ε με τῆς χείρονος:

Ἴαμα πρώην δειχθεῖσα. τῆς ἀνθρωπίνης οὐσίας. ἴασω τὴν συντριβὴν. ἀδὰμ καὶ εὔας. ἴασαι δὲ καμὲ. θκ̄ε σαῖς ἐντεύξεσιν.

Σώφρονα νοῦν μοι παράσχε. καὶ καθαρὰν δὲ καρδίαν. καὶ γνώμην προσεκτικήν. ἵνα φυλάττω. Δέσποινα τὰς σεπτὰς ἐντολὰς τοῦ θῦ ἡμῶν:

Сн҃а своего прѹ҃тал ѡ на҇ малѧщи м҃ти б҃жїа. не пресстаи ѿнж҇ матками твоими. ч҃лкы, изимажщи҇ печалїи и вк҇ рабы свод. б҃це ч҃тал д҃во:

Б҃ъ пресжщиы ѿ тебе б҃це пл҃ъ прїа҇ непреложно, и ч҃лкъ бы. да спсе҃ д҃во пожщал. баки҇ъ ило҇ твоего чрева ч҃та҇л:

Пѣ҃. н҃. ирмо҇. несщи҇ы стр.

М҃ти б҃жіа ч҃тал б҃це избави, нажити въ истинж страшиыа, и многообразиыа, окржжа҇ж вач҃це твоего раба. нж съхрани ма въсѣкаго зла исксоушенїа:

Б҃це д҃во м҃ти б҃жїа и да прїиде҇ ин҃ѣ на на҇ дръжавнаа ти д҃ла прѹ҃тал и чаемы҇ ч҃лускы҇ скрьби и да избавиши на҇:

М҃ти б҃жїа прѹ҃тал помоѕи ми съвѣты лжкавы҇ и зло-съветны҇ ч҃лкъ съкроуши бг҃ородїтълнице и твоего ин҃ѣ раба въсѣкыа ма избави нжда:

Єдиносоущиое прїателище вѣрны҇. бжтвиыи покро҇ д҃во ч҃тал. мл҃ѣ та избавити ма соущал въ мори житїа боура горкыа:

Пѣ҃. ѳ҃. ирмо҇. Радиса невѣста свѣ҃:

Ѿиграваса ѣко҇ жребе҇ ѿ заповѣдеи влкы х҃а, истинаго б҃а иш҃го. бразами твои҇ матвѣ да въздвигижса прѹ҃тал. въ пжти скораго оустроенїа въсенѣтал:

Б҃це д҃во м҃ти б҃жїа изми ма. изваско҇ є҃мъ ѕѣло мнозтво҇ прегрѣшенїи попоѡзнове҇ є҃мь неразоумиы҇ къ дѣланїю лоукавоу грѣ҇ мои҇. нж ин҃ѣ избави б҃це прелонїа ма пренепорочнаа мене грѣшнаго:

Цѣленїе и врач прѹ҃тал бг҃ом҃ти бж҃їа пръвое авлъши҇ ч҃лчкаго сжщства исцѣливша адама прежда (sic) і евгж прем҃трь съкроушенїе. исцѣли҇ и мене ин҃ѣ, б҃це твоими матвами. и помози иро д҃во:

М҃ти бж҃їа прѹ҃тал б҃це съхрани ма. цѣломжрь҇ ми оумъ да҇ что же ср҃це и разумъ смотрелнвъ. и да съхрана прѹ҃тал вач҃це пр҃ыа заповѣди истинаго б҃а мое҇:

Изъ Канонника № 468. Сунод. Библіотеки XV в. л. 134—138 об.

φυλ. л. 219. Κανὼν ἱκετευτικος ψαλλόμενος εἰς ἀνομβρίαν. ῳ̄. α΄. ηχ. πλδ. (8). τῷ ἐκτινάξαντι:

Τῷ ἐν ἀρρήτοις λόγοις προνοίας. πάντα διέποντι θῷ. πλήττοντι καὶ πάλιν φ. 219 об. ἰωμένῳ προσπέσωμεν. ἱλεωθῆναι ἡμῖν. ἐν τῇ παρούσῃ. ὀργῇ τῆς ἀνομβρίας.

Τῆς πρὸς τὸν νῶε σου διαθήκης. οὐκ ἐπιλήσμων ὁ θσ̄. ὕδατι οὐφθεῖραι πᾶσαν σάρκα ἐκθέμενος. μὴ κλείσῃς τοὺς οὐν̄ους. ὡς καὶ ἐνταῦθα ἡμᾶς ἀλλοιωθῆναι:

Τῷ ὀφθαλμῷ σου τῷ πανθεάτῳ ὁρῶν τον μέγα σου κλῆρον. ὑπὸ τῆς παρούσης σου ὀργῆς συντριβόμενον. τὸ οὖς σου κλῖνον σῆρ. καὶ ἐν ἐλέει. ἐπίσκεψαι τὴν γῆν σου.

Πᾶσα ἡ κτίσις ἀναβοᾷ σοι. ἐν ἀλαλήτοις στεναγμοῖς.. τὴν ἐξ οὐν̄οῦ ὀμβροφορίαν αἰτοῦσα σε. σπλαγχνίσθητι ὁ θσ̄ καὶ πέμψον ὕδωρ. ἐτήσιον τῇ γῇ σου:

Канонъ нѣвлемыи в бездождїє гла҇. н҃. пѣ҇. а҃.
ірмо҃. истрасшемꙋ.

Неизреченными словесы промысломъ вса правлщемоу б҃оу. поражьшемоу паки и исцѣлающомꙋ. прииадемъ смилитса на ны. и ѿкратити пришедшїи гнѣвъ бездождїа:

Къ ноеви твоего завѣта. не забывай бж҃е водою растлити. всакаго плода (sic) заповѣдавь. не затвори н҃бсъ. ѣко ѿсоудꙋ. имъ погибноути:

Окомъ си всевидиымъ. вида великое свое наслѣдїе ѿ соущаго гнѣва скроушаемо и оум҃трдиса б҃е. и поусти дождь волный земли:

Τὴν ἐν τριάδι καὶ ἐν μονάδι. ἀνυμνουμένην εὐσεβῶς. ἄναρχον θεότητα πιστοὶ προσκυνήσωμεν. ὡς τρία οὖσαν καὶ ἕν. διῃρημένην ὁμοῦ καὶ ἡνομένην.

Τὴν θεοσύμμαχον σου πρεσβείαν. τῶ προσκειμένω σοι λαῶ. ἐν ἱκετηρία ἐκτενεῖ χρῆσαι δέσποινα. δοθῆναι ὕδωρ τῆ γῆ τῆ τοῦ υἱοῦ καὶ θῦ σου εὐδοκία.

Бгопоспѣшною мл҃твою прилежащимъ тн людемъ. млєбнымъ прилежанїемъ. прїими влч҃це. подати водꙋ ꙁемлї Сн҃а и Бг҃а твоего блгоколенїемъ.

φ. 220. ὠ. β΄. Ὅτι ἐγώ εἰμι ὁ θσ̄ ὑμῶν. ὁ πρὸ τῶν αἰώνων.

Ὅτι ἐγώ εἰμι ὁ θσ̄ ὑμῶν. ὁ σταθμοῖς δικαίοις. σοφῶς πάντα κυβερνῶν. ὁ παιδευτική μου βακτηρία μαστίζων ὑμᾶς. ἐξαίρων ἐξ ἐγκλημάτων. ὡσ υἱοὺς μου φιλητούς. εἰμὶ πῦρ γὰρ ὑμῶν.

Κε̄ κε̄. ὁ ἡλίου φωνῆ τοῦ προφήτου σου. οὐνοὺς συγκλείσας. τοῦ μὴ δοῦναι ὑετόν. καὶ ἐν ἀγαθότητι σου πάλιν πρὸσλύσας αὐτούς. μετάβαλε τὴν ὀργήν σου. καὶ ἀπόστειλον ἡμῖν. εἰρηνικοὺς ὑετούς.

Νεφέλας ὁ ἀνάγων. ἀπὸ ἐσχάτων γῆς. σὺ εἶ κε̄. ἀστραπὰς πληθύνων. ὑετίζειν σου τὴν γῆν. δὸς αὐτῆ καὶ νῦν τὸν ποτισμὸν εἰς τροφὴν ἡμῶν. ἀνοίγεις γὰρ σου τὴν χεῖρα. καὶ ζῶον ἅπαν ἐμπιπλᾶς. εὐδοκία σȣ:

Ἔγνωμεν ἔγνωμεν. ὅτι θσ̄ ἡμῶν σὺ εἶ κε̄. ὁ σὺν τῶ πρ̄ί σου. δοξαζόμενοσ υἱός. καὶ μετά τοῦ πν̄ς ἀεὶ προσκυνούμενος. ἀμέριστος. γάρ ὑπάρχει. ἡ τριὰς κἂν ἐσαρκώθης ἐκ παρθένου μρ̄ς:

Πύλη ἀσύλητε. πύλη παναμωμε. πύλη ἔνδοξε. πύλη σφραγισμένη πύλη ἄχραντε σκηνῆ. πύλη ὁδιώδευτε καὶ
φ. 220 об. πύλη τῆς ὄντως ζωῆς. πύλη τῶν σωζομένων. πύλη δέσποινα ἡ πύλη τοῦ δεσπότου χ̄ῦ.

ὠ. γ̄. στερέωμα μȣ. σ̄ῆρ υπ.

Пѣ. г҃. ’ірмѡ. Оутвержи (sic) рꙋкою.

Βροντῶν ἀσρτάπτων καὶ συγνωφάζων. ἔσω πολύελεε κε̄. ὑετὸν ἡμῖν ἐκπέμππων. ἐτήσιον εἰς ἀνάψυξιν, ἐπὶ πολὺ κορέννυντα τὴν ὑπὸ οὐνον.

Грома и блистаѧ. и помрачаѧ вноутрь многомлт҃ве тн҃. дождь намъ доволный подаѧ на оутѣшенїе много. насыщающе поднебеснꙋю:

Ὁ μεταβάλλων. ἄερων κράσεις. καὶ ὕδωρ τῆ γῆ προσκαλούμενος. ἐκουσίαν ἀφορίσαι. βροχὴν ἡμῖν καταξίωσον. κληρονομία γάρ ἐσμεν ἡμεῖς σου χε̄:

Прелагаѧ воꙁдꙋхоу растворенїѧ. и водоу ꙁемли призываѧ. волны ѿлоучити. дожда намъ сподоби. наслѣдїе бо есмы твоє спсе: [1])

Παστὰς ἁγία. κῦ θρόνε. ἡ τῶν χερουβὶμ ὑπεράξιος. τὴν συνήθισου πρεσβείαν. νῦν ἡμῖν ἀπὸχάρισαι. ὕδωρ τὴν γῆν ἀρύσασθαι πανύμνητε:

Чертоже стын бж҃їи, и престоле херовимъ недостоиныи. ѡбычною ти млтвою. и нн҃ѣ намъ дароуи водоу ꙁемли. поучѣти всепѣтаѧ:

ὠ. δ̄. Ἐξ ὄρους κατασκίου:

Пѣ д҃. ’Ірмо. ’Иꙁ горы пресѣнны.

Σημεῖα. τῆς ὀργῆς σου φέρουσα ἡ κτίσις. ἔκδηλον ἡμῖν ποιεῖ τὴν ἁμαρτίαν. φεῖσαι οὖν κε̄ φεῖσαι. καὶ διὰ τοῦτο ὕδωρ ἀπόστειλον διψώση γῆ.

[2]) **Ꙁнаменїе гнѣва твоего носащи тварь. ꙗвѣ намъ гнѣвь творить. пощади оубо гн҃и пощади. и того ради посли дождь жаждоущей ꙁемли:**

Τὴν ἐξ οὐνῶν ἡ γῆ αἰτῆσαι δρόσον. ἵνα τὸ οἰκεῖον πρόσωπον μὴ φθείρει. ὁ ἀνεκαίνισας κε̄ ἐν παρθένω. ὡσ ἐπὶ πόκον ὑετος καταβάς:

Съ нбси проси ꙁемлѧ росы. да своего лица не погоубить. ѥѧ же ѡбновилъ еси гн҃и. ꙗко дождь на рꙋно сшедши:

Εὐδόκησον ἐν ὄμβροις κε̄ τὴν γῆν σȣ. φ. 221. ἵνα ψαλμικῶς. ᾠδὴν σοι ἐκβοῶμεν. ὅτι χρηστότητα ἔδωκασ ὡσ οἰκτίρμων. καὶ τὸν καρπὸν ἡ γῆ ἀπέδωκεν.

Блговоли гн҃и гнѣвъ свой премѣнити. да аглъскоую (надо: **псаломски**) **пѣ ꙁовє. благть далъ еси ꙗко щедръ. и ꙁемлѧ дастъ плодъ свой.**

Ἄναρχε τριάς. ἀμέριστε οὐσία. σύνθρονε μονάς. ἀχώριστε τῆ φύσει. ἡ ὑπὲρ ἄρχως δόξα. καὶ βασιλεῖα. σῶζε τοὺς πίστει ἀνυμνοῦντας σε:

Πάντων πρὸς θν̄. ἐγγύτερον σε οὖσαν ἔχοντες ἁγνή. μητρῶαν παρρησίαν. ἐκδυσωποῦμεν προσάξαι. τούτω πρεσβείαν. τοῦ ἐπισκέψασθαι. ἐν ὄμβροις τὴν γῆν.

Всѣхъ к бо҃у ближьши соущи, имоущи чтаѧ мт҃рьне дерꙁновенїе. молимсѧ тебѣ принести млтвоу и посѣтити тꙋчами ꙁемлю:

Пѣ є. ’ірмо. оутреннюющє (sic).

ὠ. ε. ȣκ ἔστι ἅγιος. Ὀρθρίζει τὸ πν̄α μου. πρὸς σὲ χε̄ ὁ θσ̄. διότι τὰ προστάγματα τῆς σῆς παρουσίας. ἀλλ' ἐν αὐτοῖς καταυγάσας. τὸν νοῦν ἡμῶν δέσποτα. ὁδήγησον ἐν τρίβω ζωῆς.

---

[1]) Въ Каноникѣ есть 3-й стихъ: **пресыханїе росою створи. при Гедеѡнѣ прр҃цѣ твоемъ. ꙁемлю свою нивлажноу вида спсе нашь нн҃ѣ ꙗви южное морѣ теченїемъ дожда.**

[2]) Въ Каноникѣ это 3-й стихъ.

Τὸ θεῖόν σου πρόσταγμα. ἐπωδίνουσα ἡ γῆ. ὑετὸν ἐξαιτεῖσε. φιλᾶνε κε̄. ἵνα καρπογονοῦσα. τὸν αἶνον προσάξει σοι. δι᾽ ἡμῶν τῶν δούλων σου:

Бжтвеное твое повелѣнїе. болѣзноующи земля. дожда проситъ чл҃колюбче. да плодносящихъ хвалу приноситъ ти нами рабы твоими:

Ὁ κλείσας τὴν ἄβυσσον. τοῦ οὐνίου ὑετοῦ. καὶ διανοίγων ἐνμέτρως. τὴν γῆν σου ἀρδεύεσθαι. μὴ συνέξεισ εἰς ἅπαν. καὶ φθείρεις τὸ πλάσμα σου. φιλάνε κε̄:

Сътворивыи бездноу нбнаго дожда ѿврьзаѧ в мѣру. землю свою напоити. не свери во всю. не растлѣвши созданїе свое чл҃колюбче:

Σὺ ὕδωρ ἔδησας. ἐν νεφέλαις καὶ τὴν γῆν ὁμοτίμωσ κατέσπειρας. θεὲ πολυέλεε φυλ. 221 об. τῇ σῇ καὶ νῦν εὐδοκίᾳ. τό τόξον ὀφθήτω σου. ὑετὸν ἐπάγων τῇ γῇ.

Ты водоу заказалъ еси во ωблацѣ. и землю напоилъ еси тоучами. бе многомлтве. твоимь нпѣ блгоколенїемь доуга явится. и дождь наводиѧ землю:

Τὸ μέγα κραταίωμα. τῶν πιστῶν ἡ πρόσφυγή. θεοτείχιστος πόλις. τοῦ πάντων βασιλέως. τὸν υἱόν σου δυσώπει. ὕδωρ ἀρύσασθαι. καὶ ποτίσαι. πᾶσαν τὴν γῆν.

Велїе оутвержениїе. и вѣрным прибѣжище, бгоωгражденный гра твой. всѣ цртвующаго, и настоящаѧ бѣды рабы своя оущедри. и избави млтвами си всенѣтаѧ гже бїе.

ᾠ. ε̄. ὡς τὸν προφήτην ἐρ.:

Пѣ е҃. Яко прр҃ка Іωи.

Ὁ συνταράσσων τὸ κύτος. τῆς θαλάσσης καὶ βρέχων ἐκ ταύτης τὴν γῆν. τοὺς ἄυλακας μέθυσον. πλῆσον τα γενήματα. εὐφρανθήσεται τούτοις ἀνατέλλουσα:

Смоущаѧ ширпноу морьскую. и ωдождаѧ ѿ него землю. и бразды напой. и исполни жита. да возвеселится сими возпмющи:

Μὴ ἐν ἀρᾷ ἡμῖν ἔστω. οὐνὸσ χαλκίζων ὑπερ κεφαλῆς. εἰ καὶ προσεπταίσαμεν. τῷ νόμῳ σου κε̄. ἀλλὰ δὸς τῇ γῇ σου. εὐλογίας ὕδωρ πιεῖν.

Да не в клятвоу вамъ боуди. нбо мѣдяное превыше главы. аще и согрѣшихѡ. законѹ твоемѹ. гн҃ землю свою посѣти. плѡ посящоую на пищоу рабомъ твоимъ [1]).

Ὁ τετοκὼς βόλους δρόσου. τῷ φρικτῷ σου προστάγματι κε̄. τὴν γῆν σου ἐπίσκεψαι. καὶ ὕδασιν μέθυσον. τοῦ καρποφορῆσαι. τὴν τροφὴν τῶν δούλων σου.

Ἐν ὑμνῳδίαις σε πάντες. λιτανεύομεν δέσποινα πρόφθασον καὶ ἀπὸ κατάλλαξον. ἡμᾶς πρὸς τὸν κν̄. ταῖς πρεσβείαις σου. ἐκ παντοίων θλίψεων:

Пѣми тебѣ вси молимся. влцѣ твари. оумири насъ к боу. внегда даровати. побныя тоуча земли:

ᾠ. ζ̄. ὁ τοὺς παῖδας δροσίσας:

Пѣ. з҃. Ірмо. основавый землю (sic).

Ὁ τῷ πυρὶ τῆς ὀργῆς σου. τὴν γῆν φλέγων. φ. 222. καταλλάγηθι ἐν τάχει. τὸ οὐνῶν ὕδωρ ἐκπέμψας. εὐ ἐ͂ι κε̄.

Огнемъ гнѣва твоего. землю попаляѧ. воскорѣ прсмѣнисе нбноую водѹ попоущаѧ блгве...

Τοὺς οὐνίους ἀνοίξας καταρράκτας τῷ ἐν μέτρῳ σταθμῷ σου. τὸ χρειῶδες παράσχου ὕδωρ. τῇ γῇ σου τάχει κε̄. ὁ θσ̄ τῶν πρων ἡμῶν:

Нбныя ѿверзъ хляби. мѣрным ти ѐставилѡ. потребноую подай же водоу земли своей. блвенъ еси гн҃ бе.

Ο ἐκμετρῶν τοὺς σταγόνας τῶν ὑδάτων. ὑετὸν ἡμῖν πέμψον. τὸν ἐτήσιον σῶρ. οἰκτίρμων. εὐ ἐ͂ι κράζουσιν.

Ислчаѧ капля вѡныя. дождь намъ поусти. побныя. спсе щедрыи. блгвенъ бъ:

Ὁ ἀπροσμάχητος ὄντως προστασία. ἐπιτάχυνον σῶσαι τὸν λαὸν σου ἁγνὴ παρθένε. ἐκ τῆς παρούσης θραύσεω τοῦ θῦ τὸν πάντα λαόν.

Невосбраниаѧ во истиноу застоупнїце. оускори спти люди своя. чтаѧ дво. ѿ соущиѧ скорби:

ᾠ. η̄. Τὸν ἐν ὄρει. ἁγίῳ δοξασθέντα.

Пѣ. и҃. Ірмо. Проявленаго на горѣ.

Ὁ ἐξάγων. ἐκ θησαυρῶν ἀνέμους καὶ πηγάζων. ὑετοὺσ χειμερίους. ἐαρινὴν βροχὴν ἡμῖν κατάπεμψον. κε̄ τῆς δόξης. ἵνα σε ὑμνοῦμεν. εἰς π:

Извода ѿ сковищь вихры и тоуча дождевныѧ. зимныя и лѣтныя намъ поусти. гь славы. да тя славимъ в вѣки.

---

[1]) Въ Канонникѣ 4-й тропарь 6-й песни: Телесемъ же и дшамъ врачя рождшиѧ. болѣзни разрѣшаеши дшамъ вѣдуще. тѣмже и оуранєнїе болѣзни сиѧ ωвища. разрѣши молимся.

Ὁ ἐκ πέτρας. ὕδωρ πάλαι ἐκβλύσας. καὶ ποτίσας. διψῶντα. τὸν λαόν σου. οὕτως καὶ νῦν σῆρ ἡμῶν κατάπεμψον. ὕδωρ τῷ λαῷ σου. ἵνα σε δοξάζει εἰς π:

Іс камени древле водоу источи. и напоивый жажоущыя люди своя. ѿ ѡблакъ твоих водоу мирови источи. гь славѣ. да тя славимъ въ вся вѣки:

Κατηροῦσαν τὴν γῆν ἐξ ἀνομβρίας ἐπιβλέπων. ὡραίωσιν δι' ὄμβρων. ὅτι πάντα καλὰ λίαν τὰ ἔργα σου. κε τῆς δόξης. ἵνα σε ὑμνοῦμεν εἰς π.

φ. 222 об. Πρὸ ἀνάρχου. σοῦ τῆς μεῖζον ἀπάντων. μετ ἀγγέλων. πανδημεὶ καὶ ἁγίων. λιτὰς ὑπὲρ ἡμῶν θῷ προσάγαγε. Δέσποινα τοῦ κόσμου. ἵνα καταπέμψει. ὕδωρ τῇ γῇ διψώσει:

Преже начинающе тебе болшꙋ всѣхъ со агглы и съ всѣми стыми. молбꙋ приносяще. владчце мирꙋ. да поустить водоу. земли жаждоущей гже: [1])

ᾠ. ϛ. τὸν προδηλωθέντα:

Пѣ ѕ. Ірмо. проявленаго.

Ἔντειλαι νεφέλαις σῆρ ἡμῶν ὑπὲρ ἀνῶν. καὶ ἀνοίξας θύρας. τὰς οὐνίους ἐν τάχει. βρέξον ὕδωρ ἐπὶ τῆς γῆς σου σβεννύων. τὸ τῆς ἀπειλῆς σου παμφαέστατον πῦρ.

Заповѣжь ѡблакомъ спсе нашь превыше и ѿврьзи двери нбныя вьскорѣ. ѡдожди водꙋ на землю твою. всесъпѣдающии ѡгнь:

Σὺ τὸν ὑετὸν κατασχὼν. τὴν γῆν κατεφλέξω. ἀλλὰ φεῖσαι κε. καὶ βρέξον ἐπὶ ταύτην. καὶ μὴ μία μερὶς βραχήσεται μόνον. ἀλλὰ πᾶσαν αρδην ἐπευλόγησον:

Ты оудержа дождь землю попаляя. но пощади гй. и ѡдожди землю свою. да не едина тоуїю часть измоуеть. но всю напои млимся:

Ἴδε ὁ θς ἐπὶ ἅπαντα τὸν λαόν σου. ἐπὶ βρέφη θηλάζοντα. νέους τὲ καὶ πρεσβύτας. κτήνη καὶ γῆς. τὸ ἀνάστημα ἅπαν. καὶ παρακλήσεις βρέξων βροχὴν ἐπὶ γῆς.

Возри бе на вся люди своя. на младенци ссоущыя. на юныя же и старыя. и на скоты же и на землю. и на стяжанїе всякое. оумлрдися бе. и поусти дождь на землю:

Στῆσον τὴν ὀργήν σου παιδεύσας ἡμᾶς ἀξίως. τὸν γὰρ φόβον σου Δέσποτα. οἱ δοῦλοί σου λαβόντες. ὁμολογοῦμεν τὰς ἐντολάς σου φυλάσσειν. ἐλευθερωθέντες τῶν παρόντων δεινῶν.

Στῆθι καὶ ἐξίλασαι ὑπὲρ ἡμῶν παρθένε. φυλ. 223. τὴν ὀργὴν ἐπίσχες. τῇ κραταιᾷ σου πρεσβείᾳ. ὅτι σὺ ἡμῶν καταφύγιον μέγα. ἐν ταῖς περιστάσεσιν ὑπάρχεις ἁγνή.

Востани и оумоли за ны бце. и гнѣвъ оудержи. крѣпкою млткою. яко ты наше прибѣжище. велїе в напастехъ еси прчтая:

Ἕτερος κανὼν ψαλλόμενος εἰς σεισμὸν φερ. ἀκροστ. τὴν δε. ὦ χε τῆς γῆς, τὸν κλόνον παῦσον τάχος.

Изъ Октябрской минеи XV — XVI в. моего собранія [2]) л. 175. 176.

ᾠ. α. ηχ. πλβ. (6.) ὡς ἐν ἠπείρῳ πεζέ.

Кано трусꙋ гла. ѕ. пѣ. а. Ірмо. яко по соухоу ходивъ.

Ὡς φοβερᾷ ἡ ὀργή σου. ἐξ ἧς ἡμᾶς. ἐλυτρώσω κε. μὴ συγχώσας ἐν τῇ γῇ ἅπαν τὸ ἀνάστημα ἡμῶν. εὐχαριστῶς σὲ διὸ. ἀεὶ δοξάζομεν.

Яко страшенъ гнѣвъ твои. ѿ него же насъ избавилъ еси гй. не погребъ въ земли все движенїе наше. тѣ благодарствено тя прно славимъ:

Χαίρων ἡμῶν καθ' ἑκάστην. τῇ παντελῆ. διορθώσει δέσποτα ὥσπερ φύλλον εὐτελὲς. διασείεις ἅπασαν τὴν γῆν. εἰς τὸν φόβον σου πιστοὺς. στηρίζων κε.

Радоуяся нашемꙋ вьсноу конечномоу исправленїю влко. яко же листъ хꙋдъ колиблеши всю землю. въ стрх твои вѣрныя оутверди гй.

Ῥῦσαι σεισμοῦ βαρυτάτου. πάντας ἡμᾶς. καὶ μὴ δῷεις κε. ἀπολέσθαι παντελῶς τὴν κληρονομίαν σου. πολλοῖς. παροργίζουσαν κακοῖς. σὲ τὸν μακρόθυμ.

Избави трꙋса тяжкаго вст нх. и не дай же погибноути до конца наслѣдїю твоемоу. многими прогнѣвавше тя злыми. твоимъ долготерпѣнїе:

ϛ. Ἱκετικῶς σοι βοῶμεν. μῆρ θυ. τὰ συνήθει σπλάγχνα σου. ἐπὶ πόλον καὶ λαὸν. συμπαθῶς δεικνύουσα. σεισμοῦ βαρυτάτου καὶ φθορᾶς ἡμᾶς ἀπάλλαξον.

Рабьскы тебѣ вопиѥ мти бжїя ѡбычныя млти твоя. на грд и люди. млтивно показоующи. троуса тяжка. и тля на избави:

---

[1]) Въ Канонникѣ 4-й тропарь: Небо и море, и ѡблаци и воды ниѣ земными. лютѣ оуставляются намъ ѡблачающе. жительство лоукавое. яже ветхия низложивши вражды. средостенїе и оустамленїе.

[2]) Въ рукописи Октябрской минеи 1096. г. и двухъ XIV в. Син. Тип. Библіотеки сего канона нѣтъ; нѣтъ его въ минеи Октябрской XII в. съ крюковыми нотами Син. Библ.

ῳ̂. ε̃. ὅτι ἐγὼ εἰμὶ θσ̃. ὁ μάννα.

Σείσας προσβλέψει σου. πᾶσαν τὴν γῆν παμβασιλεῦ. ἐνέβαλες εἰς φόβον η..... φυλ. 223 об. τὰς διανοιας. ἀλλ᾽ ἄνες δέσποτα οἰκτίρμον τὴν ὀργῆν σου. μὴ δώεις. παντελῆ ἀφανισμῶ τὸν σὸν λαόν.

Τίς δυσωπείσῃ σε. ὑπερ λαοῦ παντοδαπῶν. αἰσχύνη ὀφλημάτων. ἀεὶ καλυπτομένου. καὶ ἀπολέσθαι προσδοκόντος τῇ ὀργῇ σου. ἐξ ἧς ἡμᾶς χε̃. τοὺς σοὺς οἰκέτας ἐξελοῦ.

Ἔδειξας τὸν φόβον. τὸν σόν. χε̃ τῇ φοβερᾷ. προσβλέψει σου σαλεύσας. τῆς γῆς τοὺς θεμελίους ἀλλὰ συνήθως πάλον δεῖξον ἐλεήμων. τὸ ἔλεος τὸν σόν. μὴ ἀπολλυμεθα δεινῶς.

Τίς ἄνευ σου μόνης. δύναται ἄχραντε ἁγνή. θν̃ ἀγανακτοῦντα. καθ ἡμῶν καταλλάξαι. διὸ δυσώπει παναγία. παῦσαι τάχος. τὸν κλόνον τὸν τῆς γῆς. γεννόντα ὄλεθρον ἡμῖν.

ῳ̂. γ̃. οὐκ ἔστιν ἅγιος ὡς σύ.

Ἡ γῆ μαστίζεται ἡμῶν. σε̃ρ ἁμαρτανόντων. καὶ ἀεὶ τὴν ὀργῆν σου. συγκινοῦντων καθ᾽ ἡμῶν. οἰκτίρμων παμβασιλεῦ. ἀλλὰ φεῖσαι δέσποτα τοῖς δούλοις σου.

Συσσείσας κε̃ τὴν γῆν. ἐστερεώσας πάλιν. νουθετῶν ἐπιστρέφειν. τὴν ἀσθένειαν φ. 224 ἡμῶν στηρίζεσθαι ἐν τῶ σῶ θεῖω φόβω θέλων ὑπεράγαθε.

Γεννῶσας θάνατον πικρὸν καὶ σεισμοὺς βαρυτάτους. καὶ πληγὰς ἀνεικάστους ἁμαρτίας ἀδελφοί. ἐκφυγωμεν καὶ θν̃. μετανοίας. τρόποις ἐκμηλίξομεν.

Ἡ μόνη οὖσα ἀγαθή. τὸν πανάγαθον λόγον. ἐκτενῶς ἐκδυσώπει. τῆς παρούσης τοῦ σεισμοῦ. ρυσθῆναι πάντας ὀργῆς. θκ̃ε. ἄχραντε δεόμεθα.

ῳ̂. δ̃. (4). Χσ̃ μου δύναμις.

Σαλεύεις κε̃. τὴν γῆν βουλομενος. λογισμῶ ἀληθείας. πάντας ἡμᾶς. δέσποτα στηρίζεσθαι. σαλευομένους προσβολαῖς. τοῦ δολίου πολεμήτορος.

Τῇ θεῖα νεύσει σου κλονεῖς τὰ σύμπαντα. καὶ δονεῖς τὰς καρδίας. τῶν ἐπὶ γῆς. κατοικούντων δέσποτα. τῆς σὺν δικαίας σου ὀργῆς. ἄνες κε̃. τὰ κύματα.

Οὐδ᾽ ὅλως ἔχοντας. εἰς νοῦν τὸν φόβον σου. ἐκφοβεῖς τῇ κινήσει. πάσης τῆς γῆς. μόνε εὐσυμπάθητε. ἀλλὰ συνήθως ἐφ ἡμᾶς. τὰ ἐλέη σου θαυμάστωσον.

Ναόν σε Δέσποινα. θῦ γινώσκοντες. φ. 224 об. ἐν ἁγίω ναῶ σου. χεῖρας οἰκτρὰς. αἴρομεν εἰς δέησιν. ἴδε τὴν κάκωσιν ἡμῶν καὶ παράσχου τὴν βοήθειαν.

ῳ̂. ε̃. Τῶ θείω φέγγει σε ἀγαθὲ.

Καὶ σὺ καρδία σεισθητι νῦν. βλέπουσα θῦ τὴν ἀπειλὴν ἐπικειμένην καὶ βόησον. φεῖσαι τοῦ λαοῦ σου. Δέσποτα κε̃. καὶ παῦσον τὴν ὀργὴν σου. ὡς ἀπεράγαθος.

Λαὸν καὶ πόλιν ἥνπερ τῶ σῶ. αἵματι ἐκτίσω ιυ̃. μὴ παραδῶς εἰς ἀπώλειαν. ἐν τῶ συνταράσσειν. τὴν γῆν σεισμῶ φοβερῶ. χορὸς των ἀποστόλων. καθ᾽ἱκετευει σε.

[1]) л. 286 — 292. Земла оутрасаетса намъ зле належащиⷯ. и прио гнѣвъ твои подвизающиⷯ на ны. щедре всѣⷯ црю. но пощади ѧко рабы твоѧ:

Потрясъ гн̃ землю. оутвердилъ еси пакы. наказаѧ и ѡбращаѧ немощь нашѫ. оутвержатиса твоимъ бжественымъ страхомъ хотѧ преблгыи:

Рождьшаго смрть горкѫю. и троусы тѧжкыѧ и ѧзвы нестерпимыѧ. грѣха братїе оубѣжимъ. и бгви покаанїѧ ѡбразъ приклонимсѧ:

Кѡ̑. єдина сѫщи блгаа преблгое слово оумоли прилѣжно. настоѧщаго труса всѣⷯ избавитиса. и гнѣва. бце чистаа молимсѧ.

Пѣ̑. д. ирмѡ̑. хс̃ мнѣ сила бъ.

Колебатиса гн̃ земли хотѧ. страхомъ (sic) истиныⷯ. всѣⷯ наⷭ ѧко оутвержати колеблемыи прилогы льстиваго борца:

Бжтвеным мановенїем ти. движеши всачьскаа. и оужасаеши срⷣца на земли живѫщиⷯ ѧкѡ. праведнаго оубо твоего гнѣва. ѡслаби гн̃ волнамъ.

Никакоже имѫщиⷯ въ оумѣ страха твоего оустрашаеши движанїемъ всеѧ земли. едине мл̃тиве. но ѡбычно на наⷭ млть твою оудиви:

Бог. храм та влчце бжии вѣдоуще. въ стмъ храмѣ твоеⷨ. рѫцѣ нечистѣ движеⷨ на молбѫ. вижь ѡзлобленїе наше и подаждь помощь.

Пѣ̑. є̃. ирмѡ̑. Бжїимъ свѣтоⷨ.

И ты срⷣце поколебиса нн̃ѣ. видѧ бжїе прещенїе належаще и возопїи. и пощади люди твоѧ гн̃. и оуставн праведъны гнѣвъ свое милосердїе (sic) (свои милосерде.)

Люди и градъ. иже своею кровїю стѧжа и̃се. не предаиже к погибели. въ смоущении земли. троусомъ страшномъ ликъ аплъ молить тѧ.

[1]) Съ 3-й пѣсни до конца выписано изъ другой мѣсячной Октябрской минеи XVI в. моего собранія рукописей, за пропускомъ въ предыдущей.

Ὁ δοῦς σου Δέσποτα τὰς εὐθεῖς γνώμη ὑποκλίνοντες στρεβλή. εἰς ἀγανάκτησιν τρέπομεν. σε τὸν συμπαθῆ τε καὶ εὐδιάλλακτον. ἀλλ ἵλεος οἰκτίρμον. γενοῦ τοῖς δούλοις σου.

Νῦν βοηθείας ἦλθεν καιρὸς. νῦν καταλλαγῆς ἡμέρα ἁγνὴ πρὸς τὸν υ̅ν σου καὶ κ̅ν. τοῦτον ἐκδυσώπει. προσκεκρουκότας ἀεὶ. νῦν τῆς ἐπικειμένης. ὀργῆς λυτρώσασθαι.

ὠ̑. ε̅. Τοῦ βίου τὴν ο.

Οὐκ ἔχοντες δέσποτα. παρρησίαν δυσωπεῖν. οἱ ταπεινοὶ τὸ ὕψος σου. τοὺς ἐκλεκτοὺς ἄγγελους σου εἰς θερμὴν. καινοῦμεν παράκλησιν φυλ. 225. δι αὐτῶν τῆς οργῆσ σου. ἐξελοῦ ἡμᾶς.

Νῦν ἔγνωμεν κε̅. ὡς ἠθέλησας ἡμᾶς. καὶ ’ουδαμῶσ συνέχωσας ὑπὸ τὴν γῆν συμπτώμασι χαλεποῖς. πολλὰ πλημμελήσαντας. εὐχαρίστως διό σοι. νῦν πρὸςπίπτωμεν.

Προστάγγεις σαλέυεσθαι. τὸ θεμέλια τῆς γῆς. ὅπωσ ἡμεῖς παυσόμεθα. οἱ ταπεινοὶ σαλέυεσθαι ἀρετῶν. τῆσ κρείττονος στάσεως. καὶ τῶ φόβω σου λόγε. νῦν στηρίζεσθαι.

’Αγία θεόνυμφε. ἀπορούμενον νυνὶ. τὸν σὸν λαὸν οἰκτείρισον. καὶ μρ̅ικαῖς πρεσβείαις τὴν καθ’ ἡμῶν. θ̅υ ἀγανάκτησιν. μεταποίησον τάχος. δυσωπουμέν σε.

ὠ̑. ζ̅. Δροσοβόλον μὲν. Ὑπερύμνητος ἐι κε̅ μακρόθυμε. ὅτι οὐκ ἐθανάτωσας. τοὺς οἰκέτας σου. σπαραγμῶ καὶ κλόνω φοβερῶ. τῆς γῆς ἀλλ’ ἐφόβησας ζητῶν. τοῦ ἐπιστρέψαι νῦν πρός σὲ καὶ ζῆσαι πάντας ἡμᾶς.

Στεναγμὸν ἀπὸ καρδίας ἀναπέμψομεν καὶ δάκρυα προχέωμεν. ὅπως ἵλεον. τὸν δεσπότην ἕξωμεν χ̅ν. τοῦ σῶσαι καὶ νῦν πάντας ἡμᾶς. δια πληθὺν ἁμαρτιῶν. ἐπασπειλοῦντα δεινῶς.

φυλ. 226 об. Οἱ πιστοὶ δεῦτε καὶ κλαύσωμεν καὶ χεῖρας ἐκπετάσωμεν πρὸς τὸν θ̅ν τὸν ὕψιστον. καὶ παυσόμεθα. τοῦ λοιποῦ ποιεῖν τὰ πονηρά. ἰδοὺ ὁ σ̅ηρ ἀγανακτῶν. σαλέυει ἅπασαν τὴν γῆν. στηρίξαι θέλων ἡμᾶς.

Νεῦσον ἄχραντε σωθῆναι τοὺς οἰκέτας σου. ἀφανισθῆναι μέλλοντας. ἐν ὀργῆ θ̅υ. καὶ θυμῶ μεγάλω καὶ φρικτῶ. τῆς νῦν ἐπελθούσης ἀπειλῆς. διὰ τὸ πλῆθος. τῶν πολλῶν. ἁμαρτημάτων ἡμῶν.

ὠ̑. η̅. ’Εκ φλογὸς τοῖς ὁσίοις:

Τῆς δικαίας σου ταύτης. ὀργῆς. φιλαν̅ε. ἐπελθούσησ ἀθροόν. συνεταράχθημεν καὶ ἀπελπισμῶ. παντελεῖ συνεσχέθημεν πρὸς ἀγανακτοῦντα ὁρῶντες καθ’ ἡμῶν σε.

’Ανατείνομεν χεῖρας πιστοὶ καὶ ὄμματα. πρὸς τὸν μόνον δεσπότην. σώζειν δυνάμενον. κράζοντες χ̅ε. τὸν θυμόν σου ἀπόστρεψον ἀφ’ ἡμῶν τάχεως. φιλαν̅ος ὑπάρχων.

Χιλιάδες ἀγγέλων. μαρτύρων σύλλογος. προφήτων, ἀποστόλων. ὁσίων ἱεραρχῶν. ἅγιος χορὸς, ἱκετέυει σε δέσποτα. φεῖσαι τοῦ λαοῦ σου. τοῦ τεταπεινομένου.

Ѿ поути (sic) твои҃ правы. правоѝ оуклоньшеса. разъвращеномъ. в негодованїе преложихом та млтиваго. но щедръ (sic) бѫди твоимъ рабомъ.

Бог. Нн҃ѣ помощи приде врема. ныпѣ примѣненїе потреба ч҃тая. къ сн҃ѫ твоемоу и бг҃ѫ. яко да оущедрить. съгрѣшьшая ны и належащаго гнѣва избави҃.

Пѣ҃. г҃. ирмо҃. житиискаго мора.

Не имѫще в҃ако. дерзновенїе молити. смѣренїи высотѣ твоеи. избранныя аг҃глы твоя. въ теплоу подвизаемъ мл҃твѫ. тѣ҃ ради гнѣва твоего изми на҃.

Нинѣ познахомъ г҃и. яко въсхотѣлъ еси на҃. и никакоже покры҃ еси на҃ но҃ землею. согрѣшени лютыми. много та бл҃годарно славимъ.

Повелѣваеши колѣбатиса основанїемъ земля. яко да мы престанемъ смѣренїи колѣбати҃. и добродѣтельми лоучьша҃ столнїа. и страхо҃ ти слове оутвердимса.

Бог. Ст҃ая бг҃оневѣсто недоумѣнныя нн҃ѣ люди оущедри. и матерними мольбами. иже на ны бж҃їе негодованїе. претвори въскорѣ молимъ та.

Пѣ҃. з҃. ирмо҃. Хладодавцѹ оубо.

Превѣтъ еси г҃и долготерпеливе. яко не оуморилъ еси рабы твоя. колѣбанїемъ и трѫсомъ страшнымъ земля. но оустрашилъ еси искы обратитиса ѿ золъ. и жити всѣмъ намъ.

Стенанїе ѿ ср҃дца въспоущаимъ. и слезы пролѣи҃ яко да млти҃ва в҃ако (sic) ѡбраще҃ х҃а. съкроушитї хотаща троусо҃ всѣ҃ на҃. за оумноженїе грѣховъ претаща на҃.

Оувы зовемъ и роуцѣ въздеже҃ къ бг҃ѫ вышнемоу. и престанемъ прочее творити злое. се сп҃съ негодѫя колеблеть всю землю. оутвердити хотя насъ:

Бог. Призри ч҃тая и спс҃тиса поющи҃ та. потребитиса хотащи҃ въ гнѣвѣ бж҃їи. и ярос тїю великою и страшною. нн҃ѣ нашедшаго прещенїа. за множество прѣгрѣшенїи многыи҃ наши҃.

Пѣ҃. и҃. ирмо҃. Ис пламени ст҃ы.

Праведномѫ семѫ гнѣвѫ ч҃ловолюбче. нашедшю внезапѫ смоутихомса. и нечаянїемъ конечны҃ ѡбьяти бых҃о. въ негодовавшемѫ на ны зраще тебѣ.

Въздежи҃ рѫцѣ вѣрьнїи ѡчи. къ единомѫ вл҃цѣ. сп҃ти могѫщемоу. зовѫще х҃е. ярость свою возврати ѿ насъ въскорѣ ч҃ловолюбче сы.

Тисѫща аг҃глъ. м҃чнкъ съсловїе. пр҃ркъ ап҃лъ. прп҃бны҃ ст҃ль. ст҃ыи ликъ молить та в҃ако. пощади люди твоя смѣреныя.

Ο γινώσκων οἰκτίρμων. τὸ ἀσθενὲς ἡμῶν. φ. 226. καὶ εὐόλισθον πάντι. καὶ ἀδιόρθωτον. ἄνες την ὀργήν. καὶ τὸν τάραχον κόπασον. καὶ τῶ σῶ ἐλέει. οἰκτείρισον τὸν κόσμον.

Вѣдын щедре немощь нашоу. и поползновенное вслуесны. и неисправленное. ѡслаби гнѣвъ и смоущенїе оутиши. и твоєю матїю оущедри миръ.

Συμπαθεὶς θκ͞ε. τὸν εὐσυμπάθητον. ἡ τεκοῦσα σρ͞α. ἴδε τὴν κάκωσιν. καὶ τὸν στεναγμόν. τοῦ λαοῦ σου καὶ τάχυνον. τοῦ παρακαλέσαι. ἡμᾶς οἰκτειρισθῆναι.

Бог. Матнвла вц͞е. иже маткаго рожьши сп͞са. виж͞ь ѡзлобленїе. и въздыханїе людїи твои. и оускори оумолити. оущедрити ны.

ѡ͞. ѳ. θ͞υ ἀν͞οις ἰδεῖν ἀδύ

Пѣ. ѳ. нрмѡ͞. Бг͞а у͞лко не оудо͞.

Ἰδοὺ. οἱ πάντες ἡμεῖς ἡμάρτωμεν. καὶ φοβερῶς. ἡ γῆ μηδὲν σφαλῆσα κολάζεται. νουθετῶν γὰρ ἡμᾶς ὁ φιλᾶνος ὅλην αὐτὴν σαλεύει. λάβωμεν αἴσθησιν. καὶ τῆς σρίας ἑαυτῶν ἐπιμελώμεθα.

Се вси мы съгрѣшихо͞. и страшно. оубо земля не съгрешен мѹчи͞ся. наказжа бо на͞ у͞лкѡлюбець. всю ю колѣблеть. прїимѣ͞ чювство и ѡ сп͞сенїи твое͞ попецѣмься.

Ὡρῶν. καὶ χρόνων ὑπάρχων κσ͞. μιᾶ ῥοπῆ. ἠθέλησας ἐκτρίψαι τοὺς δούλους σου. ὑπὸ δὲ τῆς πολλῆς εὐσπλαγχνίας σου. Δέσποτα παρεκλήθης. εὐχαριστοῦμέν σοι. οἱ ἀναπολόγητοι ἡμεῖς. μόνε φιλάνθρωπε.

Часомъ и лѣтомъ сы г͞ь. въ мьгновенїи ѡка въсхотѣ стерти рабы своя. многымь же милднемъ си благо возбранилася еси. благодаримтя безъѡвѣтнїи мы, едине у͞лколюбче.

Σεισμοῦ. μαχαίρας πικρᾶς ἀλώσεως καὶ ἐθνικῆς. χε͞ ἐπιδρομῆς καὶ συμπτώσεως. καὶ λιμοῦ λοιμοῦ τε καὶ κακώσεως. πάσης ζάλης οἰκτίρμων. ῥῦσαι τὴν πόλιν σου. ἅπασαν τε χώραν τὴν πιστῶν. ὑμνολογοῦσαν σε.

Тряса меча горкаа оуятенїа. и языкъ х͞е нашествїа и падєнїа. и глада и погыбы и ѡзлобленїа. всякого иного щедре. избави гр͞д свои. всякы же страны вѣрою пѣснославящю тя.

Ἡ γῆ ἀγλώσσως βοᾶ στενάζουσα. τί με φ. 226 об. κακοῖς. μιαίνεται πολλοῖς πάντες ἄν͞οι. ὑμῶν γὰρ ὁ κσ͞ φειδόμενος. μόνην ἐμε μαστίζει. λάβεται αἴσθησιν. καὶ ἐν μετανοίᾳ τὸν θ͞ν. ἐξιλεώσασθαι.

Земля безъ языка вопїеть стенющи, почто мя злыми ѡскверняете многымы у͞лци. и вл͞ бл͞га щада. едину мене оуязвляеть. прїимѣте чювьство и покаянїемъ бг͞а оумолите.

Φθορὰν τὸ τίκτειν μὴ ὑπομείνασα καταφθορᾶς. παρθένε ἐξελοῦ ἡμᾶς ἅπαντας. καὶ σεισμοῦ βαρυτάτου καὶ θλίψεως. παύουσα τοῦ δεσπότου. τὴν ἀγανάκτησιν. σοῦ ταῖς μρικαῖς ἱκεσίαις. θεοχαρίτωτε.

Бог. Тля въ рожьствѣ не прїемши тлѣнїа дв͞о изми ны вс͞ѣ. и тряса тяжка и печали оуставляющи. вл͞чняго негодованїе. твоим мт͞рн͞и премѣненїе бгорадовмнила.

φυλ. 171 об. Τῶ σαββάτω ὀψέ. κανὼν παρακλητικὸς τῆς ὑπὲρ ἁγίας θ͞κου. ὠ͞. α͞. ἦ͞. πλδ. (8)

Изъ Часослова Моск. Сунод. Типгр. Библіотеки № 28. XIII — XIV в. л. 95 — 99.

Ὑγρᾶν διωδεύσας ὡσεὶ ξηράν. καὶ τήν.

Пѣ а͞. ирмо͞. Воду прошедъ яко по суху... [1]

Πολλοῖς συνεχόμενος πειρασμοῖς. πρὸς σὲ καταφεύγω. σρίαν ἐπιζητῶν ὦ μῆρ τοῦ λόγου καὶ παρθένε. τῶν δυσχερῶν καὶ δεινῶν διάσωσον.

Многыми одержимъ напастьми к тебѣ прибѣгаю сп͞нья ища о мт͞и словеси приснодѣвія. бесконечныхъ золъ сп͞ія:

Νοσοῦντα τὸ σῶμα καὶ τὴν ψυχήν. ἐπισκοπῆς θείας καὶ προνοίαν τῆς παρὰ σοῦ. εἰρήνευσον κόρη τῆ γαλήνη τῆ τοῦ βιοῦ καὶ θ͞υ σου πανάμωμε.

[2]) Сл͞а ін͞ы. Въ скорби мя сущя. и въ тузѣ. по сщ͞еньнѣ бж͞ія. помощи твоєю....

Σρα τεκοῦσαν, σε καὶ θ͞ν. δυσωπῶ παρθένε. λυτρωθῆναί με τῶν δεινῶν. σοὶ γὰρ νῦν πρόσφευγων ἀνατείνω. καὶ τὴν ψυχὴν καὶ τὴν διάνοιαν.

Παθῶν με ταράττουσιν προσβολαί. πολλῆς ἀθυμίας. ἐμπιπλῶσαι μου τὴν ψυχήν. εἰρήνευσον κορη τῆ γαλήνη τη υἱοῦ καὶ θ͞υ σου πανάμωμε.

Ст͞рти смущають мя и прелози многа оуныния исполняють ми д͞шю. оумири дв͞це тишиною сн͞а и бг͞а непороучная:

ὠ͞. γ͞. Οὐ ν͞ης ἀψῖδος.

Пѣ г͞. ермо͞. иному кругу...

Προστασίαν καὶ σκέπην. ζωῆς ἐμῆς τίθημι. φυλ. 172. σὲ θεογεννῆτορ μαρία. σύμε κυβέρνησον. πρὸς τὸν λιμένα σου. τῶν ἀγαθῶν ἡ αἰτία. τῶν πιστῶν τὸ στήριγμα μόνη πανάχραντε.

Положеныя бж͞ія. кровъ животу имамъ тя бц͞е дв͞о ты мене оуправи на пристанище си. вина бл͞гимъ сущен оутвержение. едина пречтая:

---

[1]) Предъ тропарями замѣчено: Симъ стихомь весь канунъ запѣвай: Г͞и оуслыши матку мою егда молюся к тобѣ

[2]) 3-й по Славянски есть, но не тотъ.

Ἐυεργέτην τεκοῦσα. τὸν τῶν καλῶν αἴτιον τῆς ἐυεργεσίας τὸν πλοῦτον. πᾶσιν. ἀνάβλυσον. πάντα γὰρ δύνασαι ὡς δυνατὸν ἐν ἰσχύϊ. τὸν χν҃ κυήσασα. θεομακάριστε.

Χαλεπαῖς ἀρρωστείαις. καὶ νοσεροῖς πάθεσιν. ἐξεταζομένω παρθένε. σύ μοι βοήθεισον. τῶν ἰαμάτων γάρ. ἀνελλιπῆ σε γινώσκω. θησαυρὸν ἀσύλητον. καὶ ἀδαπάνητον.

Ἱκετεύω παρθένε. τὸν ψυχικὸν τάραχον. καὶ τῆς ἀθυμίας τὴν ζάλην. διασκέδασαι μȣ. σὺ γὰρ θεόνυμφε τὸν ἀρχηγὸν τῆς γαλήνης. τὸν χν҃ ἐκύησας. μόνη πανήμνητε.

Сла. ї ны. Лютыми недуги. и болѣзнными стртьми истазаѥму. ты мнѣ помози. ицѣлениѥ бо неоскудно та знающе. и сковище прута неиз..аѥмоѥ. (sic).

Молютиса дѣвице. дшвноѥ смущеньѥ. и оунынья всаку молву Ѡгнати ми бонеквѣстьная. начальника тишинѣ ха родила ѥси. вобаженая.

ῷ. δ. Ἐισακήκοα κε. τῆς οἰκο:

Пѣ. д. ермо. оуслышахъ гн смотр... [1]).

Τῶν παθῶν μου τὸν τάραχον. ἡ τὸν κυβερνήτην. τεκοῦσα κν҃. καὶ τὸν κλύδωνα κατεύνασον. τῶν ἐμῶν πταισμάτων θεονύμφευτε.

Ἐυσπλαγχνίας τὴν ἄβυσσον ἐπικαλουμένω φυλ. 172 об. τῆς σῆς παράσχου μοι. ἡ τὸν εὔσπλαγχνον κυήσασα. καὶ σῶα πάντων. τῶν ὑμνούντων σε.

Стртии моихъ молку. рожьшїя кормьчия га. смущеныѥ оутоли грѣховъ моихъ. бонеквѣстьная

Марддья бездну призывающи подаиже ми. рожьшия милосердаго ха спса и га. всѣмъ поющимъ та.
3-й тропарь, котораго по Гречески, нѣтъ, такъ начинается по Славянски: На ложи грѣховьнѣмь. слежаща ма...

Ἀπολαύοντες πάναγνε. τῶν σῶν δωρημάτων. εὐχαριστήριον. ἀναμέλπομεν ἐφύμνιον. οἱ γινώσκοντες σε. θεομήτορα.

Οἱ ἐλπίδα καὶ στήριγμα. καὶ τῆς σωτίας τεῖχος ἀκράδαντον. κεκτημένοι σε πανύμνητε. δυσχερίας πάσης ἐκλυτρούμεθα.

ῷ. ε. Φώτισον ἡμᾶς.

Пѣ. е. ермо. Просвѣти нась...

Ἔμπλησον ἁγνή. ευφροσύνης τὴν ζωὴν ἡμῶν. τὴν σὴν ἀκήρατον διδοῦσα χαράν. τῆς ευφροσύνης. ἡ γεννήσασα τὸν αἴτιον.

Λύτρωσαι ἡμᾶς. ἐκ κινδύνων θκ҃ε ἁγνή. ἡ αἰώνιον τεκοῦσα λύτρωσιν. καὶ τὴν εἰρήνην. τὴν πάντα νοῦν ὑπερέχουσαν.

Исполни утаа. веселья животъ нашь. твою дающи нетлѣньную радость. рожьшия веселья сущаго вину:

Избави насъ молбами си бонеквѣстьная рожьшия вѣчьноѥ избавленьѥ. и мира всакъ оумъ превышаго.

Λύσον τὴν ἀχλὴν. τῶν πταισμάτων μȣ. θεόνυμφε. τῷ φωτισμῷ τῆς σῆς λαμπρότητος. ἡ φῶς τεκοῦσα τὸ θεῖον καὶ προαιώνιον.

Ἴασαι ἁγνή. τῶν παθῶν μου τὴν ἀσθενειαν. ἐπισκοπῆς σου ἀξιώσασα. καὶ τὴν ὑγείαν. ταῖς πρεσβειαις σου παράσχου μοι.

Исцѣли утаа стртии моихъ изнемаганьѥ. посѣщеньѥмь си оувѣжьши рожьшия свѣтъ бжи превѣчьныи:

φυλ. 173. ῷ ς̄. Τὴν δέησιν ἐκχεῶ.

Пѣ. ѕ. ермо. Мтку си пролью....

Θανάτου καὶ τῆς φθορᾶς ὡς ἔσωσεν. ἑαυτὸν ἐκδεδοικὼς τῷ θανάτω. τὴν τῇ φθορᾶ. καὶ θανάτω μου φύσιν. κατασχεθεῖσαν παρθένε δυσώπησον. τὸν κν҃ σου καὶ ὑν҃. τῆς ἐχθρῶν κακουργίας με ῥυσασθαι.

Προστάτην σε τῆς ζωῆς ἐπίσταμαι. καὶ φρουρὰν ἀσφαλεστατην παρθένε. καὶ πειρασμῶν. διαλύουσαν ὄχλον. καὶ ἐπηρείας δαιμόνων ἐλαύνουσαν καὶ δέομαι διὰ παντὸς. τῶν παθῶν μου ῥυσθῆναι πανάχραντε.

Ὡς τεῖχος καταφυγῆς κεκτήμεθα. καὶ ψυχῶν σε παντελῆ σωτίαν. καὶ πλατυσμόν. ἐν ταῖς θλίψεσι κόρη. καὶ τῷ φωτί σου ἀεὶ ἀγαλλόμεθα. ὦ δέσποινα καὶ νῦν ἡμᾶς. καὶ παθῶν καὶ κινδύνων διάσωσον.

Смрти и тлѧ. ѥгда спсе (sic) сам са издавъ на смерть. в нетлѣньи смртиѣ. вида моѥ ѥстьство ѩто бывше. моли дѣвице спа и га злобы вражья избавить ма.

Заступницю та всѣмы животу. и хранителницю твердѹ дѣвице. напасти растоучащи и молвы. налогы бѣсныя прогонѧющи. молютиса присно. Ѡ стртии избави ма пречтаѧ.

Ѩко стѣну и приbѣжище имамъ. дшамъ свершеноѥ спсньѥ и оутѣху въ скорбехъ дѣва. и свѣтомь ти присно веселимса. о влдчце нынѣ Ѡ стртии и бѣдъ свободи: [2]).

---

[1]) Ирмосы въ Славянскимъ переводѣ здѣсь всѣ сполна написаны.

[2]) По 6-й пѣсни написанъ Кондакъ, какой положенъ на успеніе Божіей Матери.

Ἐν κλίνη νῦν ἀσθενῶν κατάκειμαι. καὶ οὐκ ἔστιν ἴασις τῇ σαρκί μου. ἀλλ' ἡ θν̄. καὶ σρ̄α τοῦ κόσμου. καὶ τὸν λυτῆρα τῶν νόσων κυήσασα. σοῦ δέομαι τῆς ἀγαθῆς. ἐκ φθορᾶς νοσημάτων. ἀνάστησον.

ὦ. ζ̄. Οἱ ἐκ τῆς Ἰουδαΐας.

Пѣ. з̄. ирмо҃. Иже ѿ июдеи.

Τὴν ἡμῶν σρ̄ίαν. ὡς ἠθέλησας σε̄ρ. οἰκονομίσασθαι. ἐν μήτρα τῆς παρθένε κατώκισας τοῦ κόσμου. ἣν προστάτην φυλ. 173 об. ἀνέδειξας. ὁ τῶν πρ̄ων ἡμῶν.

Наше сп҃сенье. ꙗко же въсхотѣ сп҃се. к чреко двѣꙗ вселися. всему миру показа ѡц҃ь.

Θελητὴν τοῦ ἐλέους. ὃν ἐγέννησας λόγον νῦν ἐκδυσώπησον. ῥυσθῆναι τῶν πταισμάτων. ψυχῆς τε μολυσμάτων. τοὺς ἐν πίστει κραυγάζοντας. ὁ τ.

Волнтела млти. юго же роди мт҃и нынѣ оумоли юго. изькавити ма грѣха. дшевныꙗ скерны. вѣрно вопиющи оц҃ь и:

Θησαυρὸν σρ̄ίας. καὶ πηγὴν ἀφθαρσίας. τὴν σε κυήσασαν. καὶ πύργον ἀσφαλείας. καὶ θύραν μετανοίας. τοῖς κραυγάζουσιν ἔδειξας ὁ τ.

Σωμάτων μαλακίας. καὶ ψυχῶν ἁμαρτίας θεογεννήτρια τῶν πίστει προσιόντων. τῇ σκέπῃ σου παρθένε. θεραπείας ἀξίωσον. ἡ τὸν σρ̄α χν̄. ἡμῖν βλαστήσασα.

Телесныꙗ болѣзни. и дшевныꙗ грѣхи. бц҃а порожьшиꙗ. любокью подъ кровъ ти пристꙋпаюмъ двꙗ. ицѣлеиьꙗ сподоби. прозакшиꙗ намъ сп҃са хс҃а и гс҃а.

ὦ. η̄. Τὸν βασιλέα τοῦ οὐρ...

Пѣ. и҃. ирмо҃. Цр҃а нбн҃аго.....

Τῆς βοηθείας τῆς παρὰ σοῦ δεομένους. μὴ παρίδῃς παρθένε ὑμνοῦντας. καὶ ὑπερυψοῦντας εἰς π.

Помощи ѿ тебе трѣбꙋющимъ. не презри клꙋц҃е. поющаꙗ та. и прекъзносащихъ хс҃а въ вѣки:

Τῶν ἰαμάτων τὸ διαφιλὲς. ἐπιχέοις. τοῖς πιστῶς ὑμνοῦσιν σε παρθένε. καὶ ὑπερυψοῦσι τὸν ἄχραντον σου τόκον.

Ицѣленые неоскꙋдно изливаюши, вѣрно копиющим ти дв҃це. и прекъз:

Τὰς ἀσθενειας μου τῆς ψυχῆς. ἰατρέυοις. καὶ σαρκὸς τὰς ὀδύνας παρθένε. ἵνα σε ὑμνοῦμεν. εἰς π.

Τῆς σρ̄ίας τὸν ἀρχηγὸν. ἡ τεκοῦσα. τὸν χν̄ διασώζοις παρθένε. τοὺς σὲ ἀνυμνοῦντας.

φυλ. 174. Τῶν πειρασμῶν σὺ τὰς προσβολὰς ἐκδιώκοις καὶ παθῶν τὰς ἐφόδους παρθένε. ὅπως σε ὑμνουμ.

Напастьныꙗ прелоги ѿ гоииши. и ср҃тныꙗ трꙋды тѣм та поем. чт҃цꙗ въ вѣки вса:

ὦ. θ̄. Κυρίως θκ̄ον:

Пѣ. ѳ҃. ирмо҃. Ко истинꙋ. бц҃ю...

Ῥοήν μου τῶν δακρύων. μὴ ἀποποίησης. ἡ τὸν παντὸς ἐκ προσώπου πᾶν δακρύον. ἀφῃρηκότα παρθένε. χν̄ κυήσασα:

Тока слезъ моихъ не ѿкратиса. ꙗже ѿ всакого лица. всакꙋ слезꙋ ѿимшаго дв҃це гс҃а плотью порожьшиꙗ....

Χαρᾶς μου τὴν καρδίαν. πλήρωσον παρθένε. ἡ τῆς χαρᾶς δεξαμένη τὸ πλήρωμα. τῆς ἁμαρτίας τὴν λύπην ἐξαφανίσασα:

Радости ср҃це моѥ исполни дв҃це. принмше исполненые радости. и грѣховнꙋю печаль потребльющи...

Λιμὴν καὶ προστασία. τῶν σοὶ προσφευγόντων γενοῦ παρθένε καὶ τεῖχος ἀκράδαντον. καταφυγή τε καὶ σκέπη. καὶ ἀγαλλίαμα.

Φωτός σου ταῖς ἀκτίσι. λάμπρυνον παρθένε. τὸ ζοφερὸν τῆς ἀγνοίας διώκουσα. τοὺς εὐσεβῶς θκ̄ον. σὲ καταγγέλλοντας.

Κακώσεως ἐν τόπω. τῷ τῆς ἀσθενείας. ταπεινωμένον παρθένε θεράπευσον. ἐξ ἀρρωστείας εἰς ῥῶσιν. μετακπευάσασα.

Въ мѣсто озлоблеиьꙗ немощнаго исцѣли дв҃це из нездравьꙗ въ здравые претварꙗюши.....

Чтеніе и объясненіе снимка.

Κανόνες διάφοροι εἰς διαφόρους ὑπόθεσεις. Κανὼν ψαλλόμενος εἰς ὑποτακτικὸν μοναχῶν. ὠδὴ α̅. ἦχος плв. (6). Βοηθὸς καὶ σκέπης....

Τῆς ζωῆς τῷ ἀρχιγῷ. καὶ τοῦ θανάτου τῷ καθαιρέτῃ. ᾄσωμεν ᾠδὴν νῦν ἱκέσιον τοῦ κεκοιμημένου. ἀδελφοῦ ἡμῶν πιστῶς. τελοῦντες ἐπιτάφιον.

Заставки, заглавныя буквы, буквы изъ заглавій. Азбука изъ заглавій и скорописная.

Сокращенія и слова съ титлами: καὶ τῇ κυριακῇ. ἑσπέρας παρθένε, ἀκροστιχίς. ὑπερ. ἕτερος κανὼν, παρακλητικος τῆς ὑπερ. Θεοφάνους, κλημεντου στουδίτου. ὁ προφήτης. πνεύματος. θεοτόκε. μητὴρ σταυροθεοτόκιον.

Буквы въ соединеніи съ другими: ά.) μεγαλεία. σεσαρκωμένω. ε) ἱκετεύειν. οἰκέταις ἐξομαλίζουσα θλίψεσι ἐγγίζεις. ν) διευθύνεις ζωὴν αἰτοῦντων. γ) ἄγνε κραυγάζομεν. ἀναγαγοῦσα σ) καταισχυνθείημεν τ) φυλάττεις. Ιωσηφ.

л. 257. Чтеніе записи писца: Ἐτελέσθη τὸ παρὸν τοῦτο βίβλιον τὸ ἔχον τοὺς κανόνας τῆς ὑπεραγίας θεοτόκȣ τῶν ἀπὸ δειπνίων τῆς μόνης τοῦ βατοπαιδίου, διὰ χειρὸς ἰωάννου ἐλαχίστου μοναχοῦ τῆς μόνης τοῦ ἁγίου καὶ πανευφήμου ἀποστόλου καὶ εὐαγγελιστοῦ Ἰωάννου τοῦ θεολόγου. προστάξει τοῦ ἁγιωτάτου καθηγουμένου κυρ. ἀθανασίου αὐτῆς μόνης τοῦ γέρωντος ἔτους ͵ςφλ῀. (1022). Οἱ οὖν ἀναγινώσκοντες εὔχεσθε ὑπὲρ ἐμȣ̃ διὰ τὸν κύριον.

XI) Сборникъ житій святыхъ и похвальныхъ имъ словъ.

Писанъ на пергаминѣ скорописью 1022 года въ два столбца Θеофаномъ на 369-ми листахъ. Внизу 2-го листа подписано: Арсеній κγ̃. (23) τῶν ἰβήρων. Житія и слова въ семъ сборникѣ заключающіяся слѣдующія:

л. 1—6 β΄. Θεοφάνȣ καὶ ἀρχιεπισκόπου καισαρείας καππαδοκίας, ἐξήγησις εἰς τὸ προοίμιον τȣ κατὰ λουκὰν ἁγίου εὐαγγελ. καὶ εἰς τὴν σύληψιν τοῦ ἁγίου Ιωάννου τοῦ προδρόμου.

Начало: Χαίρετε ἐν κῶ μετὰ τῆς θείας σάλπιγγος καγὼ σήμερον ἀδελφοὶ φθέγγομαι. У Фабриція въ X. томѣ на этотъ день нѣтъ сего слова.

β῀.Сент. κδ̃. 6 β΄—11 об. β΄. Φωτίου πατριαρχȣ κωνσταντίνουπολεως ἐγκώμιον εἰς τὴν ἁγίαν πρωτομάρτυρα θέκλαν.

Начало: Θέκλης ἡ μνημη τῆς πρωτομάρτυρος γυναικῶν μὲν ὑπάρχει καλλώπισμα. У Фабриція въ X томѣ на этотъ день нѣтъ сего слова:

γ̃. Μην. Σεπτ. φ. 11 ά.—50 об. ά. Περίοδοι, ἤτοι θαυματα τȣ ἁγίου τȣ θεολόγȣ συγγραφεῖσαι παρὰ μαθητȣ αυτου ἑνὸς τῶν ἑπτὰ διακόνων. ἀνεψιοῦ στεφανου τοῦ πρωτομάρτυρος.

Начало: Ἐγένετο μετὰ τὸ ἀναληφθῆναι τὸν κν̄ ἡμῶν ῑν χν̄. У фабриція замѣчено, что только начало сего житія издано было. Теперь же оно будетъ въ 1878 году издано все съ разночтеніями изъ двухъ рукописей, XI—XII и XII—XIII в. Обществомъ любителей древней письменности.

δ̃. (4). Οκτωβρίω ε̃. φ. 50. об. β. — 57. Πράξις τοῦ ἁγίου Αποστόλου Θωμα.

Начало: Κατὰ τοὺς καιροὺς ἐκείνους ἦμεν πάντες οἱ ἀπόστολοι . ἐν ἱεροσολύμοις. О семъ Фабрицій замѣчаетъ: ex apochyphis nonnulla Graece et Latine dedi en codice Apocrypho Noui Testam. p. 719 Seq.

ε̃. φυλ. 57 β.—80 β. Διηγήσις θαυμάτων τοῦ ἁγίου Μαρτυρος Δημητρίου. περὶ τοῦ ἀπελπισθέντος ἐπάρχου.

Начало: Μαριανός τις ἀνὴρ. τῶν ἐν γένει καὶ πλούτω λαμπρῶν.. φ. 63 β. περὶ τοῦ τὴν αἱμορροιαν ἔχοντος.

Начало: Ἀνὴρ τίς. τῶν ἐν γένει λαμπρῶ τῆ δε πίστει..... φ. 65 об. β, Περὶ τοῦ ἀργυραίου θρόνου.

Начало: Συνέβη ποτὲ τὸ ἐν τῶ παναγίω τοῦ μάρτυρος ναῶ ἀργυροῦν καὶ λελαμπρυσμένον κιβώριον ἐμπρισθῆναι νυκτὸς. καὶ τὰ λοιπὰ. О чудесахъ св. муч. Димитрія у Фабр. въ X томѣ упоминается на стр. 219.

ς̃. φ. 80 об. β΄.—83 об. β΄. Μηνὴ ὠκτωμβρίω κς̃. (26). Τοῦ ὁσίου πρς̃ ἡμῶν ὁμολογιτοῦ Ιωσὴφ ἀρχιεπισκόπου Θεσσαλονικ. Ἐγκώμιον εἰς τὸν ἅγιον μεγαλομαρτύρον Δημήτριον.

Начало: Φαιδρὰ μὲν ἡ πανήγυρις σήμερον καὶ πολυάνθρωπος, ὑπὲρ ἡμᾶς γὸρ ἑστιάτωρ......... У Фабриція въ X томѣ не упомянуто.

ζ̃. Μηνὴ Νοεμβριω γ̃. φ. 84 ά.—97 β΄. Μαρτύριον τῶν ἁγίων ἀκεψιμ. Ιωσὴφ καὶ ἀειθαλᾶ.

Начало: Ἐν ἔτει τριακόστω ἑβδόμω τοῦ διωγμοῦ τῶν πιστῶν, βασιλέυοντος τῶν περσῶν σαβορίου.... у Фабриція упоминается въ X. т. p. 188.

η̃. Μηνὶ Νοεμβρίω θ̃. φ. 94 β΄.—104 β΄. Βίος καὶ μαρτύριον τῶν ἁγίων γαλακτιῶνος καὶ ἐπιστίμης.

Начало: Διήγησιν ξένην καὶ παράδοξον ἀκούσατε σώμερον παῤ ἐμοῦ ἀγαπητοὶ... У Фабриціи упоминается въ X. томѣ p. 229.

θ̃. Μηνὶ Ιαννοιαρίω. λᾱ. φ. 104 β.—110 β΄. Βίος καὶ πολιτεία καὶ θαυματα τῶν ἁγίων καὶ θαυματουργῶν Κύρου καὶ Ιωάννου....

Начало: Ὁ Θεαρχικὸς ἡμῖν ὁ λόγος. ἡ ὄντως ἀλήθεια χσ̄ ὁ θσ̄ ἡμῶν. У Фабриція о семъ не упомянуто. Томъ X p. 216.

ι̅. Μηνὶ Ἰαννουαρίω λα̅. φ. 110 β'.—124 β. Σωφρονίου ἱεροσολύμων ἐγκώμιον εἰς τοὺς ἁγίους μεγαλομάρτυρας Κύρον καὶ Ἰάννην (sic).

Начало: Ἄλλοι μὲν ἄλλως τοὺς ἁγίους τιμάτωσαν πολυμερῶς αὐτῶν τὰς δωρεὰς θριαμβεύοντες. О семъ упоминается у Фабриція. Томъ X. p. 216.

ια̅. Μηνὶ Φεβρυαρίω ιζ̅. φυλ. 124 β'.—129 об. α'. Γρηγορίου Νύσσης ἐγκώμιον εἰς τὸν ἅγιον μεγαλομάρτυρα θεόδωρον τὸν τηρω. Славянскій переводъ XIV в. есть въ сборникѣ поученій Воскресенской Библіотеки по моему описанію № 105. л. 145. об.—149. у Фабриція упоминается въ X. томѣ p. 333.

ιβ̅. Μηνὶ μαρτίω γ̅. φ. 129 об. α'.—137 β'. Μαρτύριον τῶν ἁγίων μαρτύρων κλεονίκου καὶ εὐτροπίου:

Начало: Ὁ μακάριος θεόδωρος ὁ τήρων τελέσας αὐτον τὸν τῆς ἀθλήσεως δρόμον. О Клеоникѣ и Евтропіи у Фабриція не упоминается.

ιγ̅. Μηνὶ Μαρτίω γ̅. [1]) φ. 137 об. α'.—141 β'. Μαρτύριον τοῦ ἁγίου Μαρτυρος Βασιλίσκου.

Начало: Κατὰ τοὺς καιροὺς τῆς βασιλείας μαξιμιανοῦ.... О Василискѣ у Фабриція не упоминается.

ιδ̅. Μηνὶ ἀπριλίω κγ̅. φ. 141 β'.—152 β' Ἀνδρέου ἀρχιεπισκόπου κρήτης ἐγκώμιον εἰς τὸν ἅγιον μεγαλομάρτυρα γεώργιον.

Начало: Ἀεὶ μὲν λαμπρὰ καὶ πανέυθημα τὰ τῶν ἁγίων μαρτύρων μνημόσυνα. У Фабриція смотри томъ X. p. 230.

ιε̅. (15). Μηνὶ ἀπριλίω κς̅. φ. 152. β'.—161 об. α'. Μαρτύριον τοῦ ἁγίου ἱερομάρτυρος βασιλέως ἐπισκόπου ἀμασείας.

Начало: Ἐγένετο μετὰ τὸ πατάξαι κν̅. τὸν τῆς Ῥωμαίων. У Фабриція смотри Томъ X. p. 205.

ις̅. Μηνὶ μαίω θ̅ φ. 161 об. α'.—174 α'. Μαρτύριον τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου μάρτυρος χριστοφόρου καὶ τῶν σὺν αὐτῷ.

Начало: Ἔτους τετάρτου τῆς βασιλείας δεκίου.... Фабрицій упоминаетъ о мученикѣ Христофорѣ въ XI т. p. 594. Его жизнь и мученіе есть въ Париж. Публ. Библіотекѣ въ рукописяхъ № 2. и 27.

ιζ̅. Μηνὶ Ιουνιω. κε̅. φ. 174 α'.—192 β'. Βίος καὶ μαρτύριον τῆς ἁγίας ὁσιομάρτυρος φεβρωνίας.

Начало: Ἐγένετο ἐν ταῖς ἡμέραις Διοκλιτιανοῦ τοῦ βασιλέως. У Фабриція Томъ X p. 228.

ιη̅. Μηνὶ Ιουλίω γ̅. φ. 192 β'.—201 об. β'. Μαρτύριον τῶν ἁγίων μεγαλομαρτύρων τῶν ἐν νικοπόλει μαρτυρησάντων.

Начало: Λικινίου τὰ τῆς ῥωμαίων βασιλείας σκῆπτρα κατέχοντος. У Фабриція въ X. Томѣ между Севастійскими мучениками внизу по Латынѣ озаглавлено: in tempore igitur Licinii regis erat persecutiop. 290.

ιθ̅. Μηνὶ Ἰουλίω κε̅. φ. 201 об. β'.—222 об. β'. Βίος τῆς ὁσίας εὐπραξίας.

Начало: Ἦν τίς ἀνὴρ ἐν τῇ βασιλέυουσῃ πόλει, ὀνόματι ἀντίγονος. У Фабриція Томъ X. p. 226.

κ̅. Μηνὶ αὐγούστω. ι̅. φ. 223 α'.—231 β'. Μαρτύριον τοῦ ἁγίου μεγαλομάρτυρος λαυρεντίου καὶ τῶν σὺν αυτῷ:

Начало: Εἰδωλικοῦ ποτὲ κλύδωνος τὴν οἰκουμένην κατέχοντος. О св. великомученикѣ Лаврентіи у Фабриція въ X. Томѣ не упоминается о его житіи и мученіи.

κα̅. Μηνὶ αὐγούστω ιγ̅. φ. 331 об. α'.—252 α'. Βίος καὶ πολιτεια καὶ ἄθλησις τοῦ ἀοιδίμου καὶ μακαριωτάτου πρς ἡμῶν καὶ ὁμολογητοῦ Μαξίμου, καὶ περὶ τῶν κ̅. μαθητῶν αὐτοῦ:

Начало: Ἡρακλήου τῶν σκήπτρων τῆς ρωμαϊκῆς ἀρχῆς ἐπειλημμένου. О семъ житіи Гарлесъ у Фабриція замѣтилъ. Maximi, nescio, cujus vita in cod Mosquensi 149. Matthaei notit, Томъ X. p. 292.

κβ̅. Μηνὶ Ιαννουαρίω κε̅. φ. 252 β'.—274 об. α'. Βίος καὶ πολιτεία τοῦ ἐν ἁγίοις πρς ἡμῶν γρηγορίου τοῦ θεολόγου.

Начало: Συγκαλεῖ μὲν ἡμᾶς ὦ ἄνδρες γρηγόριος ὁ πάνυ τῆς θεολογίας ἐπώνυμος. У Фабриція Т. X. p. 233.

κγ̅. Τῇ αὐτῇ ἡμέρα φυλ. 274 об. β'. 288 β'. λόγος εἰς τὴν ἐπάνοδον τῶν λειψάνων τοῦ ἐν ἁγίοις πρς ἡμῶν γρηγορίου τοῦ θεολόγου.

Начало: Πανήγυρις ἱερὰ καὶ ὑπερλαμπρος. ἡ τοῦ θαυμαστοῦ γρηγοριου καὶ θεολόγου ἐπάνοδος. Гарлесъ у Фабриція указываетъ на Греческія рукописи Моск. Синод. Библіотеки о Григоріи Богословѣ въ Томѣ VIII. p. 386.

κδ̅. Μηνὶ φεβρουαρίω. β̅. φ. 288 об. α'.—299 об. β'. τοῦ ἐν ἁγίοις πρς ἡμῶν Βασιλείου ἀρχιεπισκόπου καισαρείας. πρὸς ὄπτιμον ἐπίσκοπον περὶ τῶν ῥηθέντων παρὰ τοῦ πρεσβύτου συμεὼν, πρὸς Μαρίαν τὴν θεον καὶ σου δε αὐτῆς τὴν ψυχὴν διελέυσεται ῥομφαία.

---

[1]) Это зачеркнуто послѣ, а на полѣ написано: ἀναγνώσκετε μηνὶ μαΐω κβ̅.

Начало: καὶ ἄλλως ἡδέως ὁρῶν τοὺς ἀγαθοὺς παῖδας. У Фабриція, на этотъ день въ X. Томѣ не упоминается о семъ словѣ.

κε. Μηνὶ μαρτίω δ. φ. 290 б. β'. 299 β'. Βίος Ἰακώβου μοναχοῦ. κατὰ ψυχὴν ὠφέλιμος.

Начало: Πολλῶν ἀγαθῶν καὶ ψυχωφελῶν εὐεργεσιῶν τοῖς φιλοθέως. У Фабриція Томъ X. p. 336.

κς. Μηνὶ Μαρτίω s. φ. 399 об. ά. 312. β'. Μαρτύριον τῶν ἁγίων τεσσαράκοντα δύο Μαρτυρῶν τοῦ χῦ: Καλλίστου Δουκό: Κωνσταντίνυ πακτρικίου. Θεοδώρου πρώτος πάθ. καὶ τῆς συνοδίας αὐτῶν. συγγραφὲν παρὰ Μιχαὴλ μοναχοῦ καὶ συγκέλλου:

Начало: Μαρτύρων ἄθλοις. θς μὲν δοξάζεται. У Фабриція въ X. Томѣ только Гарлесъ указываетъ на рукопись Моск. Библіотеки по каталогу Матоея p. 290.

κζ Μηνὶ ἀπριλίω д. (4). φ. 312. об. ά. — 319 об. ά. Μαρτύριον τῶν ἁγίων ἀθλοφόρων τοῦ χῦ. καὶ θεοδούλου καὶ ἀγαπόδος.

Начало: Ἀεὶ μὲν ἐπανθοῦσαν τὴν περὶ τὸν θν εὐσέβειαν ὑποτρέχων ὁ διάβολος. У Фабриція въ X. T. не отмѣчено о сихъ мученикахъ.

κη. Μηνὶ ἀπριλίω κγ. φ. 319 об. β'.—329 об. β'. Ἐγκώμιον εἰς τὸν ἅγιον μεγαλομάρτυρα τοῦ χῦ γεώργιον.

Начало: Ἥλιος μὲν ἑκάστης ἀνίσχων ἡμέρας. У Фабриція это слово въ X. T. не отмѣчено.

κθ. Μηνὶ μαΐω ιд. φ. 329 β'.—333 об. ά. Μαρτύριον τῆς ἁγίας καὶ Καλλινίκου Μάρτυρος Κυριακῆς.

Начало: Κατὰ τοὺς καιροὺς τῆς βασιλείας Διοκλητιανοῦ τοῦ τυράννου. У Фабриція въ X. Томѣ p. 216.

λ. Μηνὶ Ἰουλίω. γ. φ. 333 об. ά.—337 об. β'. Ἄθλησις τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου μάρτυρος τοῦ χῦ. ὑακίνθου.

Начало: Βασιλεύοντος κατ' ἐκεῖνον τὸν καιρὸν τραϊανοῦ, ἐγένετο διωγμὸς . μέγας... У Фабриція въ X. T. объ Іакиноѣ не упомянуто.

λα. Μηνὶ Ἰουλίω. ιн. φ. 337 β'.—353 об. β'. Τοῦ ἁγίου γρηγορίου νυσης. εἰς τὸν βίον τῆς ἁγίας Μακρίνης ἀδελφῆς αὐτοῦ καὶ τοῦ μεγ. Βασιλείου.

Начало: Τὸ μὲν εἶδος τοῦ βιβλίου ὅσον ἐν τῷ τῆς προγραφῆς τύπω, ἐπιστολῆς εἶναι δοκεῖ. У Фабриція Томъ X. p. 272.

λβ. Μηνὶ αὐγούστω. ιθ. φ. 354 ά.— 358 об. β'. Μαρτύριον τοῦ ἁγίου ἀνδρέου τοῦ στατηλατου. καὶ τῶν σὺν αὐτῷ.

Начало: ἐν τοῖς χρόνοις τῆς βασιλείας τοῦ ἀσεβεστάτου μαξιμιανοῦ. У Фабриція T. X. p. 195.

λγ. Μηνὶ αὐγούστω κκ. φ. 358 об. β'.—364 ά. Μαρτύριον τοῦ ἁγίου μεγαλομάρτυρος ἀγαθονικοῦ:

Начало: Μαξιμιανὸς ὁ βασιλεὺς. ἐκ νικομηδείας ἀπάρας ἐπὶ τὰ θρακῶα μέρη. У Фабриція Гарлесъ въ X. Томѣ только упоминаетъ о рукописяхъ Моск. Син. Библ. гдѣ помѣщено мученіе св. Агаѳоника.

λδ. Μηνὶ Νοεμβρίω: θ. φ. 364 ά. — 369 об. ά. Μαρτύριον τῶν ἁγίων μαρτύρων ὀνησιφόρυ καὶ πορφυρίου.

Начало: Τῆς τῶν ἁγίων προφητῶν προρρήσεως. У Фабриція въ X. Томѣ не упомянуто о сихъ мученикахъ.

Пергаменъ не такъ хорошъ, есть повреждена.

Длина	8	в.
Ширина	6 3/8	в.
Къ корешку	7/8	в.
Между столбцами	1/2	в.
Къ правой сторонѣ	1 1/2	в.
Къ верху	1 2/8	в.
Къ низу	1 5/8	в.

Число строкъ не опредѣленно: 29. 31. 32. 33. Помѣта тетрадей есть внизу между столбцами съ лицевой стороны, и въ концѣ тетради. Вмѣсто киновари писано розоваго цвѣта краскою. Чернила темно и свѣтлокоричневыя.

Выписки изъ подлинника съ древнимъ славянскимъ переводомъ.

φ. 50 οб. Πρᾶξις τοῦ ἁγίου ἀποστόλου θωμᾶ.

Κατὰ τοὺς καιροὺς ἐκείνους. ἦμεν πάντες οἱ ἀπόστολοι ἐν ἱεροσολύμοις. σίμων ὁ λεγόμενος Πέτρος καὶ Ἀνδρέας ὁ ἀδελφὸς αὐτοῦ, Ἰάκωβος ὁ τοῦ ζεβεδαίου, καὶ Ἰωάννης ὁ ἀδελφὸς αὐτοῦ. Φίλιππος καὶ Βαρθολομαῖος. θωμᾶς. καὶ Ματθαῖος ὁ τελώνης. Ἰάκωβος τοῦ Ἀλφαίου. καὶ Σίμων κανανίτης, καὶ Ἰούδας Ἰακώβου. καὶ διείλαμεν τὰ κλήματα τῆς οὐκουμένης ὅπως ἕκαστος ἡμῶν πορευθῇ. ἐν τῷ λαχόντι αὐτῷ ἔθνει. κατὰ κλῆρον οὖν ἔλαχεν ἡ Ἰνδία. Θωμᾶ τῷ διδύμῳ, ὁ δὲ οὐκ ἐβούλετο ἀπελθεῖν. καὶ ὀφθεὶς αὐτῷ ὁ σῆρ τῇ νυκτί. λέγει πρὸς αὐτόν. μὴ φοβηθῇς Θωμᾶ ἀπελθεῖν εἰς ἰνδίαν καὶ κηρύξαι τὸν λόγον μυ. καὶ γὰρ μετὰ σοῦ ἔσται. ἡ χάρις μυ. ὁ δὲ οὐκ ἐπείθετο. λέγων. ὅπου βούλει ἀλλαχοῦ κε ἀπόστειλόν με, εἰς ἰνδοὺς γὰρ οὐκ ἀπέρχομαι. ταῦτα τοῦ θωμᾶ ἐνθυμουμένου καὶ λέγοντος. ἔτυχεν τινὰ ἔμπορον εἶναι ἐκεῖ. ἀπὸ ἰνδίας ἐλθόντα, φ. 51. ὀνόματι ἰαβάνην. ὃς ἦν ἀποσταλεὶς παρὰ τοῦ βασιλέως γουνδαφόρου. καὶ διὰ ἑτέρας μὲν πραγματείας. ἐξαιρέτως δὲ, ἕνεκεν τοῦ ὠνήσασθαι ἐπιστήμονα τέκτονα καὶ ἀγαγεῖν αὐτῷ. πολλὴν εἶχε παραγγελίαν. ὁ οὖν κς ἡμῶν καὶ θς ἰς χς. βουλόμενος τὸ δυσπειθὲς τοῦ Θωμᾶ εἰς εὐπειθείαν μεταβαλεῖν καὶ ἄκοντος αὐτοῦ; φαίνεται ἀνθρωπείῳ σχήματι τῷ ἐμπόρῳ ἐν τῇ ἀγορᾷ περιπατοῦντι. καὶ λέγει αὐτῷ. βούλει τέκτονα ἀγοράσθαι, ὁ δὲ εἶπεν. ναί. πανὺ βούλομαι. λέγει αὐτῷ ὁ Κύριος. ἔχω δοῦλον τέκτονα. καὶ θέλω πωλῆσαι αὐτόν. καὶ ὑπέδειξεν αὐτῷ τὸν θωμᾶν. μακρόθεν ἱστάμενον. συνεφώνησεν τὴν τιμὴν αὐτοῦ. τριάκοντα δινάρια, καὶ ἔγραψε τὴν ὠνήν, οὕτως. ἐγὼ Ις ὁ Χς. ὁμολογῶ πεπρακέναι τὸν ἐμὸν δοῦλον θωμᾶν, σοὶ ἀβάνῃ τῷ ἐμπόρῳ γουνδαφόρου βασιλέως ἰνδῶν, εἰς δινάρια τριάκοντα. τῆς δὲ ὠνῆς γενομένης. παραλαβὼν ὁ σῆρ τὸν θωμᾶ, ἀπήνεγκεν αὐτὸν πρὸς ἀβάνην τὸν ἔμπορον. καὶ ἰδὼν αὐτὸν ὁ ἀβάνης. λέγει αὐτῷ. οὗτος ἐστιν ὁ δεσπότης σου; καὶ ἀποκριθεὶς ὁ ἀπόστολος εἶπεν ναὶ κύριος μου ἐστίν. καὶ λέγει ὁ ἔμπορος. γινώσκε ὅτι ἠγόρασα σε παρ αὐτοῦ. ἀκούσας δὲ ὁ θωμᾶς. ἐσιώπη σε μηδὲν εἰπών. καὶ τῇ ἑξῆς ἡμέρα. εὐξάμενος καὶ δεηθεὶς τοῦ κυ. ἐπορεύθη πρὸς ἀβάνην τὸν ἔμπορον. κατέλαβε δὲ αὐτὸν ἤδη. ἐν τῷ πλοίῳ τὰ σκέυη αὐτοῦ ἀποφέροντα. καὶ ἤρξατο καὶ ὁ θωμᾶς συμβοηθεῖν αὐτῷ καὶ ἐμβάλλειν τὰ πράγματα ἐν τῷ πλοίῳ. ἐμβάντων δὲ καὶ αὐτῶν ἐν τούτῳ καὶ καθησάντων. ἤρξατο ὁ ἀβάνησ ἐξετάζειν τὸν ἀπόστολον καὶ λέγειν αὐτῷ. ποίαν ἐργασιαν οἶδας; ὁ δὲ φησίν. ἐν μὲν ξύλοις. ἄροτρα καὶ ζυγοὺς καὶ τρυτάνας. πλοῖα τὲ καὶ ἀμάξας, καὶ ὅσα ἄλλα διὰ ξυλῶν κατασκευάζεται. ἐν δὲ λίθοις, στήλας καὶ ναοὺς, καὶ πραιτώρια βασιλικά. καὶ λέγει ὁ ἔμπορος. τοιούτου γὰρ καὶ χρείαν ἔχω τεχνίτου. φ. 51 οб. ἐκειθέν τε αὐτῶν ἐκπλευσάντων. καὶ ἀνέμων ἐπιτηδείων πνευσάντων, κατήντησαν ἔν τινι πόλει βασιλικῇ. ἀνδραπόλει καλουμένη. ἐξελθόντες τοίνυν τοῦ πλοίου. εἰσῆλθον ἐν τῇ πόλει. καὶ ἐν τῷ εἰσελθεῖν αὐτοὺς ἐκεῖσε, ἤκουον σαλπίγγων καὶ αὐλῶν καὶ μουσικῶν ἦχον. ἐρωτήσαντες δὲ τίς ἐστιν αὕτη ἡ ἑορτή. ἔμαθον. ὅτι βασιλεὺς τῆς πόλεως ταύτης. θυγαρέρα μονογενῆ ἔχων, ἐκδίδωσιν αὐτὴν ἀνδρὶ προς γάμον. ἀπέστειλε δὲ ὁ βασιλεὺς

Изъ Сборника XVII в. рукописей моего собранія л. 37 об. и 46 об.

К то времѧ бѣше бѣша апли въ ієрлмѣ. раздѣлиша себе страны (—ү) вселеныѧ и меташа жребиѧ. да кодо ихъ пропов҃ѣ въ ѿлучене ему странѣ и ıазыцѣ амо буде гь посла. паде жребие фомѣ близнецу. да иде во индѣю. но ѡ не хотѧше ити. гла не могу толика труда двигнути. еще и члвкъ жидовин сын како могу проповѣдати индїаном истиноу. сї слове ему глющю. яви ему гь въ снѣ нощию гла. не боисѧ фомо блгть бо моѧ с тобою есть. он же не послушаше гла амо хощеши пусти мѧ. а во индїю не могу ити сї слове ему глющу. приключиса купцу етеру быти ту. ѿ индѣа пришешу ему бѣ имѧ авва посла бы ѿ цря гундофора купити или древодѣлѧ или здиника. видѣ и гь по торгу ходѧща. ре ему хощеши ли купити древодѣлю. ѡиже ре ей. гь же гла ему имѧ древодѣлѧ хитра дати прода и показа ему фому издале. и съвѣща с ним и вза сребро и написа купли сице. азъ іс хс снъ иосифов ѿ вифлиѡмьскыѧ веси їюдѣа повѣдаю ти аввание куиче продати жидовина имене фому члвка моего. коуиѣ же бывши купиѣ. пои хсъ фому и введе его ко аввану. егда и вопроси его авва се ли е гь твои ѿвѣща аплъ ей гь ми е. ре же купи тѧ оуже оу него фома молчаше наоутрїѧ же помоли гви ре воля твоѧ буди и иде къ авваиу купцю ничто же. с собою иосѧ токмо цѣну свою. вда бо ему гь ре блгть моя бу с тобою влѣзшема има в корабль въпроси апла авва гла кое дѣло оумѣеши. аплъ ре древо убо рала корабли кормила камениемъ стопы црква дворы црква. гла купе азъ таковаго хитреца требую. бывшу добру вѣтру доплыша веселѧще гра единаго ѿ индѣа глма енадро. влѣзшема има во гра слышавше гла сур и мусикии писката. иискиыи органы фома вопрошание гла. что убо вопль радости сущаа въ градѣ се. глша ему ıако црь дщерь има и днь ю вда за му. того ра веселие и радость си. црь же проповѣдателѧ посла вездѣ пропо-

κήρυκας πανταχοῦ τῆς πόλεως. πάντας εἰς τοὺς γάμους ἔρχεσθαι παρακελευόμενος. ξένους τε καὶ πολίτας. δούλους καὶ ἐλευθέρους. πλουσίους καὶ πένητας. ἄνδρας τε καὶ γυναῖκας. εἰ δέ τις παραιτησάμενος μὴ παραγένηται. ὑπεύθηνος ἔσται κολάσει καὶ θανάτω. ταῦτα ἀκούσας ἀβάνης ὁ ἔμπορος, λέγει τῶ θωμᾶ. ἀπέλθωμεν καὶ ἡμεῖς εἰς τοὺς γάμους, ἵνα μὴ προσκρούσωμεν τῶ βασιλεῖ καὶ μάλιστα ξένοι τυγχάνοντες. ὁ δὲ εἶπεν. ἀπέλθωμεν ὅπου βούλει. Καταλύσαντες οὖν ἐν πανδοχείω. καὶ μικρὸν ἀναπαυσάμενοι. ἀναστάντες ἀπῆλθον εἰς τοὺς γάμους. καὶ ἰδὼν ὁ ἀπόστολος ἀνακεκλιμένους πάντας, ἀνεκλίθη καὶ αὐτὸς ἐν τῶ μέσω. πάντες δὲ ἀπέβλεπον εἰς αὐτόν, ὡς ἅτε ξένον ὄντα καὶ ἐξ ἀλλοδαπῆς χώρας. ὁ ἔμπορος δὲ ἀβάνης. ὡς ἅτε δεσπότης αὐτῶ ὤν, ἐν ἄλλω τόπω ἀνεκλίθη. ἐσθιόντων δὲ πάντων καὶ πινόντων καὶ εὐφραινομένων. ὁ θωμᾶς, οὐδὲ ὅλως ἐγεύσατο τινός. λέγουσιν αὐτῶ οἱ συνανακείμενοι. σὺ ἄτε τί ἦλθες ὧδε. μήτε ἐσθίων, μήτε πίνων. ὁ δὲ ἀπεκρίνατο λέγων αὐτοῖς. ἐγὼ ἀδελφοί. οὐ διὰ βρῶσιν καὶ πόσιν ἦλθον ἐνταῦθα. ἀλλ' ἵνα τὸ θέλημα τοῦ βασιλέως πληρώσω. οἱ γὰρ κήρυκες τὸ τοῦ βασιλέως πρόσταγμα κηρύσσωσιν. καὶ ὃς ἂν μὴ ὑπακούσῃ. ὑπεύθυνος ἔσται τῆ τοῦ βασιλέως κρίσει. δειπνησάντων οὖν αὐτῶν καὶ εὐφρανθέντων, προσηνέχθησαν στέφανοι καὶ μύρα τοῖς ἀνακειμένοις. καὶ λάβοντες ἕκαστος φ. 52. αὐτῶν ἐκ τοῦ μύρου, ὁ μὲν τὴν ὄψιν ἑαυτοῦ ἤλειψεν. ὁ δὲ. τὸ γένειον. ὁ δὲ. ἄλλα τινὰ μέρη τοῦ σώματος. ὁ ἀπόστολος δε, τὴν κορυφὴν τῆς ἑαυτοῦ κεφαλῆς ἤλειψεν. ἐπέχρισε δε ὀλίγον καὶ τοὺς μυκτῆρας αὐτοῦ. ἔσταξε δὲ καὶ εἰς τὰς ἀκοὰς αὐτοῦ. καὶ τὰ περὶ τὴν καρδίαν αὐτοῦ συνέχρισεν. καὶ τον στέφανον δὲ τὸν προσενεχθέντα αὐτῶ. ἐκ μυρτίνης καὶ ἄλλων ἀνθέων πεπλεγμένον. λαβὼν ἐπέθετο τῆ ἑαυτοῦ κεφαλῆ. καὶ κλάδον ἐν τῆ χειρὶ αὐτοῦ ἔλαβεν καὶ κατεῖχεν. ἦν δέ τις αὐλήτρια γυνὴ ἐκεῖσε.

вѣдати да вси. съберѫтса на бра. богати же и нищии раби же и свободнии и страни и слышна не прииде повиненъ бѫде црскому сѫду. глаше купе фомѣ поидевѣ и вѣ да неразгнѣваевѣ цра. начѣ и страника сѫща. обитаста же к гостинницѣ и мало почивше приидоста на бра. апль ѿ обою надеса посреди всѣ возлеже. и вси на взираху яко на странна и чюжеземца. вѣбо зрако красе веравшим же всѣмь и веселяще. фома же никако не вкуси возлежащии же с ни глаху ему ты почто приидѣ сѣмо ни яди ни пиа. апль же ѿвѣща к ни гла азъ братїе ни ядениа ни пития ра приидо сѣмо. но да волю црку сконча(ю). проповѣдници бо црки проповѣдаю даи не послушае то повине бѫде сѫду цру. верескиим же имъ овъ главу си помазаше овъ браду инии же инаа мѣста. апль же по темени са помаза и по срцу и по ноздра. и венецъ мурино на главу си возложи. тро сурову в руцѣ си держа. ходаше же и свирелница по долгѣ вса пришеши близ апла ста свиряюще на главою его. оному зращу на земяю. един ѿчеканцыи заушивъ зрѣв же на апль гла ему. гь мои да остави и в бѫдущии в вѣ. а в си в вѣ покаже чю на руцѣ бившеи ма и да узрю псы влачиму и начаа жидовскы пѣти. слико ча еди и ега преста вси на взираху неразумѣ глаы и. но видахомъ зра его измѣне свирѣлница все то видѣвши. ѿступи ѿ не инѣ свиряше. егда преста свїряющи всѣ противу ему сѣшу пребы на взирающе кога ѿиде ѿ пира возлюби бо и яко земляни своего. чювашии иже вѣ заушии изыде на источїкъ почерсти воды. и лучи тѫ лвѫ быти и излѣз и порази и исѣвъ на уды излѣзе ѿ него тогда приидоша пси и разнесоша и. еди пъ черпъ десную его руку взем посре пира внесе. они видѣвше убояша. и глаху кто убо погибе ѿ на.

ἥτις περιερχομένη πάντας τοὺς ἀνακειμένους. ηὔλει ἔμπροσθεν αὐτῶ. ἐλθοῦσα δὲ ἐν τῶ τόπω εν ᾧ ἦν ὁ θωμᾶς ἀνακείμενος. ἔστη ἐπάνω αὐτοῦ ὥραν πολλήν. αὕτη δε ἡ αὐλήτρια. ἦν τῶ γένει ἑβραῖα. αὐλοῦντης δὲ αὐτῆς πρὸς τῆ κεφαλῆ τοῦ θωμᾶ. αὐτὸς οὐ προσεῖχεν αὐτῆ. ἀλλὰ πρὸς τὴν γῆν νενευκώς. ἔβλεπε κάτω. εἷς δέ τις τῶν οἰνοχόων δι αὐτοῦ παρερχόμενος. ἰδὼν αὐτὸν οὕτω κάτω νεύοντα, ἐρράπισεν αὐτοῦ τὴν σιαγόνα τῆ ἰδία χειρί. εἰπὼν αὐτῶ. ἵνα τι οὕτως καθέζη στυγνάζων. καὶ οὐ προσέχεις τῆ αὐλητρία. ἔμπροσθέν σου αὐλούσῃ ἐπι τοσαύτην ὥραν, ἐπάρας δὲ ὁ ἀπόστολος τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐτοῦ. καὶ προσσχὼν τῶ τύψαντι αὐτόν, εἶπεν αὐτω τῆ ἑβραΐδι διαλέκτω. ὁ θεός μου ἀφίκει σοι εἰς τὸν μέλλοντα αἰῶνα τὴν ἀδικίαν ταύτην. εἰς δὲ τὸν κόσμον τοῦτον δείξει εἰς σὲ τὰ θαυμάσια αὐτοῦ. καὶ θεάσομαι τὴν χεῖρα τὴν τύψασαν με, ὑπὸ κυνῶν συρόμενην. καὶ ἤρξατο ψάλλειν ἑβραϊστί. ἐπι ὥραν μίαν. πάντες δὲ ἤκουον αὐτοῦ ψάλλοντος. καὶ ἦσαν αὐτῶ ἀτενίζοντες, καὶ μὴ νοοῦντες τὰ ὑπ' αὐτοῦ λεγόμενα. ἡ δὲ αὐλήτρια ἐκείνη γύνη. καθὼς προεῖπον ἑβραία οὖσα, πάντα τὰ ὑπ' αὐτοῦ λαλούμενα ἐνόει. καὶ ἀποστᾶσα ἀπ' αὐτοῦ. ἄλλοις ηὔλει. πυκνὰ δε πρὸς αὐτὸν ἠτένιζε. θαυμάζουσα τοῖς αὐτοῦ ῥήμασι καὶ ὡς ὁμόεθνον ἀγαπήσασα αὐτόν. φ. 52 οδ. ἦν γὰρ ὁ θωμᾶς ὡραῖος τῆ ἰδέα. ὑπὲρ πάντας τοὺς ἐκεῖ ἀνακειμένους. ὅτε οὖν ἐτέλεσεν ἡ αὐλήτρια πᾶσι καταβλήσασα. ἀντικρὺ τοῦ ἀποστόλου καθεσθεῖσα, ἀδιαλείπτως ἦν ἀφορῶσα καὶ ἀτενίζουσα εἰς αὐτόν. αὐτὸς δε. οὐδόλως ἑώρα πρός τινα, οὐδὲ προσεῖχεν τινί, ἀλλὰ μόνον εἰς τὴν γῆν εἶχε τοὺς ὀφθαλμούς. κάτω νεύων καὶ προσδεχόμενος πότε ἐκεῖθεν ἀναστῆ. Ὁ μέν τοι οἰνοχόος ἐκεῖνος. ὁ ῥαπίσας τὸν μακάριον θωμᾶν, ἐξῆλθεν εἰς τὴν πηγὴν ἀντλῆσαι ὕδωρ. συνέβη δὲ ἐκεῖ πλησίον τόπου ὄντος ὑλώδους, λέοντα ἐν τῶ ἄλσει οἰκεῖν. ὃς. τῆ ὥρα ἐκείνη ἐκπηδήσας, διεσπάραξε τὸν οἰνοχόον παρὰ τῆ πηγῆ, καὶ μεληδὸν κατακόψας. ἀνεχώρησεν, κύνες δὲ ἐλθόντες, ἔλαβεν ἕκαστος τῶν μελῶν τοῦ οἰνοχόου καὶ ἤσθιεν. εἷς δὲ κύων. λαβὼν αὐτοῦ τὴν δεξιὰ χεῖρα, μέσον τοῦ συμποσίου εἰσήνεγκεν. οἱ δε, ὡς εἶδον, σφόδρα ἐφοβήθησαν. λέγοντες τίς ἄρα ἐστιν ὁ ἐξ ἡμῶν ἀπολειφθείς. ὡς δὲ φα-

νερὸν πᾶσι γέγονεν. ὅτι τοῦ οἰνοχου ἐστιν ἡ χεὶρ. τοῦ τύψαντος τὸν ἀπόστολον. ευθὺς ἡ αὐλήτρια. συντρίψασα τοὺς ἀυλοὺς καὶ ἐις τὴν γῆν ρίψασα, ἀπελθοῦσα ἐκαθέσθη παρὰ τοὺς πόδας μακαρίου θωμᾶ. καὶ ἔλεγε πρὸς τοὺς παρόντας. ὅυτος ὁ ἄνος. ἢ θς ἔστιν. ἢ ἀπόστολος θῦ. ὡς γὰρ ἐρράπισεν ἀυτὸν ὁ οἰνοχόος, ἤκουσα ἐγὼ τούτου πρὸς ἐκεῖνον ἐιπόντος ἑβραϊστὶ. ὅτι ἴδω τὴν χεῖρα τὴν τύψασάν με, βασταζομένην ὑπὸ κυνὸς. ἰδοὺ τοίνυν. ὅπερ εἶπεν τοῦτο καὶ συνέβη. καθὼς καὶ ὑμεῖς βλέπετε νῦν. ταῦτα τῆς γυναικὸς ἐιπούσης. οἱ μὲν ἐπίστευσαν ἀυτῆ. οἱ δὲ ὀυκ ἐπίστευσαν. ἀκουστὸν δὲ γέγονε τοῦτο. καὶ τῷ βασιλεῖ τῆς πόλεως. ὃς καὶ πίστευσας ἀληθῆ εἶναι τὰ περὶ τοῦ ἀποστόλου λεγόμενα. ἀπῆλθε πρὸς αὐτον. καὶ παρεκαλεῖ τοῦτον. λέγων. ἐγὼ μὲν ἄνε. τὰ περὶ σου ἀκούσας, πέπεισμαι εἶναι σε ἀνδρὰ δίκαιον. σὺ δὲ ἀναστὰς ἐλθὲ μετ' ἐμοῦ. καὶ ἔυξαι ὑπὲρ τῆς ἐμῆς θυγατρὸς. ὅτι μονογενὴς μοι ἐστὶ. καὶ σήμερον ἐκδίδωμι ἀυτὴν ἀνδρι πρὸς γάμον. ὁ δὲ ἀπόστολος οὐκ ἠβούλετο ἀκολουθῆσαι τῷ βασιλεῖ. διότι οὐκ ἦν αὐτῷ φ 53. ἀποκαλυφθὲν ἐκεῖσε παρὰ τοῦ κῦ. ὅμως δὲ. πολλὰ ὑπὸ τοῦ βατιλέως ἀναγκασθὲις. συνεπορέυθη αὐτῷ καὶ βαυλόμενος. ἐισήνεγκεν δὲ αὐτὸν ἐν τῷ νυμφῶνι. ἔνθα ἦν ἡ τοῦ βασιλέως θυγάτηρ μετὰ τοῦ νυμφίου αὐτῆς. καθεσθὲις οὖν ὁ Θωμᾶς μόνος σὺν τῷ νυμφιω καὶ τῇ νύμφῃ. ἤρξατο αὐτοὺς νουθετεῖν. καὶ ὑποτίθεσθαι τούτοις τὸ τῆς θεοσεβείας κήρυγμα. ἐδίδαξεν τὲ αὐτοὺς ὅσον ἠδύναντο χωρεῖν. τὰ περὶ τῆς ὁμοουσίου θεότητος. καὶ τὰ περὶ τῆς ἐισάρκου οἰκονομίας τοῦ μονογένους υἱοῦ τοῦ θῦ. ἐπευξάμενος τε αὐτοῖς. ἐξῆλθεν ἐιπὼν πρὸς αὐτοὺς. ἡ

и се вы ѩвѣ всѣ ѩко чевачна єсть винина апла. свирѣлнїца пищали разломльше пре ногама апла поверже. глюще всѣ враѯе се члвкъ ли бъ є. ли бжии є апль аз бо слыша его глюща живькы чеканчню. да оузрю рукѹ твою ѱѡ влачимѹ. да ѡви ѩша вѣрѹ свирѣлници. ови не ѩша. слышав же црь приде гла фомѣ приди со мною да помолиши за дщерь мою ѩко єдиночада ми єсть. и днь ю даю мѹжеви. и пои и введе в чертѡ апль же помолися за на. и оутверди ю изыде рек има миръ гнь блгти его бѹ с вами. и се ре изыде и иде на пѹ свои. всѣ излѣсши жени заклѣсѹ чертоноѵю ѡвлече да невѣстѹ введе к себѣ. и видѣ нѡвна стояща фомѣ и бѣсѣдѹюща с невѣстою. и гла к немѹ не первїе ли всѣ изыде како обрѣте здѣ и ре гь к немѹ нѣсмь азъ фома но бра его єсмь. и сѣде гь на одрѣ нача оучити и глати помнита чадѣ мои є бра мои бѣсѣдова с вами. и комѹ вы преда єсть. се разѹмѣита ѩко аще соблюдетася вес порока то бо прое житїя сего бѹдета цркви стѣ избавлена ѡ всего тлѣнїя ѩвленаго и потаеннаго. и ѡ накостныя и не полезныя печали аще бо бѹдѹ дѣти ѹ вою то тѣ ра имата быти и. и обидѣти вдовица. и сироты и се творяща имата ворещи в лютыя мѹки. но пребѹдета чистащеня ѡ всего. чающе приати ѡистинаго жениха вашю вѣща нетлѣнна. сице поѹчивъ я гь. изыде ре има гь вою бѹди с вами. слышав же юноша и юнка вѣрѹ ꙗста гѹ ипемѹ. и пребыста всю нощъ никако оуснѹвша. оутрѹ бывшѹ црь

ἐιρήνη τοῦ κῦ καὶ ἡ χάρις ἔσται μέθ ὑμῶν. καὶ ἐυθὺς ἐπορεύθη πρὸς τὸν ἔμπορον ἀβάνην. ἐκεῖθεν τε ἐκπλεύσαντες, ὥδευον ἐπὶ τὰ τῆς ἰνδίας μέρη. οἱ μεν τοι νέοι οἱ ὑπὸ τοῦ ἀποστόλου διδαχθέντες. ἡ τοῦ βασιλέως φημι θυγάτηρ καὶ ὁ ταύτης ἀνὴρ. ἑσπέρας καταλαβούσης, καὶ τῶν λοιπῶν πάντων ἐκεῖθεν ἐξελθόντων. κλείσαντες οὗτοι τὰς θύρας τοῦ νυμφῶνος. μόνοι ἐκαθέζοντο οἱ δύο. ἔφικαν ην δε ὥραν ὁμιλήσαντες προς ἀλλήλους περὶ τῶν ὑπὸ τοῦ θωμᾶ πρὸς ἀυτοὺς λαληθέντων. καὶ ἤδη ἅμα συγκαθευδῆσαι μέλλοντες, ἐυτὺς ἐπιφαίνεται ἀυτοῖς ὁ χσ. ἐν τῷ σχήματι τοῦ ἀποστόλου ἐισελθὼν πρὸς ἀυτοὺς. καὶ τοῦτον ἰδόντες συντόμως τῆς κλίνης ἀνεκάθισαν. καὶ λέγει ἀυτῷ ὁ νύμφιος. ουχὶ πρὸ πάντων ἐξῆλθες ἐντεῦθεν; καὶ πῶς νῦν ἐυρέθης ὧδε. καὶ ὁ κσ πρὸς ἀυτὸν ἀπεκρίνατο λέγων. οὐκ ἐιμὶ ἐγὼ ὁ θωμᾶς ἀλλὰ ἀδελφὸς ἀυτου ἐιμί. καθεσθεὶς δὲ ἐπὶ τῆς κλίνης ὁ κς, ἐκέλευσε καὶ ἀυτοὺς καθίσαι ἐπὶ τῶν διφρων. καὶ ἤρξατο ἀυτοὺς διδάσκειν καὶ λέγειν. μνημονευετε τέκνα. ἃ ὁ ἀδελφὸς μου ἐλάλησε πρὸς ὑμᾶς. και τίνι παρέθετο ὑμᾶς; τὰ αὐτὰ κἀγὼ ὑμῖν λέγω. ὅτι. ἐαντηρήσητε ἑαυτοὺς ἀμολύντους ἀπὸ σαρκικῆς συνουσίας. ἔσεσθε τὸ λοιπὸν καθαροὶ καὶ ἅγιοι. ἀπαλλαγέντες θλίψεων καὶ οδυνῶν. φανερῶν καὶ ἀφανῶν. ἃ προξενοῦσιν αἱ τοῦ βίου φροντίδες καὶ τῶν τέκνων, ὧν τὸ τέλος ἀπώλεια. ὑπάρχει. ἐαν γὰρ κτήσησθε τέκνα. μέλλετε διὰ ταῦτα γίνεσθαι. ἅρπαγες καὶ πλεόνεκται. ὀρφανοὺς πνίγοντες. καὶ χήρας ἀδικοῦντες. καὶ ταῦτα ποιοῦντες. ὑποβάλλετε ἑαυτοὺς ἐις δεινας τιμωρίας. ἀλλὰ καὶ τὰ τέκνα πολλάκις γίνονται ἄχρηστα. ὑπὸ δαιμόνων ὀχλούμενα. τὰ μὲν φανερῶς τὰ δὲ καὶ κρυπτῶς. γινονται γὰρ. ἢ σεληνιαζόμενα ἢ ἡμιξηρα. ἢ τυφλωθέντα. ἢ κωφὰ καὶ ἄλαλα. ἢ παραλυτικὰ καὶ μωρὰ γενήσονται. ἐιδὲ καὶ ὑγιῆ τῷ σώματι ἔσονται. διδαχθήσονται φ. 53 οб. βδελυκτὰ ἔργα διαπράττεσθαι. ἐυρεθήσονται γὰρ. ἢ ἐν μοίχειαις. ἢ ἐν κλοπῇ. ἢ ἐν φόνῳ. ἢ ἐν ἄλλοις ἀσελγέσι πράγμασιν ἐργαζόμενοι. καὶ ἐν τούτοις πᾶσιν ὑμεῖς λυπηθήσεσθε, ὑπὸ πάντων δεχόμενοι μέμψεις και ὀνειδισμοὺς. ὡς τοιούτων τέκνων γεγονότες πρες. ἐὰν δὲ ἀκούσητε. τῆς ἐμῆς τε καὶ τοῦ ἐμοῦ ἀδελφοῦ θωμᾶ συμβουλῆς καὶ παραινέσεως. καὶ τηρήσητε τὰ. σώματα καὶ τὰς ψυχὰς ἑαυτῶν ἅγνα τῷ θεῷ, ἔσεσθε ἀμέριμνοι καὶ ἄμεμπτοι ἐν τῷ σὲ τοβίῳ. ἐν δε τῷ μέλλοντι ἀπολήψεσθε ἐκεῖνον τὸν ἄφθαρτον γάμον καὶ ἀληθινόν. συνεισερχόμενοι ἐις τὸν νυμφῶνα τὸν ἐπουράνιον τὸν πλήρη ἀθανάσιας, καὶ φωτὸς ὄντα. ἐν ᾧ καὶ αγαλλιαθήσεσθε. ἐις ἀπεράντους καὶ ἀτελευτήτους αἰῶνας. ταῦτα διδάξας αὐτοὺς ὁ σῆρ. καὶ ἐπευξάμενοις αὐτοῖς, ἐξῆλθεν ἀπ αὐτῶν. Οἱ δὲ νέοι, πάντα τὰ λαληθέντα δεξάμενοι ἐν ταὶς ἑαυτῶν καρδίαις. καὶ πιστεύσαντες τῷ Κῶ. καὶ τοῦ φωτὸς τῆς θεογνωσίας λάμψαντος ἐν ταῖς καρ-

δίαις αὐτῶν, ἀπέσχοντο τῆς ρυπαρᾶς ἐπιθυμίας. καὶ ἔμειναν διὰ νυκτερέυοντες οὕτως, καὶ ἀλλήλους ὑποστηρίζοντες πρὸς εὐσέβειαν. τῇ δὲ ἑξῆς ἡμέρα. ὁ βασιλεὺς πληρώσας τράπεζαν εδεσμάτων, εἰσήνεγκεν ἐν τῷ νυμφῶνι. ἐυωχηθῆναι θέλων περισσοτέρως μετὰ τῶν νεονύμφων. καὶ ἐπὶ τῇ τῶν ἐνώσει εὐφρανθῆναι. ἐισελθὼν τοίνυν, εὗρεν αὐτοὺς κεχωρισμένους καὶ ἀπέναντι ἀλλήλων καθεζομένους. ἰδὼν δὲ τὴν ὄψιν τῆς αὐτοῦ θυγατρὸς ἀκάλυπτον. λέγει αὐτῇ. διὰ τὶ οὕτως καθέζῃ, τέκνον ἀναιδῶς. ὡς ἤδη πολὺν χρόνον συμβιώσασα τῷ ἀνδρί σου. ἡ δὲ ἀποκριθεῖσα λέγει αὐτῷ. ἀλληθῶς πὲρ ἐν πολλῇ ἀγάπῃ ὑπάρχω. τῷ θεῷ μου εὐχαριστοῦσα. ὅτι τὸ τῆς ἀνοιας καὶ αἰσχύνης κάλυμμα ἀφήρηται ἀπ' ἐμοῦ. ἑτέρω τε γάμω ἀληθινῷ συνεζευχθην. καὶ ἐν ἡμέρα χαρᾶς μου οὐκ ἐνεπαίχθην. Ομοίωσ δε καὶ ὁ νύμφιοσ ἤρξατο λέγειν. εὐχαριστῶ σοι. δέσποτα κε̃ Ιυ̃ Χε̃. ὅτι διὰ τοῦ δούλου σου θωμά ἐνεφάνισας ἡμῖν σαυτόν. καὶ τῆς τοῦ σώματος ἀκαθαρσίας ἡμᾶς ἐλυτρώσω. εὐχαριστῶ σοι. τὴν ἑαυτὸν καταγαγοντι ἕως ἡμῶν τῶν ταπεινῶν. φ. 54. τῷ ἀπαλλάξαντι ἡμᾶς τῶν ματαίων καὶ προσκαίρων. καὶ δόντι χεῖρα βοηθείας ἡμῖν ἀπολλυμένοις. εὐχαριστοῦμεν σοι κε̃ Ιυ̃ Χε̃. τῷ βασιλεῖ καὶ δεσπότῃ τῶν ἁπάντων. ὅτι ἀξίους ἡμᾶς. ἔκρινας ἐπιγνῶναι. σὲ τὸν μόνον ὄντα θν̃ ἀληθινὸν. ταῦτα ἀκούσας ὁ βασιλεὺς λαλούμενα ὑπὸ τοῦ νυμφίου τὲ καὶ τῆς νύμφης, διέρρηξεν εαυτοῦ τὴν ἐσθῆτα. Καὶ ἤρξατο κελέυειν μετ' ὀργῆς τοῖς ἑαυτοῦ ὑπηρέταις καὶ λέγειν. ἐξελθόντες τάχεως. περιέλθετε πᾶσαν τὴν πόλιν. καὶ εὑρόντες τὸν πλάνον ἐκεῖνον. τὸν κακῶς ἐνταῦθα παραγεγονότα ἀγάγετε μοι αὐτὸν ὧδε. ἐγὼ γὰρ εἰσήγαγον τοῦτον ἰδίαις χερσιν ἐν τῷ νυμφῶνι. τοῦ ἔυξασθαι ὑπὲρ τῆς ἐμῆς θυγατρὸς. ἐκεῖνος δὲ διέστρεψεν αὐτοὺς. καὶ ἀπώλεσε τὴν ἐμὴν θυγατέρα. ὅστις οὖν εὑρὼν αὐτὸν ἀγάγει μοι ὧδε. σώζει μου τὸ τέκνον. καὶ ἔστι ἂν αἰτήσῃ με ὑπὲρ ταύτης τῆς χάριτος, δίδωμι αὐτῷ μεγαλοψύχως. ἐξελθόντες τοίνυν περιῆλθον πᾶσαν τὴν πόλιν. ζητοῦντες τὸν θωμᾶν. καὶ οὐχ' εὗρον. ἦν γὰρ ἄδη ἐκπλέυσας ἐκεῖθεν μετὰ ἀβάνη τοῦ ἐμπόρου. καθὰ προείρηται. ἀπῆλθον δὲ οἱ ζητοῦντες τοῦτον, ἐν ὧ ἦν καταλύσας πανδοχειω. καὶ εὑρόντες ἐκεῖσε καθεζομένην τὴν αὐλήτριαν καὶ κλαίουσαν πικρῶς διὰ τὴν τοῦ ἀποστόλου ἀναχώρησιν, ἐξηγήσαντο αὐτῇ τὰ περὶ τῆς θυγατρὸς τοῦ βασιλέως καὶ τοῦ ταύτης ἀνδρὸς. ὅπως τῇ διδαχῇ ἐκείνου πρὸς θεογνωσίαν ἐπέστρεψαν. καὶ τῆς ἀλλήλων ἀπέχοντο συνουσίας ταῖς παραινέσεσι αὐτοῦ καὶ ἀγαθαῖς συμβουλίαις. Ταῦτα ἀκούσασα ἡ αὐλήτρια. ἐχάρη σφόδρα. καὶ τὴν λύπην ἀποθέμενη, ἀπῆλθεν ἀναστάσασα πρὸς τοὺς νέους. καὶ ἦν σὺν αὐτοῖς χρόνον ἱκανὸν. ἕως ἂν καὶ τὸν βασιλέα πρὸς θεογνωσίαν ἐπέστρεψαν. φωτισθέντες ἤδη τὰς ψυχὰς. τῇ τοῦ ἁγίου πν̃ς χάριτι. χρόνου δὲ πολλοῦ προβεβηκότος. μαθόντες ὅτι ἐν τοῖς μέρεσι τῆς ἰνδίας ὁ θωμᾶς διάγει διδάσκων, ἐπορέυθησαν πρὸς αὐτόν. καὶ ὑπ' ἐκείνου τῷ ἁγίω βαπτίσματι τελεωθέντες, σὺν αὐτῷ διῆγον ἐκεῖσε. Ὅτε δε ἦλθεν ὁ θωμᾶς ἐν ἰνδία μετὰ τοῦ ἐμπόρου, εἰσῆλθεν πρὸς τὸν ἀποστεῖλαντα αὐτὸν βασιλέα ὁ ἀβάνης. καὶ ἀνήγγειλεν αὐτῷ περὶ τοῦ θωμᾶ ὡς ἔστιν ἱκανώτατος καὶ ἐπιτήδειος. περὶ τε τὴν οἰκοδομικὴν καὶ τὴν ἄλλην πασαν τεκτονικὴν ἐπιστήμην. ἀκούσας δὲ ὁ βασιλεὺς. λίαν ἐχάρη. καὶ αὐτῇ τῇ ὥρα προσέταξεν εἰσενεχθῆναι τὸν θωμᾶν πρὸς αὐτόν. εἰσελθόντος οὖν τοῦ ἀποστόλου πρὸς τὸν βασιλέα, ἠρώτησεν αὐτὸν λέγων. ποίαν ἐργασίαν γινώσκεις ἐν ξύλοις. καὶ ποίαν ἐν λίθοις. ὁ δὲ ἀπεκριθεὶς ἔιπεν. ἐν μὲν ξύλοις, πλοῖα τὲ καὶ ἁμάξας. ἄροτρα τε καὶ ζυγοὺς. καὶ ὅσαπερ ἄλλα διὰ ξύλων κατασκευάζονται ἔργα. ἐν λίθοις δὲ ἐπίσταμαι. στήλας καὶ ναοὺς οἰκοδομεῖν. καὶ παλάτια βασιλικὰ. Ὁ δὲ βασιλεὺς. ἐπὶ πλεῖον περιχαρεὶς, λέγει. κἀγὼ τοιούτων ἔργων χρειαν ἔχω. ἐν πρώτοις οὖν βούλομαι σε κτίσαι μοι παλάτιον. δι' οὗ σου καὶ ἡ περὶ τὰ λοιπὰ ἔργα δοκιμωτάτη πεῖρα βεβαιωθήσεται. λαβὼν δὲ αὐτὸν κατ' ἰδίαν ὁ βασιλεὺς, διελέγετο ἐπιμελῶς τούτω περὶ τῆς οἰκοδομῆς τοῦ παλατίου. καὶ παρήγγελλεν ἀσφαλῶς. πᾶσαν σπουδὴν καὶ ἐπιμέλειαν περὶ τὸ τοιοῦτο ἔργον ἐνδείξασθαι. καὶ ἀπελθὼν σὺν αὐτῷ. ὑπεδείκνυεν τουτω τὸν τοπον ἐν ᾧ ἔμελλε κτισθῆναι

наложи трапезу и внесе пре ни. и обрѣте а сѣдѧща противу себе. лице невѣстино ѿкровенно сѫще. и гла к ней почто сице сѣдиши една и не покровена по ꙗко многа лѣта поживше с муже си. она ѿвѣща глюще воистину ѡче во многи любве есвѣ. и гу нашемоу моливѣса. ꙗко покро стыда вы ѿта ѿ мене. зане иному браку соучтена есмь истину и во днь радости сї непрещена вы. и в днь млчїа не смятоса. тако имъ нать глати. хвалю та вако ги ꙇсе хе ꙗвленса на страниньи рабо твой. избави ма ѿ спаденїа свѣдми уво са до мене смиренна свобожен ма ѿ времани простри руку гивнущи ми. ги ꙇсе хе всѣ вако црю сты истины хвалиш та о всѣ. си слиша црь растерза ризы своа. и ше рече изшедше скоро приведите ми лъстьца оного да и аз своима рукама погублю его. аще ли кто обрѣ приведе ми то спеть дщерь мою. его аще проси да ему. шеше же и обходиша всю землю и не обрѣтше приидоша к гостиницу и обрѣте пѣскателнїцу едину плачющу его ра. и востакше прiде къ оуношема и вѣ с ними служаше има. оуноша ти научиша цра по времени мнозѣ оуслыша авàн ꙗко во индии оучить и шеша прiаша ѿ не свою благтную. просвѣщени выкше въ имѧ ѡца и сна и стго дха. егда прииде авàнъ во индею со авванo купце. авие возвести црви. о зижници и возрадовасѧ и повелѣ фомѣ внити. и гла к нему кое дѣло умѣєши во древѣ. ѿвѣща авàнъ древо убо рала. колеса весла кормила. стежера. каменїем же стопы цркве. дворы цркыа. црь не оливвса радости и ре. и азъ такого хитреца требую. но созижи ми полату. и пои и вѣсвдоваше с ни о здании полаты и како подобае камен положити. егда приидоша до мѣста идѣ хотѣ полату здати гла ему на

τὸ παλάτιον. καὶ λέγει αὐτῶ ὁ ἀπόστολος. ἀληθῶς βασιλεῦ. πάνυ ἔστιν ἐπιτήδειος ὁ τόπος πρὸς οἰκοδομὴν παλατίου. ἦν δὲ ὁ τόπος ἀλσώδης. ὕδατα πολλὰ ἔχων. καὶ περὶ τὴν λοιπὴν θέσιν σεμνοπρεπὴς ὤν. καὶ λέγει αὐτῶ ὁ βασιλεὺς. ἄπαρξαι τοῦ κτίζειν λοιπὸν. διότι καὶ ὁ καιρὸς ἁρμόδιος. ἔστιν ἄρτι. λέγει δὲ ὁ ἀπόστολος. νῦν οὐ δύναμαι ἄρξασθαι κτίζειν ἐν τῶ καιρῶ τούτω. καὶ ὁ βασιλεὺς φησίν. καὶ πότε. εἶπεν δὲ ὁ ἀπόστολος. ἄρχομαι ὑπερβερεταίω μηνὶ, καὶ πληρῶ ἀπριλλίω. θαυμάσας δὲ ὁ βασιλεὺς εἶπεν. πᾶσα οἰκοδομὴ. θέρους γίνεται. σὺ δὲ ἐν αὐτῶ τῶ χειμῶνι δύνασαι κτίζειν; καὶ φησίν ὁ ἀπόστολος. οὕτως ὀφείλει γενέσθαι. καὶ ἄλλως οὐ γίνεται. ὁ δὲ βασιλεὺς εἶπεν, ἐι τοίνυν τοῦτο σοι ἔδοξε, κᾂν διαχάραξόν μοι. ἵνα ἴδω πῶς γίνεται τὸ ἐργον. Ἐπειδὴ διὰ χρόνοῦ παραγίνομαι ἐνταῦθα. λαβὼν δὲ κάλαμον ὁ ἀπόστολος, διεχάραξε μὲν τὸν τόπον. φ. 55. καὶ τὰς μὲν θύρας ἔστησε κατὰ τὴν ἀνατολὴν τοῦ ἡλίου βλέπειν τὸ φῶς. τὰς δὲ θυρίδας. κατὰ δύσιν πρὸς τοὺς ἀνέμους. τὸ δε ἀρτοποίειον. πρὸς μεσημβρίαν ἐποίησεν εἶναι. τὸν δὲ ἀγωγὸν τοῦ ὕδατος τοῦ ἐις ὑπηρέσιαν ἐις τὸ ἀρκτῶον μέρος διεσήμανε γενέσθαι. ἰδὼν οὖν ὁ βασιλεὺς τὸν τόπον λέγει τῶ θωμᾶ. ἀληθῶς ἀν͂ε. τεχνίτης εἶ. Καὶ πρέποι σοι βασιλεῖ ἐξυπηρετεῖσαι, καὶ δοὺς αὐτῶ χρήματα πολλὰ ἐις τὴν τῆς οἰκοδομῆς δῆθεν ἔξοίον καταλιπὼν αὐτὸν ἀπῆλθεν. συχνότερως δὲ ἀπέστειλλεν αὐτῶ καὶ ἄλλα χρήματα καὶ τὰ ἐπιτήδεια πάντα. ὅπως μηδὲν λείψη αὐτῶ ἐν τῶ ἔργω. λαβὼν δὲ ὁ ἀπόστολος παρὰ τοῦ βασιλέως. τὰ χρήματα. δεχόμενος δὲ καὶ τὰ ὑπ' αὐτοῦ πεμπομενα. περιήρχετο τὰς πόλεις καὶ τὰς κώμας. οἰκονομῶν καὶ διανέμων ταῦτα τοῖς δεομένοις πᾶσιν. ἔλεγε γὰρ. τὰ τοῦ βασιλέως χρήματα. τῶ βασιλεῖ δοθήσεται. Καὶ ἄνεσις ἔσται πολλοῖς. μετὰ δὲ χρόνον τινὰ. ἀπέστειλε πρὶς αὐτὸν ὁ βασιλεὺς, μαθεῖν βουλόμενος ἐι ἐκτίσθη τὸ παλατιον. καὶ δηλοῖ αὐτῶ ὁ ἀπόστολος. ὅτι. τὸ μὲν παλάτιον ἔκτισται. ἡ στέγη δὲ μόνη λείπεται. τότε πάλιν ἀποστέλλει αὐτῶ χρυσίον καὶ ἄργυρον. γράψας αὐτῶ. πολλὴν θέσιν σπουδὴν Καὶ ἐπιμέλειαν πρὸς ἀπαρτισμὸν τοῦ ἔργου. Ὁ δὲ ἀπόστολος, δεξάμενος καὶ ταῦτα. διέδωκε τοῖς ἐνδέεσσιν καὶ πτωχοῖς. εὐχαριστῶν τῶ σρ͂ι καὶ λέγων. εὐχαριστῶ σοι κε͂ μου Ιῦ Χε͂. ὅτι πέπρακάς με. ἵνα πολλοὺς δἰ ἐμοῦ ἐλευθερώσης τῆς πλάνης καὶ ἀγνωσίας τοῦ ματαίου βίου. ᾽ϑκ ἐπάυετο δὲ διδάσκων καὶ ἐπιστρέφων τοὺς αν͂ους. πρὸς τὴν ἀληθινὴν τῆς σρ͂ιας ὁδόν. διανέμων δε τοῖς δεομένοις τὰ τοῦ βασιλέως χρήματα. ἔλεγεν αὐτοῖς. ταῦτα ὁ Κύριος ὠκονόμησεν ὑμῖν ἀδελφοὶ, αὐτὸς γὰρ χορηγεῖ ἑκάστω τὴν τροφὴν. καὶ αὐτὸς ἔστιν ὁ τροφεὺς τῶν ὀρφανῶν. καὶ οἰκονόμος τῶν χηρῶν. καὶ αὐτος ὑπάρχει πᾶσι τοῖς τεθλιμμένοις. ἄνεσις καὶ παράκλησις. μετὰ δὲ χνόνον πολὺν. ἐρωτήσας δὲ περὶ τῆς οἰκοδομῆς τοῦ παλατίου. λέγουσιν αὐτῶ τινὲς. γινώσκετο σου τὸ κράτος. ὦ βασιλεῦ. ὅτι οὔτε τὸ παλάτιον ἔκτισεν. οὔτε ἕτερον τι ἐποίησεν. ἀλλὰ περιέρχεται τὰς πόλεις καὶ τὰς κώμας. καὶ ἐι τι ἔχει. πάντα δίδωσι τοῖς πένησιν. διδάσκει δε τοὺς αν͂ους. θν͂ νέον. χν͂ λεγόμενον. οὗ καὶ τῆ ἐπικλήσει μόνη νοσοῦντας ἰᾶται καὶ δαίμονας ἀπελάυνει, καὶ ἄλλα ποεῖ παράδοξα. νομίζομεν δε ἡμεῖς. Ὅτι μάγος ἐστὶν. ἀλλὰ ἡ εὐσπλαγνία αὐτοῦ καὶ αἱ ἰάσεις. καὶ αἱ δωρεαὶ αἱ ὑπ' αὐτοῦ γινόμεναι. ἔτι δε καὶ τὸ ἁ π λ ο ῦ ν αὐτοῦ καὶ ἐπιεικὲς. καὶ τὸ πρὸς π ά ν τ α ς συμπαθὲς, συμαίν ει ὅτι δίκαιοσ τις ὀνήρ ἐστιν. ἢ ἀπόστολος θῦ νεοῦ. ὅν αὐτὸς καταγγέλλει. αὐτὸν μόνον εἶναι ἀληθῆ θεὸν. συνεχῶς δὲ νηστέυει ὁ ἀνὴρ οὗτος καὶ εὔχεται. καὶ ἄρτον ἐσθίει μόνον μετὰ ἅλατος. καὶ τὸ πόμα αὐτοῦ ἔστιν ὕδωρ. φορεῖ δὲ καὶ ἕν ἱμάτιον πάντοτε, ἐν τε ψύχει καὶ καύματι. οὐδὲν δὲ παρὰ τινος λαμβάνει. ἀλλὰ καὶ ἅ παρέχει. ἄλλοις αὐτὰ δίδωσιν. ταῦτα ἀκούσας ὁ βασιλεὺς τὴν ἑαυτοῦ ὄψιν. τη ἰδία χειρὶ καλύψας, ἔστη ἐνεὸς ἐπὶ ὥραν ἱκανήν. Ἐπάγη γὰρ ὅλος ὑπὸ τοῦ θυμοῦ καὶ τῆς λυπῆς καὶ ὥσπερ ἐξεσ-

сё мѣстѣ хощꙋ. рече ап҃лъ ѩко мѣсто подобно ѥ на зданїе бѣ бо лѣсно и водꙋ имѣа по обилїю и гл҃а к немꙋ начни здати. гл҃а ап҃лъ не могꙋ здати в се времѧ. цр҃ь же рё когда начнеши. фома рё начнꙋ ѿ перва рекомаго и кончаю до ксантїка. рекомаго. цр҃ь же рё всѧко зданїе лѣте сѧ зижеть а ты зимѣ хощеши здати. ап҃лъ рё тако подобаё быти. цр҃ь рё аще тако хощеши то поне знаменаи ю да вижꙋ зане єдиною лѣто прихождꙋ сѣмо. вземже ап҃лъ трѡ. и начерта всю мѣрꙋ полатнꙋю. и ѡкона же начерта на восто свѣта ра. а двери на запа а хлѣбницꙋ на оугъ а водовожꙋ на сѣверъ. видѣв же цр҃ь образ полаты и гл҃а воистинꙋ чаче хитръ еси. подобаё ти цр҃ви служити и оставль ємꙋ зла много и ѿиде и на всѧко времѧ посылаше ємꙋ злато много. и враша по обилꙋ. ап҃лъ же ѡбхожаше грады и веси раздаваюши требꙋющи. и гл҃аше ꙋбо цр҃во имѣнїе цр҃ви дано бꙋди и ѿрада бꙋдё многы. по лѣтѣ єдино посла к немꙋ цр҃ь оувидѣти хотѧ аще созда бы полата. и посла к немꙋ нарѣче ап҃лъ полата ꙋбо создана бы ꙋже. но недостало ти ѥ еи покрова. тогда паки посла к немꙋ зла много и сребро. и написа к немꙋ да бꙋдё пола соверше. ап҃лъ рё въ гꙋ хвалю вако ги ї҃се х҃е. оумрох бо да оживи мѧ да многы свобожꙋ непреста подарїє творѧ скорбѧщи гл҃а. гь инъ сице изволи есть. ѩко то ѥ чть и сла. ѩко то ѥ питатё сиры и застꙋпи вдовица. и скорбѧщимъ биваё оутѣха. по мнозѣ времени прииде цр҃ь въ гра той. и вопрошаше приатѣлѧ о полатѣ и гл҃а ємꙋ ни зда ни инаго ничего не сътвори. но обходи грады и веси млтнѧ творѧ и подаѧ нищи. и оучи єди бъ соущъ ї҃с х҃ъ. и ино много твори. мртвецѧ воставлаё. хромыѧ цѣли вѣсы ѿгони ходи же во єдиной ризѣ. ѩдь его ѥ хлѣбъ и вода. егда оубо вохвъ ѥ. но исцелені его ѩко твори и простыни ѥ и покоренїе то являеть. ѩко првнїкъ ѥ ли ап҃лъ новаго ба. часто поститсѧ. се слыша цр҃ь рꙋкама возби по лицꙋ своемꙋ.

τηκὼς ἦν. ὅμων δὲ ἐις ἑαυτὸν ἐλθὼν Καὶ πολλῷ τῷ θυμῷ ὑπέρζεσας. μετακαλευσατο τὸν ἀβάνην τὸν ἔρπορον. τὸν καὶ ἀγάγοντα αὐτὸν. σὺν αὐτῷ δὲ, καὶ τὸν ἀπόστολον θωμᾶ. παραστάντων οὖν ἀμφοτέρων τῷ βασιλεῖ, λέγει πρὸς αὐτὸν ὁ βασιλεὺς. ἔκτισας μοι τὸ παλάτιον ; ὁ δὲ ἔφη. ναί. ἔκτισα. καὶ λέγει ὁ βασιλεὺς. πότε οὖν ὑπάγομεν καὶ βλέπομεν αὐτὸ. ὁ δὲ ἀποκριθεὶς αὐτῷ ἔφη. νῦν μὲν αὐτὸ ’ἰδεῖν οὐ δύνασαι. ὅτε δὲ, τοῦ βίου τούτου ἐξέλθῃς, τότε βλέπει αὐτό. ῾Ο βασιλεὺς τοίνυν. ὀργισθεὶς πάνυ. ἐκέλευσε δεδεμένους αὐτοὺς βληθῆναι ἐις φυλακὴν. τὸν ·δε ἀβάνην καὶ τὸν θωμᾶν. ἕως ἂν ἀνακρίνας μάθῃ, τίσιν ἐδόθη τὰ τοῦ βασιλέως χρήματα. καὶ ἐκεῖνα μὲν. ἀπαιτήσας ἀναλάβηται ἀπὸ τῶν ἐχόντων. αὐτοὺς δὲ, τὸν ἔμπορον καὶ τὸν ἀπόστολον θωμᾶν, κακᾶς ἀπολέσει. παραχρῆμα δε δήσαντες αὐτοὺς, πρὸς τὴν φυλάκην ἀπήρχοντο ἐμβαλεῖν. ὁ θωμᾶς οὖν χαίρων ἀπείη, λέγων τῷ ἐμπόρῳ. μηδὲ φοβοῦ μηδὲ δειλία. ἀλλὰ μόνον πίστευσον τῷ ἐμῷ Θεῷ, καὶ οὐδενὸς κακοῦ πειραθήσῃ. μᾶλλον δὲ καὶ ἀπὸ τῆς ματαιότητος τοῦ κόσμου τούτου. ἐλευθερωθήσῃ. καὶ ἐν τῷ μέλλοντι αἰῶνι. ζωὴν αἰώνιον φυλ. 56. κληρονομήσεις. τοιούτοις ῥήμασι τὸν ἀβάνην ὁ θωμᾶς διδάξας, ἐπέστρεψεν αὐτὸν πρὸς θεογνώσιαν. Καὶ οὕτως ἐν τῇ φυλακῇ βληθέντες, ὑπῆρχον δοξάζοντες καὶ εὐχαριστοῦντες τὸν θν῀. Εἶχεν δὲ ὁ βασιλεὺς ἀδελφὸν. ὅν καὶ ἠγάπα αὐτὸν ὑπερβαλλόντως. οὗτος τοίνυν ὁ τοῦ βασιλέως ἀδελφὸς, λυπῇ καὶ ἀθυμίᾳ ληφθεὶς περὶ τοῦ συμβάντος αὐτῷ. ἤρξατο ψυχορραγεῖν καὶ ἐμπνέειν τὰ ἔσχατα. μαθὼν δὲ τοῦτο ὁ βασιλεὺς, ἔδραμεν ὥστε φθᾶσαι αὐτὸν ζῶνται ἐκεῖνος δὲ ἀναβλέψας καὶ ἰδὼν τὸν βασιλέα. λέγει πρὸς αὐτὸν. ἰδοὺ ἀδελφέ μου. πάντα σοι τὰ ἐμὰ παρατίθημι τόν τε οἶκον καὶ τὰ πράγματα. καὶ γὰρ ἐγὼ. τῇ ἐπελθούσῃ σοι λύπῃ τὴν ψυχὴν πληγεὶς, ἤδη ἐκλείπω τῆς ζωῆς. ἀλλὰ ἀνάπαυσον μου τὴν ψυχὴν. δειναῖς τιμωρίαισ ἐπεξελθὼν τον(—ω) μαγον.(—ω) ἐκεῖνον.(—ω) ὁ δὲ βασιλεὺς εἶπεν. ἐνεθυμήθην περὶ αὐτοῦ ἵνα ζῶντα αὐτὸν ἐκδήρω. καὶ περίκαυστον ποιήσω τὸ σῶμα αὐτοῦ. Ἔτι δε διαλεγομένων αὐτῶν ἐξέπνευσεν ὁ τοῦ βασιλέως ἀδελφὸς. καὶ λαβόντες τὴν ψυχὴν αὐτοῦ. ἄγγελοι. ἀνήγαγον αὐτὴν ἐις τοὺς οὐν῀ούς. καὶ ὑπεδείκνυον αὐτῇ τὰ ἐκεῖσε ἀγαθὰ, Καὶ ἐπηρώτων ποῦ βούλεται τὴν κατοίκησιν ἔχειν. ὅτε δὲ ἤγγισαν ἐις τὸ θαυμαστὸν παλάτιον. ὅ ἦν κτίσας τῷ βασιλεῖ ὁ θωμᾶς. λέγει ἡ ψυχὴ τοῖς ἀγγέλοις. δέομαι ὑμῶν κύριοι μȣ. ἐις ἓν τῶν κατωγαῖων τούτων ἐάσατέ με μεῖναι. οἱ δὲ εἶπον αὐτῷ. οὐ δύνασαι μεῖναι ἐνθάδε. ἐπειδὴ τοῦ ἀδελφοῦ σου ἐστὶν ὁ οἶκος. ὅν ὠκοδόμησεν αὐτῷ ὁ χριστιανὸς ἐκεῖνος. ὁ Θωμᾶς. ἡ δε ψυχὴ λέγει τοῖς ἀγγέλοις. παρακαλῶ ὑμᾶς κύριοι μου. ἀπολύσατε με ἀπελθεῖν ἵνα ἀγοράσω αὐτὸν παῤ αὐτοῦ. οὐ γὰρ οἶδεν αὐτὸν ὁ ἀδελφός μου. τότε οἱ ἄγγελοι ἀφήκαν τὴν ψυχὴν. ἐπαναστρέψαι πρὸς τὸ ἴδιον σῶμα. ἐν δε τῷ πενθεῖν τὸν βασιλέα τὸν ἴδιον ἀδελφὸν, καὶ μέλλειν αὐτὸν κηδευθῆναι ἐνδυόντων αὐτὸν τὰ ἐντάφια, ἄφνω ἤνοιξεν τοὺς ἑαυτοῦ ὀφθαλμοὺς, ὁ τεθνηκὼς. πάντων δὲ ἐκπλαγέντωνκαὶ θαυμασάντων ἐπὶ τούτῳ. τῷ βασιλεῖ εὐθὺς δραμόντες ἀπήγγειλαν. ὅτι μὴ θρήνει τὸν σὸν ἀδελφὸν. ἀνέζησε γὰρ καὶ καλεῖ σε. ἀκούσας οὖν ὁ βασιλεὺς. ἀνεπήδησε τάχεως καὶ ἦλθε πρὸς τὸν ἴδιον ἀδελφὸν χαίρων σφόδρα καὶ εὐθυμῶν. καὶ τούτῳ περιπλακεὶς κατεφίλει αὐτοῦ πάντα τὰ μέλη. λέγει δὲ τῷ βασιλεῖ ἐκεῖνος. οἶδα ἀδελφέ μου. ὅτι, ὅ ἐὰν ἠτησάμην παρὰ σοῦ ἕως τὸ ἥμισυ τῆς σῆς βασιλείας. ȣ̓ παρεῖδες με τότε. καὶ τὰ νῦν δε. βούλομαι παρὰ σου αἰτήσασθαι πρᾶγμα, καὶ παρακαλῶ σε μὴ παριδεῖν μου τὴν αἴτησιν. καὶ λέγει αὐτῷ ὁ βασιλεὺς. ἀδελφέ μου γλυκύτατε. ἐὰν ἐστιν ἕως τῆς κεφαλῆς μου ἡ αἴτησις. οὐ μή σε παρέλθω. τότε λέγει αὐτῷ. ὅρκῳ με. πληροφφόρησον, ὅτι παρέχεις μοι. καὶ ὤμωσεν αὐτῷ ὁ βασιλεὺς. ὅτι ἐκ τῶν ὑπαρχόντων μοι. εἴτι ἄν αἰτήσῃ με δίδωμι σοι. τότε πεισθεὶς ὁ τοῦ βασιλέως ἀδελφὸς. λέγει αὐτῷ. τὸ παλάτιον ὃ ἔχεισ ἐν τοῖς οὐν῀οις, πώλησον μοι αὐτὸ. ὁ δὲ εἶπεν. Καὶ ἐμοὶ τὸ παλάτιον ἐν οὐν῀οις. πόθεν ὑπάρχει ὁ δὲ

исполнї ꙗрости и привєде фомꙋ и гл҃а ємꙋ създа ли ми полатꙋ. ап҃лъ реⷱ҇ создаⷯ҇. црь реⷱ҇ да когⷣа имаⷨ҇ ю видѣти. ап҃лъ реⷱ҇ не имаши ю видѣти здѣ нн҃ѣ. но егда ѿ житїа сего ѿидеши. црⷭ҇ь разгнѣваⷡ҇ и на кꙋпца повелѣ ꙗ в темницꙋ воврещи и доидеⷤ҇ помыслⷭ҇и о нею кꙋмꙋ данно бꙋдеⷮ҇ имѣⷩ҇е црⷭ҇ко. и тогда ꙗ погꙋбиⷮ҇ ап҃лѣ раⷣ҇ иде в темницꙋ гл҃а кꙋпцꙋ. не бꙋди печаⷧ҇ но к томꙋ моли б҃а и ѿ мира сего свобожеⷩ҇ боудеши но бꙋдꙋю (sic) вѣчнꙋю жизнь наслѣдиши. в тоⷤ҇ нощи црⷭ҇въ браⷮ҇ ѿ печали приключшаѧсѧ црⷭ҇ки в болѣзнь впадѣ и послаⷡ҇ гл҃а ємꙋ се брате все ти предаю доⷨ҇ и имѣнїе мое. аз бо твоеѧ раⷣ҇ печали стꙋжив си ꙋмираю. но покои дш҃ю и мꙋчи лютою м҃кою вълхва ѡного ѡн же реⷱ҇ оумыслиⷯ҇ огнеⷨ҇ сжещи ꙗ одраⷡ҇. он же и дш҃ꙋ ѿдасть. црⷭ҇ь сѣтоваше брата своего. и мышлаше многоцѣнною порфирою обвивши положити его. ан҃гли же поимше дш҃ꙋ его ведоша ю к рӓ. показꙋюще ей тамо мѣсто. и елико ꙋготова б҃ъ любащиⷨ҇ е҃. егда приде на зданїе фомино. вопросиша и ан҃гли в коемъ мѣстѣ хощеши хоⷮ҇ти. он же гл҃а молюⷡ҇ ваⷭ҇ господⷭ҇е мои. во единꙋ ѿ клетеи полаты сеѧ оставите мѧ да живꙋ рѣшаⷭ҇ к неи не мощиⷨ҇ братиѧ бо ти еⷭ҇ть. юⷨ҇ ємꙋ е̃и созда ѡнъ к҃ртиаиⷩ҇. ѿвѣщаⷯ҇ гл҃юще молюⷡ҇ ваⷭ҇ господⷭ҇е мои. не дѣите мене да возвращꙋсѧ и искꙋплю оу него. и абие ѿпꙋстиша ю ан҃гли и прииде паки в тѣло свое. встаⷡ҇ гл҃а къ своиⷨ҇ шеⷭ҇ше призовите ми брата да испрошꙋ ꙋ него прошеⷩ҇е. шеⷭ҇шеⷩ҇ бл҃говѣстиша о братѣ его. он же слышаⷡ҇ радости исполниⷭ҇. прииде и облобыза е҃. он же гл҃а к немꙋ брате вѣⷨ҇ аще бы просиⷯ҇ оу тебе и до полꙋцр҃тва твоего не бы миⷭ҇ николиⷤ҇ ѿрекъ. он же реⷱ҇ брате мои аще и до гл҃вы моеѧ бꙋдеⷮ҇ то не имаⷨ҇ тебе ослꙋшатиⷭ҇ и реⷱ҇ емꙋ клени ми сѧ. кленꙋ же сѧ емꙋ тогⷣа реⷱ҇ емꙋ брате полатꙋ юже имаши на нб҃сѣ ꙗ небѣси продаи ми. онъ реⷱ҇ то имаⷨ҇ ли полатꙋ на нб҃си.

ἔφη. ὅπερ ᾠκοδόμησε σοι ὁ χριστιανος ἐκεῖνος ὁ θωμᾶς. ὅν καὶ ἐν φυλακῇ ἐκβαλὼν δέσμιον. βούλει κολάσαι ἀδίκως ὡς δῆθεν ὑπ᾽ αὐτοῦ ἐμπαιχθεὶς περὶ τῆς τοῦ παλατίου οἰκοδομῆς. ἀλλὰ συ μὲν. τῇ πλάνῃ κατεχόμενος τῆς ματαιότητος. ἐικότως ἀγνοῶν, περὶ ὁρώμενων καὶ φθαρτῶν τὴν σπουδὴν ἔσχες. ἐγὼ δὲ. τὸ τοῦ θαυμαστοῦ ἐκείνου παλατίου κάλλος ἰδὼν, οὐ δύναμαι γλώσσῃ διηγήσασθαι τὴν ὑπερβολὴν τῆς αὐτοῦ εὐπρεπείας. ταῦτα ὁ βασιλεὺς παρὰ τοῦ ἰδίου ἀδελφοῦ ἀκούσας, ἐξεπλάγη μὲν ἐπὶ τοῖς ρηθεῖσιν. συνῆκεν δὲ ὅμως περὶ τῶν ἑαυτοῦ χρημάτων. τῶν ὑπὸ τοῦ ἀποστόλου διανεμηθέντων τοῖς ἐνδέσεσιν, ὅτι τεταμίεται αὐτῷ τὰ μέλλοντα ἄγαθὰ. ὑπὲρ τούτων.

онже ре҃ еи ю҃ ти созда҃ онъ крѣлаи҃. и ре҃ емꙋ брате тоа полаты не могꙋ ти продати не ви҃ма бо е҃ по зижителя има҃ и съзижде҃ ти послак же изведе фомꙋ из темнїца и гл҃а емꙋ ѿпꙋсти нама е҃ ти согрѣшихоцѣ не разꙋмѣюще и сотвори ны обѣщника того. его ты пронокѣдлеши. анла҃ ре҃ и азъ ка҃ ѿнꙋцꙋ да бꙋдета обѣщника црт҃ка его. и пои҃ просвѣтї а. да҃ има баню пакыбытия во има ѡц҃а и сн҃а и ст҃го дх҃а излѣснима има ѿ крещенна авье явися има їсъ. ꙗ҃ дивити҃ анл҃ꙋ. и свѣ велїи осїа и ꙋтверже а в вѣрꙋ. изиде и ти на пꙋть свои о гд҃и. емꙋ҃ ню҃бле҃ всака слꙗка ч҃ть и державка. нн҃ѣ и пр҃но и вв҃ѣ:

καὶ λέγει τῷ ἑαυτοῦ ἀδελφῷ. ἐκεῖνο τὸ παλάτιον ἀδελφέ μου πωλῆσαι σοι οὐ δύναμαι ἀόρατον γάρ ἐστιν. ἀλλ᾽ εὔχομαι κἂν ἐγω ἐπιτυχεῖν αὐτοῦ, καὶ ἐν αὐτῷ καταξιωθῆναι οἰκεῖν. σὺ δὲ. ει ἀληθῶς βούλει τοιοῦτον παλάτιον ἀγορᾶσθαι. ἰδοὺ. ὁ ἄν̄ος ζῇ ὁ τῶν τοιούτων οἰκοδόμος. καὶ πάντως κτίζει σοι. ἐκείνου ἴσον καὶ ὅμοιου. φυλ. 57. καὶ εὐθέως πέμψας ὁ βασιλεὺς ἐξήγαγεν ἐκ τῆς φυλακῆς τόν τε ἀπόστολον θωμᾶν. καὶ ἀβάνην τὸν ἔμπορον. καὶ πρὸς ἑαυτὸν μετακαλεσάμενος τὸν ἀπόστολον, προσέπεσεν αὐτοῦ τοῖς ποσὶν λέγων. συγχώρησον ἡμῖν, εἴτι ἐπλημμελήσαμεν εἰς σὲ ἀγνοοῦντες. καὶ ποίησον ἡμᾶς ἐπιγνῶναι. ὅν σὺ σέβῃ καὶ κηρύττεις θν̄. ὁ δὲ ἀπόστολος εἶπεν πρὸς τὸν βασιλέα. ἐὰν ὁλοψυχως πιστεύσηται εἰς αὐτὸν ἐκεῖνος ὑμῖν συγχωρήσει πάντα ὑμῶν τὰ ἁμαρτήματα. συνθεμένου τοινυν τοῦ βασιλέως καὶ τοῦ αὐτοῦ ἀδελφοῦ, πρὸς τὴν τῶν χριστιανῶν πίστιν ἐπιστραφῆναι ὁλοκαρδίως, ἤρξατο ὁ ἀποστολος ἐκτίθεσθαι αὐτοῖς τὸ σρῖον κήρυγμα. διδάξας δε αὐτοὺς ἱκανῶς. καὶ πρὸς θεογνωσίαν στηρίξας. ἐφώτισεν αὐτοὺς τῷ ἁγίῳ βαπτίσματι πανοικί. ἐν δε τῷ βαπτίζεσθαι τὸν βασιλέα. καὶ τὸν αὐτοῦ ἀδελφὸν. ἐφάνη αὐτοῖς ὁ σῆρ, ἐν ἀπείρῳ λαμπρότητι. ὥστε ἰδόντα καὶ τὸν ἀπόστολον τὴν ὑπερβάλλουσαν αἴγλην. ἐπιπλεῖον δοξάσαι καὶ εὐχαριστῆσαι τὴν ευσπλαγχνίαν καὶ ἀγαθότητα τοῦ φιλανθρώπου θῦ. ἐκεῖνοι δε βαπτισθέντες καὶ θείας χάριτος ἀξιωθέντες πολλοῖς γεγόνασιν ὑπόδειγμα καὶ προτροπὴ. πρὸς τὴν ὁδὸν τῆς ἀληθινῆς πίστεως. ὁ μέντοι θεῖος ἀπόστολος. περιῆγεν ἐν πᾶσι τοῖς μερεσιν ἐκείνοις. τὸν λόγον κηρύττων τῆς ἀληθείας. καὶ ἐπιστρέφων τοὺς ἄν̄ους. ἀπὸ τῆς ἀσεβείας εἰς εὐσέβειαν καὶ ἐπίγνωσιν τοῦ ὄντως θῦ. πᾶσαν δὲ τὴν χώραν τῶν ἰνδῶν. τῇ τοῦ Κῦ χάριτι διὰ τῆς αὐτοῦ γλώττης μεταβαλὼν πρὸς τὴν τῶν χριστιανῶν πίστιν, μαρτυρικῷ τέλει καὶ αὐτὸς τῆς προσκαίρου ζωῆς ἀπαλλάττεται. καὶ πρὸς τὸν ἑαυτοῦ διδάσκαλον ἐκδημήσας χν̄. τὴν ἀτελεύτητον σὺν αὐτῷ καὶ αἰώνιον βασιλέυει βασιλεἰαν. ὧ πρέπει πᾶσα δόξα τιμή καὶ προσκύνησις. σὺν τῷ πρ̄ι καὶ τῷ ἁγίῳ πν̄ι. εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων ἀμήν.

Чтеніе и объясненіе снимка.

Чтеніе снимка, смотри въ выпискахъ. Заставка заглавныя буквы. Азбука изъ заглавій и скорописная. Знаки препинанія: точка, комма, вопросительный знакъ, точка съ коммою.

Сокращенія: Καὶ δὲ ευλόγησον. Μεγάλου μαρτυρος. Μηνὶ Απριλλίῳ. ἄνδρασ, ελεύθέρους ἱκανῶν ἡμᾶν. Слова съ соединительнымъ знакомъ: ἀρχιμάγοι. частица: δὲ̀ съ двумя удареніями. Буквы: α., въ соединеніи съ другими: ἄξει, διδάξασ. ε., δεξιωθεἰσ, μέχρι ἐξῆλθον. σ., περισσοτέρωσ. τ., μετὰ κηρυττομένω. ν., конечная. ἐσπούδαζον. Знаки вносныхъ мыслей. Звѣздочка при началѣ заглавій. Запись писца почти вся стерлась. Видно только: θεοφάνουσ, и годъ ϛφλ. (1022).

V) Сборникъ Житій Святыхъ

Находится въ Московской Сѵнодальной Библіотекѣ подъ № 15.

Длина пергамина	$7\frac{7}{8}$	в.
Ширина	6.	в.
Къ корешку	$\frac{5}{8}$	в.
Между столбцами	$\frac{1}{2}$	в.
Къ правой сторонѣ	$1\frac{3}{8}$	в.
Къ верху	$1\frac{1}{8}$	в.
Къ низу	$1\frac{1}{8}$	в.

Пергаменъ отъ времени по краямъ пожелтѣлъ, не совсѣмъ чистъ, по мѣстамъ и прорѣзанъ и поврежденъ. Писано скорописью по нарѣзамъ въ два столбца на 367 листахъ. Простыя заставки заглавія, и заглавныя буквы писаны краскою малиноваго цвѣта. Колеръ чернилъ свѣтло и темно-коричневый. Помѣта тетрадей внизу по срединѣ съ обоихъ сторонъ. Число строкъ на страницѣ 32, 33 и 35. Вверху 1-го листа подписано: τῶν Ἰβήρων, а внизу: Арсеній κκ.

1) л. 1—7 об. β'. τῇ επαύριον ιι. τοῦ ἐν ἁγίοις πρς ἡμῶν βασιλείε ἀρχιεπισκόπου καισαρείας καππαδοκίας λόγος εἰς τὸ ἅγιον πνα. Начало: Θῦ μεμνῆσθαι μὲν δικαιε....... εὐσεβὲς καὶ κόρον οὐκ ἔχον τῇ φιλοθέῳ ψυχῇ.

2) л. 7 об. β'. — 16 об. β' μινὶ ἀπριλλίῳ κγ. διήγισις θαυμάτων τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου μεγαλομάρτορος χυ γεωργίου. Начало: Οἱ τῶν θῦ δωρεῶν ἀξιωθῆναι ποθοῦντες.

3) л. 17 α'. — 111 об. β'. μηνὶ ιμαΐῳ κδ. Βίος τοῦ ὁσίου πρς ἡμῶν συμεῶν τοῦ ἐν τῷ θαυμαστῷ ὄρει. Начало: Ἐυλογητὸς ὁ θς. αὐτὸν γὰρ ἐυλογεῖν ἄξιον εἰς μνήμην ἑαυτοὺς τοῦ θεοῦ συμεῶν καθιέντας.

4) л. 112 α'.—122 β'. μηνὶ δεκεμβριω ιζ ἄθλησις καὶ θαυμάτων διήγησις τοῦ ἁγίου ἱερομάρτορς, μοδέστου ἀρχιεπισκόπου ἱεροσολυμων. Начало: Καὶ ὁ θαυμαστὸς μόδεστος. εἷς ὧν καὶ αὐτὸς τῶν τε ἀξιώματι καὶ βαθμῷ διαπρεψάντων ἀρχιερατικῷ.

5) л. 122 об. α'.—227 β'. μηνὶ ἰουλίῳ θ. Ἐυαγρίου ἐπισκόπου εἰς τὸν βίον καὶ τὰ θαύματα τοῦ ἐν ἁγίοις πρς ἡμῶν παγκρατιου ἀρχιπροεδρ.. ταυρομενίας. Начало: Ἐγένετο μετὰ το ἀναληφθῆναι τὸν κν ἡμῶν.

6) л. 227 β'.—285 об. α'. μηνὶ ἰβλίῳ ιθ. Βίος καὶ πολιτεία τοῦ ἐν ἁγίοις πρς ἡμῶν θεοδώρου, τοῦ διαλάμψαντος ἐν ἀσκη.... κατὰ τὴν μεγίστην λαύραν τῆς ἁγιάς σάβα. ἔπειτα γεγονότος ἀρχιεπισκόπου πόλεως εδέσης καὶ ἀξιομνημόνευτα καταρθωκότος ἔργα. συγγραφεὶς παρὰ βασιλείου ἐπισκόπου ἐμέσης. Начало: Ἐυλογητὸς ὁ θς. ὁ πὴρ ὁ παντοκρατωρ. ὁ ποιητὴς ουνοῦ τὲ καὶ γῆς.

7) л. 285 об. β'.—297 об. α'. Κεφάλαια τοῦ ὁσίου πρς ἡμῶν θεοδώρου τοῦ σαβαΐτα. Начало: ἐπειδὴ τοῦ θῦ ἀγαθοῦ χαριτὶ. ἀποταξάμενοι τῷ σαταν ἀκαοτοις ἔργοις αὐτοῦ.

Л. 298 об. α и β'. О пророкѣ Иліи.

8) л. 298 α'.—331 β'. μηνὶ ιουλιου κ. Ὑπόμνημα εἰς τὸν ἅγιον καὶ ἐν προφήταις ἠλιοῦ. καὶ εἰς τὸν ὀπαδὸν αὐτοῦ καὶ φοιτιτὴν ἐλισσαιὲ τὸν προφήτην. καὶ μερικὴ διήγησις τῶν τεράτουργιῶν αὐτῶν καὶ θαυμάτων. Начало: Το μὲν λόγοις ἐγκωμίων καὶ συγγραφαῖς ἐπαίνων τὴν παροῦσαν τοῦ μεγίστου ἐν προφήταις ἠλιοῦ....

θ. л. 313 β'.—319 α'. Βίος καὶ πολιτεῖα. τοῦ ὁσίου πρς ἡμῶν ἀλεξίου τοῦ ἀνου τοῦ θῦ. Начало: μνήμη δικαίων καὶ τῆς ἀρίστης αὐτῶν πολιτείας διήγησις. ἐπίδοσις ὑπάρχει καὶ αὔξησις ἀρετῆς.

ι. л. 320 α'—324 α'. Νείλου μοναχοῦ. περὶ παθῶν. α. περὶ γαστριμαργίας. Начало: Ἀρχὴ καρποφορίας ἄνθος. καὶ ἀρχὴ πρακτικῆς ἐγκράτεια.

ια. л. 324 α'.— 331 об. β'. Τοῦ ὁσίου πρς ἡμῶν μαξίμου ὁμολογητοῦ ἑρμηνεία εἰς τὸ πὲρ ἡμῶν. πρὸς Σέργιον μαγίστρον αἰτήσαντα περὶ τούτου: Начало: Ἀυτὸν ἐδεξαμεν τὸν θεοφύλακτόν μου δεσπότην.

ιβ. л. 331 об. β'. Ὀλυμπιοδώρου ὑπόμνημα εἰς τὸν ἐκκλησιαστὴν. ὑπόθεσις τοῦ πρώτου κεφαλαιου. Начало: Τῶν ὄντων τὴν γνῶσιν ἀψευῆ δεξάμενος ὑπὲρ θῦ σωλομον ὁ τοῦ δᾱδ ὑσ.

Выписки изъ подлинника съ древнимъ славянскимъ переводомъ.

л. 227 β. Μηνὶ Ἰουλίω ιθ.

Βίοσ καὶ πολιτεία του ἐν ἁγίοισ πρσ ἡμῶν θεοδώρου τοῦ διαλάμψαντοσ ἐν ἀσκη κατὰ τὴν μεγίστην λαύραν τοῦ ἁγίου σάβα. ἔπειτα γεγονότοσ ἀρχιεπισκόπου πόλεωσ ἐδέσησ καὶ ἀξιομνημόνευτα καταρθωκότοσ ἔργα. συγγραφεὶσ παρὰ βασιλείου επισκόπου ἐμέσησ: εὐ.

Ἐυλογητὸσ ὁ θσ. ὁ πηρ ὁ παντοκράτωρ. ὁ ποιητὴσ οὐνοῦ τὲ καὶ γῆσ. ὁρατῶν τε πάντων καὶ ἀοράτων εὐλογητὸσ ὁ μονογενὴσ ῦσ καὶ λόγοσ τοῦ θῦ. ὁ ἀνάρχωσ τὲ καὶ ἀχρόνωσ ἐκ τοῦ πρσ. γεννηθεὶσ θῦ ἐκ θῦ. σοφία τῆς τῶν ὅλων β΄. συστάσεωσ περιεκτικη! καὶ δύναμισ. τῆσ ὅλης κτίσεωσ ποιητική εὐλογητὸς ὁ παράκλητοσ τὸ ἅγιον καὶ ζωοποιὸν πνα τὸ ἐκ τοῦ πρσ ἐκπορευόμενον, καὶ δι υἱοῦ πεφυκὸσ τοῖσ ἀνοῖς. ἡ τρισυπόστατοσ καὶ ὁμοούσιοσ ἁγια τριάσ. τελεία δόξη καὶ ἰδιότητι καὶ βασιλεία μὴ μεριζομένη. ἡ ἄναρχοσ φύσισ. τὸ δεσποτικὸν ἀξίωμα ἡ φυσικὴ ἀγαθότης. ὁ ἐν τριάδι εἷσ θσ. ὁ δημιουργὸς καὶ συνοχεὺσ καὶ προνοητὴσ ἁπάντων ὁ διδοὺς αἰτοῦντι σοφίαν καὶ σύνεσιν. καὶ μὴ παρορῶν ἁμαρτάνοντα ἀλλὰ θέμενοσ ἐπὶ σρῖα μετάνοιαν. ὃν εὐλογοῦσιν οὐνῶν αἱ δυνάμεισ. καὶ δοξάζουσι στρατιαὶ τῶν ἀγγέλων. αὐτὸν οὖν τὸν ἀγαθὸν καὶ πανοικτίρμονα θν εὐχαριστῶ καγὼ ὁ εὐτελὴς καὶ ἀνάξιοσ ἐι καὶ οὐκ εἰμὶ ἱκανὸσ πρὸσ δοξολογίαν β΄ τῆσ αὐτοῦ ἀγαθότητοσ. αὐτῶ πρεσφέρω ἐξομολόγησιν καὶ μεγαλοπρέπειαν. καὶ δέομαι ἐπακοῦσαι μου ἐν ᾗ ἂν ἡμέρα αὐτὸν ἐπικαλέσομαι. καὶ δοῦναι μοι λόγον. ἐν ἀνοίξει στόματοσ μου. ὅπωσ διηγήσωμαι βίον ἐνάρετον. καὶ ὠφελείας ψυχικῆσ πεπληρωμένον. τῶ ὄντι γὰρ αὐτὸν. εὐλογεῖν ἄξιον. καὶ ἐπικαλεῖσθαι. ἐισ μνήμην ἑαυτουσ τοῦ μεγάλου καθιέντασ θεοδώρου. καὶ κατ᾽ αὐτὸν ἤδη συγγράφειν προειρήμενουσ. θεοδώρου φημὶ. τοῦ κατὰ τὴν μεγίστην λαύραν τοῦ θείου σαβα. ἀγγελικὴν πολιτείαν καὶ διαγωγίαν μετελθόντοσ. οἶτα τὸν ἀρχιερατικὸν θρόνον κοσμήσαντοσ, πολεωσ ἐδέσησ. πολλάσ τε ψυχὰσ σεσωσμένασ τῶ θῶ προσαγογόντοσ. καὶ ἰσαποστολικὴν χάριν ἐκ θῦ δεξαμένȣ. κηρύττειν διαπρυσίωσ τὸν λόγον τῆσ ἀληθείασ. καὶ ὀρθοτομεῖν τὴν πίστιν τῆσ ἁγίασ τριάδοσ. ἐπεὶ καὶ θῦ δῶρον ἀνοῖσ οὗτοσ ἀληθῶσ. τοῦ καὶ πρὸ διαπλάσεωσ αὐτὸν ἐκλεξαμένου. л. 228 ά. καὶ πρὸ γεννήσεωσ ἁγιάσαντοσ. ὡσ ἂν καὶ βίου τύπον ἔχοιμεν αὐτὸν μοναδικοῦ. καὶ ἱερωσύνησ ἀληθουσ ὑπόδειγμα. ἐι γὰρ καὶ κρεῖττον ἢ κατ᾽ ἐμὴν δύναμιν τὸ ἐγχείρημα. ἀλλὰ τὸ μέν τι συλλήψεται πάντωσ μοι ἡ θεία καὶ συμπαθὴσ ἐκείνη ψυχὴ. τῶ ἀδελφιδῶ αὐτοῦ καὶ οἰκέτη. τὸ δὲ καὶ συγγνώσεται.

Изъ житія святаго Θеодора Едесскаго № 269. XVI в. Унд.

Мца їюла въ ѳ. днъ.

Житїе и жизнь иже во сты оца нашего феѡра возсїявшаго в постнице в велицеи лаврѣ. стго оца нше савы, посе же бывша архїепа во граде едессе. и достопомнимаа исправившии дѣла списана ѿ василїа. еппа амосїискаго. благослови ѿче.

Oriens Chr. 11 966. въ № 1081 перев. другой. по крайней мѣрѣ древнѣе сего.

Блгвенъ бгъ ѿць гь вседержитель. творе нбу и земли видимымъ всѣмъ и невидимы благословенъ единородныи снъ и слово бжїе безначаленъ же и безлѣте ѿца родивыися. бгъ ѿ бга прмсть всѣ составленїа содержащиа. и сила всю тварь сотворшїа. благословенъ оутѣшитель стыи животворащїи дхъ. ѿ ѿца исходаи и сно. явленъ учкомъ. трисоставнаа и единосѹщнаа неразделимаа стаа троице. совершенаа славою и сѹществомъ. и цртво не изменяемо. безначалное естество и вѹчнее достоинство. естественаа бгостыни во троицы единъ бгъ. содѣтель и содеръжитель и прмысленїкъ всѣ вѣкъ. даан просащему прмсть и разумъ, и не призираа согрѣшающаго. но положивъ на спсение покаанїе. л. 1 об. егоже благословатъ нбныe силы. и славатъ воинства аггелъ. того оубо блго (sic) и премлтївагo бга благодарю и азъ недостоиныи хѹдыи, аще и недоволенъ есмь на слословие того бгостына. тому приношу исповѣданїе. и велелѣпоту. и молюса оуслышати ма вонъ же днь аще призову его. и дати ми слово во ѿверзенїе оустъ моихъ. яко да исповѣмь житие предобродетено. и ползы дшевные исполнено. воистину того оубо благословити достоино есть и призывати. воспоминаю бо великаго мѹжа. и яже ѡ немъ подвиги и поценина и добродѣтели. недостоитъ бо таковые меда слачанїя ползы. великаго реку феѡдора. бывшаго в велицеи лаврѣ бжественнаго савы в забвенїе положити. аггельскимъ житїемъ и пребыванїемъ прешедша посем стыи прстлъ оукрасивша. града ефесскаго и многы оубо дша спсены къ бгу приведоша. и равноаггельскую благодать приемшаго, проповѣдати слово истины. и исправлати вѣру стые троица. понеже бо и бжии даръ чловѣко л. 2. сей воистину. преже бо зачатиа его избра. и преже рожества его ѡсвещева якоже и житие и оуставъ имѣти ему иноческаго и стиниа истиннаго ѡбраза. аще оубо и боле есть моея силы начатокъ но оубо наставитъ ма чтаа и матинлаа ѡна дша. и вразумитъ ма брата своего и раба. еже воѡбразити

συγγνώσεσθε δε καὶ πάντεσ οἱ τῆσ ψυχωφελοῦσ ταύτησ πολιτείασ ἀκροαταὶ. μηδὲν τοῦ πρὸσ δύναμιν ἐλλίποντι. ἐι καὶ τοῦ πρὸσ ἀξίαν πλεῖστον ἀπολίπομαι. δεῖ δὲ μικρὸν ἀ·ωτέρω τὸν λόγον ἀναγαγόντασ. οἵων ὁ τουοῦτοσ ἔφυ γονέων. καὶ ὅστισ ὁ τῆσ συλλήψεωσ τρόποσ αὐτοῦ. πρότερον παραστῆσαι. εἶτα καθ᾽ εἱρμὸν τὰ λοιπὰ τῆσ διηγήσεωσ ἐπισυνάψαι. ἀνὴρ τίσ. οὐ πολλοῖσ ἔμπροσθεν χρόνοισ ἐξ ἐδέσησ ὁρμώμενοσ. ὄνομα συμεών. εὐσεβῶν γονέων ὖσ. καὶ ἐν ἐυσεβείᾳ καὶ φόβῳ θῦ τραφεὶσ, πᾶσαν ἠσπάζετο ἀρετῆσ ἰδέαν. ἐπεὶ δὲ ἤδη καὶ γάμου καὶ συζυγίασ ἔδει διὰ τὴν ἡλικίαν. διαλέγονται οἱ τούτου γονεῖσ πατρᾶσι κόρησ. μαρία δε ὄνομα β΄. αὐτῆ. ἐφ ὧ πρὸσ γάμουσ αὐτὴν ἀγαγέσθαι τῶ νεανίσκω. οἱ δὲ ἀσμένωσ τοῦτο δεξάμενοι, τῆ θυγατρὶ μηνύουσιν. ἡ δὲ παρθενίαν ἠσπάζετο. μᾶλλον. καὶ δυσχερῶσ εἶχε περὶ τὸν γάμον. ἐγκειμένων δὲ. τῶν γονέων καὶ οὐκ ἀνιέντων. εἶξεν ἡ κόρη καὶ ἄκουσα τῶ θελήματι τῶν τεκόντων, καὶ γάμου κοινωνία τῶ σύμ συνάπτεσθαι. εὐγενεῖσ δὲ κατὰ τὴν ἔδεσαν ἀμφοτέρων οἱ γονεῖσ ὑπῆρχον. καὶ περιουσίαν αὐτάρκη κεκτημένοι. ἡ μὲν οὖν μαρία ἐναρέτωσ βιοῦσα. κοινωνὸν τὸν ἄνδρα. καὶ τοῦ τρόπου ποιεῖται, τῆς ὁμοίασ αὐτῆ γνώμησ ὄντα καὶ διαθέσεωσ. ἐπὶ χρόνον δὲ τίσι συνοικοῦσα τῶ ἀνδρὶ. θυγατρὸσ μὲν μιᾶσ μῆρ ἐγεγόνει, τῆσ ἐμὲ δηλολέτι τεκούσησ. ἄρρενα δὲ παῖδα οὐκ ἔτυχε κτήσασθαι. ἐφ ὧ λίαν τὴν ψυχὴν ὀδυνωμένη. τῆ τοῦ θῦ συνεχῶσ ἐπεφοιτα ἐκκλησία. ἐπὶ τοῦ ἐδάφουσ τὲ καθημένη. καὶ νηστεία πολλῆ ἑαυτὴν κατατρύχουσα. ἄρτον ἑαυτῆσ τὰ οἰκεῖα δάκρυα ἡμέρασ καὶ νυκτὸσ ἐποιεῖτο. δεήσε·ί τε καὶ εὐχαῖσ τὸν θν̃ л. 228 об. ά. ἱκετεύουσα. δοθῆναι αὐτῆ ἄρρενα. παῖδα, ὅν πάλιν αὐτὴ. δοτὸν προσάξει θῶ. ἐν μιᾶ δὲ τῶν ἡμερῶν. κατ᾽ αὐτὸ δὴ τὸ πρῶτον τῶν ἁγίων νηστειῶν σάββατον. ὅτε καὶ μνήμην θαύματοσ ἐπιτελεῖν τῆ ἐκκλησία σύνηθεσ, τοῦ μεγάλου μάρτυροσ θεοδώρου. ἀφικνεῖται καθ· αὖθισ ἡ γυνὴ πρὸσ τὸν θεῖον τῶν ἀποστόλων ναὸν. ἅμα τῶ ανδρὶ. συνήθωσ εὐχαῖσ τὲ καὶ δεήσεσι τὸν θν̃. ἐκλιπαροῦντεσ. τοὺσ ἁγίουσ τε αὐτοῦ μαθητὰσ καὶ ἀποστόλουσ ἐις πρεσβείαν κινοῦντεσ. ἅμα δὲ καὶ τὸν ἅγιον μάρτυρα θεόδωρον ἐκδυσωποῦντεσ συνανπλαβέθαι αὐτοῖσ τῆσ πρὸσ τὸν θν̃ μεσιτείασ. ὡσ εὐπρόσδεκτον αὐτοῖσ τὴν προσευχὴν γενέσθαι, καὶ δοθῆναι τούτοισ υἱόν. Κατ᾽ αὐτὴν δὲ, τὴν νύκτα. γλύκεια τις ἐφίσταται ὄψισ αὐτοῖς ἰδία ἑκάστω φανεῖσα. ἐδόκουν γὰρ καθ᾽ ὕπνον. ὁρᾶν τὸν θεῖον θεόδορον ἱστάμενον ἅμα τῶ β΄. ἀποστόλω παύλω. καὶ τοία δε τὸν μάρτυρα λέγοντα. πρὸσ τὸν θεῖον ἀπόστολον. ἰδοὺ μαθητὰ τοῦ Κῦ. δέησιν οὗτοι μάλα θερμοτάτην προσάγουσι. ἄρρενα παῖδα λαβεῖν αἰτούμενοι. δὸσ οὖν αὐτοῖσ τὴν ἔκβασιν τῆς αἰτήσεωσ. ὁ δὲ δώσει μὲν ἔφη κσ̃ αὐτοῖς υἱόν. σὺ δὲ δώσεισ τὴν τούτου κλῆσιν. τῶ ὄντι γὰρ. δῶρον ἔσται θῦ τὸ τεχθησόμενον παιδίον. ἡ δὲ μαρία. κατάφοβοσ ὁμοῦ καὶ περιχαρὴσ δι ὕπνισθεῖσα. καὶ τὸν ἄνδρα διεγείρασα, τὸ ὅραμα διηγεῖτο. ὁ δὲ τὰ αὐτὰ θεάσασθαι καὶ αὐτὸσ διεβεβαιοῦτο. παραχρῆμα τοίνυν. ὡσ εἶχον ἑαυτοὺς τῶ ἐδάφει δόντες καὶ κεφαλὰσ ἐπ᾽ αὐτῶ πρὸ τοῦ θυσιαστηρίου μετὰ καὶ γονάτων ἐρείσαντεσ. σὺν ὀχετοῖς δακρύων, εὐχαριστηρίους ἠφίουν φωνὰσ πρὸσ

ѡ немъ слово. разоумѣите же вси иже дш҃еполезнаго сего житиꙗ послуси. внꙋтоже еже к силе недостатоуьствꙋющꙗ. аще бо и воле есть къ столанїю (sic) недостатоуьствꙋю. подобаетъ же мало выше слово возвести. ꙗко да ѿ коею таковы бысть родителю. и како зачатиꙗ его ѡбразъ, прежде представити и посемъ по радꙋ проуаꙗ исповѣданїꙗ начати. мꙋ҃ж нѣкїи немного лѣтъ пре҃д сими имыи ѿ едеса сыи има емꙋ семиѡнъ. бл҃говѣрнꙋ родителю сн҃ъ, и по бл҃говѣрнꙗ и страсе бж҃їи воспитанъ. вс҃ꙗ любляше добродѣтели ѡбразъ. понеже оубо и бракꙋ причтанїе подобаше быти вещаста сего родители с родительма дв҃цꙗ марїꙗ л. 2 об. сеи има. юже на бракъ привести юноше. ѡнаже радостию се приемши сеи девствовати пауе любляше. и печаль имаше ѡ браце. прилежащима же и не ѡслабляющема родителема, повинꙋ хотѣнїю има. и бракꙋ причтанию семиѡнъ притоуевастꙗ бл҃городна же во ефесе ѡбою вѣста родителꙗ. и имѣнїе доволно имꙋще. м҃риꙗ же добрымъ житиемъ живꙋщи. причсна правꙋ и мꙋ҃жа сотворяетъ. подобна еи разꙋма сꙋщꙗ и любви в лѣтехъ живꙋщи еи с мꙋжемъ. дщери оубо единои м҃ти бысть. мꙋжеска же полꙋ не прилꙋчиса имъ имѣти. ѡ нем же зѣло дш҃ею болаше. в б҃жию прихождаше цр҃квь на земли сѣдащи и постомъ многимъ себе оудрꙋчающи. и хлѣбъ себѣ своа творащи слезы дн҃ь и нощъ молащиса датиса еи ѡтроча. егоже дания бг҃ꙋ приложити гл҃аше. во единꙋ же ѿ дн҃и. в первꙋю сꙋботꙋ ст҃го поста. егда памать велика мꙋ҃ченика феѡдора. ѡбыкла есть цр҃кви творити. прииде авие л. 3. жена в бж҃ственнеи апостольстеи цр҃кви. вкꙋпно и с мꙋжемъ по ѡбычаю мл҃ащи бг҃а и ст҃ые его оученики и ап҃лы к м҃твꙋ подвизающи. датиса има сн҃ъ. вкꙋпно и ст҃го мꙋ҃ченика феѡдора молащи да поможе҃т еи ходатаиство҃м к бг҃ꙋ еже бл҃гопрїатие быти м҃тве еꙗ. в тꙋ҃ж нощь. сл҃адко некое видѣнїе пре҃дста има. ѡсобь комꙋждо и҃х. ꙗвиса мнѣста бж҃ественаго феѡдора. вкꙋпно с павломъ стоаща, видѣти и таковаꙗ гл҃юща емꙋ. се оуч҃нче г҃нь м҃твꙋ сию пауе приносита тепла. плода уресьнаго просита. да҃ждь оубо има воздаанїе приношенїю. ѡнже даетъ има сн҃ъ тожде нареуенїе подаетъ гл҃а. во истинꙋ оубо бꙋдетъ даръ бж҃їи ражаемое ѡтроча. мариꙗ же со страхомъ вкꙋпьно и радостию возбꙋ҃дивши и мꙋжа своего воздвигии и видѣние исповѣда. ѡнже та҃ждо к неи видѣти повѣдоваше. авие ꙗкоже ѡбычаи имѣста себе на землю прекл҃ониша и главы с колѣнома во ѡлтареви прекл҃ониша течении слезными бл҃годарьственые испꙋщаста гласы. пребыста л. 3 об. во цр҃кви до скончанїꙗ оутренаго пѣнїꙗ на оутрии҃ж возратиса во свои домъ; мал҃е же минꙋвшимъ днемъ зачат м҃рка по

θυ̃ προσκαρτερήσαντεσ δὲ τῶ θείω ναῶ μέχρι συμπληρώσεως τῶν ἑωθινῶν ὕμνων. ἅμα πρωΐ εις τὸν οἰκεῖον ἐπανέρχονται л. 229 ά. οἶκον. ὀλίγων δὲ διαγενομένων ἡμερῶν. συνέλαβεν ἡ μαρία. κατὰ τὴν τοῦ θείου πάυλου. ἐπαγγελίαν. καὶ συνετήρει ἑαυτὴν. ὥσπερ τι θεῖον ἐν ἑαυτῇ φέρουσα σκέυος. τοῦ χρόνου δὲ ἤδη τῶν ὠδίνων συντελεσθέντοσ, τίκτει ἡ γυνή. λίαν ἀλύπω τοκετῶ χρησαμένη. τεσσαρακοστῆ τοίνυν μετὰ τὸν τόκον ἡμέρα, προσάγει τὸ βρέφος τῇ τοῦ θῦ ἐκκλησία. ἀντιδοῦσα καθάπερ ἔλαβε. καὶ θῶ τῶ δεδωκότι καθιεροῦσα. δίετεσ δὲ γεγονο τὸ παιδίον. προσάγουσιν οἱ γονεις τῶ ἀρχιερεῖ τῆς δὲ τῆς πόλεως. δεόμενοι τελειῶσαι αὐτὸ διὰ τοῦ θεου βαπτισματος. ὁ δὲ θείω πνι κατιδὼν σκεῦοσ ἐκλογῆς ἔσεσθαι τὸ νήπιον, ἀσμένως βαπτίζει. και θεόδωρον καλεσας ἀνάγει τοῦ ὕδατος δαψιλῆ τὴν χάριν δεξάμενον τοῦ ἁγίου πνσ. πεντα β΄. ἐτης δὲ ἤδη γενόμενος ὁ παῖς. διδασκάλω παραδίδωται, τὰ ἱερὰ μανθάνειν γράμματα. μὴ ἐπιτηδείως δὲ ἔχων πρὸς τὴν τῶν μαθημάτων ἀνάληψιν. ἀλλὰ φυσικῆ τινὶ πιεζόμενος ἀφυΐα. ἢ καὶ οἰκονομικῶς τάχα τοῦτο ὑφιστάμενος. ἵνα καὶ ἡ τῶν γραμμάτων μάθησις. θεόθεν αὐτῶ ᾖ ἐπὶ διετῆ χρόνον εις τὸ διδασκαλεῖον φοιτὼν, ἄμοιρος παντη τῶν μαθημάτων ἦν. πολλὰ μὲν οὖν παρὰ τῶν γονέων στυφόμενος. πλεῖστα δὲ παρὰ τῶν παιδευτῶν μαστιζόμενος ἀλλὰ καὶ παρὰ τῶν συμφοιτητῶν ὀνειδιζόμενος, βουλὴν βουλέυεται ἀγαθὴν καὶ θεάρεστον. καὶ τῶν κυριακῶ ναῶ προσφεύγει, ἐν ἡμέρα κυριακῇ. καὶ ἐν τῶ θείω εἰσελθὼν θυσιαστηρίω. ὑπὸ κάτω τῆς ἁγίας ἑαυτὸν κατακρυπτει τραπέζης, μηδενὸς τῶν ἱερέων ἑωρακότος αὐτὸν. κατ᾽ αὐτὴν δὲ τὴν ὥραν τῆς θείασ л. 229 об. ά. ἱερουργίας. εἰσοδέυει ὁ ἀρχιερεὺς ἅμα τῶ ὑπ᾽ αὐτὸν κλήρω. καὶ τὴν θείαν ἐπιτελεῖ μυσταγωγίαν, ὁ δὲ παῖς θεόδωρος ὕπνω κατενεχθεὶς ὑπὸ τὴν ἁγίαν ἣν τράπεζαν, ἕως συμπληρώσεως τῆς λειτυργίας. ἐκεῖ σε τοίνυν ὑπάρχων ὁρᾶ ἐνώπιοσ ἐνωπίω παῖδα. κάλλει ὡραῖον κηρίον μέλιτος ψωμίζοντα αὐτὸν, καὶ μοναδικὴν ὑπαγορέυοντα πολιτειαν. πρὸς δὲ καὶ ποιμαντικὴν ἐγχειρίζοντα ῥάβδον. ὁ δὲ παῖς. τὴν καρδίαν πρὸς τὴν ὄψιν ἀναφλεγεὶς. καὶ ὅτι χσ ὁ κσ καὶ θσ ἔιη γνοὺς, προσπίπτει τοῖς ποσὶν αὐτοῦ τοῖς ἁγίοις καὶ εὐλογεῖται τῇ θεϊκῇ αὐτοῦ ἐπισκιάσει. ἔξυπνος δὲ γενόμενος. ἔξεισι τῆς θείας τραπέζησ, τῆσ λειτουργίας ἤδη συμπληρωθείσης. ὃν ὁ ἀρχιερεὺς θεασάμενος. ἐν θαύματι ἐποιεῖτο καὶ β΄. ἐπηρῶτα τί βούλεται αὐτῶν ἡ ἐκεῖσε κατάκρυψις. ὁ δὲ παῖς. ἁπλοϊκῶ ἤθει καὶ πραεία φωνῇ διηγεῖτο λέγων. πολλῇ ἀφυΐα συνεχόμενοσ. καὶ μὴ δυνάμενος τὰ ἱερὰ μαθεῖν γράμματα. ἐντεῦθεν τὲ πολλοῖς περιπειρόμενος κακοῖς. παρά τε τῶν γονέων παρά τε τῶν παιδευτῶν ἐξαπορήσας πανταχόθεν, πρὸς τὸν ἀγαθὸν κατέφυγον δεσπότην καὶ θν τῶν ἁπάντων. εἶτα διηγεῖται καὶ τὴν θαυμασίαν ὅρασιν ἐκείνην ἧς ἠξιώθη. ἅπερ

гл҃у бж҃твеннаго павла и соблюдаше себѣ яко нѣкии в себѣ носяще бж҃твеныи сосѹ. времени абие болѣзни скончавши роди и зело безпечално рожество приемъши. в четвертодесятныи же д҃нь по рожествѣ, принесе мл҃нць во х҃вѣ ц҃ркви. воздающи якоже приятъ. и б҃гу давшему, и освящающю. двема же лѣтома бывшю отрочати. приведоста родителя во с҃тлю того града. моляста ся крещенїемъ бж҃ственымъ совершити. онъ же д҃хомъ бж҃ственны провидѣ. сосѹдѹ избранѹ быти младенцю. с радостию крести и. феодора того нарекъ. возвед же и ѿ воды, б҃годать приемъша б҃гатно с҃тго д҃ха. пятымъ же лѣтомъ бывъ дѣтищь. оучителю преданъ бысть с҃тымъ оучитися книгамъ ѡнже неключимое имѣя ко оученїю восхожению. естественною нѣкою ѿягъчився хитростию. л. 4. мню же по смотренїю се быти сму яко да ѿ б҃га книжное оученїе сму будетъ еже и бысть. на другое же лѣто книжное оученїе не хитросне навычаше и не точе бысть всѣхъ оученїю. много бо ѿ родителеи свариимъ баше, боли же ѿ казателя томимъ. и ѿ дружины оукоряемъ совѣща совѣтъ б҃гъ. и в црко прибѣже в д҃нь нл҃ныи. и во олтарь вше. и спо с҃тыя трапезы себѣ сокры. ни единому же ерѣю видѣвше его. в то же ч҃съ бж҃ественые слѹжбы вхо сотвори архиереи съ сѹщи в немъ крылосомъ. и бж҃ственою совершаше слѹжбѹ. дѣтищь же феодоръ сно оусне подъ с҃тою трапезою. и бѣ тако до скончанїя литергѣя. тѹ оубо сыи видѣ лицемь въ лице оуноша добротою красна, сотомъ мѣвяными питающа его. и иноческое повѣдающе сму житие. и пастырьныи вручающа ему жезлъ. дѣтищь в видѣнию разгоревъся яко х҃съ г҃ь и б҃гъ разумѣвъ. припаде ко с҃тыма ногама его. и б҃гословенъ бысть бж҃ественымъ его ѡсѣненїемъ. л. 1 об. возбнувъ же абие. изыде ѿ бж҃ественые трапезы. скончание же бывши службѣ егоже архиереи видѣвъ. зело на мънозе оужасенъ бывъ и вопрошаше и что свершася ему тѹ сокровенїе. дѣтищ же простымъ обычаемъ и кроткымъ гласом исповѣда. многою г҃ля не хитростию ѡдержимъ и не могии наоучитися с҃ты кни. и яко многими искѹшаем злыми. ѿ родите оубо и оучитель и ничто же ѿ всюдѹ получивъ. ко б҃гому прибего г҃у и б҃гу всѣхъ. и посемъ и страшное оно видѣнїе повѣдае. яко слышавъ архиереи пристрашенъ бы. и б҃годарьственые б҃гви воздаяше пѣсни. абие же руце возло на дѣтище чтецемъ и сотвори. и во свои его причте влиросъ ѿтого часа. ѿ толе оубо любезенъ бывает оучителемъ. любеи же и дружине. овы же минуя овы же превозъходя но въ каковѣ образѣ наказанїя. первие оубо бж҃ественная писанїя напис

ἀκούσας ὁ ἀρχιεπίσκοπος. ἔκθαμβος τε ἐγεγόνει. καὶ εὐχαριστηρίους ἥφιει πρὸς θν φωνὰδὲς. εὐθὺς χεῖρας ἐπιθεὶς τῶ παιδὶ, ἀναγνώστην αὐτὸν ἀποκείρει καὶ τῶ κατ᾽ αὐτὸν κλήρω ἐντάττει. ἐξ ἐκείνης δὲ τῆς ὥρας. τοιαύτη χάρις εὐμαθείας καὶ εὐφυΐας ἐδόθη αὐτῶ, ὡς ἐκ μιᾶς μόνης л. 230 ά. ἢ δευτέρας ἀναγνώσεως ἐκμανθάνειν. εἶτε

δαυϊτικους προέθετο μελετᾶν ψαλμοὺς, εἴτε τι καὶ ἕτερον μάθημα. ὥς τε οἱ πρώην αὐτὸν σκώπτοντες καὶ ὀνειδίζοντες, ζηλωτον (— ὴ) αὐτὸν ἡγοῦντο καὶ μακάριον, τοιαύτης ἀξιωθέντα χάριτος. ἐντεῦθεν. ποθεινὸς μὲν ἦν διδασκάλοις. ποθεινὸς δὲ ἥλιξι. τοῖς μὲν παρεκτεινόμενος, τοὺς δὲ ὑπεραίρων κατὰ πᾶν εἶδος παιδεύσεως. πρότερον γὰρ. τὰ θεῖα ταῦτα καὶ ἡμέτερα καλῶς διδαχθεὶς μαθήματα. διαπλάττεται πλᾶσιν ἀρίστην τὲ καὶ καθαρωτάτην. ἔπειτα καὶ τὴν ἐγκύκλιον παίδευσιν ἐπιχειρεῖ. ὑπό τινι σοφιστῆ, σωφρονίω καλουμένω. ὅν κοινὸν παιδευτὴν ἡ τῶν ἐδεσηνῶν τηνικαῦτα πόλις εἶχε. παρ᾽ αὐτῶ τοίνυν φοιτῶν, γραμματικὴν τε καὶ ῥητορικὴν καὶ φιλοσοφίαν, ἄκρως ἐκπαιδέυεται. τῶ ὄντι φιλόσοφος ἔργω τε καὶ λόγω β΄. δεικνύμενος. καὶ θεοσέβειας ἐξασκούμενος. ὀκτω καὶ δεκάτου δὲ τῆς ἡλικίας ἐνιαυτοῦ ἐπιβὰς, ὀρφανίαν ὑφίσταται τοῦ πρ͂ς. εἶτα. μετ᾽ ἐνιαυτὸν ἕνα καὶ ἡ μῆρ ἀπολιμπάνει τὸν βίον. πρὸς μονὰς ἀλονίους. ἡ ἱερὰ πορευθεῖσα σοζυγία. ὁ τοίνυν καλὸς θεόδωρος τὰ νενομισμένα καὶ τετυπωμένα ἐπὶ τῇ τῶν γονέων ἀποδημία ποιήσας. καὶ δάκρυσι μὲν τιμήσας τελευτήσαντας τοὺς γεγεννηκότας. εὐχαῖς τὲ καὶ πενήτων οἰκτιρμοῖς καὶ ἱεραῖς λειτουργίαις τὰς ἐκείνων κοσμήσας μνήμας, ὅλος ἦν τῆς ἐκδημίας τοῦ κόσμου. καὶ ὅλος ἀντειχετο τε καὶ περιείχετο τῆς μοναδικῆς ἢ ἀγγελικῆς μᾶλλον ἐιπεῖν πολιτείας. ἀμέλει πᾶσαν αυτοῦ τὴν γονικὴν περιυσίαν διελὼν. καὶ μέρος μὲν τῇ ἀδελφῇ αὐτοῦ л. 230 об. ά. ἐμῆ δὲ μρ͂ι δοὺς πρὸ πολλοῦ ἀνδρὶ συζευχθείσῃ. τὴν δὲ λοιπὴν πᾶσαν κτῆσιν. ἔν τε ἀγροῖς καὶ χρυσῶ καὶ ἀργύρω ἱκανὴν οὖσαν, πᾶσαν διένειμε πένησι. τὰ δὲ οἰκετικὰ γένη πάντα ἐλευθερώσας, καὶ λεγάτα παρασχὼν ἅπασι. καὶ οὕτως ἁπαξαπλῶς. πάντα τὰ δεσμὰ τοῦ παρόντος βίου τοῦ ἀπαταιῶνος διαρρήξας. καὶ ὥσπερ τις ἀετὸς αἰθερου βάτης. κούφοις ἑαυτὸν πτεροῖς περιστεῖλας ἀπαίρει τῶν τοῦ κόσμου φροντίδων. καὶ ἀπολειπὼν, γῆν ἰδίαν καὶ συγγένιαν. καὶ οἶκον πατρικὸν. κατὰ τὸν πάλαι μέγαν πατριάρχην, ἐις τὴν ἁγίαν παραγίνεται πόλιν ἰλῆμ. ἔνθα δὴ ὁ σῆρ ἡμῶν καὶ κσ͂ Ισ͂ Χσ͂. τὸ ἑκούσιον καὶ στρῖον ὑπέστη πάθος, τὴν παγκόσμιον ἐργασάμενος σρῖαν. ἐν τάφω τὲ τριημερεύσας β΄. ἀνέστη ὁ ἀθάνατος, συναναστήσας τὴν ἡμετέραν φύσιν. ἐκ τῆς ἐις γῆν καταπτώσεως. καὶ ἐκ τῶν τοῦ ἅδου βαράθρων ἐξαγαγὼν τοὺς πάλαι δεσμίους, ὡς κραταιὸς καὶ δυνάστης. ἐκεῖσε τοίνυν γενόμενος ὁ θεῖος ἐκεῖνος καὶ κράτιστος νεανιας. ἐικοσαέτης που ὑπάρχων τῶ σώματι. πολῶς δὲ καὶ προβεβηκὼς τῶ φρο-

навыче. доблемудренне и чисте. посемъ же и окружениее научиаетъ наказанїе л. 5. ѿ некоего прмра. софронїа нарицаемаго. егоже тогда обща казатела, едескии градъ имеаше к сему убо выну хождаше. граматикиское, и риторьское любомрие навыцаше. сїи любомудрець. дѣломже и словомъ являяся. и бл҃говѣрием оукрашаа себе. не много же времѧ пребывъ с ними старѣишему мужю вдастъ себе чн҃у лѣта многа постащуса. имѧ ему иванъ и желаше тепле паче во мнишески образъ облещи. и к ст҃ыней дружине причетися и убо феодору со слезами дховному ѿц҃у и со елицемъ кто рече моленїемъ належащу. труды паки онъ и поты мнишеского житиѧ показоваше. яко мнози рече суть и жестоци бдѣниѧ и на земли леганиѧ. телеси же и телесного хотѣниѧ изкѣсное оумрщвение егда како не возможени рече за возрастъ младый болѣзненыхъ терпѣти, и обещався и не воздаси обѣщанны. ни толиких возможени понести болѣзней. л. 5 об. азъ убо рече феодоръ сего ради приидохъ. яко да тако убо живу хү оумру же греху, не буди же ми руку возложити на рало по евангильскому словеси. и паки возвратися вспять. и яко убо многа изрекъ к ст҃ыѧ ограды игуменъ слышавъ. добраѧ произволенїа его не возможе ѿсещи. и прия его радуася. и бысть прочее феодоръ с ними и паче занеже к бгу желаа добродѣтельны житием приближитися. и тому прискотися. и вностию. мало времѧ пробыве яко полълѣта и тако повелѣ старѣишина всемъ во цр҃ьковь собратися. и ст҃ое рек правило феодора постриже и во мнишеская облече. ѿ толе убо пребываше во обители с дружиною феодоръ. постиническаѧ подвиги со усердїе дѣлаа. и дховному служи ѿц҃у своа ѿнудъ ѿверъсѧ волѧ. оногоже воли и разуму всею силою послѣдуѧ. и разлучила поручена быша ему служениѧ. и ваше л. 5. не токмо к темъ бл҃гоключнымъ. но и ко всякой добродѣтели бл҃го прилѣженъ дѣломъ во ручнымъ. и умара (sic) смотрением на всякъ днь являяся. и ѿсонма никакоже ѿлучаася црковнаго. в нощны и во дневны славословении. и пре реку вс. ст҃ую славу. еще же убо и бжественым писании прочитанием і якоже желает елень на источники водныѧ, давыски рещи также желаа бѣ. и вездысотости (sic) преходѧ но и к нощны бдѣнии. црковны повелеваемъ ѿ наставника на всѧ днь, е прочитати ст҃ные книги, съ разумомъ во многимъ и добрыми, словесы. якоже рещи медоточьными, и языка красное и произносное имѣа яко ѿ сего дле ползу приимати и сограждатися дш҃ею слышащимъ. тому прочитающе всѣмъ любезне со елицемъ прилежанїемъ. и обычаемъ оукрашенемъ (sic). и ваше того всего бл҃годать испонь. видѣ во дховна ѿц҃а своего житие. л. 6 об. иванъ сему имѧ иночимъ же аньгеломъ не неподобно и инѣ же многи во ст҃ѣи той лаврѣ живущих алъканїемъ телеснымъ веспаотны просто неоудалающии. слезамъ точенїа зналымъ струамъ источники равны суща. и яко древле оуставъ нѣкии добръ и правъ тѣхъ делеса предо очима имѣа всею силою ревновати тщашеся прьвие убо яко нѣкако во оутвержение бж҃и стра себѣ водрузивъ и тѣмъ ограждеса и закону гн҃ю всегда поучааса древу подобенъ бѣ. пре исходищихъ водныхъ насажденному. иже

νήματι. καὶ τὸν θεῖον εἰσελθὼν ναὸν τοῦ Κυ̃. ἐπὶ γονὺ κλίνας ἑαυτὸν, ὀχετοῖς δὲ δακρύων τὸ τοῦ ἁγίου μνήματος ἔδαφος καταβρέξας, ποίας εὐχαριστηρίους οὐκ ἐποιεῖτο φωνίας. τίνας ἐκ βαθέων καρδίας στεναγμοὺς οὐκ ἠφίει. σφαῖραν δὲ θυμιάματος εὐώδους ἐπιφερόμενος. κατ' ἐκείνην τοῦτο ἀνάλωσε τὴν ἡμέραν, τὸν ναὸν θυμιῶν καὶ τὸ ζωοδόχον μνῆμα κατασπαζόμενος. ἐφεξῆς δε, πάντας τοὺς ἱεροὺς οἴκους л. 231 ά. τόν τε τίμιον γολγοθᾶν καὶ τοὺς περὶ αὐτὸν ἁγίους τόπους περιελθὼν, τὸν πόθον τε ἀφωσιοῦτο. καὶ τὴν ἐγκάρδιαν πίστιν. ἔργοις ἐβεβαίου. ἑπτὰ τοίνυν διαγενομένων ἡμερῶν. ἐξέρχεται εἰς τὴν περιώνυμον λαύραν τοῦ θείου σάβα. καὶ τοῖς ἐκεῖ πατρᾶσιν ἐντυγχάνει. οὐ πολλὰς δὲ αὐτοῖς συνδιατρίψας ἡμέρας, τῶ προεστώτη προσομιλεῖ. ἀνδρὶ τιμίω. καὶ χρόνους πολλοὺσ ἀσκήσαντι. ὄνομα αὐτῶ Ἰωάννης, καὶ δεῖται μάλα θερμῶς. τῶ τῶν μοναχῶν σχῆμα περιβάλλεσθαι, καὶ τῆ ἱερᾶ αὐτὸν συνοδία ἐγκαταλεγῆναι. ἐκεῖνος δὲ τοὺς πόνους αὐτῶ καὶ ἱδρώτας τῆς μοναχικῆς διεξῄει πολιτείας. οἳ. πολλοί τέ εἰσι καὶ δυσχερεῖς. ἀγρυπνίαι. ψαμευνίαι. νηστεῖαι. σώματός τε καὶ τῶν σωματικῶν θελημάτων ἀκριβὴς νέκρωσις. καὶ μήποτε οὐ δυνήση φησι. διὰ τὸ νέον τῆσ ἡλικίας β'. τὰ ἐπίπονα ταῦτα φέρειν καὶ εὐξάμενος οὐκ ἀποδώσεις θῶ τὰ ἐπηγγελμένα, κ' δὲ τοὺς τηλικούτους ἰσχύσεις ἀναδέξασθαι πόνους. ἀποκριθεὶς δὲ εἶπεν ὁ θεόδωρος. ἐγὼ μὲν τίμιε πε̃ρ. καὶ δι' αὐτὸ τοῦτο παρεγενόμην. ἵν' οὕτω ζήσω μὲν τῶ χῶ, ἀποθάνω δὲ τῆ σαρκί. μὴ γένοιτο δέ μοι. χεῖρα βαλόντι ἐπ' ἄροτρον εὐαγγελικῶς, στραφῆναι, εἰς τὰ ὀπίσω. ὡς οὖν πολλὰ μὲν εἰπὼν. πολλὰ δὲ ἀκούσας ὁ τῆς ἱερᾶς ἡγούμενος μάνδρας. οὐκ ἔσχεν αὐτῶ τὴν ὁρμὴν ἀμβλῦναι καὶ τὸν σφοδρὸν ἔρωτα δέχεται τοῦτον ἀσμένως καὶ γίνεται λοιπὸν θεόδωρος μετ' αὐτῶν. ὑπὲρ αὐτοὺς δὲ μᾶλλον τῶ κατὰ θν̃ βίω καὶ τῆ πρὸς ἀρετὴν θερμότητι.

во свое время даетъ пло҃ свои. и посе҃ на ѡсновании таковемъ начатъ здати целом҃рию прилежа. добъромꙋ во истинꙋ и радостномꙋ паче иныхъ добродѣтелеи и почеже оучину сꙋщꙋ и крѣпъкꙋ тѣломъ. и похотными стрелами оуазвлаемꙋ быти. ни ѡ томъ бѣ емꙋ лѣнитися. но оудръжа тѣло и поработи е, и ѡбуздаиниемъ поста вся л. 7. проста рещи движания телесная оустави. такова бл҃годать бл҃гооученїа и бл҃гы҃ хитрости дана бысть емꙋ. ıако ѿ единаго или втораго прочитания наоучити҃ ему, или двд҃вы псалъмы пре҃ложилъ бы оучитися. или дрꙋгое оученїе ıакоже иже перьвие попосащен емꙋ. и оукоряющии его ревнители имахꙋ и тре҃влаженна ıако таковые сводобишася бл҃годати. на ӥ҃і. лѣто возраста дошедъ. сиротиньство приятъ ѿч҃е. и по сем по единомъ лѣте и м҃ти его ѡстави житие. и во ѡбители вѣчные ѿтидоста. честаа жителя и сꙋпрꙋга целом҃рна. доблии же феѡдоръ в законеная и оуставленая. на ѿшествие родителемъ сотвори. и слезами почте оум҃ршая ѿ҃ца и м҃трь. и м҃твами и ще҃ротами оубогихъ. и с҃щными бл҃готвореньми. и служвами тою оукраси пам҃. и себе прочее ѿ мира ѿлꙋчивъ. ѿше҃ и всяко прьваго сопримашеся. и дръжашеся мнишескаго л. 7 об. и паче рещи анг҃льсково житїа тои оубо имение все родителю своею раздавъ и часть оубо сестре своея давъ мои же м҃три сꙋщие и мꙋжеви соучанѣ. прочееже притяжание свое злато, и сребро вся оубогимъ раздамъ рабы же вся свободивъ. и просто рещи единою вся оузы н҃нѣшнаго житиа растерзавъ, и ıако нѣкии ѡрелъ ле҃кима крылома ѡпрятавъся по воздꙋхꙋ прехода ѿшедъ мирьскихъ печалеи, ѡставле землю свою и родъ, и домъ ѿ҃ьскии, по древнемꙋ великомꙋ патриаръхꙋ. и во с҃тыи приидe гра҃ иерꙋсалимъ идѣже оубо с҃пенꙋю мꙋкꙋ с҃пъ нш҃ъ ıс҃ъ х҃с пострада. все мирное содѣла сп҃сение. и во гробѣ тридневновавъ. и во҃кресе весм҃ртныи совоскресивъ и н҃ш е естество, ѿ падения еже к землю. и ѿ адъски҃ пропастеи. изведе древле сказанные. ıако единъ крѣпокъ и силенъ тамо оубо бывъ, бж҃ественыи ѿ҃ державныи юноша. в҃, т и сы лѣтомъ. сѣдже и заматеревъ оумомъ. л. 8. в бж҃ественꙋю ц҃рковь г҃ню въшедъ, наколѣну преклонься. и течении слезными с҃тое намочи҃ мѣсто, кии҃ бл҃годаръственны҃ не створше тогда г҃лъ. кинхъ ли из глꙋбины ср҃ца воздыханїи. не испꙋщаше и в кая же добровоннаа ношаше ка҃да, в д҃нь тои истощи. кадя во ц҃ркви живодателныи гробъ; и вся ѡс҃щнаа мѣста. по радуже и вся с҃щные храмы и ч҃ню голгофꙋ. и а же ѡ неи ѡстаа ѡбше҃ мѣста. желанїе ср҃чнее и верꙋ исполнаше. седмымъ же д҃немъ минꙋвшимъ. и зыде къ велико и мѣнитꙋю лаврꙋ бж҃ственнаго савы, и сꙋщимъ тꙋ беседова ѿ҃цмъ на бесовская поочаася пакости.

Чтеніе и объясненіе снимка.

Διήγησις θαυμάτων τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου μεγαλομάρτυρος τοῦ χριστοῦ Γεωργίου εὐλόγησον πάτερ

Οἱ τῶν θεοῦ δωρεῶν ἀξιωθῆναι ποθοῦντες. τὰς τῶν ἁγίων μνήμας καὶ πανηγύρεις.

Νείλου μοναχοῦ. περὶ παθῶν.

Περὶ γαστιμαργίας.

Ἀρχὴ καρποφορίας, ἄνθος καὶ ἀρχὴ πρακτικῆς ἐγκράτεια.

Τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν μαξίμου τοῦ ὁμολογιτοῦ ἑρμινεία εἰς πάτερ ἡμῶν: πρὸς σέργιον μάγιστρον αἰτήσαντα περὶ τούτου.

Ἀυτὸν ἐδεξάμην τὸν θεοφυλάκτον μου δεσπότην. διὰ τῶν αὐτοῦ πανευφήμων γραμμάτων παραγενόμενον τὸν ἀεὶ μὲν παρὰ τὸν καὶ ἀπεῖναι τῶ πνεύματι παντελῆ οὐ δυνάμενον.

Запись писца: Ἐτελειώθη ἡ γραφὴ τῆς παρούσης βίβλου μηνὶ Ἰουνίω ιθ. Ἰνδικτιῶνος ς. ἔτους ςφλα.

Χαραχθεῖσα χειρὶ θεοφάνους ταπεινοῦ καὶ ἁμαρτωλοῦ.

Ἔυχεσθε ὑπὲρ αὐτὸν οἱ ἐνταῦθα ἀγαγινώσκοντες.

Βίος τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν συμεώνος τοῦ ἐν τῶ θαυμαστῶ ὄρει.

Ἀθλησις καὶ θαυμάτων διήγησις τοῦ ἁγίου ἱερομάρτυρος Μοδέστου ἀρχιεπισκόπου Ἱεροσολυμῶν.

Заставка, заглавныя буквы. Азбука изъ оглавленій и скорописная. Слова съ знаками препинанія. βοας: αὐτοῦ. Частицы съ двумя удареніями: μὲν δὲ.

Слова съ титлами и сокращенія: Κύριε, ἀνθρώποις. Καὶ καὶ Μηνὶ δεκέμβριω ιζ. ἀκλινῶς, πρηστῆρας, ἀνέμους.

κ. Цифра, означающая помѣту тетрадей. Знаки вносныхъ мыслей.

Слова въ соединеніи съ другими: α., ἀξιοῦσθαι, ἀξιούμενος ἅγιον. ε., δεξια, δεξάμενος. ν., ἐκ δημίων ἦν. σ., φύσεως. τ., ἔκστασις.

VI) Евангеліе Апракосъ (полный) *)

Находится въ Библіотеки С.-Петербургской Духовной Академіи.

Длина пергамина	6	в.
Ширина	$4\frac{5}{8}$	в.
Къ корешку	$\frac{1}{2}$	в.
Между столбцами	$\frac{1}{2}$	в.
Къ правой сторонѣ	$\frac{3}{4}$	в.
Къ верху	$\frac{5}{8}$	в.
Къ низу	1	в.

Пергаменъ довольно тонокъ, но отъ времени покоробился. Края у некоторыхъ листовъ приклеены.

Писано довольно крупною скорописью въ два столбца по нарѣзамъ на 394-хъ листахъ. Заглавія и заглавныя буквы писаны твореннымъ золотомъ. Ноты для чтенія писаны вверху карминомъ малиноваго цвѣта. На оборотѣ 393 листа запись 1034 года писана тою же краскою, какою и ноты. Колеръ чернилъ темно-коричневый. Число строкъ на страницѣ 20. Помѣта тетрадей урѣзана.

Выписки изъ подлинника съ древнимъ славянскимъ переводомъ.

Изъ Евангелія во Вторникъ Сыропустный.

Τῇ γ. τῆς ἀποκρέως ἐκ τοῦ κατὰ μάρκον.

Τῶ καιρῶ ἐκείνω Ἰούδας ὁ ἰσκαριώτης εἷς τῶν δώδεκα ἀπῆλθε πρὸς τοὺς ἀρχιερεῖς ἵνα παραδῶ τὸν Ἰν αὐτοῖς οἱδὲ ἀκούσαντες ἐχάρησαν καὶ ἐπηγγείλαντο αὐτῶ ἀργύριον δοῦναι καὶ ἐζήτει πῶς εὐκαίρως αὐτοῦ παραδῶ καὶ τῆ πρώτη ἡμέρα τῶν ἀζύμων, ὅτε τὸ πασχα ἔθυον λέγουσιν αὐτῶ οἱ μαθηταὶ αὐτοῦ. ποῦ θέλης ἀπελθόντες ἑτοιμάσωμεν ἵνα φάγης τὸ πάσχα καὶ ἀποστέλλει δύο τῶν μαθητῶν αὐτοῦ καὶ λέγει αὐτοῖς ὑπάγετε εἰς τὴν πόλιν

Изъ Евангелія Апракосъ XII в. № 47. Синод. Типогр. Библіот. л. 143 а.

Къ въ масопоустныи. еѵл. ѿ мар.

Къ оно. ноуда скаріотьскыи едннъ ѿ дкою надесате иде къ старѣишинамъ жрьчьскомъ. да іса прѣдасть имъ. они же слышавъше. възрадоваша са. и обѣщаша ему сребрьникы дати. и искаше како и къ подобно врѣмѧ прѣдасть. и пьркыи днь опрѣснокъ егда пасхоу жрахоу. глаша емоу оученици свои. кде хощеши да шьдъше оуготовимъ да ѣси пасхоу. и посла дка ѿ оученикъ своихъ и гла има. идета въ

*) Т. е. послѣ недѣли пятьдесятницы положены и дневныя чтенія Евангелій, кромѣ субботнихъ и Воскресныхъ.

καὶ ἀπαντήσει ὑμῖν ἄν̃ος κεράμιον ὕδατος βαστάζων. β΄.
ἀκολουθήσατε αὐτῶ. καὶ ὅπȣ ἐὰν ἐισελθῃ εἴπατε τῶ οι-
κοδεσπότῃ. ὅτι ὁ διδάσκαλος λέγει ποῦ ἐστὶ τὸ κατάλυμα
ὅπου τὸ πάσχα μετὰ τῶν μαθητῶν μου φάγω. καὶ αὐ-
τὸς ὑμῖν δείξει ανώγεον μέγα ἐστρωμένον ἕτοιμον ἐκεῖ ἑτοι-
μάσατε ἡμῖν. καὶ ἐξῆλθον οἱ μαθηταὶ αὐτοῦ καὶ ἦλθον
ἐις τὴν πόλιν εὗρον καθὼς εἶπεν αὐτοῖς καὶ ἡτοίμασαν
τὸ πάσχα. καὶ ὀψίας γενομένης ἔρχεται μετὰ τῶν δώδε-
κα. καὶ ἀνακειμένων αὐτῶν καὶ ἐσθιόντων εἶπεν ὁ Ισ̃ ἀμὴν
λεγω ἡμῖν ὅτι εἷς ἐξ ὑμῶν παραδώσει με ὁ ἐσθίων μετ
ἐμοῦ οἱ δὲ ἤρξαντο λοιπεῖσθαι καὶ λέγει αὐτῶ ἓις καθεὶς
μήτι ἐγώ. ὁ δὲ ἀποκριθεὶς β΄. εἶπεν αὐτοῖς εἷς ἐκ τῶν
δώδεκα ὁ ἐμβαπτόμενος μετ' ἐμοῦ ἐις τὸ τρύβλιον ο μὲν
ὑιὸς τοῦ ἀν̃ου ὑπάγει καθὼς γέγραπται περὶ αὐτοῦ. οὐ-
αὶ δὲ τῶ αν̃ω ἐκείνω. δὶ οὗ ὁ ῡς̃ τοῦ ἀν̃ȣ παραδίδωται.
καλὸν ἦν αὐτῶ ἐι οὐκ ἐγεννήθη ὁ ἄν̃ος ἐκεῖνος. καὶ ἐσ-
θιόντων αὐτῶν λαβὼν ὁ Ις̃ τὸν ἄρτον καὶ εὐλογήσας л.
241 об. ά. ἔκλασε καὶ ἔδωκεν αὐτοῖς καὶ εἶπεν λάβετε
φάγετε τοῦ (sic) εστι τὸ σῶμα μȣ. καὶ λαβὼν ποτήριον
εὐχαρηστήσας ἔδωκεν αὐτοῖς. καὶ ἔπιον ἐξ αὐτοῦ πάντες
καὶ εἶπεν αὐτοῖς. τοῦτο ἐστι τὸ αἷμα μου τὸ περὶ πολ-
λῶν ἐκχυνομενον ἀμὴν λέγω ὑμῖν ὅτι οὐκ ἔτι οὐ μὴ πίω
ἐκ τοῦ γενήματος τῆς ἀμπέλου ἕως β΄. τῆς ἡμέρας ἐκεί-
νης ὅτ' ἂν αὐτῶ πίνω καινὸν ἐν τῇ βασιλεία τοῦ
θῦ καὶ ὑμνήσαντες ἐξῆλθον ἐις τὸ ὄρος τῶν ἐλαιῶν καὶ
λέγει αὐτοῖς ὁ Ισ̃ ὅτι πάντες σκανδαλισθήσεσθε ἐν ἐμοὶ
ἐν τῇ νυκτὶ ταύτῃ ὅτι γέγραπται πατάξω τὸν ποιμένα
καὶ διασκορπισθήσεται τὰ πρόβατα τῆς ποίμνης ἀλλὰ με-
τὰ τὸ ἐγερθῆναι με προάζω ὑμᾶς ἐις τὴν γαλιλαίαν. ὁ δε
πέτρος ἔφη αὐτῶ. καὶ ἐι πάντες σκανδαλισθήσονται ἀλλ'
οὐκ ἐγώ. καὶ λέγει αὐτῶ ὁ Ισ̃. ἀμὴν λέγω σοι ὅτι σὺ
σήμερον ἐν τῇ νυκτὶ ταύτῃ πρὶν ἢ δὶς ἀλέκτορα φωνῆσαι
τρὶς ἀπαρνήσῃ με ὁ δὲ πέτρος ἐκ περι σοῦ ἔλεγεν. μᾶλ-
λον ἐὰν με δέῃ συναποθανεῖν σοι οὐ μή σε ἀπαρνήσομαι
ὡσαυτως δὲ καὶ πάντες ἔλεγον. καὶ ἔρχονται ἐις χώριον
οὗ τῶ ὄνομα γεθσημανῆ. καὶ λέγει τοῖς μαθηταῖς αὐτοῦ
καθίσατε ὧδε ἕως προσεύξωμαι. καὶ παραλαβὼν τὸν πέτ-
ρον καὶ Ἰάκωβον καὶ Ἰωαννην μεθ' ἑαυτοῦ καὶ ἤρξατο λυ-
πεῖσθαι καὶ ἀδημονεῖν καὶ λέγει αὐτοῖς περίλυπος ἐστὶν
ἡ ψυχή μου ἕως θανάτου. μείνατε ὧδε καὶ γρηγορεῖτε καὶ
προσελθὼν μικρὸν ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον ἐπὶ τῆς γης. καὶ
προσήυχετο ἵνα ἡ δύνατον ἐστίν παρέλθῃ ἀπ' αὐτοῦ ἡ ὥρα
καὶ ἐλεγεν ἀββᾶ ὁ πη̃ρ πάντα δυνατά σοι παρένεγκε ἀπ'
ἐμοῦ τὸ ποτήριον Β΄. τοῦτο ἀλλ' ούτι ἐγὼ θέλω ἀλλ' ει
τι συ. καὶ ἔρχεται καὶ εὑρίσκει αὐτοὺς καθεύδοντας. καὶ
λέγει τῶ πέτρω σίμων. καθεύδεις οὐκ ἴσχυσας μίαν ὥραν
γρηγορῆσαι. γρηγορεῖτε καὶ προσεύχεσθαι ἵνα μη ἐισέλθη-
τε ἐις πειρασμὸν. τὸ μὲν πν̃α πρόθυμον. ἡ δὲ σάρξ ἀσ-
θενῆς. καὶ πάλιν ἀπελθὼν προσήυξατο. τὸν αὐτὸν λόγον
ἐιπὼν καὶ ὑποστρέψας εὗρεν αυτοὺς καθέυδοντας ἦσαν
γὰρ οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτῶν βεβαρημένοι καὶ οὐκ ἤδησαν τί
αὐτῶ ἀνταποκριθῶσιν. καὶ ἔρχεται τὸ τρίτον καὶ λεγει αὐτοῖς καθεύδειτε λοιπὸν καὶ ἀναπάυεσθε. ἀπέχει ἦλθεν ṙ

градъ и сърѧщеть вы чл҃къ. къ комърчѣ водоу не-
сыи. и по немь идета. идеже аще вълѣзеть. рцѣта
г҃поу домоу. ѩко оучитель г҃лть кде ѥсть обитель
моѩ. идеже пасхоу съ оученикы моими ѩмь. и тъ
вама покажеть въсходьницю великоу постьланоу гото-
воу. тоу оуготоваите намъ. и изидоста оученика и
придоста къ градъ. и обрѣтоста. ꙗкоже рече има. и
оуготоваста пасхоу. вечероу же бывъшоу. приде съ
двѣманадесате. и възлежащимъ имъ и ѣдоущимъ. рече.
іс҃ъ право г҃лю вамъ. ѩко ѥдинъ ѿ васъ прѣдасть мѧ.
ѣдыи съ мною. они же начаша печаловатисѩ и г҃лти
емоу ѥдинъ по единомоу. еда азъ. и дроугыи еда
азъ. онъ же ѿвѣщавъ рече. имъ. ѥдинъ ѿ обою наде-
сѧте омакаѧи съ мною въ сълило. с҃нъ же оуво чл҃къ
ѩкоже писано о немь. лютѣ же чл҃вкоу томоу имь
же с҃нъ чл҃къ предаѥтьсѧ. добрѣѥ ѥмоу бы было. аще
бы не родилъсѩ чл҃вкъ тъ. и ѣдоущимъ имъ. ре҃ іс҃ъ
право г҃лю вамъ. въземъ іс҃ъ хлѣбъ и хвалоу въздавъ
бл҃вивъ преломи и дасть имъ и рече. приимѣте и ѩди-
те се ѥсть тѣло моѥ. и въземъ чашоу хвалоу въздавъ
преломи. (sic) (ошибка писца) и пиша ѿ неѩ вси.
и ре҃ имъ се ѥсть кръвь моѧ новаго завѣта по-
лїваѥмаа за многы. право г҃лю вамъ. ѩко оуже не
имамъ пити ѿ плода лозьнаго до того д҃не. ѥгда пию
новъ въ ц҃ртвии б҃жии и въспѣвъше изидоша въ го-
роу елеоньскоу. и г҃ла имъ іс҃ъ ѩко вси събладнитесѧ
о мнѣ въ сию нощь писано бо есть. поражоу пас-
тоуха и раздбѣгнȣтсѧ овьца. нъ по въстании моѥмь
варю вы въ галилѣи. петръ же ре҃ ѥмоу аще вси
съблазнатсѩ нъ не азъ. и г҃ла ѥмоу іс҃ъ право г҃лю
ти. ѩко ты д҃нь въ сию нощь прѣже даже коуръ не
въспость. тришьды ѿвьрежешисѩ мене. петръ же из-
лиха г҃ла паче. аще ми сѧ лоучить оумрети с тобою
не ѿвьргоусѧ тебе. тако и вси г҃лахоу. и придоша въ
весь ѥиже имѧ гефсимании. и г҃ла оученикомъ своимъ.
сѩдѣте сде доньдеже шьдъ помолюсѩ. и поѧ петра и
ıѩкова и иоана съ собою и нача оужасатисѧ и тоу-
жити и г҃ла имъ. печална ѥсть д҃ша моѩ до съмьрти
пожїдѣте сде и бъдите. и прѣшьдъ мало паде на
земли. и молашесѧ. да аще мощьно ѥсть да мимо
идеть ѿ него часъ. и г҃лше авва оч҃е все мощьно
тебе. мимонеси чашоу сию ѿ мене. нъ не ѩко азъ
хощоу. нъ ѩко же ты. и прїде и обрѣте ѧ съпаща.
и г҃ла петрови симоне съпиши ли. не въ зможе ли
единого часа пободѣти. бъдите. и молитесѧ. да не
вълѣзете въ искоушениѥ. д҃хъ бо поучиаѥть. плоть
немощьна. и пакы шьдъ помолисѩ тоже слово рекъ.
и възвращьсѧ до (sic) сиѧ пакы спѧща. бѣста бо
имъ очи тяжьцѣ. и не вѣдахоу чсо ѥмоу ѿвѣщати.
и приде третиѥѥ и г҃ла имъ. спите прочеѥ и почи-
ваите. ѿстоупи приде часъ. се прѣдаѥтсѩ с҃нъ чл҃къ

ὥρα. ἰδοὺ παραδίδοται ὁ υ̅ς̅ τοῦ ἀ̅ν̅ο̅υ̅ εἰς τὰς χεῖρας β. τῶν ἁμαρτωλῶν. ἐγείρεσθε ἄγωμεν ἰδοὺ ὁ παραδιδούς με ἤγγισεν.

въ роукы грѣшьникомъ. въстанѣте идѣмъ се прѣдаан мя приближися.

Чтеніе и объясненіе снимка.

Ἐκ τοῦ κατὰ λουκᾶν.

Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ ἡρώδης ὁ τετράρχης ἐλεγχομένος ὑπὸ Ἰωάννου περὶ ἡρωδιάδος τῆς γυναικὸς τοῦ ἀδελφοῦ αὐτοῦ.

Запись писца: Ετελειώθη μηνὶ δεκεμβρίω λ̅. Ἰνδικτιῶνος κ̅. ἔτους ͵ς φμ̅β̅. (1034).

Заглавныя буквы, заставка. Азбука скорописная.

Слова съ титлами и сокращенія: ἄνθρωπος πνεῦμα. Μηνὶ νοεμβρίω. καὶ γὰρ μαργαρίτας. Частицы съ двумя удареніями: μὴ̀ δὲ̀. Знакъ препинанія въ концѣ Евангелія: ὄλλη :· въ срединѣ: ἄφας. Союзъ ἢ съ дыханіемъ и удареніемъ.

Слова въ связи съ другими: α., ἄγωμεν, διέταξεν. ε., ἐξ ἐπὶ ἔρχεται. σ., ἐπείνασεν σε. τ., μετ.

VII) Евангеліе Апракосъ не полный [1]).

Писанъ крупною скорописью въ два столбца на пергаминѣ на 230 листахъ въ 1044 году Θеодосіемъ. Начальнаго Евангелія въ 1-й день Пасхи нѣтъ. Оно послѣ въ XIII—XIV вѣкѣ написано на бумагѣ. Съ листа 173 об. до 221 об. начинается синаксарь съ чтеніемъ Евангелій на избранные праздники и дни нѣкоторыхъ святыхъ.

Съ 221 об. β'. Утреннія Евангелія. Листы 222 и 223. Изъ синаксаря. Л. 224—228. 4—11. Воскресныя Евангелія. На оборотѣ 228. Уставъ чтеній Евангелій на разныя потребы. На 229. Имя писца и время написанія книги. На 230. Листъ приклеенъ къ доскѣ изъ Евангелія отъ Луки.

Пергаменъ грубъ, и отъ времени коробоватъ.

Длина	6 3/8	в.
Къ низу.	1 1/2	в.
Къ верху	5/8	в.
Ширина.	5	в.
Къ правой сторонѣ	6 1/2	в.
Между столбцами	3/8	в.
Къ корешку	3/8	в.

Выписки изъ Евангелія Апракосъ 1044. Сев. Собр. № 119. съ славянскимъ переводомъ.

φυλ. 33. β'. Κυριακὴ γ̅. ἀπὸ τὸ πασχα εκ του κατὰ Ἰω̅.

Τῷ καιρῷ ἐκειν. παράγων ὁ Ι̅ς̅ εἶδεν ἄ̅ν̅ο̅ν̅ τυφλὸν ἐκ γεννητῆς † καὶ ἠρώτησαν αὐτὸν οἱ μαθηταὶ αὐτοῦ λέγοντες. ῥαββὶ. τίς ἥμαρτεν. οὗτος. ἢ οἱ γονεῖς αὐτου. ἵνα τυφλὸς γεννηθῆ. ἀπεκρίθη Ι̅ς̅ οὔτε οὗτος. ἥμαρτεν. οὔτε οἱ γονεῖς αὐτοῦ. ἀλλ' ἵνα φανερωθῆ τα ἔργα τοῦ θ̅ῦ̅ ἐν αὐτῷ. ἐμὲ δεῖ ἐργάζεσθε. τὰ ἔργα τοῦ πεμψαντός

Изъ Евангелія Рум. музея № 103. 1164 г.

Нє̑. г̃. ѥѵ̑л ѿ іон. л. 28 а.—30 а.

Къ оно̑ проходя і̑съ видѣ чл̑вка слѣпа ѿ рж̑тва. и въпросиша оученици ѥго гл̑ще. оучителю кто съгрѣши. сьли ли родителя ѥго. да слѣпъ родися. ѿвѣща і̑съ. ни сь съгрѣши ни родителя ѥго. нъ да явять-ся дѣла б̑ия на нѥмь. мнѣ подобаѥть дѣлати дѣла пославъшемоу мя. доньдеже дн̑ь ѥсть. придѣть нощь.

---

[1]) Подъ словомъ: не полный, я разумѣю, что здѣсь нѣтъ чтенія Евангелій въ Понедѣльникъ, Вторникъ, Среду, Четвертокъ и Пятокъ послѣ пятьдесятницы или недѣли всѣхъ святыхъ.

με. ἕως ἡμέρα ἐστιν φυλ. 33. οб. ά. ἔρχετε νὺξ. ὅτε οὐδεῖς δύνατε ἐργάζεσθε. ὅταν ἐν τῶ κόσμω ὦ. φῶς εἰμὶ τοῦ κόσμου. Ταῦτα ἐιπὼν. ἔπτυσε χαμαί. καὶ ἐποίησε πηλὸν ἐκ τοῦ πτύσματος. καὶ ἐπέχρησε τὸν πηλὸν ἐπὶ τοὺς ὀφθαλμοῦς τοῦ τυφλοῦ. καὶ εἶπεν αὐτῶ ὕπαγε. νίψαι. ἐις τὴν κολυμβήθραν τοῦ σιλωάμ. ὅ ἑρμηνέυετε ἀπεσταλμένος. ἀπῆλθεν οὖν καὶ νίψατο. καὶ ἦλθεν βλέπων. β΄. οἱ οὖν γείτονες. καὶ οἱ θεωροῦντες αὐτὸν τὸ πρότερον. ὅτι τυφλὸς ἦν. ἔλεγον. οὐχ' οὗτος ἐστιν. ὁ καθήμενος καὶ προσαιτῶν. ἄλλοι ἔλεγον ὅτι οὗτος ἐστιν ἄλλοι δὲ. ὅτι ὅμοιως αὐτῶ ἐστιν. ἐκεῖνος ἔλεγεν. ὅτι ἐγὼ ἐιμὶ ἔλεγον οὖν αὐτῶ. πῶς ἠνεώχθησάν σου οἱ ὀφθαλμοί ἀπεκρίθη ἐκεῖνος καὶ εἶπεν. ἄνος λεγόμενος Ισ̄. πηλὸν ἐποίησε. καὶ ἐπεχρησε μου τούς ὀφθαλμοῦς φυλ. 34 ά. καὶ εἶπεν μοι. ὕπαγε ἐις τὴν κολυμβήθραν τοῦ σιλωάμ καὶ νίψαι. ἀπελθὼν δὲ καὶ νιψάμενος ἀνέβλεψα. εἶπον οὖν αὐτῶ. ποῦ ἐστιν ἐκεῖνος λέγει. οὐκ οἶδα. ἄγουσιν αὐτὸν πρὸς τοὺς φαρισαίους. τὸν ποτὲ τυφλὸν. ἦν δε σάββατον ὅτε τὸν πηλὸν ἐποίησεν ὁ Ισ̄. Καὶ ἀνέωξεν αὐτοῦ τοὺς ὀφθαλμούς πάλιν οὖν. ἠρώτησαν αὐτὸν καὶ φυλ. 34. β΄. καὶ οἱ φαρισαῖοι. πῶς ἀνέβλεψεν. ὁ δὲ εἶπεν αὐτοῖς. πηλον. ἐπέθηκεν μου ἐπὶ τοὺς ὀφθαλμοῦς. καὶ ἐνιψάμην καὶ βλέπω. ἔλεγον οὖν ἐκ τῶν φαρισαιῶν τίνες οὗτος ὁ ἄνος. οὐκέστιν παρὰ θῦ. ὅτι τὸ σάββατον οὐ τηρεῖ. ἄλλοι ἔλεγον. πῶς δύναται ἄνος ἁμαρτωλὸς. τοιαύτα σημεῖα ποιὴν. καὶ σχίσμα ἦν ἐν αὐτοῖς λέγουσι τῶ τυφλῶ. σὺ τί λέγεις περὶ αὐτοῦ φυλ. 34 οб. ά. ὅτι ἤνοιξε σου τοῦς ὀφθαλμούς ὁ δὲ εἶπεν. ὅτι προφήτης ἐστίν. οὐκ ἐπίστευσαν οὖν οἱ Ἰουδαῖοι περι αὐτοῦ. ὅτι τυφλὸς ἦν καὶ ἀνέβλεψεν. ἕως ὅταν ἐφώνησαν τοῦς γονεῖς αὐτοῦ τοῦ ἀναβλέψαντος. καὶ ἠρώτισαν αὐτούς λέγοντες. οὗτος ἐστιν ὁ ῦς ὑμῶν. ὃν ὑμεῖς λέγεται. ὅτι τυφλὸς ἐγεννήθη πῶς οὖν ἄρτι βλέπει ἀπεκρίθησαν δε αὐτοῖς οἱ γονεῖς αὐτου καὶ εἶπον οἴδαμεν. ὅτι οὗτος ἐστιν ὁ ῦς ἡμῶν. καὶ ὅτι τυφλός ἐγεννήθη. πῶς δὲ νῦν βλέπη οὐκ οἴδαμεν. καὶ ἢ τίς ἤνοιξεν αὐτοῦ τοῦς ὀφθαλμοῦς. ἡμεῖς οὐκ οἴδαμεν. αὐτὸς ἡλικίαν ἀνέχει. αὐτὸν ἐρωτίσατε. αὐτὸς περι ἑαυτοῦ λαλήσει. ταῦτα εἶπον οἱ γονεῖς αὐτοῦ. ὅτι ἐφοβοῦντο τοῦς Ιουδαῖους. ἤδη γὰρ. συνετέθηντο οἱ Ἰουδαῖοι. ἵνα φυλ. 35 ά. ἐάν τις αὐτὸν ὁμολογήση. χν̄. ἀποσυνάγωγος γένηται. διὰ τοῦτο οἱ γονεῖς αὐτοῦ εἶπον. ὅτι ἡλικίαν ἔχει. αὐτὸν ἐρωτίσατε. ἐφώνησαν οὖν ἐκ δευτέρου τὸν ἄνον. ὅς ἦν τυφλὸς. καὶ εἶπον αὐτῶ. δὸς δόξαν τῶ θῶ. ἡμεῖς οἴδαμεν ὅτι ὁ ἄνος οὗτοσ. ἁμαρτωλός ἐστιν. ἀπεκρίθη ἐκεῖνος καὶ εἶπεν. ἐι ἁμαρτωλός ἐστιν οὐκ οἶδα. ἓν οἶδα ὅτι τυφλὸς ὤν. ἄρτι β΄. βλέπω. εἶπεν δε αὐτῶ πάλιν τι ἐποίησεν σοι. πῶς ἤνοιξεν σου τοῦς ὀφθαλμοῦς ἀπεκρίθη αὐτοῖς εἶπον ὑμῖν ἤδη καὶ οὐκ ηκούσατε τι πάλιν θέλετε ἀκουειν. μὴ καὶ ὑμεῖς θέλετε αὐτοῦ μαθηταὶ γενεσθαι. ἐλοιδώρησαν αὐτὸν καὶ εἶπον. σὺ εἶ μαθητῆς ἐκεῖνου. ἡμεῖς δε. τοῦ μωσέως ἐσμὲν μαθηταὶ ἡμεῖς οἴδαμεν. ὅτι μωσῆ λελάληκεν ὁ θσ̄. τοῦτον φυλ. 35 οб. ά. οὐκ οἴδαμεν πόθεν ἐσ-

єгда же никто же можеть дѣлати. єгда въ мирѣ єсмь свѣть єсмь мироу. си рекъ плюноу на землю. и сътвори брениє ѿ плиновениꙗ (sic). и помаза ємоу очи брениємь и рече ємоу. иди оумыися въ коупѣли силоуамли. єже съказаєтьсѧ посланъ. иде же и оумысѧ и приде видѧ. соусѣдиже иже бахоу видѣли и прѣже. ꙗко проситель (sic) бѣ. и гл҃ахоу нѣ сь ли бѣ сѣдѧ и просѧ. ови гл҃ахоу ꙗко сь єсть. а инии гл҃ахѹ подобенъ ємоу єсть. онъ же гл҃аше ꙗко азъ єсмь рѣша же ємоу како ти сѧ ѿверзоста очи. ѿвѣща онъ и рече. чл҃вкь нарицаємыи і҃съ. брениє сътвори. и помаза очи мои и рече ми. иди въ коупѣль силоуамьскоую и оумыися. шедъ же оумывъсѧ и прозрѣхъ рѣша же ємоу кто тъ єсть. ѿвѣща не вѣмь. и ведоша и къ фарисѣомъ. иже бѣ иногда слѣпъ. бѣ же соубота єгда сътвори брениє і҃съ. и ѿверзе. очи ємоу. и пакы въпросиша и фарисѣи како прозрѣ онъ же рече имъ брениє положи ми на очью. и оумыхъсѧ и вижю. гл҃ахоу же єтери ѿ фарисѣи. нѣсть сє чл҃вкъ ѿ б҃а ꙗко соуботы не хранить. ови гл҃ахоу. како можеть чл҃вкъ грѣшенъ сицѧ знамениꙗ творити. и распьрѧ бѣ въ нихъ. гл҃ахѹ же слѣпьцю. пакы ты что гл҃єши о нємь. ꙗко ѿверзе очї твои. онъ же рече ꙗко пр҃ркъ єсть. и не ꙗша вѣры июдѣи о нѣмь ꙗко слѣпъ бѣ и прозрѣ. донѣдеже пригласиша родителꙗ єго. и въпросиша ꙗ гл҃юще. сь ли єсть с҃нъ ваю єгоже вы гл҃та ꙗко слѣпъ родисѧ како оубо видить. ѿвѣщаста имъ родителꙗ. вѣвѣ ꙗко се єсть с҃нъ наю ꙗко слѣпъ родисѧ. како же нынѣ видить не вѣвѣ или кто ѿверзе ємоу очи не вѣвѣ. самого въпросить въздрастъ имать самъ о себе да гл҃еть. сице рекоста родителꙗ єго. ꙗко боꙗстасѧ июдѣи. оуже бо сѧ бахоу съложилисѧ июдеи. да аще кто исповѣсть х҃сѧ. ѿлоучеиъ боудеть ѿ сонмища. сего ради родителꙗ єго рекоста. въздрастъ имать самого въпросите. възгласиша (sic) же вторицею чл҃вка иже бѣ слѣпъ и рѣша ємоу дажь славѹ б҃оу. мы вѣмы ꙗко чл҃вкъ се грѣшенъ єсть. ѿвѣща онъ рече. аще грѣшникъ єсть не вѣмь. ꙗко слѣпъ бѣхъ и нынꙗ вижю. рѣша же ємѹ. что сътвори тебе како ѿверзе очи твои. ѿвѣща имъ рѣхъ вамъ оуже лї не слышасте. что пакы хощете слышати. єда и вы хощете оученици єго быти. они же оукориша и рѣша. ты оученикъ того єси. мы же мосѣови оученици єсмы. мы вѣмъ ꙗко мосѣови гл҃а б҃ъ. сего же не вѣмы ѿкоудоу єсть. ѿвѣща чл҃вкъ и рече имъ. о семь оубо дивьно єсть. ꙗко вы не вѣсте ѿкоудѹ єсть. и ѿверзе очи мои. вѣмь же ꙗко грѣшьникъ б҃ъ не послоушаєть. нъ аще кто б҃гоуьтець єсть. и волю єго творить. и того послоушаєть. ѿ вѣка нѣсть слышано. ꙗко кто ѿверзе очи слѣпоу роженоу. аще не бы ѿ б҃а былъ. не моглъ бы ничесоже творити. ѿвѣщаша ємоу июдѣи въ грѣсѣхъ и ты весь родилъ-

τίν. ἀπεκρίθη ὁ ἄν͞ος. καὶ εἶπεν αὐτοῖς. ἐν γὰρ τούτῳ θαυμαστόν ἐστι. ὅτι ὑμεῖς οὐκ οἴδατε πόθεν ἐστίν. καὶ ἀνέῳξέ μου τοὺς ὀφθαλμούς. οἴδαμεν δὲ. ὅτι ἁμαρτωλῶν ὁ Θ͞σ οὐκ ἀκούει. ἀλλ' ἐάν τις θεοσεβὴς ᾖ. καὶ τὸ θέλημα αὐτοῦ ποιῇ τούτου ἀκούει. ἐκ τοῦ αἰῶνος οὐκ ἠκούσθη. ὅτι ἤνοιξέ τις ὀφθαλμοὺς τυφλοῦ γεγεννημένου. εἰμὶ ἦν οὗτος παρὰ θ͞υ. οὐκ ἠδύνατο ποιεῖν οὐδὲν ἀπεκρίθησαν καὶ εἶπον αὐτῷ ἐν ἁμαρτίαις σὺ ἐγεννήθης ὅλως. καὶ σὺ διδάσκεις ἡμᾶς. καὶ ἐξέβαλον αὐτὸν ἔξω. ἤκουσεν ὁ Ι͞σ ὅτι ἐξέβαλον αὐτὸν ἔξω. καὶ εὑρὼν αὐτόν. εἶπεν αὐτῷ σὺ πιστεύεις εἰς ὑ͞ν τοῦ θ͞υ. ἀπεκρίθη ἐκεῖνος καὶ εἶπεν καὶ τίς ἐστιν κ͞ε ἵνα πιστεύσω εἰς αὐτόν. φυλ. 36 ά. εἶπεν δὲ αὐτῷ ὁ Ι͞σ. καὶ ἑώρακας αὐτὸν καὶ ὁ λαλῶν μετὰ σοῦ ἐκεῖνός ἐστιν. ὁ δὲ ἔφη πιστεύω κ͞ε. καὶ προσεκύνησεν αὐτῷ:

ся юси. ты ли ны оучиши. изгънаша же и вонъ. слышавъ же і͞съ ꙗко изгънаша и вонъ. [1]) ѡбрѣте и и рече. юмоу ты вѣроуюши ли въ с͞на б͞ия. ѿвѣща онъ и рече кто юсть г͞и да вѣроу юмоу въ нь. рече же юмоу і͞съ. и видѣлъ юси и г͞лаи с тобою тъ юсть. онъ же рече вѣроую г͞и и поклонися юмоу.

Чтеніе и объясненіе снимка.

φυλ. 75 об. ά. † Σάββατον ͞λ. ἐκ τοῦ κατὰ λουκᾶν:

Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ ἦλθεν ὁ Ι͞σ. εἰς καπερναούμ. πόλιν τῆς γαλιλαίας καὶ ἦν διδάσκων αὐτοὺς ἐν τοῖς σάββασιν †. καὶ ἐξεπλήσσοντο ἐπὶ τῇ διδαχῇ β. αὐτοῦ. ὅτι ἐν ἐξουσίᾳ ἦν ὁ λόγος αὐτοῦ † καὶ ἐν τῇ συναγωγῇ ἦν ἄν͞ος, ἔχων πν͞α δαιμονίου ἀκαθάρτου. καὶ ἀνέκραξε φωνῇ μεγάλῃ λέγων. ἔα τί ἡμῖν καὶ σοὶ Ι͞υ ναζαρινέ. Продолженіе выписки изъ сего Евангелія.

φυλ. 76 ά. Ἦλθες ἀπολέσαι ἡμᾶς † οἶδά σε τίς εἶ ὁ ἅγιος τοῦ θ͞υ. καὶ ἐπετίμησεν αὐτῷ ὁ Ι͞σ λέγων. φιμώθητι καὶ ἔξελθε ἐξ αὐτοῦ. καὶ ῥίψαν αὐτὸν τὸ δαιμόνιον εἰς μέσον. ἐξῆλθεν ἀπ' αὐτοῦ. μὴ δὲν βλάψαν. αὐτόν. καὶ ἐγένετο θάμβος ἐπὶ πάντας. καὶ συνελάλουν πρὸς ἀλλήλους λέγοντες. τίς ὁ λόγος οὗτος. ὅτι ἐν ἐξουσίᾳ καὶ καὶ δυνάμει ἐπιτάσσει. β'. τοῖς ἀκαθάρτοις πνεύμασιν καὶ ἐξέρχονται:

Изъ Евангелія 1164 г. Рум. Музея. л. 109 б. и об. а. б.

Соу͞. ͞а. юч͞а. ѿлоук.

Въ оно͞ приде і͞съ въ капернаоумъ въ градъ галилѣискъ и бѣ оуча въ соуботы и оужасахуся о оученьи юго. ꙗко съ властью бѣ слово юго. и бѣ въ сборищи ч͞лвкъ имыи д͞хъ бѣсенъ нечистъ. и возпи гласомь великомь г͞лꙗ. остани что юсть намъ и тебе і͞се назаряние. пришелъ юси погоубитъ насъ. вѣмь тя кто юси с͞тыи б͞жии. и запрѣти юмоу і͞съ г͞лꙗ. прѣмолчи и изиди из него. и повергъи по срѣдѣ изиде из него никакоже невредивъ юго. и б͞ы оужасть на всѣхъ. и сътязахоуся дроугъ въ дроугоу г͞лающе. что юсть слово се. ꙗко властью и силою. велить нечистымъ д͞хом и исходять.

Ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον.

Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ προσκαλεσάμενος Ἰησοῦς τοὺς δώδεκα μαθητὰς αὐτοῦ. ἔδωκεν αὐτοῖς ἐξουσίαν πνευμάτων ἀκαθάρτων.

Запись писца: Ἐγράφη τὸ θεῖον καὶ ἄχραντον εὐαγγέλιον διὰ χειρὸς Θεοδοσίου μοναχοῦ καὶ ἁμαρτωλοῦ. ἐτελειώθη δὲ ἐν Κυρίῳ μηνὶ δεκεμβρίῳ τῆς ἁγίας Μάρτυρος βαρβάρας ͞δ. ὥρα ͞γ. ἰνδικτιῶνος ͞ιβ. ἔτους ͵ςφνβ. (1044).

Μνήσθητι Κύριε τῷ σῷ δούλῳ γρηγορίῳ μοναχῷ καὶ μάρκῳ μοναχῷ τοῖς πίστει καὶ πόθῳ πόλλῳ μοχθήσαντες διὰ τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ δὸς αὐτοῖς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν διὰ τὴν πολλήν σου εὐσπλαγχνίαν σὺν καὶ τῷ γράψαντι Θεοδοσίῳ μοναχῷ τῷ πολύτλα. ἀμὴν γένοιτο Κύριε.

Заставки, заглавныя буквы и скорописная крупная Азбука. Азбука изъ заглавій.

Слова съ знаками препинанія: ψυχὴν. δυνάμει:

Слова съ титлами и сокращеніями: θεὸς σταυρὸν ἄνθρωπος. Καὶ κατὰ ζητεῖ Καιρῷ μηνὶ Σαββάτῳ ͞ε. Ἰησοῦ αὐτὸν εἰσέλθηται πρὸς. Ιωάννης. μθ. Слова въ связи съ другими: α., συναγωγαῖς ἄξιος ἀγέλη. ε., ἀκούειν ἐγὼ παρέξῃ περὶ ἐξ εἶπεν ν., ἀνθρώπων ὀδυνᾶσαι. σ., γνώσεως τ., ἀναστήσεται.

---

[1]) Со словъ: **ѡбрѣте... вънь**. было пропущено, и послѣ внизу написано:

VIII) Бесѣды Св. Іоанна Златоустаго на Матѳея.

Находятся въ Московской Сунодальной Библіотекѣ подъ № 79.

Длина пергамина	$7\frac{1}{8}$	в.
Ширина	$5\frac{1}{2}$	в.
Къ корешку	$\frac{3}{8}$	в.
Между столбцами	$\frac{1}{2}$	в.
Къ правой сторонѣ	$1\frac{1}{4}$	в.
Къ верху	$\frac{1}{8}$	в.
Къ низу	$1\frac{5}{8}$	в.

Пергаменъ хотя хорошо выдѣланъ, но довольно толстъ и имѣетъ на нѣкоторыхъ мѣстахъ недостатки краевъ.

Писано скорописью въ два столбца по нарѣзамъ на 330-ти мѣстахъ. Заставки, заглавія и заглавныя буквы писаны краскою малиноваго цвѣта. Внизу 1-го листа подписано: Хиландарскія. Колеръ чернилъ темно-коричневый. Помѣта тетрадей внизу у корешка съ обоихъ сторонъ. Число строкъ на страницѣ 31.

Это вторая книга бесѣдъ Златоуста, начинающаяся 45-ю бесѣдою, оканчивается 90-ю.

Выписки изъ Подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ.

Изъ 49-й Бесѣды.

л. 26 об. β'. Διὰ τί ἀνέβλεψεν ἐις τὸν οὐν͂ὸν, καὶ ἐυλόγησεν. ἔδει πιστευθῆναι αὐτὸν, ὅτι παρα τοῦ πρ͂ς ἐστι καὶ ὅτι ἶσος ἐστὶ.... л. 27. ά. ὁμοῦ δὲ καὶ παιδέυων ἡμᾶς μὴ πρότερον ἅπτεσθαι τραπέζης, ἕως ἂν εὐχαριστήσωμεν τῷ τὴν τροφὴν ταύτην ἡμῖν παρέχοντι. καὶ διὰ τί οὐ ποεῖ ἐκ μὴ ὄντων. ἐμφάττων τὸ μαρκίωνος καὶ μανιχαίου στόμα τῶν τὴν κτίσιν ἀλλοτριούντων αὐτοῦ. καὶ ...παιδέυων. ὅτι καὶ τὰ ὁρώμενα ἅπαντα αὐτοῦ ἔργα καὶ κτίσματα ἐισι. καὶ... ὅτι αὐτός ἐστιν. ὁ ἐιπὼν... βλαστησάτο ἡ γῆ βοτάνην χόρτου. καὶ ἐξαγαγέτω τὰ ὕδατα ἑρπετὰ ψυχῶν ζωσῶν. л. 27 об. ά.,... ποιεῖ καὶ καθολικὴν ἐυεργεσίαν. ἵνα μὴ θεωροὶ μόνον οἱ πολλοὶ τῶν ἑτέροις συμβάντων γένωνται..... ἀλλὰ καὶ αὐτοὶ τῆς δωρεᾶς ἀπολαύσωσι...... ἐις ἔρημον αὐτοὺς ἄγει. ἵνα μεθ' ὑπερβολῆς ἀνύποπτον ᾖ τὸ θαῦμα. Και μήδεὶς νομίσῃ πλησίον κώμην παρακειμένην. ἐισενεγκεῖν τ. ἐις τὴν τραπεζαν. δια τοῦτο καὶ τῆς ὥρας μέμνηται. οὐχὶ τοῦ τόπου μόνον. καὶ ἕτερον δὲ μανθάνομεν. τὴν φιλοσοφίαν τῶν μαθητῶν. ..... δώδεκα γὰρ ὄντες πέντε ἄρτους μόνους εἶχον..... β'..... οὕτω πάρεργα ἦν αὐτοῖς τα σωματικὰ. καὶ τῶν πνευμάτικῶν εἴχοντο μόνον. καὶ οὐ δὲ τῶν ὀλίγων ἀντείχοντο. ἀλλὰ καὶ αὐτοὺς αἰτηθέντες ἔδωκαν. ὅθεν παιδευεσθαι χρὴ, ὅτι κἂν ὀλίγα ἔχωμεν. καὶ αὐτὰ προΐεσθαι δεῖ τοῖς δεομένοις. κελευθέντες γοῦν ἐνεγκεῖν τοὺς....... ἄρτους οὐ λέγουσι καὶ πόθεν ἡμῖν ἔσται ἡ διατροφὴ. πόθεν δὲ ἡμεῖς παραμυθισώμεθα τὴν πείναν ἡμετέραν, ἀλλ ὑπακούουσιν εὐθέως..... λαβὼν..... διέκλασε καὶ ἐδίδου

Изъ 49-й Бесѣды въ переводѣ Константина Пресвитера XIII в. № 262 Суп. Библ.

Л. 79. Поуьто въζьрѣ на нбо и блгослови. да покажеть ꙗко отъ оца ѥсть. и ꙗко равьнъ ѥсть. коупьно же и ны кажа. не прикасатисѧ пьрвѣѥ трапеζѣ. доньдеже похвалимъ. подавъшаго намъ сию пищю. и поуто не творить ѿ небытиꙗ нъ ѿ соущихъ. ζатыкаꙗ оуста маркионова. и манихсова. оутѫждающема л. 79 б. тварь ѿ него. коупьно же и показаꙗ. ꙗко и видимаа вса. того дѣла. и съζъданиꙗ соуть. и ꙗко тъ ѥсть рекыи. да проζабнеть ζемлѧ. травоу сѣна. и да иζнесеть воды. пресмыкающаѧсѧ доушамъ живамъ. творит же и вселеньско благоданиѥ. мъножьство селико напитѣвъ да не тъкъмо видите ли л. 79 об. мъноζи. и приключьшомъсѧ нѣмъ боудоуть. (исцѣлениими блгомъ) (сего ради и съшидѹтьсѧ) нъ да и сами насладатьсѧ дара. въ поустыню же ꙗ водить. да съ преспѣваниѥмь не ζаζьримо бѹдеть іоуда и да не мьнить никтоже близъ соущюоу вьсь. и ѿ тоꙗ вънести уто на трапеζѹ. сего ради и уасъ поминаѥть. не б) мѣста тъкмо. ѥще же и оууениуоу философию симь раζоумѣѥмъ. ꙗко ві. соуща. пать хлѣбъ имѣахоу тъкъмо. аще въ ноуждьныхъ. въ подѣлане имъ л. 27 об. а. бѣша телесьнаꙗ. и дхвьныихъ дьрьжахоусѧ тъкъмо и ни помалоу же пьраахоу. нъ и и (sic) тьи въдаша прошени быкъше. тѣмь достоить намъ л. 80 а. каζатисѧ. ꙗко аще и мало имамъ. и то подобаать подати требоующимъ. повелѣни же быкъше принести реуе хлѣбы. не глаголють то ѹимь ны са питѣти.

τοῖς μαθηταῖς.... τούτω αὐτοὺς τιμῶν. л. 28 ά. οὐ τιμῶν δὲ μόνον. ἀλλ' ἵνα ὅτι ἂν γένηται τὸ. θαῦμα, μὴ ἀπιστήσωσι. μὴ δὲ ἐπιλάθωνται.... τῶν χειρῶν αὐτοῖς μαρτυρουσῶν...... οὐ κελεύει δὲ αὐτοὺς ἐπὶ στιβάδος ἀναπεσεῖν. φιλοσοφεῖν τοὺς ὄχλους παιδεύων. οὐ γὰρ θρέψαι τὰ σώματα μόνον ἐβούλετο, ἀλλὰ καὶ τὴν ψυχὴν παιδεῦσαι β'. Καὶ ἀπὸ τοῦ τόπου τοίνυν καὶ ἀπὸ τοῦ μηδὲν πλέον ἄρτων δοῦναι καὶ ἰχθύων. καὶ ἀπὸ τοῦ πᾶσι τὰ αὐτὰ προθεῖναι. καὶ ποιῆσαι κοινά. καὶ μηδέν. θατέρω θατέρου πλεῖον παρασχεῖν καὶ ταπεινοφροσύνην καὶ ἐκράτειαν καὶ ἀγάπην, καὶ τὸ ὁμοίως πρὸς ἀλλήλους διακεῖσθαι. καὶ τὸ κοινὰ πάντα νομίζειν εἶναι ἐπαίδευσε. καὶ κλάσας ἔδωκε τοῖς μαθηταῖς, οἱ δὲ μαθηταὶ τοῖς ὄχλοις. τοὺς πέντε ἄρτους ἔδωκε καὶ οἱ πέντε ἐν ταῖς χερσὶ τῶν μαθητῶν ἐπηγαζον.... καὶ περισσεῦσαι ἐποίησε... οὐχὶ ἄρτους...... ἀλλὰ κλάσματα ἵνα δείξη ὅτι ἐκείνων τῶν ἄρτων ταῦτα τὰ λείψαντα ἦν. καὶ ὥστε τοὺς . . . . μαθειν τὸ γεγενημένον. л. 28 об. ά. διὰ τοῦτοκαὶ δώδεκα κοφίνους περισσεῦσαι ἐποίησεν. ἵνα καὶ ἰούδας βαστάση. ἠδύνατο μὲν, γὰρ καὶ σβέσαι τὴν πεῖναν. ἀλλ' οὐκ ἂν ἔγνωσαν οἱ μαθηταὶ τὴν δύναμιν. οὕτω γοῦν αὐτὸν ἐξεπλάγησαν ἐντεῦθεν.... (οἱ ἰουδαῖοι) ὅτι καὶ βασιλέα ἠθέλησαν ποιῆσαι. καίτοιγε ἐπὶ τῶν ἄλλων σημείων, οὐδαμοῦ τοῦτο ποιήσαντες. τίς τοίνυν παραστήσειε λόγος. πῶς ἐπήγαζον οἱ ἄρτοι. πῶς ἐπέρρεον ἐν τῆ ἐρήμω. πῶς τοσούτοις ἐπήρκεσαν. καὶ γὰρ πεντακισχίλιοι ἦσαν. χωρὶς γυναικῶν καὶ παιδίων. ὃ μέγιστον ἦν τοῦ δήμου ἐγκώμιον. ὅτι καὶ γυναῖκες. . .. β'. ποιήσας δὲ τὸ σημεῖον. εὐθέως ἠνάγκασε τοὺς μαθητὰς ἐμβῆναι εἰς τὸ πλοῖον καὶ προσάγειν αὐτὸν εἰς τὸ πέραν. ἕως οὗ ἀπολύση τοὺς ὄχλους..... παιδεύων ἡμᾶς μηδαμοῦ τὴν παρὰ τῶν πολλῶν δόξαν διώκειν καὶ ἐπισύρεσθαι πλῆθος.

боудоу имъ боудеть оутѣха. алъкоть нашеи. нъ акие послоушаша. приимъ же разломи. и даяаше оученикы своими. чьтъıа снимъ. не тоуже тъкмо. нъ и да егда б) боудеть чоудо. да не забоудоуть сего послоушьствоующимъ роукамъ ихъ. повелѣ же пать ла множьствомъ народоу возлещи. (по скобл. въ свое время писано). моудрьство разоумѣвати кажаи. не телеса бо тъкмо хотяаше напитати. нъ и доушю показати. и мѣстомъ же. и ѥже большимъ никимъ ни унимъ же нъ даннисимъ хлѣбъ и рыбами и предъложениемъ л. 80 об. а. въсѣмъ. тѣмъ же обьщениемъ. и инуимъже вище дроугъ дроугоу подати. и съмѣреноумоудрость. и оудьржание и любъвь. и еже тъчьно дроугъ дроуга имѣти тъчьно. и еже обьще имѣти всѣмъ казааше. и разломль дасть оученикомъ оученици же народомъ є̃. хлѣбъ разломль дасть. и пать тае. б) въ роукахъ оученичахъ раслалахоу. и избытъчьствовати сътвори. не хлѣбы нъ оукроухы. да покажеть яко тѣхъ хлѣбъ соуть си оукроуси. да и несоущии тоу оувѣдать въкоупѣ вї. же коша да и Ïюда понесеть. можааше бо и алкотоу оугасити. нъ не бъıша разоумѣли оученици силы. такоже са емь дивїша народи симь. л. 81 а. яко и цесаря хотяахоу поставити и. о инѣхъ чоудесьхъ. никъдеже сего сътворьше. кое слово нынѣ предъставить. како истичаахоу хлѣби како притѣкааше народъ въ поустыню. како довълѣша толикоу. иво є̃. бѣаше кромѣ женъ и дѣтий. еже велика хвала бѣаше. народови. жены же поманоу и дѣти...... б) поуто сътворивъ знамение. оувѣди оученикы влѣсти въ кораблъ. и превести на онъ полъ. оуча ны. никъдеже славы искати. отъ многыихъ. ни влещи по себѣ народъ.

Чтеніе и объясненіе снимка.

Ἀμὴν λέγω ὑμῖν. εἰσὶ τινὲς τῶν ὧδε ἑστώτων. οἵτινες οὐ μὴ γεύσωνται θανάτου. ἕως ἂν ἴδωσι τὸν υἱὸν τοῦ ἀνθρώπου.

Ἐπειδὴ πολλὰ περὶ κινδύνων διελέχθη καὶ θανάτου καὶ τοῦ πάθους τοῦ ἑαυτοῦ. καὶ τῆς τῶν μαθητῶν σφαγῆς.

Запись писца: Ἱερὰ βίβλος διὰ βασιλείου τοῦ κηρουλλαρίου. μηνὶ νοεμβρίω, Ἰνδικτιῶνος ιͣ. ἔτους. ͵ςφξ.

Заставки, заглавныя буквы, скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: Χαλεπώτερον; ἀμὴν ✝ πόλεων:

Слова съ титлами и сокращенія: ὁ Χριστὸς σημείωσον. ἀνθρώπω οὐρανῶν. Καὶ. Частицы съ двумя удареніями: μὲν δὲ. Союзъ ἢ съ дыханіемъ и удареніемъ. Слово съ протянутыми линіями въ концѣ страницы: ἀρχὴν.

Слова въ соединеніи съ другими: α., γὰρ ἄξιος. ε., ἐξωποιεῖ συνεχῶς. ν., δυνηθῆναι. σ., τῆς σαγήνης.

IX) Евангеліе. (апракосъ)

Находится въ Моск. Сунодальной Библіотекѣ подъ № 43-мъ.

Длина пергамина.	$8^5/_8$	в.
Ширина.	$6^2/_8$	в.
Къ корешку	$^5/_8$	в.
Между столбцами.	$^5/_8$	в.
Къ правой сторонѣ	$1^2/_8$	в.
Къ верху	1	в.
Къ низу.	$1^1/_2$	в.

Пергаменъ хорошъ. Кой гдѣ есть поврежденія.

Писано довольно крупною скорописью по нарѣзамъ въ два столбца на 250. листахъ.

Внизу 1-го листа написано. Арсеній. τῶν ἰβήρων. Заставка въ началѣ, заглавная буква и заглавіе писано карминомъ малиноваго цвѣта, съ 30 л. обор. киноварью. Ноты для чтенія писаны и карминомъ, но болѣе киноварью. Колеръ чернилъ темнокоричневый: Помѣта тетрадей внизу у корешка съ обѣихъ сторонъ.

Апракосъ полный т. е. послѣ пятьдесятницы положены чтенія и въ понедѣлникъ вторникъ, среду и такъ далѣе въ продолженіе 17-ти недѣль до 83. листа обор. съ 84. новый счетъ недѣль 11-ти изъ Евангеліе отъ Луки; до 118. листа.

Съ 118. листа изъ Евангелія отъ Марка опять новый счетъ до пятницы 5-й недѣли. суббота названа 16-ю, а Воскресенье 17-мъ; на 144 листѣ о пятницѣ упомянуто 8-й недѣли, а суббота названа мясопустною.

Съ 154. листа начинаются Евангелія въ недѣли св. поста. На л. 213. положено читать Евангеліе въ Великую пятницу на литургіи; съ 217. листа начинаются Евангелія Воскресныя, а съ 220. об. начинаются чтенія Евангелій съ Сентября избраннымъ святымъ и празникамъ, до конца Августа по 249. листъ. Тутже, на 249. листѣ написано Евангеліе на утренни св. Апостоламъ, а на оборотѣ 249. листа: Ἐυαγγέλιον ἐισ τὴν λιτὴν τῆσ βαϊοφορου: ἐκ τοῦ κατὰ μάρκον. Τῶ καιρῶ ἐκείνω, ἐκπρευομένου τοῦ Ιῦ ἀπὸ Ιεριχῶ. На оборотѣ послѣдняго листа написана подпись писца.

Выписки изъ Подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ.

л. 155 ά. Σάββατον ά. τῶν νηστειῶν καὶ τοῦ ἁγίου Μεγαλομάρτυροσ Θεοδώρου ἐκ τοῦ κατα μάρκον.

Τῶ καιρῶ ἐκείνω ἐπορέυετο ὁ Ισ̄ τοῖς σάββασιν διὰ τῶν σπορίμων καὶ ἤρξαντο οἱ μαθηταὶ αὐτοῦ ὁδὸν ποιεῖν, τίλλοντες τοὺς στάχυας. καὶ οἱ φαρισαῖοι ἔλεγον αὐτῶ. ἴδε τί ποιοῦσιν ἐν τοῖς σάββασιν. ὃ οὐκ ἔξεστιν. καὶ αὐτὸς. ἔλεγεν αὐτοῖς οὐ δέ ποτε ἄν ἔγνωτε. τί ἐποίησεν δᾶδ. ὅτε χρεῖαν ἔσχεν καὶ ἐπείνασεν. αὐτὸς καὶ οἱ μετ᾽ αὐτοῦ πῦς ἐισῆλθεν ἐις τὸν οἶκον τῦ θῦ ἐπὶ ἀβιάθαρ ἀρχιερέως καὶ τοὺς ἄρτους τῆς προθέσεως ἔφαγεν. οὖσ β΄. οὐκ ἔξεστιν φαγεῖν. ἐιμὴ τοῖς ἱερεῦσιν. καὶ ἔδωκεν καὶ τοῖς σὺν αὐτῶ οὖσιν καὶ ἔλεγεν αὐτοῖς τὸ σάββατον. διὰ τὸν ἄνον ἐγένετο. οὐχ ο ἄνος διὰ τὰ σάββατον. ὥστε Κύριος ἐστιν ὁ υἱὸς τοῦ ανου καὶ τοῦ σαββότυ καὶ ἐισῆλθεν παλιν ἐις τὴν συναγωγὴν καὶ ἦν ἐκεῖ ἄνος ἐξηραμμένην ἔχων τὴν χεῖρα. καὶ παρετήρουν αὐτὸν ἐι τοῖς σάββασιν θεραπευσει αὐτὸν. ἵνα κατηγορήσωσιν αὐτοῦ. καὶ λέγει τῷ

Изъ Четвероеван. 1144 г. Марк. II. 23—28. III. 1—5.

И бысть мимоходящею ѥмоу въ соуботы. сквозѣ нивы. и начаша оученици ѥго поуть творити въстьргающа класы. и фарісеї глахоу ѥмоу. віжь что творать въ соуботы. ѥгоже не достоить. и тъгда глаше имъ. нѣсте ли николиже чьли. что сътворі дд҃ъ ѥгда трѣбова. и възалка самъ и иже бахоу съ нимь. како вънide въ храмъ бжьи прі авіаѳарѣ архиереи. и хлѣбы прѣдложенья сънѣсть. ихъ же не достояше ѣсти. нъ тъкмо иереомъ. и дасть ї соущимъ съ нимь. и глаше имъ. соубота чл҃ка ради бы. а не чл҃къ соуботы ради. тѣмь же гь ѥсть сн҃ъ члчскыи соуботѣ. и вънide пакы въ сньмище. и бѣ тоу чл҃къ соухоу роукоу имыи. и назирахоуть ї. аще въ соуботоу исцѣлить и. да на нь възглають. и гла чл҃коу имоущемоу соухоу роукоу. стани посредѣ. и гла имъ. достоить ли въ соуботы добро творіти. дшю спсті или погоубіті.

ἀν̄ω τῶ ἐξηραμμένην ἔχοντι τὴν χεῖρα. ἔγειρε εἰς το μέσον καὶ λέγει αὐτοῖς ἔξεστιν τοῖς σάββασιν ἀγαθοποιῆσαι, ἢ κακοποιῆσαι ψυχὴν σῶσαι ἢ ἀποκτεῖναι л. 155 α. οἱ δὲ ἐσιώπων. καὶ περιβλεψάμενος αὐτοὺς μετ' ὀργῆς συλλυπούμενος ἐπὶ τῆ πορώσει τῆς καρδίας αὐτῶν. λέγει τῶ ἀν̄ω. ἔκτεινον τὴν χεῖρα σου καὶ ἐξέτεινεν. καὶ ἀποκατεσσάθη ἡ χεὶρ αὐτοῦ ὑγιὴς, ὡς ἡ ἄλλη.

они же мълчахоу и въզрѣвъ на на съ гнѣвъмь. скърба о окаменении срдца ихъ. гл҃а ч҃лкоу. простьри роукоу твою и простьре. и оутвьрдиса роука его цѣла ꙗко и дроугаꙗ.

л. 156 β'. Κύρ. α̅. Τῶν νη.τειῶν. εἰς τὴν λειτουργίαν. Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην. Іоан. 1. 43—51.

Τῶ καιρῶ ἐκείνω. ἠθέλησεν ὁ Ἰσ̄. ἐξελθεῖν εἰς τὴν γαλιλαίαν. καὶ εὑρίσκει φίλιππον. καὶ λέγει αὐτῶ. ἀκολούθη μοι. ἦν δὲ ὁ φίλιππος. ἀπο βιθσαϊδά. ἐκ τῆς πόλεως ἀνδρέου καὶ πέτρου. εὑρίσκει φίλιππος τὸν ναθαναὴλ καὶ λέγει αὐτῶ. ὃν ἔγραφεν μωυσῆς ἐν τῶ νόμω καὶ οἱ προφῆται. εὑρήκαμεν Ἰν̄, τὸν υ̅ν Ἰωσὴφ τὸν ἀπὸ Ναζαρὲτ. καὶ εἶπεν αὐτῶ Ναθαναὴλ. ἐκ л. 156 οб. α. Ναζαρὲτ. δύναταί τι ἀγαθὸν εἶναι. λέγει αὐτῶ φίλιππος. ἔρχου καὶ ἴδε. εἶδεν ὁ Ἰσ̄ τὸν Ναθαναὴλ ἐρχόμενον πρὸς αὐτὸν καὶ λέγει περὶ αὐτοῦ. ἴδε ἀληθῶς ἰσραηλίτης. ἐν ὧ δόλος οὐκ ἔστιν. λέγει αὐτῶ Ναθαναὴλ πόθεν με γινώσκεις ἀπεκρίθη Ἰσ̄. καὶ εἶπεν αὐτῶ προ τοῦ σε φίλιππον φωνῆσαι, ὄντα ὑπὸ τὴν συκὴν εἶδον σε. ἀπεκρίθη Ναθαναὴλ καὶ λέγει αὐτῶ ῥαββί, σὺ εἶ ὁ υἱὸς τοῦ θῦ σὺ εἶ ὁ βασιλεὺς τοῦ Ἰη̅λ. ἀπεκρίθη Ἰσ̄ καὶ εἶπεν αὐτῶ ὅτι εἶπον σοι. εἶδον σε ὑποκάτω τῆς συκεῖς πιστεύεις μείζω τούτων ὄψει καὶ λέγει αὐτῶ ἀμὴν, ἀμὴν λέγω ὑμῖν ἀπάρτι ὄψεσθε τὸν οὐ̅ν̅ον β'. ἀνεωγότα. καὶ τοὺς ἀγγέλους τοῦ θῦ, ἀναβαίνοντας καὶ καταβαίνοντας ἐπὶ τὸν υἱὸν τοῦ ἀν̄ῦ'.

Въ оутреи же дн҃ь. въсхотѣ изіти въ галилею. и обрѣте филипа и гл҃а емоу і҃съ. гради по мнѣ. бѣ же филипъ ѿ видсаидска града андреєва и петрова. обрѣте филипъ нафанаила. и гл҃а емоу. егоже иса моси въ законѣ и прр҃ци. обрѣтохомъ і҃са с҃на иосифова. иже ѿ назареѳа и гл҃а емоу наѳанаиль. ѿ назареѳа можеть ли что добро быти. гл҃а емоу филипъ приди и виждь. видѣвъ же наѳанаила і҃съ градоуща къ собѣ. и гл҃а емоу. се въ истиноу излꙇтѣнинъ въ немь же льсти нѣсть. гл҃а емоу наѳанаиль. како ма знаеши. ѿвѣща і҃съ и рече емоу. прѣже даже не възгласи тебе филипъ. соуща подъ смоковницею видѣхъ та ѿвѣща наѳанаиль и гл҃а емоу. равви. ты еси с҃нъ б҃жии. ты ц҃рь еси изл҃евъ. ѿвѣща і҃съ и рече емоу. зане рѣхъ ꙗко видѣх та подъ смоковницею. вѣроуеши. и болии сихъ оузриши. аминь аминь гл҃ю вамъ ѿселѣ оузрите небеса ѿвьрста и аг҃глы б҃жиа въсходаща и съходаща надъ с҃на ч҃лческаго

Чтеніе и объясненіе снимка.

Τῆ ἁγία καὶ μεγάλη Κυριακῆ τοῦ πάσχα.

Ἐκ τοῦ κατα Ἰωάννην.

Ἐν ἀρχῆ ἦν ὁ λόγος. Καὶ ὁ λόγος ἦν πρὸς τὸν θεόν. καὶ θεὸς ἦν ὁ λόγος. οὗτος ἦν ἐν ἀρχῆ πρὸς τὸν θεον. αὐτῶ Ἰωάννης. οὗτος ἦλθεν εἰς μαρτυρίαν ἵνα μαρτυρήση περὶ τοῦ φωτὸς ἵνα πάν.

Запись писца: Ἐτελειώθη ἱερὰ δέλτος αὕτη ἐν νοεμβρίω ἐν ἔτη τῶ ͵ςφξ̅ζ̅. ἰνδικτιῶνος ς̅. διὰ χειρων πέτρου τοῦ εὐτελοῦς μοναχοῦ καὶ ἱερέως. οἱ ἀναγνώσκοντες εὔχεσθε ὑπὲρ αὐτοῦ διὰ τὸν Κύριον.

Ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον.

Заставки, заглавныя буквы и скорописная азбука.

Слова съ титлами и сокращеніями: Κύριε Ἱερουσαλήμ. Καὶ ζήτει. Κυριακῆ. Конечный знакъ. Частица δὲ съ однимъ удареніемъ.

Слова въ соединеніи съ другими: α, ἐφάγομεν. ε., ἔξω βασιλεία κείμενον. ἐπιράπτει. ν., οὐρανῶ τὴν σ., ῥήσσει. τ., ὕστερον. Слово съ протянутыми внизъ длинными линіями нѣкоторыхъ буквъ въ концѣ страницы: ἀρφαξάδ.

X) Четвероевангеліе съ толкованіемъ.

Находится въ Императорской Публичной Библіотекѣ подъ № 72-мъ.

Длина Пергамина	$5^7/_8$	в.
ширина	$4^3/_8$	в.
къ корешку	$^1/_2$	в.
къ правой сторонѣ	$1^1/_2$	в.
къ верху	$1^7/_8$	в.
къ низу	$1^7/_8$	в.

Пергаменъ выдѣланъ хорошо, хотя отъ времени покоробился.

Писано скорописью въ одинъ столбецъ по нарѣзамъ на 357-ми листахъ. Заставки, заглавныя буквы писаны по золоту красками синею, голубою, малиновою красною. темнозеленою, зеленою и розаватою. Число строкъ одного текста Евангельскаго только десять и 14-ть на страницѣ. На верху на полѣ правой стороны и внизу написано объясненіе Евангелія. Текстъ въ объясненіяхъ писанъ краскою розоваго цвѣта. Небольшія заглавныя буквы не близъ заставокъ писаны твореным̆ъ золотомъ.

На 2-мъ листѣ подписано по Славянски єѵ͠лїє съ толковані͠є. На оборотѣ 3-го листа и 4-го написано по Гречески толкованіе: Отче нашъ. На оборотѣ 4-го листа написана запись писца.

Съ 5-го по 13-й листъ объясненіе кановонъ согласія Евангелистовъ Евсевія и самые каноны писаны краскою малиноваго цвѣта. Тоюже краскою писанъ въ концѣ сунаксарь. когда читать Евагелія круглый годъ.

На оборотѣ 13-го листа изображенъ св. Евангелистъ Матоей, сѣдящій на сѣдалищѣ въ родѣ табуретки съ подножіемъ. На колѣнахъ у него развернутъ бѣлою полосою свитокъ, на которомъ по срединѣ лежитъ рука его съ писаломъ древнимъ, обнаженная по локоть. Предъ нимъ столикъ съ письменными принадлежностями. Подлѣ него налойчикъ съ книгою на немъ раскрытою, которой за лѣвый нижній уголъ Евангелистъ коснулся лѣвою рукою; поперекъ Евангелія положенъ свитокъ развернутый съ сими словами: βίβλος γενέσεως Ιῦ Χῦ υἱοῦ δᾶδ υἱοῦ ἀβραάμ. Нижняя одежда Евангелиста зеленоватая, а верхняя голубая. Волосы короткіе сѣдые, борода довольно окладистая. Выраженіе лица задумчивое, прекрасно нарисованное. Сзади головы подпись: ὁ ἅγ. Ματθαῖος.

Передъ началомъ Евангелія заставка по золоту разными красками разкрашенная, состоящая изъ цвѣтовъ древообразныхъ. Толкованіе отъ Матоея начинается: Ἐυαγγέλιον ἐστι. λόγος περιέχων ἀγαθων ἀγγελίαν πραγμάτων.

На оборотѣ 123-го листа изображенъ св. Евангелистъ Маркъ. сѣдящій на сѣдалищѣ въ родѣ табуретки съ подушкою на немъ темнаго цвѣта. и съ подножіемъ. На колѣняхъ у него также развернутъ свитокъ бѣлый неписаный; средины его правою рукою касается онъ древнимъ писаломъ. Изъ подъ верхней одежды его только видна одна кисть правой руки; а лѣвою рукою съ лѣвой стороны поддерживаетъ свитокъ. Волоса темные короткіе съ короткою бородою. Взоръ его обращенъ въ правую сторону къ Евангелію раскрытому. которое положено вверху налойчика близъ стола. утвержденнаго на перевитой стойкѣ. Положеніе Евангелиста очень сходно. которое есть въ Евангеліи царицы Ѳеодоры. Евангелистъ среднихъ лѣтъ. Нижняя одежда голубая, а верхняя сѣрая.

На 124-мъ листѣ заставка на золотомъ фонѣ съ цвѣтами; въ кругу ей написано золотыми буквами: Τὸ κατὰ ἅγιον Εὐαγγέλιον Μάρκον. Въ заглавной буквѣ Λ первую линію отъ корешка изображаетъ птичка,—ногами своими дѣлая перечерку буквы Λ.

На оборотѣ 78-го листа особаго счета изображенъ св. Евангелистъ Лука, сѣдящій на сѣдалищѣ, перекрещенномъ по срединѣ, съ подножіемъ. На колѣняхъ у него раскрыто Евангеліе. На оборотѣ раскрытаго листа онъ коснулся своимъ писаломъ; лѣвою рукою придерживаетъ его. Предъ

нимъ столикъ съ принадлежностями письма и подлѣ него налойчикомъ, на верху котораго раскрыто Евангеліе. Волосы темно-каштановые курчавые, бороды почти не видать. Нижняя одежда свѣтлозеленая, а верхняя розовая. Лице задумчиво. обращено въ правую сторону. Надъ нимъ въ углу рамки подписано: ὁ. ἅγ Λκᾶς

На 22-мъ листѣ счета Евангелія отъ Луки заставка по золотому фону съ цвѣтами разныхъ красокъ. Въ первой буквѣ ε, въ срединѣ изображена рука съ писаломъ, а ниже всей буквы птичка.

На оборотѣ 70. листа новаго счета изображенъ на золотомъ фонѣ св. Евангелистъ Іоаннъ Богословъ на сѣдалищѣ со спинкою. почти такойже формы, какую имѣетъ въ Евангеліи царицы Ѳеодоры, только другаго цвѣта внѣшность. Правою рукою онъ у сѣдалища своего коснулся головки поручня, а лѣвая на лѣвомъ колѣнѣ съ древнимъ писаломъ положена; верхняя одежда темносѣрая, а нижняя голубая. Волосы на головѣ сѣдые, короткіе, борода довольно окладистая. Взоръ его задумчивый обращенъ въ правую сторону къ Евангелію раскрытому на налойчикѣ. Близъ налойчика столъ со всѣми письменными принодлежностями, тутъ виднѣются циркуль, ножичекъ, и на плиткѣ разныя растертыя краски: Подписано надъ нимъ: ὁ ἅγ Ἰωαν.

На 72-мъ листѣ особаго счета заставка изъ цвѣтовъ разныхъ красокъ. Въ срединѣ заставки въ видѣ и написано твореннымъ золотомъ. уставомъ: Τὸ κατὰ Ἰωάννην ἅγιον εὐαγγέλιον.

Въ первой буквѣ є въ срединѣ изображенъ св. Евангелистъ Іоаннъ Богословъ, протянувшій руку съ древнимъ писаломъ. Выраженіе лица прекрасно нарисовано.

На л. 355-мъ и об. написаны такимъ же почеркомъ. какимъ на 4. л. об. написана запись писца, краскою малиноваго цвѣта.

Выписки изъ Подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ.

λᾶ. Καὶ ἔρχονται ἐις οἶκον.

Καὶ συνέρχεται πόλιν ὄχλοσ, ὥστε μὴ δύνασθαι αὐτοὺσ. л. 31 об. μήτε ἄρτον φαγεῖν. καὶ ἀκούσαντεσ οἱ παῤ αὐτοῦ ἐξῆλθον κρατῆσαι αὐτόν. ἔλεγον γὰρ ὅτι ἐξέστη. καὶ οἱ γραμματεῖς οἱ ἀπὸ Ἱεροσολύμων καταβάντεσ ἔλεγον. ὅτι βεελζεβοὺλ ἔχει. καὶ ἐν τῶι ἄρχοντι τῶν δαιμονίων ἐκβάλλει τὰ δαιμόνια. καὶ προσκαλεσάμενοσ λκ҃. αὐτοὺσ ἐν παραβολαῖσ ἔλεγεν αὐτοῖσ. πῶσ δύναται σατανᾶς σατανᾶν ἐκβάλλειν. καὶ ἐὰν βασιλεία ἐφ̓ ἑαυτὴν μερισθῇ, ȣ̓ δύναται σταθῆναι ἡ βασιλεία ἐκείνη. λг҃. Καὶ ἐὰν οἰκία ἐφ̓ ἑαυτὴν μερισθῇ, ȣ̓ δύναται σταθῆναι ἡ οἰκία ἐκείνη. καὶ ἐι ὁ σατανᾶσ ἀνέστη ἐφ ἑαυτὸν καὶ μεμέρισται. οὐ δύναται σταθῆναι ἀλλὰ τέλοσ ἔχει. ȣδεὶσ δύναται τὰ σκεύη τοῦ ἰσχυροῦ ἐισελθὼν ἐισ τὴν οἰκίαν αὐτοῦ διαρπάσαι, ἐὰν μὴ πρῶτον τὸν ἰσχυρὸν δήση. καὶ τότε τὴν οἰκίαν αὐτȣ̃ διαρπάση. л. 32. Ἀμὴν λέγω ὑμῖν. ὅτι πάντα ἀφεθήσεται τοῖσ υἱοῖσ τῶν ἀν̃ων τὰ ἁμαρτήματα. καὶ αἱ βλασφημίαι ὅσας ἐὰν βλασφημήσωσιν. ὅσ δ᾽ἂν βλασφημήση ἐισ τὸ πν̃α τὸ ἅγιον. οὐκ ἔχει ἄφεσιν ἐισ τὸν αἰῶνα. ἀλλ᾽ ἔνοχοσ ἐστὶν αἰωνιου κρίσεωσ. ὅτε ἔλεγον πν̃α ἀκάθαρτον ἔχει. Ἔρχεται οὖν ἡ μῆρ αὐτȣ̃ καὶ οἱ ἀδελφοὶ αὐτοῦ. καὶ ἔξω ἑστῶτεσ ἀπέστειλαν πρὸσ αὐτὸν φωνοῦντεσ αὐτόν. καὶ ἐκάθητο περὶ αὐτὸν ὄχλος. εἶπον δὲ αὐτῷ. ἡ μῆρ σου καὶ οἱ ἀδελφοί σου ἔξω ζητοῦσι σε. καὶ ἀπεκρίθη αὐτοῖσ λέγων. τίς ἐστιν ἡ μῆρ μου. ἢ ἀδελφοί μου. καὶ περιβλεψάμενοσ κύκλῳ τοὺσ περὶ αὐτὸν καθημένουσ, λέγει. ἴδε

Изъ Четвероевангелія XII в. № 54. Синод. Типогр. Библіотеки л. СЗ. об. а.

Мар. лꙗ҃. г҃.

И придоша къ домъ и съвъраишася пакы народи. ꙗко не мощи имъ ни хлѣба сънѣсти. и слышавъше иже близоу оу него. изидоша ѩти и. глаахоу бо ꙗко неистовъ ѥсть. кънижьници низъшьдъше. и глахѫ ꙗко вельзѣвоулъ ймать. и ꙗко о кнѧзи бѣсъ изгонить бѣсы. и призъвавъ ꙗ въ притъчахъ глаше имъ. како можеть сотона сотоноу изгънати. и аще црство на сѧ раздѣлїтьсѧ неможеть стати црство то. и аще домъ на сѧ раздѣлитьсѧ неможеть статї домъ тъ. и аще сотона въста самъ на сѧ. и раздѣлисѧ. не можеть стати. нъ коньчинѫ имать. никто же не можеть съсоудъ крѣпъкаго. вънидъ въ домъ ѥго расхытити. аще не прѣжде крѣпъкаго съвѧжеть. и тъгда домъ ѥго расхытить. Мл̑. лд҃. в҃. Аминь глю вамъ ꙗко вьсѩ ѿпоустѧтсѧ сн҃омъ члвѣскомъ съгрѣшениꙗ и власвимиꙗ. ѥлико аще власвимисають. и иже власвимисаѥть на стыи дхъ. не имать ѿпоущениꙗ въ вѣкъ нъ повиньнъ ѥсть вѣчьнжоумоу сѫдѫ. зане глаахоу ꙗко дхъ нечистъ имать. Мл̑. лѥ҃. в҃. придеже мти ѥго ї братиꙗ. и вънѣ стоꙗще посълаша къ немѫ глще. и сѣдѣаше о немь народъ. рекоша ѥмоу. се мти твоꙗ и братьꙗ твоꙗ. и сестры твоꙗ вънѣ ищуть тебе. и ѿвѣща їмъ глѧ. кто ѥсть мати моꙗ, или братиꙗ моꙗ. и съглѧдавъ

ἡ μῆρ μου καὶ οἱ ἀδελφοί μ. ὃς γὰρ ἂν ποιήσῃ τὸ θέλημα τοῦ θῦ, οὗτος ἀδελφός μου καὶ ἀδελφή μου καὶ л. 32 об. μήτηρ μου ἐστί.

стомѧщаꙗ окр҇тъ юго г҇лꙗ. се м҇ти моꙗ и братїꙗ моꙗ. иже бо аще сътворить волю б҇жию. сь братъ мои и сестра моꙗ и м҇ти юсть.

Чтеніе и объясненіе снимка.

Τὸ εὐαγγέλιον κατὰ Μάρκον.

Ἀρχὴ τοῦ εὐαγγελίου Ἰησοῦ Χριστοῦ υἱοῦ τοῦ Θεοῦ ὡς γέγραπται ἐν τοῖς προφήταις. ἰδοὺ ἀποστέλλω τὸν ἄγγελόν μου πρὸ προσώπου σου. ὃς κατασκευάσει τὴν ὁδόν σου ἔμπροσθέν σου.

Τὸ κατὰ Ἰωάννην ἅγιον εὐαγγέλιον·

Запись писца: Τῶι συντελεστῆι τῶν καλῶν Θεῶι χάρις.

Κύριε βοήθει τῶι σῶι καὶ ἀχρείωι δούλωι. νικολάωι. μοναχῶι τῶι ταύτην τὴν βίβλον γράψαντι.

Ἐγραφη ἡ παροῦσα βίβλος μηνὶ Νοέμβριωι ā. Ἰνδικτιῶνος ιε̄. ἐν ἔτει ͵ςφο. (1062).

Заставки и заглавныя буквы.

Слова съ знаками препинанія: αὐτοῦ. πάσχα:—

Слова съ титлами и сокращеніями: Θεὸς πνεῦμα. Σάββατον τῆς τυροφάγη.. ταῖς.

Союзъ: ἤ съ дыханіемъ и удареніемъ.

Цифра κ, означающая помѣту тетрадей.

Слова въ связи съ другими: α., ἐλαχίστων, συνέταξεν. ε, ἐφόσον. ἐξ πεινῶν. ν., δύναται. σ., σκανδαλισθήσομαι. τ., ἔρχεται.

XI) Житія нѣкоторыхъ святыхъ и похвальныхъ имъ словъ находятся въ Сvнод. Библіотекѣ подъ № 9.

Писаны на пергаминѣ въ два столбца по нарѣзамъ на 231 листѣ.

Заставки и заглавныя буквы фигурны. Предъ каждымъ началомъ жизни и слова очень хорошія миніатюры. Пергаменъ выдѣланъ хорошо. Краска въ заставкахъ. заглавныхъ буквахъ, синяя. зеленая, голубая, красная и желтая.

Длина пергамина	$8^6/_8$	в.
Ширина.	$6^2/_8$	в.
Къ верху отъ писанаго	1	в..
Къ низу.	$1^6/_8$	в.
Къ корешку.	$^7/_8$	в.
Къ правой сторонѣ	$1^1/_2$	в.

На 2-мъ листѣ написано оглавленіе съ выпискою начала.

На 2-мъ писаномъ заставка и въ заставкѣ изображенъ св. Арсеній великій, ѣдущій на конѣ съ двумя всадниками въ Константинополь учить царскихъ дѣтей. На 2-й половинѣ сего клейма св. Арсеній въ палатахъ царскихъ учитъ дѣтей царскихъ Аркадія и Онорія, которыя сидятъ оба на сѣдалищахъ съ подножіемъ, держа въ рукахъ по листу пергамина. У одного изъ дѣтей въ правой рукѣ писало или указка, а у другаго въ лѣвой. Оба въ невысокихъ круглыхъ шапочкахъ. Въ первой половинѣ подпись: Ὁ ἅγιος ἀρσένιος ἐρχόμενος ἀπὸ ρώμην εἰς κωνσταντίνου πόλιν μετὰ δημοσίων ἵππων, а на другой: Ὁ ἅγιος Ἀρσένιος διδάσκων τοὺς παῖδας τῶν βασιλέων. Вверху заставки подписано: Μηνὶ Μαΐῳ. η̄. а ниже миніатюры: Βίος καὶ πολιτία τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν ἀρσενίου τοῦ μεγάλου. Жизнь Арсенія оканчивается 28 листомъ на оборотѣ. а начинается: Ἀλλὰ τῶν σπουδαιων ἄρα καὶ φιλαρέτων.

На л. 29-мъ оборота въ двухъ клеймахъ нарисованы, Мануилъ. Савеллій и Измаилъ. Въ верхнемъ клеймѣ эти три мученика предстоятъ предъ царемъ отступникомъ Іуліаномъ. который сидитъ на

сѣдалищѣ съ подушкою на немъ и съ подножіемъ въ такой же шапочкѣ или царской коронѣ, какая нарисована на царскихъ дѣтяхъ Аркадіи и Гоноріи. Онъ сидя протянулъ руку, которую первый изъ мучениковъ какъ бы благословляетъ. Предъ нимъ подпись: Ἰουλιανὸς ὁ παραβάτης. а вверху 1-го клейма: Οἱ ἅγιοι Μανουὴλ, Σαβέλλιος, καὶ Ἰσμαὴλ ἐξετάζονται ὑπὸ τοῦ παραβάτου. Во 2-мъ клеймѣ мученикамъ палачь отсѣкаетъ голову. У перваго простертаго по землѣ отсѣчена голова. 2-й подклонилъ свою голову подъ мечь, а 3-й скрестивъ руки дожидается той же участи. Ниже въ заставкѣ подписано: Μαρτύριον τῶν ἁγίων καὶ ἐνδόξων μεγάλων μαρτύρων. Μανουὴλ Σαβελλίου καὶ Ἰσμαὴλ. Вверху клеймъ: Μηνὶ ιουνίω ιζ̄ Начало: Οἱ μὲν ἄλλοι διῶκται καὶ τύραννοι. εἰ καὶ τοῖς εἰδώλοις προστετηκότες ἐτύγχανον. Замѣчательна 1-я заглавная буква. Змія полуизогнутаго оступника Іуліана обвила своимъ хвостомъ. а въ пасть беретъ голову его, и такимъ образомъ образуется буква О. Вверху надъ нею подписано: ὁ παραβάτης. Оканчивается мученіе 40-мъ листомъ.

На 40-мъ листѣ изображенъ св. Сампсонъ Страннопріимецъ. Онъ стоитъ обличенный въ фелонь, держа въ лѣвой рукѣ Евангеліе. а правою благословляетъ. Волосы на головѣ и бородѣ короткіе, сѣдые. По сторонамъ двѣ продольныя подписи: Ὁ οσιος πατὴρ ἡμῶν Σαμψων. Вверху клейма подписано: Μηνὶ τῶ αυτῶ κζ̄. Ниже клейма въ заставкѣ: Βίος καὶ πολιτεία τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν Σαμψὼν τοῦ ξενοδόχв. Начало: Ἅμα μὲν χάριτος ἔργον καὶ θεραπεία τῆς πρὸς τὸν μέγαν σαμψὼν ἐκπληροῦντες... Оканчивается на 56-мъ л. обор.

На 57 листѣ въ 2-хъ клеймахъ изображены св. Ап. Петръ и Павелъ.

Въ 1-мъ клеймѣ изображенъ св. Ап. Петръ распятымъ къ низу головою. Волосы у него на головѣ и бородѣ короткіе и сѣдые. Противъ него сидитъ Неронъ на сѣдалищѣ съ подушкою на немъ, и подножіемъ, въ коронѣ, указывая рукою на распятаго Ап. Петра. Подпись подлѣ Ап. Петра: Ο ἅγιος Πετρος а у Нерона: Νέρωνος προσταξει ὁ μὲν ἅγιος πέτρος κατὰ κεφαλῆς σταυροῦται καὶ οὕτως τελειοῦται, ὁ δὲ ἅγιος Παῦλος ξίφη τελειοῦται. Ап. Павелъ въ другомъ клеймѣ изображенъ протянувшимъ правую руку и просящимъ у женщины, предъ нимъ стоящею, плата, въ который бы по отсѣченіи главы, она завернула его главу. Палачь же стоитъ съ обнаженнымъ мечемъ и также обратилъ свой взоръ на женщину. стоящую предъ ними съ платомъ. Подлѣ Ап Павла подпись: Ὁ ἅγιος Παῦλος ξίφη τελειοῦται, а надъ женщиною: Γῦναι ἐπίδος μοι τὸ φακιόλιον ὅπως ἐν αὐτῶ τὴν κεφαλὴν μου ἡλίσας αναβλεψης τὸν ὀφθαλμὸν σου. ἡ π.... Выше клеймъ подпись: Μηνὶ τῶ αὐτῶ κθ̄. Въ заставкѣ: Ὑπόμνημα διὰ λα. μερικῶς τοὺς ἀγῶνας καὶ ἆθλα καὶ ἀποδημίας καὶ τελείωσιν τῶν ἁγίων καὶ κορυφαίων ἀποστόλων Πέτρου καὶ Παῦλου. Начало: Καὶ τῶν τεχνῶν. οὐ μόνον τοὺς ἐξ ἀρχῆς πατερας ἀποδεχόμεθα. Оканчивается на 72 листѣ.

На оборотѣ 72 листа изображенъ св. Прокопій, держа въ правой рукѣ копіе. а въ лѣвой щитъ; волосъ на бородѣ не видно. Подпись продольная по одной буквѣ: Ὁ ἅγιος Προκοπιος. Вверху клейма: Μηνὶ ιουλίω η̄. Въ заставкѣ написано: Μαρτύριον τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου μεγαλομάρτορος τοῦ χῦ Προκοπίου. Начинается: Διοκλητιανοῦ καὶ Μαξιμιανοῦ τὴν βασίλειον ἰθυνόντων ἀρχήν. Окавчивается на оборотѣ 200 листа.

На 201-мъ листѣ изображенъ св. Пантелеимонъ. Въ первомъ клеймѣ св. Пантелеимонъ изображенъ съ воздѣтыми руками къ десницѣ Вседержителя изъ облака вверху благословляющей его. Внизу лежитъ простертый больной отрокъ. Подпись: Ὁ ἅγιος Παντελεήμων παῖδα. Во 2-мъ клеймѣ палачь, обнаживъ мечь, хочетъ усѣкнуть наклоненную его голову. Подпись: Ὁ ἅγιος Παντελεήμων ξίφη τελειοῦται. Вверху клейма: Μηνὶ τῶ αὐτῶ κζ̄. Ниже клейма въ заставкѣ написано: Μαρτύριον τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου μεγαλομάρτορος τοῦ χοῦ Παντελεήμωνος. Начало: Τὴν εἰδωλικῆς ἀχμὸς κατὰ πάσης διασκεδασθείσης τῆς οἰκουμένης. Оканчивается на 228 листѣ обор.

На 219-мъ листѣ въ 2-хъ клеймахъ изображенъ св. муч. Каллиникъ съ двумя всадниками позади его. Задній держитъ лошадей за поводья, а передній простираетъ сосудъ для почерпнутія воды. которая по молитвѣ святаго потекла изъ скалы. Подпись: ὁ ἅγιος Καλλινικος ἀγόμενος ὑπὸ τῶν δημίων, καὶ μὴ ἐχόντων πιεῖν ὕδωρ προσευξαμενος ἐν τῆ ὁδῶ, εὐθέως ἀνέβλυσεν καὶ ἔπιον. Во 2-мъ клеймѣ св. Каллиникъ испускаетъ свой духъ, горя въ пещи огненной, которую подогрѣваютъ факелами двое стражей. Вверху десница Вседержителя изъ облаковъ благословляетъ его, воздѣвшаго свои руцѣ къ ней. Вверху обоихъ клеймъ подписано: Μηνὶ τῶ αὐτῶ κθ̄. Ниже клейма въ заставкѣ написано: Μαρτυριον τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου μεγαλομαρτορος τοῦ Χριστοῦ Καλλινίκв. Начало: Τῆς εἰδωλικῆς μανίας ἐπικρατούσης. Оканчивается на 229 листѣ.

На 225 листѣ изображенъ св. Евдокимъ въ воинскомъ одѣяніи съ копіемъ въ правой рукѣ и съ мечемъ въ лѣвой. Подпись продольная: Ὁ ἅγιος Ἐυδόκιμος. Вверху: Μηνὶ τοῦ αὐτῷ λα. Внизу въ заставкѣ: Βίος καὶ πολιτεία τοῦ ὁσίου καὶ δικαίου Ἐυδοκίμου. Начало: Ἐυδοκίμου τοῦ κατα Θεὸν φερωνύμως εὐδοκήσαντος..... Оканчивается на 235 листѣ.

На 236-мъ въ 2-хъ клеймахъ изображены: Елеазаръ, Соломонія и ея дѣти.

Въ 1-мъ клеймѣ сидитъ царь Антіохъ на сѣдалищѣ, протянувъ руку къ Елеазару, которую онъ благословляетъ правою рукою. Благословляющею изображена правая рука и у Саломоніи. Сзади ея стоятъ 5-ть ея дѣтей. У старшаго есть волосы и на бородѣ. Подпись: Οἱ ἅγιοι Μακκαβαῖοι ἐξεταζόμενοι παρα τοῦ δυσσεβοῦς ἀντιόχου ἐπιφανοῦς. Ὁ Βασιλεῦς Ἀντιόχος. Ὁ ἅγιος Ἐλεαζάρ. Въ 2 мъ клеймѣ мучениковъ Маккавеевъ колесуютъ. Подпись: Οἱ ἅγιοι Μακκαβαῖοι ἐν τῷ τρόχῳ καὶ διαφόρων βασάνων τελειοῦνται. Вверху клейма: Μηνὶ Ἀυγούστω ᾱ. Внизу въ заставкѣ: Διήγησις Ἰωσήπου. εἰς τὸ μαρτύριον τῶν ἁγίων καὶ ἐνδόξων Μακκαβαίων. Начало: Φιλοσοφώτατον λόγον ἐπιδείννυσθαι μέλλων.... Оканчивается на 259 листѣ.

На оборотѣ 259 листа въ 3-хъ клеймахъ изображены, въ 1-мъ: Рождество Богородицы. Двѣ прислужницы стоятъ у изголовья св. Анны. Внизу подлѣ постели бабка омываетъ въ купели младенца Марію. Подпись: Ἡ γέννησις τῆς θεοτόκου.

Во 2-мъ клеймѣ: Рождество Христово. Божія матерь въ полулежачемъ положеніи у изголовья младенца Іисуса, лежащаго въ ясляхъ; съ другой стороны яслей два животныхъ: волъ и оселъ касаются своими головами младенца Іисуса. Надъ нимъ вверху изъ облака нисходятъ лучи. Со скалы идетъ Ангелъ и перваго попавшагося ему пастуха благословляетъ, а внизу престарѣлый съ посохомъ въ рукѣ устремилъ свой взоръ къ Ангелу. Подлѣ яслей бабка въ купѣли обмываетъ младенца Іисуса, а другая прислуга льетъ воду изъ кувшина въ купѣль. У ногъ Божіей матери сидитъ въ задумчивости прав. Іосифъ. Подпись: Ἡ Χριστου γέννησις. Οἱ ποιμενες.

Въ 3-мъ клеймѣ 3. всадника везутъ ризу Богоматери въ храмъ Влахернскій. Подпись: Οἱ φεροντες τὴν τιμιαν ἐσθῆτα ἐν τῷ ναῷ τῶν Βλαχερνῶν. Вверху клеймъ: Μηνὶ τῷ αὐτῷ ιε. Внизу написано: Λόγος διαλαμβάνων. Τὰ ἀπὸ τῆς σεβασμίας γεννησεως καὶ ἀνατροφῆς τῆς ὑπεραγίας Δεσποίνης ἡμῶν θεοτόκου.. .. Начало: Ἐυρῆν ἀληθῶς τὴν παρθένον. ὥσπερ αὐτὴ Θεοῦ προς ἀνθρώπους.... Оканчивается на л. 192 об.

На л. 192 об. Въ 4-хъ клеймахъ изображены: 1) Авгарь лежитъ на одрѣ. Передъ нимъ двое слугъ, одинъ у изголовья. а другой у ногъ, съ протянутою рукою выслушиваетъ приказаніе его. Подпись: Ἄυγαρος ὁ τοπάρχος ἐπιστέλλων πρὸς τὸν Χριστὸν τοῦ ἐλθῆν καὶ θεραπεῦσαι αὐτὸν. 2) Іисусъ Христосъ пишетъ къ Авгарю посланіе сидя, на колѣняхъ. Посланный скрестивши свои руки стоитъ передъ Нимъ, дожидаясь. Подпись: ὁ Χριστὸς διὰ γραμμάτων προσάγορευη τὸν Αὔγαρον. 3) Іисусъ Христосъ, сидя на сѣдалищѣ отдалъ платъ съ своимъ изображеніемъ, и какъ бы обоими руками благословляетъ. Позади его стоятъ Апостолы, и первымъ стоитъ Ап. Петръ. Подпись: ὁ Χριστὸς ἐπιδοὺς τὴν σινδόνα ἀπέστειλε πρὸς Αὔγαρον.

4) Посланный принесъ на полотнѣ образъ Спасителя. Авгарь изумленъ, воздѣвъ обѣ руки, а посланный поднялъ одну правую руку, а въ лѣвой держитъ убрусъ. Подпись: ὁ Ἄυγαρος ἰδὼν τὴν σινδῶνα εὐθέως ἰάθη. καὶ ἀναστὰς ἐβαπτίσθη. δοξάζων τὸν Θεὸν. Вверху: Μηνὶ τῷ αὐτῷ ιϛ. Внизу въ заставкѣ написано: Κονσταντίνου ἐν Χριστῷ βασιλεῖ αἰωνίου βασιλέως Ρωμαίων. Διήγησις ἀπὸ διαφόρων ἀθροισθέντων ἱστοριῶν, περὶ τῆς πρὸς ἄυγαρον ἀποσταλείσης ἀχειροποιήτου θείας εἰκόνου Χῦ τοῦ Θεοῦ ἡμῶν..... Начало: Οὐκ ἄρα μόνος αὐτὸς ἀκατάληπτος ἦν ὁ συναΐδιος τῷ πατρὶ Θεὸς λόγος.... Оканчивается 209 листомъ на об.

На 210. листѣ въ 2-хъ клеймахъ изображено: 1) Рождество св. Іоанна Предтечи, также, какъ и Рождество Богородицы, только безъ прислуги у изголовья.

Во 2-мъ клеймѣ изображено усѣченіе главы св. Предтечи, и обрѣтеніе ея. Св. Іоаннъ нагнулся предъ палачемъ., а при обрѣтеніи главы одинъ киркою отыскивалъ, а другой лопатою. Подпись: ἡ γέννησις τοῦ ἁγίου Ἰωαννου τοῦ προδρόμου: ἡ ἀποτομὴ τοῦ προδρόμου. ἡ εὕρεσις τῆς τιμίας κεφαλῆς τοῦ προδρόμου. Вверху: Μηνὶ τῷ αὐτῷ κκ. Внизу въ заставкѣ: Λόγος διαλαμβάνων περὶ τῆς γεννήσεως καὶ ἀποτομῆς τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου προφήτου καὶ βαπτιστοῦ Ιωάννου προδρόμου καὶ περὶ τῆς εὑρέσεως τῆς τιμιας αὐτοῦ κεφαλῆς. Начало: Ἰωάννην τὸ μέγα κλέος τῆς οἰκουμένης. τὸν βαπτιστὴν..... Оканчивается 231-мъ листомъ.

Выписки изъ Подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ.

Изъ 16-го Августа въ день празднованія св. Нерукотворенному образу Господа Нашего Іисуса Христа.

л. 195. Ἤκουσταί μοι τὰ περὶ σοῦ καὶ τῶν σῶν ἰαμάτων. ὡς ἄνευ φαρμάκων καὶ βοτανῶν ὑπὸ σοῦ γινομένων ὡς λόγος, τυφλοὺς ἀναβλέπειν ποεῖς. χωλοὺς περιπατεῖν. λεπροὺς καθαρίζεις; καὶ ἀκάθαρτα πνεύματα καὶ δαίμονας ἐλάυνεις. καὶ τοὺς ἐν μακρονοσία βασανιζόμενους θεραπέυεις, καὶ νεκροὺς ἐγείρεις. καὶ ταῦτα πάντα ἀκούσας κατὰ νοῦν ἐθέμην τὸ ἕτερον τῶν δύω. ἢ ὅτι σὺ ἔι ὁ θεὸσ. καὶ καταβὰς ἐξ οὐρανοῦ ποιεῖς ταῦτα. ἢ ὅτι, υἱὸς ἔι τοῦ θεοῦ ποιῶν ταῦτα. Διὰ τοῦτο τοίνυν γράψας ἐδεήθην σου. σκυλῆναι καὶ ἐλθεῖν πρὸς μὲ. καὶ τὸ πάθος ὅ χω θεραπεῦσαι. καὶ γὰρ ἤκουσα ὅτι καὶ Ἰουδαῖοι καταγογγύζουσί σου. καὶ βούλονται κακῶσαί σε. πόλις δὲ σμιἔροτάτη μοι. ἐστι, καὶ σεμνή. ἥτις ἐξαρκέσει ἀμφοτέροις ἡμῖν, τοῦ κατοικεῖν ἐν ἐιρήνη ἐν αὐτῆ.

Изъ Сборника житій и поученій XV в. моего собранія.

Л. 319 об. Слышано ми бы ѡ тобѣ гн и ѡ твоих цѣлба бываюших. токмо бо словомъ даеши исцѣленїе болящим. слѣпымъ прозрѣнїе, а хромым ходити. глухим слышати. прокоженныа ѡчищаеши. и долго мучимыа недѫгы исцѣлаеши. и жену крокоточивую прикоснувшоу ризы твоа исцѣлилъ еси. и мртвыа въскресаеши. слышав и разумѣх на срцѣ мое ѩко ты еси единъ ѿ двою сиѥ сибсѣ. ты еси снъ бжии слышах же и се гн, ѩко июдѣи ропщють на тѧ, и хотѧт тѧ убити. есть бо град мои малъ. а людіе к нем добри, а то довлѣет обѣма нама.

Чтеніе и объясненіе снимка.

Διήγησις Ἰωσήπου ἐις τὸ μαρτύριον τῶν ἁγίων καὶ ἐνδόξων μακκαβαίων. Κύριε εὐλόγησον.

Φιλοσοφωτάτον λόγον ἐπιδείκνυσθαι μέλλων ἐι ἀυτοκράτωρ ἐστὶ τῶν παθῶν ὁ εὐσεβὴς λογισμός, συμβουλέυσαιμι ἂν ὑμῖν ὀρθῶσ. Μηνὶ τῶ αὐτῶ. κζ.

Запись писца: Εἴληθε τέλος ἡ ὑστάτη αὔτη δέλτος τῶν δέκα βίβλων τῶν μεταφράσεων τοῦ λογοθέτου. μηνὶ ἀπριλλίω ἰνδικτιώνος πρωτ. ἔτους ͵ϛφοα. (1063). ἐπὶ Κωνσταντίνου τοῦ εὐσεβοῦς καὶ μεγάλου βασιλέως ρωμαίων τοῦ δουκᾶ. καὶ Ἰωάννου τοῦ εὐτυχους καίσαρου αὐταδέλφου αὐτοῦ. Καὶ Κωνσταντίνου τοῦ ἁγιωτάτου καὶ οἰκουμενικοῦ πατριάρχου.

Заглавныя буквы, азбука изъ оглавленій уставнаго письма, полууставнаго и скорописная.

Слова съ знаками препинанія: κλίνης, δύναμιν.

Слова съ титлами: Ἰησοῦ Χριστοῦ.

Собственныя имена съ титлами: Τωβίας θαδ̄δαίου ἀὔγάρωι. Сокращенія: Καὶ λαβὼν τῆς δηλώσεως σημείωσαι.

Слова въ связи съ другими: α., προσήγαγε. ε., ἐγὼ θεραπέυσοντος. ἀνεστήλω το. ἐκείνȣ. ν., σὺν. σ., ἐδέσσης. ἄστεος γενεσθαι παλαιᾶς. τ., πολιστῶν τὲ.

Слово φημὶ съ протянутою внизъ длинною чертою у буквы φ.

Знаки вносныхъ мыслей.

XII. Сочиненія св. Іоанна Дамаскина.

Находятся въ Императорской публичной Библіотекѣ подъ № 73-мъ.

Длина пергамина	$7\frac{1}{8}$	в.
ширина	$5\frac{3}{8}$	в.
къ корешку.	$\frac{3}{4}$	в.
между столбцами	$\frac{1}{2}$	в.
къ правой сторонѣ.	$1\frac{1}{2}$	в.
къ верху	$\frac{3}{4}$	в.
къ низу.	$1\frac{1}{4}$	в.

Пергаменъ выдѣланъ хорошо, въ многихъ мѣстахъ пожелтѣлъ.

Писано довольно крупною скорописью по нарѣзамъ въ два столбца на 282-хъ листахъ.

На листѣ 2-мъ заставка раскрашена по золотому фону красками синею, голубою, красною, бѣлою, темнозеленою и зеленою; заглавная буква тѣмиже красками раскрашена, но не по золотому фонѣ. Оглавленіе послѣ заставки писано золотыми буквами уставомъ не прямымъ, а съ немного загнутыми кончиками. Чернила черныя, а въ нѣкоторыхъ мѣстахъ темно-коричневыя. Число строкъ на страницу 22. Заглавія въ другихъ главахъ розоваго цвѣта и малиноваго (карминнаго); заглавныя буквы съ 45-й главы наведены синею краскою а съ 99-го той же краски, какой заглавія. Помѣта тетрадей внизу у корешка, не много урѣзанная съ обоихъ сторонъ тетради.

На 1-мъ листѣ написано оглавленіе Діалектики и Богословія св. Іоанна Дамаскина. Въ оглавленіи только 139 главъ, а прочихъ недостаетъ; а въ самой книгѣ 150, изъ нихъ 50-тъ главъ діалектики, а 100. гл. Богословія. Въ подлинникѣ діалектика и Богословіе подъ однимъ счетомъ главъ.

Выписки изъ подлинника съ древнимъ славянскимъ переводомъ.

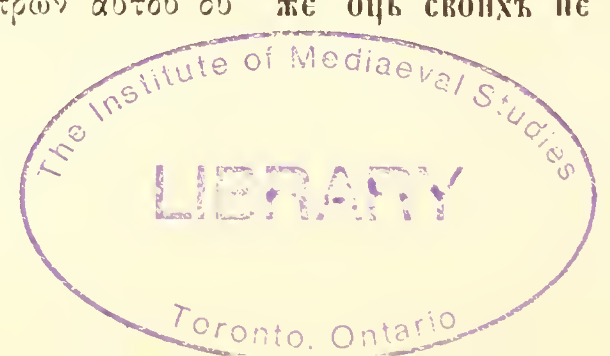
л. 275 об. ρμθ. περὶ τοῦ ἀντιχρίστου.

Χρὴ γινώσκειν. ὅτι δεῖ τὸν ἀντίχριστον ἐλθεῖν. πᾶς μὲν οὖν. μὴ ὁμολογῶν τὸν υἱὸν τοῦ θ͞ῦ καὶ θ͞ν. ἐληλυθέναι σαρκὶ. καὶ εἶναι θ͞ν τέλειον. καὶ γενέσθαι ἄ͞νον τέλειον μετὰ τοῦ μεῖναι θ͞ν. ἀντίχριστος ἐστιν. ὅμως ἰδιοτρόπως καὶ ἐξαιρέτως ἀντίχριστος λέγεται. ὁ ἐπὶ τῆ συντελεία τοῦ αἰῶνος ἐρχόμενος. χρὴ β΄. τοιγαροῦν πρῶτον κηρυχθῆναι τὸ ἐυαγγελιον ἐν πᾶσι τοῖς ἔθνεσι. καθὼς ἔφη ὁ χ͞ς. καὶ τότε ἐλεύσεται ἐις ἔλεγχον τῶν ἀπειθῶν ἰουδαίων. ἔφη, γὰρ αὐτὸ, ὁ χ͞ς. ἐγὼ ἦλθον ἐν τῶ ὀνόματι, τοῦ π͞ρς μου καὶ οὐ λαμβάνετε με. ἔρχεται ἄλλος ἐν τῶ ἰδίω ὀνόματι. κἀκεῖνον λήψεσθε. καὶ ὁ ἀπόστολος. ἀνθ᾽ ὧν τὴν ἀγάπην τῆς ἀληθείας οὐκ ἐδέξαντο ἐις τὸ σωθῆναι αὐτοὺς, διὰ τοῦτο πέμψει αὐτοὺς ὁ θ͞ς. ἐνέργειαν πλάνης ἐις τὸ πιστεῦσαι αὐτοὺς τῶ ψεύδει, ἵνα κριθῶσι πάντες. οἱ л. 276 ά. μὴ πιστέσαντες τῆ ἀληθεία. ἀλλ᾽ εὐδοκήσαντες ἐν τῆ ἀδικία. οἱ οὖν ἰουδαῖοι. υἱὸν θ͞ῦ ὄντα. καὶ κ͞ν Ι͞ν χ͞ν καὶ, οὐκ ἐδέξαντο. τὸν δὲ πλάνον. θ͞ν ἑαυτὸν λέγοντα, δέξονται. ὅτι γὰρ θ͞ν ἑαυτὸν ἀποκαλέσει, ὁ ἄγγελος τὸν δανιὴλ διδάσκων, οὕτω φησιν. ἐπὶ θεοὺς γὰρ τῶν π͞ρων αὐτοῦ οὐ

Изъ св. Іоанна Дамаскина. перевода Іоанна Екзарха Болгарскаго XII в. № 108 л. 169—171 об.

Ѡ антихрьстѣ ·:·

Трѣбовано ѥсть вѣдѣти. ꙗко же есть антихрьстоу прити. всꙗкъ бо оубо не повѣдаꙗи с҃на б҃жиꙗ. и б҃а пришьдъша плътию. и соуща б҃а съвьршена. съ пребытиемь б҃а соуностатъ есть х҃оу. обаче своѥобразьнѣ и собьнѣ антихрьстъ г҃ласꙗ. иже въ коньць вѣка придыи. подоба же оубо преже повѣдатисꙗ еваньгелью въ вьсѣхъ ꙗзыцѣхъ ꙗкоже рече г҃ь. ти тъгда придеть на обавление жидовьско. рече бо самъ г҃ь азъ придохъ въ имꙗ о҃ца моего. ти не приемлете мене. придеть инъ въ имени своѥмь. и того примете и ап҃лъ зане любъве истовыꙗ не приꙗша. на сп҃сение имъ. да сего посълеть имъ б҃ъ дѣиство льсти. ꙗко же вѣровати имъ лъжи. да осоудатьсꙗ вси иже не вѣровавъша истинѣ. нъ изволише въ неправьдие. да жидове оубо с҃на б҃жиꙗ соуща. г҃а и҃с х҃а и б҃а не приꙗша. а льстьца б҃а ссбе г҃лющꙗ приимоуть. а ꙗкоже б҃ъ сꙗ прозоветь. ап҃ьгъ данила оуча сице рече. въ бо҃у же о҃ць своихъ не разоумѣеть. и ап҃лъ да никътоже



συνήσει. καὶ ὁ ἀπόστολος. μήτις ὑμᾶς ἐξαπατήσῃ κατὰ μηδένα τρόπον. ὅτι ἐὰν μὴ ἔλθῃ ἡ ἀποστασία πρῶτον. καὶ ἀποκαλυφθῇ ὁ ἄνος τῆς ἀνομίας. ὁ υἱὸς τῆς ἀπωλείας. ὁ ἀντικείμενος καὶ ὑπεραιρόμενος β΄. ἐπὶ πάντα λεγόμενον θν̄ ἢ σέβασμα. ὥστε αὐτὸν ἐις τὸν ναὸν τοῦ θῦ ὡς θν̄ καθίσαι. ἀποδεικνύοντα ἑαυτὸν ὅτι ἔστι θσ̄. ἐις τὸν ναὸν δὲ τοῦ θῦ. οὐ τὸν ἡμέτερον. ἀλλὰ τὸν παλαιὸν τὸν ἰουδαϊκόν. οὐ γὰρ ἡμῖν, ἀλλὰ τοῖς ἰουδαίοις ἐλεύσεται οὐχ ὑπὲρ χῦ. ἀλλὰ κατὰ χῦ καὶ τῶν τοῦ χῦ. διὸ καὶ ἀντίχριστος. δεῖ τοίνυν πρῶτον κηρυχθῆναι τὸ εὐαγγέλιον ἐν πᾶσι τοῖς ἔθνεσι. καὶ τότε ἀποκαλυφθήσεται ὁ ἄνομος. οὗ ἔσται ἡ παρυσία κατ᾽ ἐνέργειαν τοῦ σατανᾶ. ἐν πάσῃ
л. 276 об. δυνάμει καὶ σημείοις καὶ τέρασι ψευδοὺς. καὶ ἐν πάσῃ ἀπάτῃ τῆς ἀδικίας ἐν τοῖς ἀπολλυμένοις. ὃν ὁ κς̄ ἀνελεῖ τῷ ῥήματι τοῦ στόματος αὐτοῦ. καὶ καταργήσει τῇ παρουσίᾳ τῆς ἐπιφανείας αὐτοῦ. ἆρ᾽ αὐτὸς τοίνυν ὁ διάβολος γίνεται ἄνος κατὰ τὴν τοῦ κῦ ἐνανθρώπησιν. μὴ γένοιτο. ἀλλὰ τίκτεται ἄνος ἐκ πορνείας. καὶ ὑποδέχεται πᾶσαν τὴν ἐνεργειαν τοῦ σατανᾶ. προειδὼς γὰρ ὁ θσ̄ τὸ ἄτοπον τῆς μελλούσης αὐτοῦ προαιρέσεως β΄. παραχωρεῖ. ἐνοικῆσαι αὐτῷ τὸν διάβολον τίκτεται. τοίνυν ἐκ πορνείας ὡς ἔφημεν. καὶ ἀνατρέφεται λεληθότως. καὶ αἰφνίδιον ἐπανίσταται. καὶ ἀντάρει καὶ βασιλεύει. καὶ ἐν προοιμίοις μὲν τῆς βασιλείας αὐτοῦ μᾶλλον δὲ τυραννίδος ὑποκρίνεται ἀγαθωσύνην. ἡνίκα δὲ ἐπικρατὴς γένηται, διώκει τὴν ἐκκλησίαν τοῦ θῦ. καὶ ἐκφαίνει πᾶσαν τὴν πονηρίαν αὐτοῦ ἐλεύσεται δὲ ἐν σημείοις καὶ τέρασι ψεύδους πεπλασμένοις καὶ οὐκ ἀληθέσι. καὶ л. 227 ά. τοὺς σαθρὰν καὶ ἀστήρικτον τὴν βάσιν τῆς διανοίας ἔχοντας. ἐξαπατήσει καὶ ἀποστήσει ἀπὸ θῦ ζῶντος. ὥστε σκανδαλισθῆναι ἐι δυνατὸν καὶ τοὺς ἐκλεκτούς. ἀποσταλήσεται δὲ ἐνὼχ καὶ ἡλίας ὁ θεσβίτης. καὶ ἐπιστρέψουσι καρδίας πρων ἐπὶ τέκνα. τουτέστι τὴν συναγωγὴν ἐπὶ τὸν κν̄ ἡμῶν Ιν̄ χν̄. καὶ τὸ τῶν ἀποστόλων κήρυγμα. καὶ ὑπ᾽ αὐτοῦ ἀναιρεθήσονται. καὶ ἐλεύσεται κς̄ ἐξ οὐνοῦ. ὃν τρόπον οἱ ἅγιοι ἀπόστολοι ἐθεάσαντο αὐτὸν πορευόμενον ἐις τὸν οὐνον. θσ̄ τέλειος καὶ ἄνος τελειος μετὰ δόξης καὶ δυνάμεως, καὶ ἀνελεῖ τὸν ἄνον τῆς ἀνομίας τὸν υἱὸν τῆς ἀπωλείας. τῷ πνι τοῦ στόματος αὐτοῦ. μηδεὶς τοίνυν ἀπὸ γῆς ἐκδεχέσθω τὸν κν̄. ἀλλ᾽ ἐξ οὐνου. ὡς αὐτὸς ἡμᾶς ἠσφαλίσατο:

васъ не прельстить никымь же образъмь. аще бо не придеть отъстоупнъ прьвое. и явиться чловѣкъ беззаконьныи. (далѣе нѣтъ) соупротивляися и презьряи. на весь (sic) глемыи бъ. или чтомое. яко же семоу въ цркви бжии яко и боу сѣсти. являющоу себѣ, яко есть бъ въ цркви бжии. не въ нашеи нъ ветъсѣи жидовьстѣи. не бо намъ но жидомъ придеть не по хѣ нъ на ха. и иже хви соуть. зане и антихъ. подоба оубо евангелаю (sic) повѣдатися въ всѣхъ языцѣхъ. ти тъгда обавиться беззаконьныи. емоу же есть приходъ по дѣиствоу сотонинoу вьсею силою и и знамении. и чоудесы лъжними. и и (sic) вьсею прельстью. неправьдѣ въ изгыбъшиихъ. его же гь погоубить словъмь оустъ своихъ. и оупразнить приходъмь явления своего. не самъ оубо дьяволъ бѫдеть члвкъ по гню очлвчению. да не боудеть. нъ родиться члвкъ отъ блоуда. и подъиметь все дѣиство сотонино. провѣдыи бъ неоуредьное боудоущаго емоу изволение. попоустоупить вънити въ нь дьяволоу. родиться оубо отъ блоуда. якоже рѣхомъ. и въскръмиться о таинѣ. и напраснѣ въстанеться и соупротивиться. и црсоуеть. и въ началѣ же цртва своего. паче же моучительства. повинеться благодѣянием. егда же съдьржатель боудеть поженеть цьрквь бжию. и обавить вьсю злобоу свою. придеть же знамении. и чоудесы лъжними. съставьныими не истовыими и яже нераxнѣло и не оутвьржено стояние. разоумѣния имоуще. прельстить и обратить отъ ба живаго. яже съблазнитися. аще мощьно избьраныимъ. посълеть же са енохъ и илия фезвитьскыи. и обратяться срдьца оць въ чадомъ. сеже есть съборoу въ гоу нашемоу ис (sic) хоу. и въ апскоу повѣданию и отъ того оумьрѫть. ти придеть гь съ нбсе. якоже стии апли видѣша его грядоуща на нбо. бъ съврьшенъ и члвкъ съвръшенъ. съ славою и силою. и погоубить члвка беззаконьнаго сна изгыбѣли. доухомь оустъ своихъ. никтоже отъ земля не жди га нъ нбсе. якоже самъ намъ безъ блазна съказа.

Чтеніе и объясненіе снимка.

Τῷ ὁσιωτάτῳ καὶ θεοτιμήτῳ πατρὶ. Κοσμᾷ ἁγιωτάτῳ ἐπισκόπῳ τοῦ μαϊουμᾶ. Ἰωάννης. ἐλάχιστος. Χριστὲ ἡγοῦ:

Τὸ μὲν στενὸν τῆς διανοίας. καὶ τὸ ἄπορον τῆς γλώττης τῆς ἐμαυτοῦ ἐπιστάμενος, ὤκνουν ὦ μακάριοι τοῖς ὑπὲρ δύναμιν ἐγχειρεῖν.

Запись писца: Ἐτελειώθη σὺν θεῷ ἡ βίβλος αὕτη. μηνὶ μαΐῳ κβ. ἐν ἰνδικτιῶνι ζ. ἔτει ͵ςφοζ.

Ἐν τετραδίοις ε. καὶ λ.

Заглавныя буквы и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: οὗτος ἐστιν: θερμὸν, Слова съ задіакольными знаками: Κρόνος. Ζεύς. ἄρης. Ἥλιος ἑρμῆς. ἀφροδίτης. σελήνη.

Слова съ титлами и сокращеніями: ἀνθρώπου περὶ καὶ πιστεύσαι.

Частитцы съ двумя удареніями: μὲν δὲ ἐποὶ.

Цифра означающая помѣту тетрадей. Союзъ ἢ съ дыханіемъ и удареніемъ.

Слово написанное растановычними буквами перпендикулярно: ορα.

Слова въ концѣ страницы съ длинными оконечностями: διαφέρουσι δὲ.

Слова въ связи съ другими: α) συντάξω. ε) ἐξόμεθα. ἑτέρα μὲν. ν) φώτων νῦν. σ) γνώσεως. τ) μεταξὺ ἐστὶν.

XIII. Апостолъ съ Апокалипсисомъ.

Находится въ Московской Университетской Библіотеки № 2280. 1073 г.

Длина пергамина.	$2\frac{1}{2}$	в.
Ширина.	2	в.
Къ корешку	$\frac{1}{8}$	в.
Къ правой сторонѣ	$1\frac{5}{8}$	в.
Къ верху	$\frac{3}{8}$	в.
Къ низу.	$\frac{5}{8}$	в.

Пергаменъ прекрасно выдѣланъ и очень тонокъ.

Писано мѣлкою скорописью въ одинъ столбецъ. на 44-хъ тетрадяхъ на 397. листахъ до Апокалипсиса. Эта замѣчательная рукопись имѣетъ много прекрасныхъ миніатюръ.

Заставки и нѣкоторыя буквы раскрашены золотомъ, синею, голубою, желтою и красною красками; колеръ чернилъ въ началѣ рукописи отъ сырости поблѣднѣлъ. Нѣкоторыя изъ буквъ раскрашены, а другія писаны твореныъ золотомъ, которое отъ времени потемнѣло. Заглавія писаны прямымъ уставомъ, а въ концѣ посланій, гдѣ означается, сколько стиховъ, писано косымъ уставомъ съ не много загнутыми въ сторону кончиками. Чернила темно-коричневыя. Помѣта тетрадей, писанная уставомъ внизу въ концѣ тетради; а въ другихъ тетрадяхъ помѣтъ не видно. Число строкъ на страницѣ 18-ть.

л. 1—99. Въ заставкѣ уставомъ написано: ✝ πράξεις τῶν ἀποστόλων.

На листѣ 1-мъ въ 1-й буквѣ Т нарисованъ св. Евангелистъ Лука въ стоящемъ положеніи, лицемъ обращенвый на противоположную сторону, гдѣ на полѣ нарисованъ на тронѣ сѣдящій Греческій Императоръ Михаилъ Дука, правую руку простерши къ Евангелисту. Что бы изъ стоящаго положенія Евангелиста Луки вышла буква Т, живописецъ въ концѣ противъ глазъ по краямъ сдѣлалъ двѣ прямыя линіи съ острыми углами на концахъ, обращенными внизъ.

л. 100—109. об. Въ заставкѣ такими же красками раскрашенной въ срединѣ уставомъ написано золотомъ твореныъ. επιστολὴ Ιακώβε καθολικὴ.) на л. 100-мъ первая буква І въ соборномъ посланіи Іакова изоброжаетъ св. Ап. Іакова, стоящаго въ святительскомъ облаченіи, правою рукою благословляющаго, а въ лѣвой держащаго Евангеліе.

л. 110—120 Въ 1-мъ посланіи св. Ап. Петра на 110-мъ листѣ въ рамкѣ на золотомъ фонѣ изображенъ Апостолъ Петръ, сѣдящій на сѣдалищѣ со спинкою, имѣя на колѣнахъ простертую хартію, на которой пишетъ свое посланіе. Выраженіе лица задумчивое. Передъ нимъ столъ съ утвержденнымъ на немъ налойчикомъ для книги, съ которой онъ списываетъ.

Первую букву п въ посланіи изображаютъ 1) по правую сторону стоящій св. Апостолъ Петръ и благословляющій троихъ пришельцевъ къ нему. изъ коихъ первый протянулъ свою руку къ нему. Между ихъ головами изображена церковь съ четвероконечнымъ крестомъ, образуя собою поперечную верхнюю линію. Св. Апостолъ Петръ сѣдовласый съ короткою бородою.

л. 120—126 Въ началѣ 2-го посланія на л, 120-мъ въ 1-й буквѣ с. изображенъ же св. Ап. Петръ въ немного полусогнутомъ положеніи, ногами упершись какъ бы въ круглую тумбу, на которой утвержденъ маленькій столикъ съ налойчикомъ для книги. Писаломъ своимъ св. Ап. Петръ чуть не касается столика; вверху надъ головою его нарисована полукруглая вѣтвь цвѣточная въ родѣ занавѣсы.

л. 127—136 На л. 127. въ рамкѣ на золотомъ фонѣ изображенъ сѣдящимъ на сѣдалищѣ со спинкою назади св. Евангелистъ Іоаннъ Богословъ, правою рукою держащій на колѣнахъ Евангеліе на хартіи, лѣвую прислонивъ къ лѣвой сторонѣ бороды. Лице задумчивое; предъ нимъ столикъ съ налойчикомъ, утвержденнымъ на немъ для книги. Миніатюра прекрасно сохранилась. Въ первой буквѣ 1. посланія Іоаннова въ кругу поясное изображеніе св. Евангелиста Іоанна.

л. 136 об. —138. На оборотѣ 136. листа въ началѣ 2-го соборнаго посланія Іоаннова въ первой буквѣ О. на золотомъ фонѣ нарисовано поясное изображеніе св. Евангелиста Іоанна.

На 138. листѣ въ началѣ 3-го посланія св. Евангелиста Іоанна въ 1-й буквѣ О. также поясное изображеніе св. Апост. и Евангелиста Іоанна.

л. 139 об. — 141 об. На 139 об. въ рамкѣ на золотомъ фонѣ изображенъ св. Ап. Іуда, сѣдящій на сѣдалищѣ со спинкою и съ подножіемъ, пишущій свое посланіе на колѣнахъ. Передъ нимъ также столикъ съ налойчикомъ для книги. Первая бквва I., въ его посланіи изображаетъ св. Ап. Іуду въ стоящемъ положеніи.

л. 142 — 179 об. На 142 листѣ въ заставкѣ: πρὸς Ῥωμαίους ἐπιστολή первую букву п посланія къ Римлянамъ изображаютъ 1) св. Ап. Павелъ въ стоящемъ положеніи близъ текста, обращенный лицемъ къ 3-мъ вмѣстѣ стоящимъ противъ него, и образующимъ 2-ю линію буквы п. Вверху поперечную линію изображаетъ церковь съ четвероконечнымъ крестомъ на верху, какъ въ 1-мъ посланіи св. Ап. Петра.

179 об. — 214. На оборотѣ 179 листа въ первой буквѣ п посланія св. Ап. Павла 1-го къ Коринѳяномъ изображенъ такъ же св. Ап. Павелъ съ темными волосами. обращенный къ тремъ Христіанамъ имъ обращеннымъ. Только вверху вмѣсто поперечной линіи не церковь, а двѣ продолговатыя къ верху толстыя линіи, соединяющіяся почти подъ острымъ угломъ. Миніатюра явственна и хороша. Передній изъ христіанъ правою рукою указываетъ на св. Ап. Павла.

л. 214 об. — 238 об. На оборотѣ 214 листа въ рамкѣ на золотомъ фонѣ изображенъ по праву руку сѣдящій на перекрещенномъ внизу сѣдалищѣ св. Ап. Павелъ и диктующій своему молодому сотруднику ученику, сѣдящему противъ него на другомъ сѣдалищѣ и пишущему посланіе. Лице послѣдняго прекрасно изображено. Первая буква п изображаетъ также св. Ап. Павла стоящаго и обращеннаго къ 3-мъ лицамъ противъ него стоящимъ. Верхнюю поперечную линію изображаетъ церковь. обрисованная золотомъ съ четвероконечнымъ же крестомъ и полукруглымъ верхомъ.

л. 239 — 250 об. На 239 листѣ изображенъ св. Ап. Павелъ, сѣдящій на сѣдалищѣ, но безъ поручней. Правую руку онъ простеръ къ десницѣ Господа Саваоѳа изъ облаковъ, нарисованной въ верхнемъ углу рамки. Предъ нимъ одинъ небольшой столикъ. Буква п первая въ посланіи къ Галатамъ изображаетъ Ап. Павла по одну сторону, а по другую его ученика. Поперечную линію изображаетъ церковь съ круглымъ куполомъ, съ крестомъ четвероконечнымъ; но ниже поперечной линіи есть еще линіи по обѣ стороны въ видѣ концевъ якорныхъ ψ. но не полумѣсяца.

л. 251 — 263 об. На листѣ 251 предъ началомъ посланія св. Ап. Павла къ Ефесеямъ изображенъ сей же Апостолъ, сѣдящій на сѣдалищѣ со спинкою, но безъ поручней, пишущій на колѣнахъ посланіе. Передъ нимъ столикъ съ утвержденнымъ на немъ налойчикомъ. Первую букву п изображаетъ св. Ап. Павелъ, только лицемъ обращенный къ 3-мъ христіанамъ, а тѣломъ къ писанному. Поперечную линію изображаетъ церковь, имѣющая верхъ остроугольный съ крестомъ четвероконечнымъ, а ниже поперечной линіи въ родѣ якорныхъ концевъ.

Л. 264—272. На л. 264-мъ по золотому фону изображены: по правую сторону св. Ап. Павелъ, сѣдящій на сѣдалищѣ съ подушкою на ней, и диктующій сидящему противъ него на перекрещенномъ внизу сѣдалищѣ своему ученику посланіе къ Филиписеямъ. Лице его ученика прекрасно. Буква п. изображаетъ Ап. Павла съ его ученикомъ. Только стороны у нихъ перемѣнены. Ап. Павелъ съ лѣва, а ученикъ его съ права. Поперечная линія киноварная или карминная, а вверху надъ нею полукружіе, а не церковь. Послѣ 273. недостаетъ миніатюры; осталось только одна шелковая перекладка для сохраненія миніатюры.

Л. 273—280 об. Съ 9-го стиха 1-й главы къ Колоссаемъ: 1-й листъ затерянъ.

Л. 281—288. На л. 281 предъ 1-мъ посланіемъ къ Солуняномъ въ рамкѣ съ золотымъ фономъ изображенъ св. Ап. Павелъ сѣдящимъ на сѣдалищѣ, передающимъ порученіе предъ нимъ стоящему ученику, со вниманіемъ слушающему, простерши обои руки къ нему. Первую букву п. изображаютъ св. Ап. Павелъ и его ученикъ, нѣсколько поодаль стоящій; а поперечная линія изображена въ родѣ церкви. только верха или креста полинявшаго не замѣтно.

Л. 288 об. 289 об. Предъ листомъ 288-мъ затеряна миніатюра предъ 2-мъ посланіемъ къ Солуняномъ, осталась только шелковая перекладка. До 13 стиха 2-й главы 2-го посланія къ Солуняномъ недостаетъ.

Л. 292—301 об. На л. 292-мъ предъ 1-мъ посланіемъ къ Тимоѳею въ рамкѣ по золотому фону изображенъ св. Ап. Павелъ, пишущій посланіе. Предъ нимъ столикъ съ налоемъ въ немъ утвержденнымъ. Букву п. изображаютъ св. Ап. Павелъ и Тимоѳей. Поперечную линію изображаетъ церковь съ полукруглымъ куполомъ и четвероконечнымъ крестомъ.

Л. 302—310. Предъ 2-мъ посланіемъ къ Тимоѳею на л. 302-мъ въ рамкѣ на золотомъ фонѣ изображенъ св. Ап. Павелъ. дающій посланіе св. Ап. Тимоѳею, который стоитъ предъ нимъ, простерши руки для полученія посланія. Первую букву изображаютъ св. Ап. Павелъ и Тимоѳей. поперечную линію изображаетъ церковь съ крестомъ, имѣющимъ въ утвержденіи своемъ форму якоря.

Л. 310 об. На л. 310 об. предъ посланіемъ къ Титу изображенъ св. Ап. Павелъ въ стоящемъ положеніи, какъ бы благословляющій на Апост. подвигъ св. Ап. Тита, который со вниманіемъ выслушиваетъ порученіе его. Первую букву изображаетъ св. Ап. Титъ и Ап. Павелъ. Поперечную линію изображаетъ церковь съ куполомъ круглымъ и крестомъ надъ нимъ совершенно похожимъ на якорь.

На 311-мъ оборотѣ изображенъ рай. Между цвѣтами и деревьями райскими сидитъ на тронѣ какъ бы въ нишѣ, которую окаймляютъ двѣ зеленыя пальмы или вѣтви пальмовыя, Божія матерь прекрасно изображенная съ поднятыми къ верху руками. Подножіе подъ ногами ее изъ подушки. На райскихъ деревахъ плоды и цвѣты. Вверху рамки подписано киноварью: † ο παράδεισος ·:· По обѣимъ сторонамъ Божіей матери подписано: Μρ̄ Θῡ. По правую сторону Божіей матери стоитъ обнаженная человеческая фигура съ вѣнцемъ на головѣ, съ посохомъ въ правой рукѣ, перекрещеннымъ въ трехъ мѣстахъ. Лице похоже на женское. На боку рамки подписано киноварью: ὁ λήστης, разбойникъ.

На л. 316 об. предъ посланіемъ къ Евреямъ изображенъ по срединѣ на тронѣ съ подножіемъ св. Ап. Павелъ, въ лѣвой рукѣ держащій Апостолъ, а правою благословляющій. Близъ боковъ рамки нарисованы два выдающіяся древнія зданія. Первую букву п. изображаетъ св. Апостолъ Павелъ и его ученикъ сотрудникъ. Надъ нимъ простертъ Іисусъ Христосъ поясной, благословляющій обѣими руками.

На 347 страницѣ предъ началомъ Апокалипсиса изображенъ въ рамкѣ на золотомъ фонѣ сѣдящимъ въ нишѣ на скалѣ св. Іоанъ Богословъ, лицемъ обратившійся къ углу вверхъ съ лѣвой стороны, а правую руку положилъ на столикъ, гдѣ разложена книга Апокалипсисъ, которую онъ пишетъ. За скалою съ правой стороны изображено древнее зданіе. (Внизу на тетради означенъ новый счетъ тетрадей а. Апокалипсисъ продолжается до 397 об).

Выписки изъ Подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ.

л. 179 об. Σαββατον ιᾱ.

Παῦλος κλητὸς ἀπόστολος Ἰῡ χῡ διὰ θελήματος θῡ. καὶ σωσθένης ὁ ἀδελφὸς τῇ ἐκκλησία τοῦ θῡ τῇ οὔσῃ ἐν κορίνθω. ἡγιασμένοις ἐν χῷι Ἰῡ κλητοῖς ἁγίοις. σὺν πᾶσι τοῖς ἐπικαλουμένοις τὸ ὄνομα τοῦ κῡ ἡμῶν Ἰῡ χῡ. ἐν παντὶ τόπωι αὐτῶν τὲ καὶ ἡμῶν. (ἀρχη) χάρις ὑμῖν καὶ εἰρήνη ἀπὸ θῡ πρ͞ς ἡμῶν καὶ κῡ Ἰῡ χῡ. εὐχαριστῶ τῷ θῷ μου πάντοτε περὶ ὑμῶν. л. 180. ἐπὶ τῇ χάριτι τοῦ θῡ τῇ δο-

Изъ Толковаго Апостола Московской Cунодалн. Библіотеки № 7-й 1220 года.

1 Кор. Глава I.—и 2. л. 79 об.—88 об.

Павлъ ꙁванъ апостолъ і҃съ х҃въ ·:· волею бж҃иѥю ·:· и состьнъ братъ ·:· цр҃кви божии соущии къ коринфѣ ·:· ос҃щеныимъ о х҃ѣ і҃сѣ ·:· ꙁваныимъ ст҃ыимъ ·:· съ всѣми приꙁывающиими имѧ г҃а нашего і҃са х҃а ·:· въ немь же (sic) мѣстѣ ·:· тѣмъ же и вамъ ·:· бл҃годать вамъ и миръ. ѿ б҃а оц҃а на-

θείση ὑμῖν ἐν χῶ Ιῡ. ὅτι ἐν παντὶ ἐπλουτισθητε ἐν αὐτῶι. ἐν παντι λόγω καὶ πάση γνώσει. καθὼς τὸ μαρτύριον τοῦ χῡ ἐβεβαιώθη ἐν ὑμῖν. ὥστε ὑμᾶς μὴ ὑστερεῖσθαι ἐν μηδενὶ χαρίσματι. ἀπεκδεχομένους τὴν ἀποκάλυψιν τοῦ κῡ ἡμῶν Ιῡ χῡ. ὃς βεβαιώσει ὑμᾶς ἕως τέλους ἀνεγκλήτους ἐν τῇ ἡμέρα τοῦ κῡ ἡμῶν Ιῡ χῡ. πιστὸς ὁ θς̄. δἰ οὗ ἐκλήθητε ἐις κοινωνίαν τοῦ ὑιοῦ αὐτοῦ Ιῡ χῡ τοῦ κῡ ἡμῶν. (τέλος) παρακαλῶ δὲ ὑμᾶς ἀδελφοὶ διὰ τοῦ ὀνόματος τοῦ κῡ ἡμῶν Ιῡ χῡ. ἵνα τὸ αὐτὸ λέγητε πάντες. καὶ μὴ ᾖ ἐν ὑμῖν σχίσματα ἦτε δε κατηρτισμενοι ἐν τῶ αὐτῶι νοΐ. καὶ ἐν τῇ αὐτῇ γνώμη л. 180 об. ἐδηλώθη γὰρ μοὶ περὶ ὑμῶν ἀδελφοί μου ὑπὸ τῶν χλόης. ὅτι ἔριδες ἐν ὑμῖν ἐισί. λέγω δε τοῦτο. ὅτι ἕκαστος ὑμῶν λέγει ἐγὼ μεν ἐιμὶ παύλου. ἐγὼ δὲ ἀπολλῶ. ἐγὼ δὲ κηφᾶ. ἐγὼ δὲ χῡ. μεμέρισται ὁ χς̄. μὴ παῦλος ἐσταυρώθη ὑπὲρ ὑμῶν. ἢ ἐις τὸ ὄνομα παύλου ἐβαπτίσθητε. ἐυχαριστῶι τῶ θῶι. ὅτι οὐδένα ὑμῶν ἐβάπτισα. ἐβάπτισα δὲ καὶ τὸν στεφανᾶ οἶκον. λειπὸν οὐκ οιδά ἔιτινα ἄλλον ἐβάπτισα. οὐ γὰρ ἀπέστειλε με χς̄ βαπτίζειν. ἀλλὰ εὐαγγελίζεσθαι. οὐκ ἐν σοφία λόγου. ἵνα μὴ κενωθῇ ὁ στρ̄ς τοῦ χῡ (τῇ μεγ. π α ρ α σ κ ε υ ῇ. αρ̑.) ὁ λογος γὰρ ὁ τοῦ σταυροῦ τοῖς μὲν ἀπολλυμένοις. μωρία ἐστὶ τοῖς δὲ σωζομένοις ἡμῖν δύναμις θῡ ἐστί. γέγραπται γὰρ ἀπολῶ τὴν σοφίαν τῶν σοφῶν. καὶ τὴν σύνεσιν τῶν συνετῶν ἀθετήσωι. ποῦ σοφὸς ποῦ γραμματεὺς. ποῦ συζητὴς τοῦ αἰῶνος τούτου. ᾿ȣχὶ ἐμώρανεν ὁ θς̄ τὴν σοφίαν τȣ̄ κόσμου τούτου. ἐπειδὴ γὰρ ἐν τῇ σοφία τοῦ θῡ. οὐκ ἔγνω ὁ κοσμος διὰ τῆς σοφιας τὸν θν̄. εὐδόκησεν ὁ θς̄ διὰ τῆς μωρίας τοῦ κηρύγματος σῶσαι τοὺς πιστέυοντας. ἐπεὶ καὶ ἰουδαῖοι σημεῖον αἰτοῦσι. καὶ ἐλληνες σοφίαν ζητοῦσιν. Ἡμεῖς δὲ κηρύσσομεν χν̄ ἐστρ̄ωμένον. ἰουδαοις μὲν σκάνδαλον. ἕλλησι δὲ μωρίαν. αὐτοῖς δε τοῖς κλητοῖς ἰουδαίοις τε και ἕλλησι χν̄ θῡ δύναμιν καὶ θῡ σοφίαν. л. 181 об. ὅτι τὸ μωρὸν τοῦ θῡ σοφώτερον τῶν ανω̄ν ἐστι. καὶ τὸ ἀσθενες τοῦ θῡ. ἰσχυρότερον τῶν ἀνω̄ν ἔστι. Βλέπετε γὰρ τὴν κλῆσιν ὑμῶν ἀδελφοί. ὅτι οὐ πολλοὶ σοφοὶ κατὰ σάρκα. οὐ πολλοὶ δυνατοὶ. οὐ πολλοὶ ἐυγενεῖς. ἀλλὰ τὰ μωρὰ τοῦ κόσμου ἐξελέξατο ὁ θς̄. ἵνα τους σοφοὺς καταισχύνη καὶ τὰ ἀσθενῆ τοῦ κόσμου ἐξελέξατο ὁ θς̄. ἵνα καταισχύνη τὰ ἰσχυρὰ. καὶ τὰ ἀγενῆ τοῦ κόσμου. καὶ τὰ ἐξουθενημένα ἐξελέξατο ὁ θς̄. καὶ τὰ μὴ ὄντα καταργήση ὅπως μὴ καυχήσητε. πᾶσα σάρξ ἐνώπιον τοῦ θῡ. τ̑. ἐξ αὐτοῦ δὲ ὑμεῖς ἐστὲ ἐν χῶ Ιῡ. ὁς ἐγενήθη ἡμῖν σοφία ἀπὸ θῡ. δικαιοσύνη τε л. 182. και ἁγιασμὸς καὶ ἀπολύτρωσις. ἵνα καθὼς γέγραπται. ὁ καυχώμενος ἐν κῶ καυχάσθω. κἀγὼ ἐλθὼν πρὸς ὑμᾶς ἀδελφοὶ. ἦλθον. οὐ καθ᾿ ὑπεροχὴν λόγου ἢ σοφίας καταγγέλων ὑμῖν τὸ μαρτύριον τοῦ θῡ. οὐ γὰρ ἔκρινα τοῦ ἐιδέναι τι ἐν ὑμῖν. ἐι μὴ Ιν̄ χν̄ καὶ τοῦτον ἐστρ̄ωμένον. καὶ ἐγὼ ἐν ἀσθενεία καὶ ἐν φόβωι. καὶ ἐν τρόμωι πολλῶ ἐγενόμην πρὸς ὑμᾶς καὶ ὁ

шего и га іса ·:· хвалю ба моюго всьгда за вы ·:· о благодати бжии даньи вамъ ·:· о хѣ ісѣ ·:· ꙗко вьсьде обатистеса о немь. всѣмь словъмь · · и всацѣмь разоумъмь ·:· ꙗкоже и съвѣдѣтельство хво изкѣстиса оу васъ ·:· ꙗко вамъ не лишено быти. ни юдиного же дарованиꙗ чающимъ ·:· ꙗвлениє га нашего іса ха ·:· иже изкѣстить вы до коньца ·:· непокиньны въ днь га нашего іса ха ·:· вѣрьнъ бъ ·:· имьже и зкани бысте ·:· въ обьщении сна юго. іса ха га наше ·:· молю же вы братиє ·:· именьмь га нашего іса хса. да то же гате вьси. и да не соуть въ васъ расньра ·:· да юсте же съвьршени ·:· въ тои же мысли въ тои же волї ·:· нарекова бо ми са ·:· братиꙗ моꙗ ·:· за вы ѿ хлаиса ·:· ꙗко рьвьниꙗ въ васъ соуть ·:· глю же се ꙗко къждо васъ гать ·:· азъ оубо юсмь павловъ. азъ же аполосовъ. азъ же кифинъ ·:· азъ же хвъ ·:· еда раздѣлиса хъ ·:· еда павьлъ пропатъ бысть за вы ·:· или въ има павле крьстистеса ·:· хвалю ба ни юдиного васъ не кртихъ. [1]) кртихъ же и стефановъ домъ ·:· ктомоу не вѣдѣ аще иного кртихъ ·:· не посла бо мене хъ крьститъ ·:· нъ благовѣститъ. не въ моудрость словесьноу ·:· да испразниться (sic) кртъ хвъ ·:· слово кртьное. гыбающимъ боуиство юсть. спсающіимъ же са намъ сила бжиꙗ юсть ·:· писано бо юсть погоублю премоудрость премоудрыхъ. и разоумъ разоумьныихъ ѿвьргоу ·:· кде премоудръ братию. кде книгъчии. кде съвъпросьникъ вѣка сего ·:· не обоуи ли бъ ·:· премоудростию мира сего ·:· понеже бо въ премоудрости бжии. не разоумѣ вьсь миръ прѣмоудростию ба. благоизволи бъ. боуиствъмь пропокѣди. спсті вѣроующаꙗ ·:· понеже июдеи знамениꙗ просать. и юлини прѣмоудрости ищють. мы же пропокѣдаюмъ хса распата ·:· июдѣюмъ оубо съблазнъ ·:· азыкомъ же боуюсть ·:· самѣмъ же званыимъ. июдѣюмъ оубо и юлиномъ. хса бжию силоу и бжию прѣмоудрость ·:· ꙗко боуюю бжию прѣмоудрѣю члвкъ юсть ·:· и немощьною бжию крѣпъчѣю члвкъ юсть ·:· блюдете же званиє ваше братиє ·:· ꙗко не мъноз ли премоудрии ·:· по плъти ·:· не мнози ли сильнии. не мнози ли благородьнии ·:· нъ боуиꙗ вьсего мира избьралъ бъ ·:· да посрамить премоудрыꙗ ·:· и немощьнаꙗ мира избьралъ бъ ·:· да посрамить крѣпъкаꙗ. и безродьнаꙗ вьсего мира. и оукоренаꙗ избьр'лъ бъ ·:· и не соущаꙗ да соущаꙗ оупразнить ·:· ꙗко да не похвалить всака плъть предъ богъмь ·:· не тогоже вы юсте о хѣ ісѣ ·:· иже бысть ·:· прѣмоудрость намъ отъ ба ·:· правьда и с в а т ь б а. и избавлениє. да

[1]) По Гречески пропущено: тъкмо криспа и гаии ·:· да не кто речеть ꙗко въ има моюе кртистеса.

λόγος μου καὶ τὸ κήρυγμα μου οὐκ ἐν πειθοῖς ἀν̄νῆς σοφίας λόγοις ἀλλ' ἐν ἀποδείξει πν̄ς καὶ δυνάμεως. ἵνα ἡ πίστις ὑμῶν μὴ ἤ ἐν σοφία ἀν̄ων ἀλλ' ἐν δυνάμει θῡ. σοφίαν δὲ λαλοῦμεν ἐν τοῖς τέλείοις. σοφίαν δὲ οὐ τοῦ αἰῶνος τούτου. οὐ δὲ τῶν ἀρχόντων του αἰῶνος τούτου. л. 182 об. τῶν καταργουμένων. ἀλλὰ λαλοῦμεν. σοφίαν θῡ ἐν μυστηρίωι τὴν ἀποκεκριμμένην. ἥν προώρισεν ὁ θς̄ πρὸ τῶ αἰώνων εἰς δόξαν ἡμῶν. ἣν οὐδεὶς τῶν ἀρχόντων τοῦ αἰῶνος τούτου ἔγνωκεν. ἐι γὰρ ἔγνωσαν. οὐκ ἄν τὸν κν̄ τῆς δόξης ἐστρ̄ωσαν. ἀλλὰ καθὼς γέγραπται ἅ ὀφθαλμὸς οὐκ εἶδεν καὶ οὖς, οὐκ ἤκουσε. καὶ ἐπὶ καρδιαν ἀν̄ου οὐκ ἀνέβη. ἅ ἡτοίμασεν ὁ θς̄ τοῖς ἀγαπῶσιν αὐτὸν. ἡμῖν δὲ ὁ θς̄ ἀπεκαλυψε διὰ τοῦ πν̄ς αὐτοῦ. τὸ γὰρ πνεῦμα πάντα ἐρευνᾶ. καὶ τὰ βάθη τοῦ θῡ. τίς γὰρ οἶδεν ἀν̄ων τὰ τοῦ ἀν̄ου εἰμὴ τὸ πν̄α τοῦ ἀν̄ου τὸ ἐν αὐτῶ. οὕτως καὶ τὰ τοῦ θῡ л. 183. ἡμῖς δε ου τὸ πν̄α τὸ τοῦ κόσμου ἐλάβομεν. ἀλλὰ τὸ πν̄α τὸ ἐκ τοῦ θῡ. ἵνα εἴδομεν τὰ ὑπὸ τοῦ θῡ χαρισθέντα ἡμῖν. ἅ καὶ λαλοῦμεν οὐκ ἐν διδακτοῖς ἀνθωπίνης σοφίας λόγοις. ἀλλ' ἐν διδακτοις πν̄ς ἁγίου. πν̄ικοῖς. πν̄ικὰ συγκρίνοντες. ψυχικὸς δὲ ἄν̄ος οὐ δέχεται τὰ τοῦ πν̄ς τοῦ θῡ. μωρία γὰρ αὐτῶ ἐστὶ καὶ οὐ δύναται γνῶναι. ὅτι πνευματικῶς ἀνακρίνεται. ὁ δὲ πν̄ικὸς ἀνακρίνει μὲν πάντα. αὐτὸς δὲ ὑπ' οὐδενὸς ἀνακρίνεται. τις γὰρ ἔγνω νοῦν κῡ. ὅς συμβιβάσει αὐτὸν. ἡμεῖς δε νοῦν κῡ ἔχομεν.

ꙗко же ѥсть писано ·:· хвалѧисѧ о г҃дѣ да хвалитьсѧ ·:· Глава 2. И азъ пришедъ къ вамъ братиѥ. придохъ не попреодрьжимомоу словеси ·:· или прѣмоудрости ·:· възвѣщаꙗ вамъ таиноу б҃жию ·:· не смотрихъ бо что видѣти васъ. токмо і҃са х҃са ·:· и сего распѧта ·:· и азъ въ немощи страсѣ ·:· и трепетѣ мнозѣ быхъ въ вамъ ·:· и слово моѥ и проповѣдь моꙗ не по премоудрости чл҃чьстѣ словесы нъ въ притъчи ·:· и наказаниѥмь д҃ха и силы ·:· да вѣра ваша небоудеть въ премоудрости чл҃чьстѣ. нъ въ силѣ б҃жии ·:· прѣмоудрость же г҃лемъ ·:· въ съвършеныихъ ·:· прѣмоудрость же не вѣка сего ни вл҃дкъ вѣка сего ·:· прѣстающихъ. нъ г҃лемъ б҃жи прѣмоудрость ·:· въ таинѣ ·:· съкръвеноу ·:· юже пронарече б҃ъ прѣже вѣкъ въ славоу нашю ·:· ѥꙗже никтоже ѿ владыкъ мира сего не разоумѣ. аще бо бꙑша разоумѣли ·:· не бꙑша г҃а славѣ пропѧли. нъ ꙗкоже ѥсть писано ·:· ихъ же око не видѣ. ни оухо слꙑша. ни на сьрдьце чл҃вкоу не вꙑзидоша. ꙗже оуготова б҃ъ любѧщимъ ѥго ·:· намъ же ѿкрꙑлъ б҃ъ д҃хмь своимь ·:· д҃хъ бо всего пꙑтаѥть ·:· и глоубинꙑ б҃жиꙗ. кто бо вѣсть ѿ чл҃вкъ иже въ чл҃вцѣ ·:· тъкмо д҃хъ чл҃вка иже вънемь. такоже и божественꙑихъ. никтоже не разоумѣ. тъкмо д҃хъ б҃жии ·:· мꙑ же не д҃хъ сего мира приꙗхомъ. нъ д҃хъ иже ѿ б҃а. да видимъ даровањнꙑхъ намъ ѿ б҃а. ихъ же г҃лемъ не въ наоученꙑихъ. чл҃чьскꙑꙗ премоудрости словесꙑ ·:· нъ въ наоученꙑихъ д҃ха с҃та д҃ховьнꙑими ·:· д҃ховьнаꙗ прилагающе ·:· д҃шевьнъ же чл҃вкъ. не приѥмлеть ѥже ѿ б҃жиꙗ д҃ха. боуиство бо ѥмоу ѥсть ·:· и не можеть разоумѣти ·:· ꙗко д҃ховьно вꙑстазаѥтьсѧ. ꙗко д҃ховьнꙑи вꙑстазаѥть оубо всѧ а тъ ни отъ ѥдиного же вꙑстазаѥтьсѧ ·:· кто бо разоумѣ оумъ г҃нь. иже наставить и. мꙑ же оумъ х҃въ имамъ.

Чтеніе и объясненіе снимка.

Κυριακῆ θ̄. Ἀρχὴ Θεοῦ γὰρ ἐσμὲν συνεργοί. Θεοῦ γεώργιον. Θεοῦ οἰκοδομὴ ἐστι.

Κατὰ τὴν χάριν τοῦ θεοῦ τὴν δοθεῖσαν μοι. ὁ σοφὸς. ἀρχιτέκτων θεμέλιον τέθηκα.

Ἐγράφη ἀπὸ φιλίππων διὰ στεφανᾶ καὶ φορτωνάτου καὶ ἐυχαΐκου καὶ τιμοθέου στίχων ῶσ:

Запись писца: Ἐτελειώθη ἡ παροῦσα βίβλος μηνὶ αὐγούστω ε̄. ἡμερα κ̄. ἰνδικτιῶνος. προστάξει τοῦ κραταίου καὶ ἁγίου ἡμῶν βασιλέως κυρ. Μιχαὴλ δουκᾶ. Γραφεῖσα παρ' ἐμοῦ μιχαὴλ. βασιλεως νοταρίου. τοῦ πανεργ. ἔτους ҂ѕфп̄. (1072 г.)

Заставка съ заглавіемъ уставнаго письма: πέτρου ἐπιστολὴ β̄. Заглавіе 1-го посланія св. Ап. Петра: πέτρου ἐπιστολὴ ᾱ. Монограмма въ 5-ти кружкахъ: Κύριε βοήθει Μιχαὴλ Δεσπότι δουκᾶ.

Заглавныя буквы, азбука скорописная.

Слова съ знаками препинанія. ἀμήν: περιπατεῖς.

Слова съ сокращеніями и титлами: Καὶ ποιῆσαι, Ἰῆσοῦ.

Слово съ Іотою написанною въ строку въ дательномъ падежѣ, а не съ подписнымъ внизу. υἱῶι.

Слова въ связи съ другими: α) ἀξ εὐαγγέλιον. ε) ἀδελφῶν ἐξ ἐγκρατεία ψευδε.

Знаки вносныхъ мыслей.

XIV. О подвижничествѣ св. Василія Великаго.

Находится въ Московской Сvнодальной Библіотекѣ подъ № 29-мъ.

Длина пергамина	8	в.
Ширина.	$5\frac{1}{2}$	в.
Къ корешку	$\frac{1}{2}$	в.
Между столбцами	$\frac{5}{8}$	в.
Къ правой сторонѣ	$1\frac{1}{8}$	в.
Къ верху	$\frac{5}{8}$	в.
Къ низу.	$1\frac{1}{8}$	в.

Пергаменъ выдѣланъ хорошо, но не тонокъ. По краямъ есть мѣста поврежденныя, которыя наклеены остатками пергамина же.

Писано скорописью въ два столбца по нарѣзамъ на 272 листахъ. Первые два листа исписанные владѣльцемъ рукописи разными замѣтками не помѣчены. На 1-мъ помѣченномъ внизу подписано: Арсеній ἱ҃ι. τῶν ἰβηρῶν. Заставки и заглавныя буквы темно-малиноваго цвѣта а въ другихъ мѣстахъ блѣдно-коричневыя. Колеръ чернилъ темный. Число строкъ на страницѣ 35; помѣта тетрадей у корешка внизу съ обоихъ сторонъ.

Л. 1—182 об. О подвижничествѣ съ пространными (80) и краткими отвѣтами (313).

Л. 182 об.—219 об. περὶ βαπτίσματος.

Л. 219 об.—253 об. τοῦ αὐτοῦ διατάξεις πρὸς τοὺς ἐν κοινοβίῳ καὶ κατὰ μόνας ἀσκοῦντας. (35).

Л. 253 об.—257 об. ἐπιστολὴ πρὸς χίλωνα..

Л. 257 об.—259 α. λόγος ἀσκητικός.

Л. 259 об.—266. παραίνεσις περὶ ἀποταγῆς βιου καὶ τελειώσεως πν҃ικῆς.

Л. 266. 267 об. τοῦ αὐτοῦ περὶ ἀσκήσεως. πῶς δεῖ κοσμεῖσθαι τὸν μοναχόν.

Начало: Δεῖ τὸν μοναχὸν πρὸ πάντων, ἀκτήμονα βίον κεκτῆσθαι.

Л. 267 об.—α. и β΄. 269. τοῦ αὐτοῦ νουθεσία πρὸς τοὺς νεούς.... πρὸς μοναχὸν ἐκπεσόντα.

Л. 269—272 ά. τοῦ αὐτοῦ καὶ ὅσα ἐπιτίμια.

Выписки изъ Подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ.

л. 266 β΄. Τοῦ αὐτοῦ (ἁγ. Βασιλείου μεγάλου) περὶ ἀσκήσεως. πῶς δεῖ κοσμεῖσθαι τὸν μοναχόν.

Δεῖ τὸν μοναχὸν πρὸ πάντων, ἀκτήμονα, βίον κεκτῆσθαι. σώματος ἐρημίαν καὶ κοσμότητα σχήματος. φωνὴν σύμμετρον. καὶ λόγον εὔτακτον. τροφὴν καὶ ποτὸν ἀθόρυβον. καὶ μετὰ ἡσυχίας ἐσθίειν. ἐπὶ πρεσβυτέρων σιωπᾶν, ἐπὶ σοφωτέρων ἀκροᾶσθαι. πρὸς τοὺς ἴσους ἀγάπην ἔχειν. πρὸς τοὺς ἐλάττους ἀγαπητικὴν συμβουλίαν. ἀπὸ τῶν φαύλων καὶ σαρκικῶν καὶ φιλοπραγμόνων ἀναχωρεῖν. πλεῖονα νοεῖν. ὀλίγα δὲ φθέγγεσθαι. μὴ θρασύνεσθαι λόγω. μὴ δὲ περιττέυειν ὁμιλίαις. μὴ πρόχειρον γενέσθαι περὶ γέλωτα. αἰδοῖ κοσμεῖσθαι. κάτω τὸ βλέμμα ἔχειν ἄνω δὲ τὴν ψυχὴν. μὴ ἀντιλέγειν ἀντιλογίαις. εὐπειθῆ εἶναι. κοπιᾶν ταῖς χερσὶ. μνημονέυειν τῶν ἐσχάτων πάντων. τῇ ἐλπίδι χαίρειν. л. 266 об. ἀδιαλείπτως προσέυχεσθαι ἐν παντὶ εὐχαριστεῖν. τῇ θλίψει ὑπομένειν. πρὸς πάντας τα-

Изъ Пролога XIII в. № 247. л. 159 об. ά.

Во тъ дн҃ь сло҃. ст҃го василья. о накаѕаньи како есть лѣпо чернориѕцемъ быти •:·

Лѣпо юсть чернориѕцю имѣти. наче всего житья да небрежеть имѣнья отнюдь. телеси оудрученые. оудобреные нраву гл҃су оумиленние. и слово бл҃гочиньно. ıаденые и питье беѕъ горока (sic) и съ оутверженьюмь. предъ старци молчанние. мудрѣишихъ послушати. с точными любовь имѣти. меньшими любовьно съвѣщенье. ѿ плотьскыхъ и любосластьныхъ вещии ѿсѣвати. множѣе раѕумѣвати. а моло гл҃ти. не дерѕу быти словомь. не претребовати в рѣчехъ. не скоро въ смѣхъ впадати. долу имѣти очи. а дш҃ю горѣ. не противу ѿвѣщевати. послушанку быти. б) и тружатися рукама. поминати последнаıа. о надежи радоватися непрестаюшии. при вѣхъ бл҃гохвалити. въ скорбехъ бл҃готерпѣти. во всѣмъ смѣрену быти. величанья

πεινὸν εἶναι. μισεῖν ὑπερηφανίαν. νήφειν καὶ τηρεῖν τὴν
καρδίαν ἀπὸ λογισμῶν πονηρῶν. θησαυρίζειν ἐν οῦνῶ. δὶ
ἐντολῶν ἑαυτὸν ἀνακρίνειν. περὶ τῶν λογισμῶν τῶν καθη-
μερινῶν καὶ πράξεων μὴ ἐμπλέκεσθαι ταῖς τοῦ βίου περιτ-
τολογίαις. μὴ περιεργάζεσθαι τὸν τῶν ραθύμων βίον. ἀλλὰ
ζηλοῦν τὸν τῶν ἁγίων πρῶν. συγχαίρειν τοῖς κατορθοῦσιν
ἀρετήν. καὶ μὴ φθονεῖν. συμπάσχειν τοῖς πάσχουσι. καὶ
σφόδρα τούτους πενθεῖν. μὴ μέντοι κατακρίνειν μὴ δὲ ὀνει-
δίζειν τὸν ἀποστρέφοντα ἀπὸ ἁμαρτίας. μηδέποτε δικαι-
οῦν ἑαυτόν. πρὸ πάντων ἁμαρτωλὸν ἐνώπιον θῦ καὶ ἀνῶν
ὁμολογεῖν, ἑαυτόν. νουθετεῖν τοὺς ἀτάκτους. παραμυθεῖσ-
θαι τοὺς ὀλιγοψύχους. ὑπηρετεῖν τοῖς ἀρρώστοις. πόδας
ἁγίων νίπτειν. ξενοδοχίας καὶ φιλαδελφίας ἐπιμελεῖσθαι.
μετὰ τῶν οἰκείαν τῆς πίστεως εἰρηνέυειν. αἱρετικὸν β΄. ἀνον
ἀποστρέφεσφαι. τὰ ἐνδιάθετα βιβλία ἀναγνώσκειν. ἀποκρύ-
φοις ὅλως μὴ ἐντυγχάνειν. περὶ πρς καὶ υἱοῦ καὶ ἁγίου
πνς, μὴ συζητεῖν. ἀλλ' ἄκτιστον καὶ ὁμοούσιον τριάδα με-
τὰ παρρησίας σέβειν καὶ φρονεῖν. καὶ τοῖς ἐπερωτῶσι λέ-
γειν. ὅτι βαπτίζεσθαι δεῖ ὡς παρελάβομεν. πιστέυειν δὲ
ὡς βαπτιζόμεθα. δοξάζειν δὲ ὡς πεπιστέυκαμεν. ἐν ἔργοις
καὶ λόγοις ἀγαθοῖς ἀναστρέφεσθαι. μὴ ὀμνύειν τὸ σύνολον
Μὴ διδόναι ἀργύριον ἐπὶ τόκῳ. μισεῖν τὸν οἶνον καὶ τὸ
ἔλαιον ἐπιπλεονασμον. καὶ ἀπὸ κραιπάλης καὶ μέθης καὶ
μεριμνῶν βιωτικῶν ἀπεχεσθαι. μετὰ δολου μὴ ομιλεῖν. μὴ
δὲ ὅλως φθέγγεσθαι κατὰ τινος μὴ καταλαλεῖν. μὴ ταχε-
ως πιστέυειν κατὰ τινος. μὴ τυραννεῖσθαι ὑπὸ θυμοῦ. μὴ
κρατεῖσθαι ὑπὸ ἐπιθυμίας. μὴ εἰκῆ ὀργίζεσθαι τῷ πλήσιον
μὴ κρατεῖν μῆνιν κατά τινος. μὴ κακὸν ἀντὶ κακοῦ ἀπο-
δοῦναι. μᾶλλον λοιδορεῖσθαι ἢ λοιδορεῖν. τύπτεσθαι ἢ τύπ-
τειν. ἀδικεῖσθαι ἢ ἀδικεῖν. ἀποστερεῖσθαι, ἢ ἀποστερεῖν.
καὶ πρόγε πάντων χρὴ τὸν μοναχὸν ἐγκρατέυεσθαι ἀπὸ
συντυχίας л. 227 ά. γυναικῶν καὶ ἀπὸ οἰνοποσίας. καὶ
ὅτι οἶνος καὶ γυναῖκες, ἀποστήσουσι συνετοὺς καὶ κατορ-
θοῦντας κατὰ τὸν δυνατὸν τὰς τοῦ κῦ ἐντολάς. μὴ ἀκη-
διᾶν. ἀλλὰ τὸν μισθὸν καὶ τὸν ἔπαινον πὰρ αὐτοῦ ἐκδέ-
χεσθαι. καὶ τῆς αἰωνίου ζωῆς. ποθεῖν τὴν ἀπόλαυσιν. τό-
τε ῥητὸν τοῦ δᾱδ πρὸ ὀφθαλμῶν ἔχειν καὶ λέγειν. προω-
ρώμην τὸν κν ἐνώπιον μου δια παντὸς. ὅτι ἐκ δεξιῶν ἐσ-
τὶν ἵνα μὴ σαλευθῶ. καὶ ὡς μὲν υἱὸς. ἐξ ὅλης καρδίας
καὶ ισχύος καὶ διανοίας καὶ τῆς δυνάμεως ἀγαπᾶν τὸν
θν. ὡς δὲ δοῦλος. εὐλαβεῖσθαι καὶ φοβεῖσθαι αὐτὸν καὶ
ὑπακούειν. καὶ μετὰ φόβου καὶ τρόμου. τὴν σριαν ἑαυτοῦ
κατεργάζεσθαι. τῷ πνι ζέειν. ἐνδεδυμένον εἶναι τὴν πα-
νοπλίαν τοῦ ἁγίου πνς. καὶ τρέχειν οὐκ ἀδήλως. καὶ
πυκτέυειν οὐκ ἀέρα δέροντα. καὶ καταπαλαίειν τοῦ ἐχθροῦ
ἐν τῇ ἀσθενεία τῆς σαρκὸς καὶ ἐν τῇ ἐυτονία τῆς ψυχῆς.
πάντα τὰ διατεταγμένα ποιεῖν. β΄. καὶ ἀχρεῖον ἑαυτὸν
λέγειν. εὐχαριστεῖν τῷ ἁγίῳ καὶ ἐνδόξῳ καὶ φοβερῷ θῶ.
καὶ μηδὲν κατ' ἐριθείαν καὶ κενοδοξίαν ποιεῖν, ἀλλὰ διὰ
τὸν θν. καὶ προς τὴν αὐτοῦ ἀρέσκειαν πράττειν. ὅτι ὁ θς
διεσκόρπισεν ὀστᾶ ἀνθρωπαρέσκων. μὴ*καυχᾶσθαι τὸ σύ-
νολον. μὴ δὲ ἐγκώμια ἑαυτῷ λέγειν. μὴ δὲ ἄλλου ἐγκω-

ненавидѣти, говѣину быти. блюсти срдце ѿ помыслъ
злыхъ сбирати имѣнь (sic) на нбсѣхъ. заповѣдьми.
самому ся испытати о мыслехъ. по вся дни ѡ дѣ-
лѣхъ. не оплѣтатися житиискими лихвами и рѣчьми.
не искати лѣнивыхъ житиꙗ, но токмо подражати стхъ
ѡць. радоватися со исправившими добронравье. а
не завидѣти. съ страждущи пострадати. и с плачю-
щимїся зѣло плакати. не ѡсужати и поносити. об-
ращающему ѿ грѣхъ. николи же себе праведнаго тво-
рити. паче всѣхъ члвкъ грѣшника. себѣ исповѣдати
предъ бмь и члвкы. наказати ненаказаныꙗ. оувѣщати
малодшныꙗ. служити болнымъ. ногы стхъ омывати.
страньныхъ л. 160 а. братолюбии прилежатї. съ єди-
новѣрьными миръ имѣти. еретика члвка ѿвращатися.
книгы преданыꙗ почитати. а въ скровеныꙗ не при-
никати ѿтнюдь. о ѡци и о снѣ и о стѣмь дсѣ не
пытати но несозданую и единосущну. трцю съ дер-
зновеньємь глати. крщатися лѣпо ꙗкоже и мы приꙗ-
хомъ. вѣровати же ꙗ кртимся. славити же ꙗкоже
вѣровахомъ. въ дѣлѣхъ и въ словесѣхъ блгхъ жити.
не клятися ѿтнюдь не дати сребра в лихву. ни пше-
ници ни вина. ни древянаго масла. на оумноженье
пища. и пьяньства и печали житиискыхъ ѿбѣгати.
и небесѣдовати луками (sic) и велми ни о ком же не
глати. ни ѡклеветати, и никакоже въ сласть послушати
клеветника. ни о ком же скоро ꙗтї вѣры. ни томити-
ся гнѣвомь. не быти держиму похотью. ни безума
гнѣватися на ближняго. не б) держати ни на когоже
гнѣва. ни въздаꙗти зла за зло. паче охулену быти
а не хулити. биєну быти, а не бити. обидѣну быти
а не обидѣти. ѿщетитися а не ѿщетити. паче все-
го достоить чернорizьцю. въздержатися ѿ бесѣдъ
женьскыхъ. ѿ винопитьꙗ. вино бо и жены ѿвраща-
ють смысленыꙗ. исправлꙗющиꙗ добрѣ гнꙗ заповѣди
не стужати си. нъ мьзды и похвалы ѿ него чаꙗти
и вѣчныꙗ жизни желати и приꙗти. и слово двы-
дово предъ очима вину имѣти и глати. предъзрѣхъ
гда предъ мною вину. ꙗко о десную мене єсть да
ся не поколѣблю. и аки сну ѿ всего срца и крѣпости
и разума. и силы и любити ба. и акы рабу сумнѣ-
тися и боꙗтися. и слушати єго съ страхомь. и тре-
петомь. спснье себе сдѣꙗти. дхмь горѣти. облече-
ну быти во ѡдежю. стго дха. и тещи не лѣнящеся.
а не ꙗко въздухъ л. 160 об. а. пасти (sic) бити.
и братися со врагомъ въ изнеможенье плоти. и в
нищетѣ дша. и все повелѣное творити. и непотреб-
на себе глати. и блгдарити стго и славнаго и дивнаго
ба. и ничтоже съ завистью. и со тщетворенїемь тво-
рити. и єже єсть оугодно єму то творите. и зане
бъ расыпа кости члвку оугодинку. и не похвалися
велми. ни похвалы себе глаи. и ни иному хвалящюся
сладцѣ слышати. в таинѣ вся работати. в ненави-

μιάζοντος ἡδέως ἀκούειν. ἐν κρυπτῶ δὲ πάντα δουλέυειν. καὶ μὴ πρὸς ἐπίδειξιν ἀν̄ων ποιεῖν, ἀλλὰ μόνον τὸν παρὰ τȣ̄ θῡ ἔπαινον ζητεῖν. καὶ τὴν φοβερὰν καὶ ἔνδοξον αὐτοῦ παρουσίαν ἐννοεῖν. τὴν μετάβασιν τὴν ἐντεῦθεν. τὰ ἀποκείμενα ἀγαθὰ τοῖς δικαίοις ὁμοίως τῶ ἡτοιμασμένω πυρὶ τῶ διαβόλω καὶ τοῖς ἀγγέλοις αὐτοῦ. ἐπὶ πᾶσι δὲ τούτοις τοῦ ἀποστολικοῦ ῥητοῦ μνηρονέυειν. ὅτι οὐκ ἄξια τὰ παθήματα τοῦ νῦν καιρȣ̄ πρὸς τὴν μέλλουσαν δόξαν ἀποκαλυφθῆναι ἐις ἡμᾶς. καὶ σὺν τῶ δᾱδ̄ προλέγειν. τοῖς φυλάσσουσι τὰς ἐντολὰς αὐτοῦ ἀνταπόδοσις πολλή. μισθὸς πολύς. καὶ στέφανοι л. 267 об. ά. δικαιοσύνης. αἰώνιοι σκηναὶ ζωὴ ἀτελέυτητος. χαρὰ ἀνεκλάλητος μονὴ ἀκατάλυτος. παρὰ τῶ πρ̄ι καὶ τῶ υἱῶ καὶ τῶ ἁγίω πν̄ι. τῶ ἐν οὐν̄οις ἀληθινῶ θῶ. ἐμφανισμὸς προσώπου πρός πρόσωπον. μετὰ ἀγγέλων χορεία. μετὰ πρ̄ων μετὰ πρ̄ιαρχῶν. μετὰ προφητῶν. μετὰ ἀποστόλων καὶ μαρτύρων καὶ τῶν ἀπ᾽ αἰῶνος ἐυαρεστησάντων μεθ᾽ ὧν ἐυρεθῆναι σπουδάσωμεν χάριτι τοῦ κῡ ἡμῶν Ἰῡ χῡ. ὧ ἡ δόξα καὶ τὸ κράτος ἐις τοῦς αἰῶνας τῶν αἰώνων ἀμήν.

дѣньи члвкмъ. творити. нъ токмо ѿ бга приносити. и страшноѥ и славноѥ ѥго пришествиѥ. ѿсюду оуготованаꙗ блгаꙗ стмъ. тако же и оуготованъıи ωгнь дьꙗволу и англмъ ѥго. но всемь же томь аплкоѥ слово помнити. ꙗко не достоины стрти сего времене. прямо будущеи славѣ ꙗвитисѧ. и съ двдомь глти. хранящимъ ꙁаповѣди ѥго вьꙁданьѥ много. и вѣщи праведника вѣчнии вѣнци. жиꙁнь бес конца. радость не б) иꙁъглана. ωбитель неразърушьна. ωца и сна и стго дха. иже ѥсть на нбсѣхъ истиньнъıи бъ. видѣньѥмь лице к лице. съ англы ликъствованьѥ. со ωци и с патриархы и съ мчнкы исповѣдникы. и со всѣми оугожьшими с ними же обрѣстися потщимсѧ блгдтью и члвколюбием ·:·

Чтеніе и объясненіе снимка.

Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρος ἡμῶν βασιλείου. ἀρχεπισκόπου καισαρίας καππαδοκίας προδιαλαλιὰ καὶ προεισήγησις τῶν ἀσκητικῶν ὑποτυπώσεων.

Καλὰ μὲν τοῦ βασιλεως. τὰ πρὸς τοὺς ὑπηκόους νομοθετήματα. μείζονα δὲ καὶ βασιλικώτερα. τὰ πρὸς στρατιώτας παραγγέλματα. ἅτε οὖν στρατιωτικῶν παραγγελμάτων κηρυσσομένων.

Προοίμιον τῶν κατ᾽ ἐπιτομὴν ὅρων.

Ο φιλάνθρωπος θεός. ὁ διδάσκων ἄνθρωπον γνῶσιν. τοῖς μὲν τὸ διδασκαλικὸν πεπιστευμένοις χάρισμα.

Запись писца: ᾿Ετελειώθη σὺν θεῶ ἡ βίβλος αὕτη μηνὶ ἀπρίλλιω κ̄ᾱ. ἰνδικτιώνος θ̄. ἔτους ͵ϛφϙ̄δ̄. (1086 г.) διὰ χειρὸς ἰωάννου. ἐυτελους μοναχοῦ καὶ πρεσβυτερου τοῦ ναοῦ τῆς θεοτόκου, ἤτοι τοῦ ἁγίου ἀβερκιου τοῦ ἐν τῶ πατριαρχ.

Заставки и заглавныя буквы. Азбука скорописная и изъ заглавій.

Сокращенія и слова съ титлами: πότον, λόγον χαίρειν τῆς ψυχῶν. Ἰησοῦ χριστοῦ. Конечное слово съ знаками препинанія: ἁγίω:·

Слова въ связи съ другими: α., ἄρτονσου, ἀγαγεῖν, πράξεων. ε., ἐξηνέχθησαν εἶπε ἐλάλησεν. λειτουργικὰ δὲ. ν., ζωὴν ἀποκάλυφον. σ., πᾶς.

Знаки вносныхъ мыслей. Слова въ конечной строкѣ страницы съ длинными линіями. Цифра ϙ̄. 90 съ титломъ.

XII. вѣкъ.

1. Постановленія Апостольскія

Находятся въ Императорской Публичной Библіотекѣ подъ № 100-мъ.

Длина пергамина	$5^5/_8$	в.
Ширина.	$4^1/_8$	в.
Къ корешку.	$^3/_8$	в.
Къ правой сторонѣ	$1^1/_8$	в.
Къ верху	$^5/_8$	в.
Къ низу.	$1^1/_8$	в.

Пергаменъ выдѣланъ хорошо, мѣстами урѣзанъ и у краевъ пожелтѣлъ.

Писано скорописью въ одинъ столбецъ по нарѣзамъ на 149-ти листахъ. Первая заставка расписана красками малиноваго цвѣта и желтою. Заглавія и заглавныя буквы почти всѣ черныя, намазан-

ныя послѣ желтоватою краскою. Киновари нѣтъ. Помѣта тетрадей у корешка внизу съ обоихъ сторонъ. Колеръ чернилъ темный. Число строкъ на страницѣ 26-ть.

Съ 1-го по 136-й оборотъ написаны постановленія Апостольскія въ 8-ми книгахъ.

л. 136 об. — 138 об. Πέτρου καὶ πάβλου διατάξεις.

л. 138 об. — 139. Ὅρος κανονικὸς τῶν ἁγίων ἀποστόλων (18.)

л. 139 об. — 144 об, Ἕτεροι κανόνες τῶν ἁγίων ἀποστόλων (47).

л. 144 об. 145. Τοῦ ἁγίου πατρὸς ἡμῶν βασιλείου τὰ ἐπιτίμια. (31.)

л. 145. 146 об. Θεοδώρου πρεσβυτέρου καὶ ἡγουμένου μονῆς τῶν δὲ στουδίτου.... επιτιμια κοινὰ τῆς ὅλης ἀδελφότητος. ἐπὶ τῶν παραλειπόντων εἰς τὸν κανόνα.

л. 146 об. 147 об. Κεφάλεα κατεπιλογεῖ. τοῦ ἁγιωτάτου επισκόπου τιμωθέου ἀλεξανδρείας. πρὸς τὰς ἐπενεχθείσας αὐτῶι ἐρωτήσεις παρά τινων ἐπισκόπων καὶ κληρικῶν.

л. 147 об. — 149. Ιππολύτου ἐπισκόπου ρώμης. καὶ δωροθέου ἐπισκόπου τύρου καὶ ἱερομάρτυρος περὶ τῶν μαθητῶν τοῦ κῦ. ὅπου ἕκαστος αὐτῶν ἐκήρυξε τὸ ἐυαγγέλιον τοῦ χῦ· καὶ ἐτελειώθη.

Выписки изъ подлинника съ древнимъ славянскимъ переводомъ.

л. 131 об. † Διαταγαὶ περὶ χειροτονίας πρεσβυτέρων. διακόνων. ὑποδιακόνων. ἀναγνώστων. διακονισσῶν.

Βιβλίων η̄ ·:· Περὶ χειροτονίας πρεσβυτέρων. ἐγὼ ὀφιλούμενος ὑπὸ τοῦ κῦ διατάσσομαι ὑμῖν τοῖς ἐπισκόποις:

Πρεσβύτερον χειροτονῶν ὦ ἐπισκοπε. τὴν χεῖρα ἐπὶ τῆς κεφαλῆς ἐπίθεται αὐτὸς. τοῦ л. 132. πρεσβυτερίου παρεστῶτων καὶ τῶν διακόνων. Ευχ. Καὶ εὐχομενος λέγε ·:· Κε҃. παντοκράτωρ ὁ θς̄ ἡμῶν ὁ διὰ χῦ σου τὰ πάντα δημιουργήσας. καὶ δὶ αὐτοῦ τῶν ὅλων προνοῶν καταλλήλως. ὧ γὰρ δύναμις διάφορα ποιῆσαι, τούτωι δύναμις καὶ διαφόρως προνοῆσαι. διὰ γὰρ αὐτοῦ ὁ θς̄ προνοεῖς. τῶν μὲν ἀθανάτων, φυλακῆ μόνη. τῶν δὲ θνητῶν, διαδοχὴ τῆς ψυχῆς. φρωντίδι νόμων τοῦ σώματος ἀναιπληρώσει τῆς ἐνδείας. αὐτὸς οὖν καὶ νῦν ἐπίβλεψον ἐπὶ τὴν ἁγίαν σου ἐκκλησίαν. καὶ αὔξησον αὐτὴν καὶ πλήθηνον τοὺς ἐν αὐτῆι προεστῶτας. καὶ δὸς δύναμιν πρὸς τὸ κοπιᾶν αὐτοὺς λόγω καὶ ἔργω. ἐις οἰκοδομὴν τοῦ λαοῦ σου. αὐτὸς καὶ νῦν ἔπιδε ἐπὶ τὸν δοῦλον σου τοῦτον. τὸν ψῆφωι καὶ κρίσει τοῦ κλήρου παντὰς ἐις πρεσβυτὲριον ἐπιδοθέντα. καὶ ἔμπλησον αὐτὸν πν̄ς χάριτος. καὶ συμβουλείας. τοῦ αντιλαμβάνεσθαι καὶ κυβερνᾶν τὸν λαὸν σου ἐν καθαρᾶ καρδία. ὃν τρόπον ἐπείδες ἐπὶ λαὸν ἐις λαὸν ἐκλογῆς σου. καὶ προσέταξας μωυσῆι αἱρήσασθαι πρεσβυτέρους οὓς ἐνεπλησας πν̄ς. καὶ νῦν κε̄, παράσχου ἀνελληπὲς τηρῶν ἐν ἡμῖν τὸ πν̄α τῆς χάριτος σου. ὅπως πλησθεὶς ἐνεργημάτων ἰατικῶν καὶ λόγου διδακτικοῦ. ἐν πραότητι παιδέυη τὸν λαόν σου καὶ δουλέυει σοι ἐιλικρινῶς ἐν καθαρᾶι δινοίαι л. 132 об. καὶ ψυχῆ θελούση. καὶ τὰς ὑπὲρ τοῦ λαοῦ σου ἱερουργίας ἀμώμους ἐκτελεῖν διὰ τοῦ χῦ σου. μεθ' οὗ σοι δόξα τιμὴ καὶ σέβας. καὶ τῶι ἁγίωι πν̄ι. ἐις τοὺς αἰῶνας ἀμήν.

Изъ постановленій Апостольскихъ XVII в. № 223. Моск. Сvнод. Библіотеки.

л. сн҃а. Ѿ хіротонии пресвvтерѡвъ зачиненіе їоанна любимагѡ ѿ гд҃а. Ѿ хіротонии же пресвvтерѡвъ азъ любимыи ѿ гд҃а зачинаю вамъ еп҃пѡмъ. Пресвvтера хіротонисꙋа ѿ епіскопе. рꙋкꙋ на главꙋ налагаи самъ, пресвvтерствꙋ предстоѧщꙋ тебѣ, и дїаконѡмъ, и молѧсѧ гли. Гд҃и вседержителю бж҃е нашъ чрезъ хр҃та всѧческаѧ содѣтелствовавыи, и чрез того ѡ всѣхъ промышлѧѧи подобнѡ. емꙋ же во сила разнаѧ. сотворити, семꙋ сила и разнѡ промышлѧти. ради бо тогѡ бж҃е промышлѧеши ѡ безсмертныхъ ꙋвѡ, храненіемъ единѣмъ. ѡ смертныхъ же преемствомъ. ѡ дш҃и попеченїемъ и тщаніемъ законѡвъ, ѡ тѣвѣ восполнениемъ потребы. самъ ꙋбѡ и нн҃ѣ призри на ст҃ꙋю твою црк҃вь, и возрасти тꙋю, и ꙋмножи в тѣи предстоѧщиѧ. и даждь силꙋ во еже трꙋждатисѧ тымъ словомъ и дѣломъ к созданіе люда твоегѡ. самъ и нн҃ѣ призри на раба твоего сего. избраніемъ и сꙋдомъ клира всегѡ к пресвvтерство вдавшагосѧ: и наполни его дх҃омъ бл҃годати и совѣта, еже разꙋмѣти и правити людъ твои к чистомъ ср҃цѣ. ꙗко же призрѣлъ еси на людъ избраниѧ твоегѡ, повелѣлъ еси ꙗкѡ избрати пресвvтеры ꙗже наполнилъ еси дх҃а. и нн҃ѣ гд҃и подаждь неѡскꙋденъ хранѧи в насъ дх҃ъ бл҃годати твоеѧ. ꙗкѡ да исполниксѧ дѣиствъ врачительныхъ и слова ꙋчительнагѡ к кротости наказꙋетъ людъ твои. и работаетъ тебѣ искреннѡ въ чт҇омъ помышлении и дш҃ею хотѧщею. и сꙋщаѧ ѡ людѣ св҃щеннодѣиствїѧ непорочнаѧ совершаетъ чрезъ хр҃та твоегѡ. с ним же тебѣ слава честь и поклоненіе и ст҃омꙋ дх҃ꙋ въ вѣкы аминъ.

Περὶ χειροτονίας διακόνων, ἐγὼ φίλιππος διατάσσομαι:·

Διάκονον καταστήσεις ὦ ἐπίσκοπε. ἐπιθεὶς αὐτῶι τὰς χεῖρας. παρεστῶτος σοι παντὸς τοῦ πρεσβυτερίου καὶ τῶν διακόνων καὶ ἐπευξάμενος ἐρεῖς:·

Ὠ хиротонии дiаконовъ филиппа ҳаѵнение. Ѡ хиротонии же дiаконовъ азъ филиппъ ҳаѵнию (наполѣ: ҳакѣщакаю). Дiакона поставиши ѡ епiе наложивъ на того рѹкы. предстоаще тебѣ всемѹ пресвѵтерствѹ и дiаконѡмъ, и примолася возглеши.

Εὐχή. Ὁ θς̄ ὁ παντοκράτωρ. ὁ ἀληθινὸς καὶ ἀψευδής. ὁ πλουτῶν εἰς πάντας τοὺς ἐπικαλουμένους σε ἐν ἀληθεία. ὁ φοβερὸς ἐν βουλαῖς, ὁ σοφὸς ἐν διανοία. ὁ κραταιὸς καὶ μέγας. εἰσακουσον προσευχῆς ἡμῶν κε̄. καὶ ἐνώτισαι τὴν δέησιν ἡμῶν καὶ ἐπίφανον τὸ πρόσωπόν σου ἐπὶ τὸν δοῦλον σου τόν δε. τὸν προχειριζόμενον εἰς διακονίαν. καὶ πνῆσσον αὐτὸν πν̄ς καὶ δυνάμεως. ὡς ἔπλησας στέφανον τὸν μάρτυρα καὶ μιμητὴν τῶν παθημάτων τοῦ χῦ σου. καὶ καταξίωσον αὐτὸν, εὐχαρίστως λειτουργήσαντα τὴν ἐγχειρισθεῖσαν αὐτῶι διακονίαν. ἀτρεπτως. ἀμέμπτως ἀνεγκλήτως. μείζονος ἀξιωθῆναι βαθμοῦ διὰ τῆς μεσιτείας τοῦ μονογενοῦ σου υἱοῦ. μετ᾽ οὗ σοι δόξα τιμὴ καὶ σέβας. καὶ τῶι ἁγίωι. πν̄ι, εἰς τοὺς αἰῶνας ἀμήν.

Призванiе хiротонiи дiаконскiа.

Бг̃ъ вседержитель, истинныи и нелживыи, богатаи въ всѣхъ призывающыа та въ истинѣ, страшенъ в совѣтѣхъ, мѹдръ мыслю, крѣпокъ и велйкъ. ѹслыши мл̃твѹ нашѹ гд̃и, и внѹши моленiе наше, и просвѣти лице твое. на раба твоего имркъ, прорѹчествѹемаго тебѣ в слѹженiе. и наполни того дх̃а ст̃аго и силы, ꙗкоже наполнилъ еси стефана свидѣтела и подражателa страданiихъ хр̃та твоегѡ. и сподоби того бл̃гоѹгоднѡ слѹжившаго врѹченое томѹ слѹженiе не вращнѡ, непорочнѡ, непоквинѡ, болшагѡ сподобитися степенiе чрез средство единороднагѡ твоего сн̃а, съ нимже тебѣ слава честь и поклоненiе, и ст̃омѹ дх̃ѹ, во вѣки аминъ.

л. 147 об. Ἱππολύτου ἐπισκόπου ῥώμης. καὶ δωροθέου ἐπισκόπου τύρου καὶ ἱερομάρτυρος περὶ τῶν μαθητῶν τοῦ κῦ. ὅπου ἕκαστος αὐτῶν ἐκήρυξε τὸ εὐαγγέλιον τοῦ χῦ. καὶ ἐτελειώθη ·:·

α̅. Πέτρος οὗτος ἐκήρυξεν ἐν γαλιλαία, καὶ ἐν τοῖς μεσογείοις πόντου. καὶ γαλάταις, καὶ ασιας καὶ βιθυνίας. καὶ ῥώμης ἔνθα. καὶ ἐστρώθη ὑπὸ ἀγρίππα πρεφέκτου ἐν χρόνοις νερωνος βασιλεως ῥωμαΐων.

β΄. Παῦλος οὗτος ἐκήρυξεν ἀπὸ ἱερουσαλὴμ ἕως τοῦ ἰλλυρικοῦ. καὶ ἰταλίας. καὶ ἰσπανίας μέχρι ῥώμης. ἔνθα καὶ τὴν κεφαλὴν ε... π.... ὑπὸ τῶν αὐτῶν ἀσεβῶν ἀρχόντων κηρυξας τὴν εὐσεβῆ πίστιν τῆς ἀνθρωπότιτος ἐν ετεσι λε̄. ἐτελειώθ δὲ μετα πέτρου ἐν τῆ εἰρημένη πόλει ῥωμη.

γ̄. Ιακωβος ὁ τοῦ ζεβεδαίου. οὗτος ταῖς ιβ̄. φυλαῖς τοῦ Ιη̄λ ταῖς ἐν τῆι διασπορᾶ. εὐαγγελίσαμενος τὸν χν̄, ἀναιρεῖται μαχαίρα. ὑπὸ ἡρώδου. τοῦ τετράρχου.

Iаковъ ҳеведеѡвъ, братъ ïѡ҃ана ев҃алиста. проповѣда хаˆ по всей ïоудеи. ѡ ирода же агрипа поудеиска благодерзнѹтiа ра̂ посѣченъ бы̂ мече̂ скончася, и тѹ погребенъ бы̂:·

л. 148. δ̄. Ιωαν̄νης ὁ ἀδελφὸς αὐτοῦ. οὗτος τῆι ἀσήα κηρύσσων ὑπὸ δομετεανοῦ βασιλέως ῥώμης, ἐξωρίσθη ἐν πάτμωι τῆι νήσω. ἔνθα καὶ συγράψατο τὸ εὐαγγέλιον αὐτοῦ. ἐν τοῖς χρόνοις τραϊανοῦ ὅπου καὶ τὴν ἀποκάλυψιν ἐθεάσατο. ἐτέθη δὲ ἐν ἐφέσωι μετάρσιος γεγονώς. διὸ καὶ ὁ λόγος. κεκράτηκε. σὺν τῶι ἐνὼχ καὶ ἠλία ἔτι ἐν σαρκὶ αὐτὸν ὑπάρχειν.

Ïѡ҃анъ, бл̃говѣстникъ и бл̃гословъ. братъ ïаковль, вьзлегыи на персѣ хвѣхъ, во асïи хаˆ проповѣда. ѿ трояна же цр̂а рiмска, ҳаточенъ бывъ, въ патоскыи ѡстровъ словеси ра̂ гн̂а, и тамѡ написа еѵ̂лiе еже ѿ ïѡ҃ана. и многа множества хѹ̂ приведе. и въ ҳвратися въ ефесъ. и тѹ жива се во погребе волею бж̃iею. лѣ̂ сы. рн̃ı.

ε̄. Ἀνδρέας ὁ ἀδελφὸς πέτρου. οὗτος ἐκήρυξεν πάση τῆι παραλίω. βιθυνίας τὲ καὶ πόντου θράκης καὶ σκυθίας. μετέπειτα δὲ. ἐπορεύθη ἐν σεβαστουπόλει τῆι μεγάλη. ὅπου παρεμβάλλει ψάρος καὶ φάσις ποταμός. οὗ ἐσώτερον οἱ αἰθιόπες οἰκοῦσιν. ἔπειτα ἐν πάτραις τῆς ἀχαίας. καὶ ἐστρώθη ὑπὸ αἰγεάτου ἀνθυπάτου. καὶ ἐτέθη ἐν πάτραις τῆς ἑλλάδος. μετετέθη. ἐν κωνσταντινου πόλει μετὰ λουκᾶ. τοῦ εὐαγγελίστου καὶ τιμοθέου.

Андрѣа первозванныи братъ петровъ, проповѣда хаˆ, витиниïи, поитѹ, и армении, скиѳо̂, сьгiано̂. и горсино̂, и в севастополи велицѣ̂. идеже е̂ полкъ асварови. и силы мины. и ѳась рѣка. идеже живоу мѹры. и сьше̂ да же до елады, и в патре̂ ахаискы̂ на кр̃тѣ распатъ бы. ѿ егоита цр̂а натарьскаго. скончася тѹ и погребенъ бы̂:·

ѕ҃. Φίλιππος. οὗτος εν φρυγία ἐκήρυξε τὸν χν̄. καὶ ἐστρ̄ώθη ἐν ἱεραπολει τῆς ἀσίας ἔνθα και ἐτέθη.

Филипъ же апл҃ъ и тои бѣ ѿ виѳсаиды галилеискыа, съгражанинъ же андреевъ и петровъ. и҃ во асїи и ераполи съ маріаминною сестрою своею. и варъѳоломѣемъ х҃а проповѣдавъ. ѿ еллинъ распа҃ скончася.

ζ҃. Βαρθολομαῖος. οὗτος τοῖς εὐδοῖς τοῖς καλουμένοις εὐδαίμοσι. κηρύξας τὸν χν̄ καὶ δεδωκὼς αὐ τοῖς τὸ κατὰ ματθαῖον εὐαγγέλιον. τέθαπται ἐν ουρβανουπόλει τὴν κεφαλὴν ἀποτμηθείς. πρὸ τῆς σφαγῆς ἐκδαρθεὶς ὥσπερ φύλαξ.

Варѳоломѣи, иже во индїи нарицаемѣи, евдемоном проповѣда еу҃аліе хв҃о, почи въ алванїнсц҃ѣ градѣ въ велицѣи арменіи. и тѹ погребенъ бы҃.

л. 148 об. н҃. Θωμᾶς. οὗτος ἐκή... πάρθοις καὶ μήδοις. καὶ γερμανοῖς. καὶ ὑρκανοῖς. τελειοῦται δὲ λογχευθεὶς. ἐν πόλει τῆς ἰνδίας. καλαμίτη λεγομενη. κεῖται δὲ ἐν ἐδέση τῆς ὀσδρόνης.

Ѳома апл҃ъ близнець бѣ оуко ѿ панїанїада града галилеискаа иже патро҃ и мидомъ, персано҃ же и индїано҃ и германо҃. бж҃іе слово проповѣдавъ, и ѡни҃ копии сводєнъ бы скончася и погребенъ въ градѣ калаиндьстѣмъ.

ѳ҃. Ματθαῖος ο τελώνης. οὗτος τῆι ἑβραΐδι γλώσσῃ τὸ εὐαγγέλιον αὐτοῦ συνεγράψατο πρῶτος ἐν Ιλῆμ. ἡρμηνεύθη δὲ τῆ ἑλληνικῆ γλώσσῃ. ὑπὸ ἰωάννου τοῦ ζεβεδαίου οὗτος κηρύξας τὸν χν̄ ἐν ἱεραπόλει τῆς συρίας πυρὶ τελειοῦται.

Матѳеи же еу҃аглистъ бѣ ѿ ї҆ер҃лма. и тѹ написа еу҃аліе гн҃е еврѣиски҃ ѩзыко҃. и прииписа ст҃ы апл҃о. приложені е іаковъ братъ гн҃ь въ гречьскыи ѩзыкъ почи же въ ераполи х҃а проповѣдавъ. тоу и погребенъ повержєнъ гонителн:·

і҃. Ἰούδας ἰακώβου. οὗτος ἐν πάσῃ τῆι μεσοποταμίαι κηρύξας τὸν χν̄, ὑπὸ ἰουδαίων ἀναιρεῖται λίθους. κεῖται δὲ ἐν ἐδέσῃ τῆ πόλει.

Ї҆оуда братъ гн҃ь. и симеѡнъ братѹчадо его. тои въ месопотамїи. и в самарїи и во всеи ї҆оудеи проповѣда х҃а. послѣди ѿ невѣрны҃ повѣшенъ на древѣ. и ѿ ни҃ сътрѣлянъ скончася:·

іа҃. Θαδδαῖος ὁ χεβαῖος καὶ ἰούδας, οὗτος ἐν δε σινοῖς ἐκήρυξε. τέθαπται δὲ ὀστρακινῃ τῆι πόλει τῆς αἰγύπτου στρ̄ωθείς.

ιβ҃. Ἰακ῀ωβος. οὗτος ἦν ἀδελφὸς τοῦ κῡ κατὰ σάρκα. καθίσταται δὲ πρῶτος ἐπίσκοπος ἐν ἱερουσαλὺμ. οὗτος ἐμαρτύρησε καταβληθεὶς ὑπὸ ἀνόμων ἀνδρ̄ων ἐκτοσ̄ παναγίου τοῦ ναοῦ τοῦ ἐν ἱερουσαλὴμ. κειμένου αὐτοῦ. κάτω καὶ ἔτι ζῶντος γναφεὺς ἀνειλεν αὐτὸν. πατάξας τῶι ξύλωι, μεθ' οὗ ἐβάσταζε τὰ ἱμάτια καὶ ἐπορέυετο ἀποπλυναι αὐτά.

Иаковъ алъѳеевъ. иже и братъ матѳеевъ, то҃и ѩзыко҃ х҃а проповѣдавъ. и братъ гн҃ь нарицаемъ бывъ. иже и первыи҃ въ ї҆ер҃лимѣ поставленъ бы еп҃ъ. въ проповѣданїю подвигся, и ненаказаныѧ наказѹѧ и ѡблича. на кр҃тѣ ѿ ї҆оудеи҃ повѣшенъ сконч҃а. и бг҃ѹ дх҃ъ предасть, и тѹ погребе҃ бы҃.

ιγ҃. Σίμων ὁ κανανίτης ὁ ζηλωτής. οὗτος ἐκήρυξε πάσηι τῆι βρετανία. καὶ τῆι τῶν ἀφρῶν л. 149. χώρα. μετέπειτα δὲ ἐν τῆ ἰουδαία, καθίσταται εν σιὼν ἐπίσκοπος. μετὰ ἰάκωβον τὸν δίκαιον., τὸν ἀδελφὸν κῡ. ὅστις ζήσας ἔθη ρκε, ἐμαρτύρησε στρ̄ωθεὶς ἐπὶ ἀδριανοῦ βασιλέως ῥώμης.

Симонъ ҁилотъ, иже ѿканы галилеискыѧ. иже въ ї҆ѡанновѣ бл҃говѣстїи, наѳанаилъ тои. всю мавританїю. и афроньскѹю странѹ проше҃. таже въ бретанїи дошѐ. и х҃а проповѣдавъ. распятъ скончася:

ιδ҃. Ματθίας δὲ. οὗτος ἐν τῆι ἰουδαία ἐκήρυξεν τὸν λόγον. εἷς ὢν ἐκ τῶν ἑβδομικώντα μαθητῶν μετὰ τὴν τοῦ κῡ ἀνάστασιν συγκαταριθμηθεὶς τοῖς ια҃. ἀποστόλοις, ἀντὶ ἰούδα. ὅς καὶ ἐν τῆι πρώτηι αἰθιωπια κηρύξας τὸν χν̄. τελειοῦται καὶ τέθαπται ἐκεῖ

Матѳїа же вмѣсто ї҆оуды предателѧ причтенъ ко апл҃омь. въ еѳиѡпїи проповѣда х҃а. и многыми мѹками ѿ нихъ оудрѹченъ бг҃оу дх҃ъ предасть:·

ιε҃. Λουκᾶς ὁ εὐαγγελιστῆς. οὗτος σὺν τῶι παύλωι ἐκοπίασεν ἐν τῶι εὐαγγελίωι τοῦ χῡ. ὅστις τὸ εὐαγγέλιον αὐτοῦ. καὶ τὰς πράξεις τῶν ἀποστόλων ἔγραψαι θεοφίλωι ἐπισκόπωι ἀντιοχείας τῆς μεγάλης. οὗτος ἐστιν οὗ μεμνηται παῦλος ἐν ταῖς ἐπιστολαῖς αὐτῶ λέγων. συνέπεμψα δὲ μετὰ τούτων, τὸν ἀδελφὸν οὗ ὁ ἔπαινος ἐν τῶι εὐαγγελίωι. καὶ πάλιν ἀσπαζεται ὑμᾶς λουκᾶς ὁ ἰατρός.

ιѕ҃. Μάρκος ὁ εὐαγγελιστης. οὗτος ἐν τῆι αἰγύπτωι ταῖς ιβ҃. φυλαῖς ταῖς ἐν τῆι διασποραῖ. κηρύσσων τὴν πίστιν καθίσταται ἐπίσκοπος ἐν ἀλεξανδρεία τῆι μεγάλη. ὅς και τὸ εὐαγγέλιον συνέγραψε. ὥσπερ πέτρος ὁ ἀπόστολος αὐτῶι ὑφηγήσατο. ὃν καὶ νῦν ὀνομάζει ἐν τῆ ἐπιστολῆι л. 149 об. αὐτοῦ ὁ πέτρος οὕτως λεγων. ἀσπαζεται ὑμᾶς μάρκος ὁ υἱός μου.

῾Ο μὲν φίλιππος ὁ ἀπὸ βηθσαιδὰ, κεῖται ἐν ἱεράπολει, ὅπου καὶ ἐστρώθη. ὁ δὲ εἰς τὸ ἑβδομήκοντα φίλιππος εἷς ὢν ἐκ των ἑπτὰ διακόνων. ὁ καὶ τὸν κανδάκην βαπτίσας θυγατέρας ἔσχεν τεσσαρας. καὶ κεῖται ἐν γράλη τῆς ἀσίας μετὰ καὶ τῶν θυγατέρων αὐτοῦ ὕστερον δὲ μετετέθησαν.

л. 71 об. изъ 4-й книги Апостольскихъ постановленій.

Χρὴ δὲ τὸν ἐπίσκοπον εἰδέναι. τίνων ὀφείλει δέχεσθαι καρποφορίας, καὶ τίνων οὐκ ὀφείλει. φυλακτέοι γὰρ αὐτῶι πρὸς δόσιν, κάπηλοι. οὐ δικαιωθήσεται γὰρ, καίπηλος ἀπὸ ἁμαρτίας. περὶ αὐτῶν γάρπου. καὶ ἠσαίας ὀνειδίζων τὸν ᾽Ιη̅λ ἔλεγεν. οἱ κάπηλοί σου μίσγουσι τὸν οἶνον ὕδατι. л. 72. φευκτέοι δε αὐτῶι, καὶ πόρνοι. οὐ προσοίσεις γὰρ τῶι κω̅ι, μίσθωμα πόρνης: καὶ ἅρπαγες. καὶ μοιχοί. καὶ τῶν ἀλλοτρίων ἐπιθυμιταί. βδελυκταὶ γὰρ αἱ τούτων θυσίαι. τῶι θω̅ι. αλλὰ καὶ οἱ ἐκθλίβοντες χήρας. καὶ ὀρφανοὺς καταδυναστέυοντες. καὶ τὰς φυλακὰς πληροῦντες ἀναιτίων. ἢ καὶ τοῖς ἑαυτῶν οἰκέταις πονηρῶς χρώμενοι πληγαῖς φημὶ καὶ λιμῶι, καὶ κακοδουλείᾳ. οἳ καὶ πόλεις ὅλας λυμαινόμενοι, φευκτέοι ἔστωσάν σοι ὦ ἐπίσκοπε. καὶ γὰρ αἱ τούτων προσφοραὶ, μυσαραί. παραιτοῦ δὲ καὶ ῥαδιουργούς καὶ ῥήτορας, ἀδικίᾳ συναγωνιζομένους. καὶ εἰδωλυποιούς. καὶ κλέπτας, καὶ τελώνας ἀδίκους. ζυγοκρούστας καὶ δολομέτρας. καὶ στρατιώτην συκοφάντην, τὸν μὴ ἀρκούμενον τοῖς ὀψωνίοις ἀλλὰ τοὺς πένητας διασειοντα. φονέα τὲ καὶ δήμιον. καὶ δικαστὴν παράνομον. πραγμάτων ἀνατροπέαν. ἀν̅ων ἐπίβολον. μιαρὸν ἐργάτην. μέθυσον. βλάσφημον. κίναιδον. τοκογλόφον. καὶ παντὸς ἑτέρου πονηροῦ, καὶ τῆι γνώμηι τοῦ θ̅υ̅ διαμαχομένου βδελλυκτοὺς εἶναι λέγει ἡ γραφὴ παρὰ θω̅ι πάντας τοὺς τοιούτους. οἱ γὰρ παρὰ τοιούτων δεχόμενοι. καὶ τρέφοντες χήρας καὶ ὀρφανοὺς, ὑπεύθυνοι τῶι τοῦ θ̅υ̅ κριτηρίωι γενήσονται л. 72 об. ὥσπερ καὶ αδω̅νίας. ὁ ἐν τοῖς βασιλείαις προφήτης. παρακούσας θ̅υ̅ και φαγὼν ἄρτον και πιὼν ὕδωρ ἐν τῶι τόπωι. ὅ ἀπεῖπεν αὐτῶι κ̅ς̅. διὰ τὴν τοῦ ἱεροβοα̅μ ἀσέβειαν. καὶ ὑπὸ λέοντος ἀναιρεθείς. ὁ γὰρ ἐκ κόπου διακονούμενος ἄρτος χήραις δικαίος μᾶλλον ἤ κἂν βραχὺς καὶ ὀλίγος, ἢ ὁ ἐξ ἀδικίας καὶ συκοφαντίας κἂν πολὺς. ἢ καὶ ἐξησκημενος. λέγει γὰρ ἡ γραφὴ. κρεῖσσον ὀλίγον τῶι δικαίωι, ὑπὲρ πλουτον ἁμαρτωλῶν πολύν. ει δὲ καὶ ἐξ ἀσεβῶν φανοῦσα χήρα καὶ ἐμπλησθεῖσα προσευξεται ὑπὲρ αὐτῶν, οὐκ εἰσακουσθήσεται. ὅτι ὁ καρδιογνώστης θ̅ς̅, μετὰ κρίσεως ἀπεφήνατο περὶ τῶν ἀσερῶν λέγων. ἐὰν στῆι μωϋσῆς καὶ ἀαρὼν πρὸ προσώπου μου ὑπὲρ αὐτῶν, οὐκ εἰσακούσομαι αὐτῶν. καὶ σὺ, μὴ προσεύχου περὶ τοῦ λαοῦ τούτου. καὶ μὴ ἀξιοῦ, ἐλεηθῆναι αὐτοὺς. και μὴ προσέλθης μοι περὶ αὐτῶν, ὅτι οὐκ εἰσακούσομαι σου. Οὐ μὴν δὲ ἀλλὰ καὶ οἱ ἐν ἁμαρτίαις γενόμενοι καὶ μεταγνόντες, οὐ μόνον οὐκ εἰσακουσθήσονται προσευχόμενοι, ἀλλὰ καὶ τὸν θ̅ν̅ παροξύνουσιν ὑπομιμνήσκοντες αὐτὸν, τῆς ἑαυτῶ μοχθηρίας περὶ ῞ἵστασθε οὖν τὰς τοιαύτας διακονίας, ὡς ἄλλαγμα κυνὸς, καὶ μίσθωμα πόρνης. ἑκάτερα γὰρ τοῖς νόμοις ἀπηγόρευ-

Изъ постановленій Апостольскихъ. № 223 Син. Библ. л. 119. гл. 5.

Требствуетъ же еп҃пу вѣдѣти вїихъ должествуетъ прїимати плодоприношенія, и вїихъ не доженствуетъ. хранителнїи бо тому въ данїю корчемници. не ѡправдится бо корчемникъ ѡ грѣсѣ. ѡ сихъ бо нѣгдѣ исаїя. поношая ісраилю г҃лаше. корчемници твои мѣшаютъ вино водѣ. ѿбѣгателни же тому и блудницы: не внесеши бо г҃ду наима блудницы. и хищница и чюждихъ пожелателе, и прелюбодѣи. и мерзостны бо сихъ жертвы у б҃га: но и ѡскорбляющїи вдову, и сироту насилствующе, и хранила наполняющїи не винныхъ, или и своя рабы лукавнѡ ѡзлобляюще, язвами г҃лю, и гладомъ и злоработою: или и грады вся губящїи, бѣгателни да будутъ тебѣ ѡ еп҃пе: и сихъ приношенія мерзка. ѿречени бо и удобокoварныя, и ритѡры неправдѣ способствующыя, и ідѡлотворящыя. и крадежники, и мытари неправедныя. и вѣсокрушителни, лестномѣрителни. и воина клеветника недовольствующа ѡброкы. но убогыя потрясающа, убїицу же и вудерма, и судїю пребеззаконнагѡ, вещей истрошителя. ч҃лвкѡвъ навѣтника, скверну дѣлателя. пїаницу, вредословца. безстуднаго. лихвителя. и всякаго яко лико лукаваго. и разуму б҃жїю противящяся. яко г҃летъ писанїе, мерзостны быти ѿ б҃га вся таковыя. ѿ сихъ бо прїемлющїи, и питающїи вдовы и сироты повинни судилищу б҃жїю будутъ. яко же и адонїя иже в ц҃ртвїихъ пр҃ркъ преслушавыи б҃га, и ядыи хлѣбъ и пивыи воду в мѣстѣ, к немже ѿрече ему г҃дь, рода ієровоамова нечестїя, ѿ лва поражень. ѿ труда бо служимыи хлѣбъ вдовамъ, праведенъ паче аще и малъ будетъ и дробень, неже ѿ неправды и клеветы (на полѣ: о б и д ы). аще и многъ будетъ и обученъ, г҃летъ бо писанїе лучше малѡ праведнику, паче богатства грѣшныхъ многа. аще же и ѿ нечестивыхъ ядущи вдова, и насытившися помолится ѡ нихъ, не услышится: зане ср҃цевѣдецъ б҃гъ съ судомъ ѿвѣща ѡ нечестивыхъ г҃ля: аще станутъ мѡисѝ и самуилъ пред лицемъ моимъ о нихъ, не послушаю ихъ: и ты не молися ѡ людѣ семъ, и не проси помиловатися имъ: и не приходи къ мнѣ ѡ нихъ, за не не послушаютъ тя. Глава 6. Не убѡ же но и въ грѣсѣхъ бывшїи, и не покаявшїися не токмѡ не услышатся молящеся, но и б҃га раздражаютъ, подномнающе ему свою злобу. бѣгайте убѡ таковыхъ служеніи. яко измѣненїя пса, и наима блудници. обоя бо законами ѿрекошася. иже бо елиссеи ѿ азаилa приносенная прїя:

ται. л. 73. οὔτε γὰρ ὁ Ἐλισσαῖος, τὰ παρὰ τοῦ ἀζαῆλ προσκομισθέντα ἐδέξατο. οὔτο ἀχίας τὰ παρὰ τοῦ ἱεροβοάμ. εἰδὲ οἱ τοῦ θῡ προφῆται. τὰ παρὰ τῶν ἀσεβῶν οὐ προσήκαντο ξένια. δίκαιον μὴ δὲ ὑμεῖς ὦ ἐπίσκοποι. ἀλλὰ καὶ σίμων ὁ μάγος. ἐμοὶ πέτρωι καὶ Ἰωάννῃ χρήματα προσενεγκών, ἐπειρατο ὠνητὴν τὴν ἀτίμητον χάριν λήψεσθαι. ἅπερ οὐ προσηκάμενοι, ἀραῖς αἰωνίοις αὐτὸν ἐδησάμεθα ὅτι τὴν δωρεὰν τοῦ θῡ, οὐκ εὐνοίᾳ. τῆι πρὸς τὸν θν̄ ἀλλὰ χρημάτων ἐν ἀλλαγῇ γῆ ἐνόμησε κτήσασθαι. φεύγετε οὖν τὰς δυσσυνειδήτους εἰς τὸ θυσιαστήριον τοῦ θῡ εἰσφορᾶς ἄπεχε γὰρ φησιν ἀπὸ ἀδίκου, καὶ οὐ φοβηθήσει. καὶ τρόμος οὐκ ἐγγιεῖ σοι:

ниже ахїа иже їеровоама. аще же бж҃їи прр҃ци иже ѿ нечестивыхъ не прїимаша даровъ праведнѡ ниже вамъ ѡ еп҃пи. но и сімонъ волхвъ мнѣ петрꙋ и іѡаннꙋ имѣнія принесъ покꙋшашеся цѣною безцѣннꙋю бл҃гть прїяти: ихже не прїемше, клятвами вѣчными того сказахомъ: зане даръ бж҃їи не бл҃гоꙋмїемъ сꙋщимъ к бг҃ꙋ, но имѣнїи премѣненїемъ возмнѣ стяжати. бѣжите ꙋбо злосовѣстныхъ на жертвенникъ бж҃їи вношенїи. ѡшанся бо, гл҃етъ ѿ неправды и не ꙋбоишися: и трепетъ не приближится къ тебѣ.

л. 120 об. Изъ Седмой книги.

ά. Τοῦ νομοθέτου μωϋσέως εἰρηκότος τοῖς ἰσραηλίταις. ἰδοὺ δέδωκα προ προσώπου ὑμῶν τὴν ὁδὸν τὴν ζωῆς καὶ τὴν ὁδὸν τοῦ θανάτου καὶ ἐπιφέροντος. ἔκλεξαι τὴν ζωὴν, ἵνα ζήσῃς. καὶ τοῦ προφήτου ἠλία λέγοντος τῶι λαῶι ἕως πότε χωλανῆτε ἐπ ἀμφοτέραις ταῖς ἠγνύαις ὑμῶν. εἰ θς̄ ἐστι κς̄, πορευεσθε ὀπίσω αὐτοῦ. εἰκότως ἔλεγε καὶ ὁ κς̄ ἰς̄. οὐδεὶς δύναται δυσὶ κυρίοις δουλεύειν. ἢ γὰρ τὸν ἕνα μισήσει καὶ τὸν ἕτερον ἀγαπήσει ἢ ἑνὸς ἀνθέξεται. καὶ τοῦ ἑτέρου καταφρονήσει:

Л. 190 об. Законоположникꙋ мѡѷсею рекшꙋ їсраилїтяномъ, се дахъ пред лицемъ вашимъ пꙋть жизни и пꙋть смерти, и наносащꙋ, избери жизнь, да поживеши. и прр҃кꙋ илїи гл҃ющꙋ к людемъ, доколѣ храмлете на обѣ бедры ваши. аще бг҃ъ есть гдь, грядите за нимъ, лѣпо гл҃аше и гдь іс҃ъ. никто же можетъ двѡмъ гд҃емъ работати, или единаго бо возненавидитъ, а дрꙋгаго возлюбитъ. или единаго придержится, и дрꙋгаго презритъ.

Περὶ φυσικῆς ὁδοῦ καὶ ἐπεισάκτου. καὶ ὅτι ἡ μὲν ἐκ θῡ τῆς ζωῆς. ἡ δὲ, ἐκ τροπῆς. κατεπιβουλὴν τοῦ ἀλλοτρίου τοῦ θανάτου:

β̄. Ἀναγκαίως καὶ ἡμεῖς ἑπόμενοι τῶ διδασκάλω χῶι. ὅς ἐστι σρ̄ πάντων ανω̄ν. μάλιστα πιστῶν. φαμὲν. ὡς δύο ὁδοὶ εἰσιν. μία τῆς ζωῆς καὶ μία τοῦ л. 121. θανάτου. οὐδὲ μίαν δὲ σύγκρισιν ἔχουσι πρὸς ἑαυτὰς πολὺ γὰρ τὸ διάφορον μᾶλλον δὲ πάντη κεχωρισμέναι τυγχάνουσι. καὶ φυσικῆ μέν ἐστιν ἡ τῆς ζωῆς ὁδὸς. ἐπείσατκος δὲ ἡ τοῦ θανάτου. οὐ τοῦ καταγνώμην θῡ ὑπάρξαντος, ἀλλὰ τοῦ ἐξεπιβουλῆς τοῦ ἀλλοτρίου. πρώτη οὖν τυγχάνει ἡ ὁδὸς τῆς ζωῆς καὶ ἔστιν αὕτη ἣν καὶ ὁ νόμος διαγορεύει. ἀγαπᾶν κν̄ τὸν θν̄. ἐξ ὅλης τῆς καρδίας καὶ ἐξόλης τῆς ψυχῆς. τὸν ἕνα καὶ μόνον παρ ὃν ἄλλος οὐκ ἔστιν. καὶ τὸν πλήσιον ὡς ἑαυτὸν καὶ πᾶν ὃ μὴ θέλῃς γενεσθαι σοι. τοῦτο ἄλλω οὐ ποιήσεις τουτέστιν. ὃν σὺ μισεῖς ἄλλω οὐ ποιήσεις εὐλογεῖτε τοὺς καταρωμένους ἡμᾶς. προσευχεσθε ὑπὲρ τῶν ἐπηρεαζόντων ὑμᾶς. ἀγαπᾶτε τοὺς ἐχθροὺς ὑμῶν. ποῖα γὰρ ὑμῖν χάρις ἐὰν φιλεῖτε τοὺς φιλοῦντας ὑμᾶς. καὶ γὰρ οἱ ἐθνικοὶ τοῦτο ποιοῦσιν. ὑμεῖς δὲ φιλεῖτε τοὺς μισοῦντας ὑμᾶς καὶ ἐχθρὸν οὐχ ἕξετε. οὐ μισήσεις γὰρ φησι. πάντα ἄν̄ον. οὐκ αἰγύπτιον. οὐκ ἰδουμαῖον. ἅπαντες γὰρ τοῦ εἰσὶν ἔργα. φεύγετε δὲ οὐ τὰς φύσεις ἀλλὰ τὰς γνώμας τῶν κακῶν. ἀπέχου τῶν σαρκικῶν καὶ κοσμικῶν ἐπιθυμιῶν. ἐάν τις οιδῶι ῥάπισμα, στρέψον αυτῶι καὶ τὴν ἄλλην. οὐ φαύλης οὔσης τῆς ἀμύνης. ἀλλὰ τιμωτέρας τῆς ἀνεξικακίας. λέγει γὰρ ὁ δᾱδ. εἰ ἀνταπέδωκα τοῖς ἀνταποδιδοῦσί л. 121 об. μοι κάκα. ἐὰν ἀγγαρεύσητε τίς μήλιον,

Нꙋждно и мы послѣдꙋюще ꙋч҃лю хр҃тꙋ иже есть сп҃съ всѣхъ ч҃лковъ, наипаче вѣрныхъ, гл҃емъ яко два пꙋти сꙋть, единъ жизни, и единъ смерти. никакова же сравнения имѣютъ к себѣ. много бо есть разнство, наипаче же всячески ѿлꙋчени сꙋть. и естественный ꙋбо есть жизни пꙋть. привведеныи же иже смерти, не по воли бж҃іеи бывша, но ѿ навѣта чꙋждагѡ. первыи ꙋбо есть пꙋть жизни. и есть сеи егоже и законъ завѣщаваетъ. любити гд҃а бг҃а из всего помысла и из всея дш҃и, единаго и токмѡ, кромѣ его же инъ не есть. и ближняго яко себе самаго. и всего еже не хощеши быти тебѣ, и ты сегѡ инномꙋ да не сътвориши. бл҃гословите проклинающыя вы. молитеся ѡ напастствꙋющихъ вы. любите враги ваша. кая бо вамъ бл҃годать, аще любите любащыя вы. ибо и языцыи сїе творятъ. вы же любите ненавиствꙋющыя вы, и врага не возимѣте. не возненавидиши бо гл҃етъ. всякаго ч҃лка ни егуптянина, ни їдꙋмеанина вси со сꙋть дѣла бж҃їа. бѣгаите же не естествъ, но мыслеи лꙋкавыхъ. ѿстꙋпи ѿ плотскихъ, и мїрскихъ похотеи. аще кто тебѣ дастъ ланитство въ деснꙋю челюсть, ѡбрати томꙋ и дрꙋгꙋю, не злѣи сꙋщеи мести, но ч҃тнїꙋ беззлобїю. гл҃етъ бо дв҃дъ: аще воздахъ воздающимъ ми зла. аще понꙋдитъ тя кто на поприще едино, иди с нимъ два. и хотя-

ὕπαγε μετ' αὐτοῦ δύο. καὶ τῷ θέλοντί σοι κριθῆναι καὶ τὸν χιτῶνα σου λαβεῖν. ἄφες αὐτῷ καὶ τὸ ἱμάτιον. καὶ ἀπὸ τοῦ αἴροντος τὰ σὰ μὴ ἀπαίτει. τῷ αἰτοῦντι σαι δίδου καὶ ἀπὸ τοῦ θέλοντος δανείσασθαι παρὰ σοῦ. μὴ ἀποκλήσεις τὴν χεῖρα. δίκαιος γὰρ ἀνὴρ, οἰκτείρει καὶ κιχρᾷ. πᾶσι γὰρ θέλει δόδοσθαι ὁ πὴρ ὁ τὸν ἥλιον αὐτοῦ ἀνατέλλων ἐπὶ πονηροὺς καὶ ἀγαθούς. καὶ τὸν ὑετὸν αὐτοῦ βρέχων, ἐπι δικαίους καὶ ἀδίκους. πᾶσι γὰρ δίκαιον διδῶναι ἐξ οἰκείων πόνων. τίμα γάρ φησιν τὸν κν̄, ἀπο σῶν δικαίων πόνων. προτιμιτεον δὲ τοὺς ἁγίους.

щемѹ с тобою сѫдитисѧ, и хітѡнъ твои вꙁѧти. ѡставии томѹ и іматіонъ. и ѿ вꙁемлющаго твоѧ, не истѧꙁѹи. просѧщемѹ тѧ даваи. и ѿ хотѧщаго ꙁаимствовати ѿ тебе не ꙁаключиши рѹки. праведенъ бо мѫжь щедрӥ и ꙁаимодаетъ. всѣмъ бо хощетъ даѧти оц҃ь, слн҃це свое воꙁсїавлѧи на ꙁлыѧ и бл҃гыѧ. и дождь свои ѡдождѧѧи на праведныѧ и неправедныѧ. всѣмъ ѹбо праведно даѧти ѿ своихъ трѹдѡвъ. чествѹи бо, глетъ, гд҃а, ѿ своихъ праведныхъ трѹдѡвъ. преднопчитателно же ст҃ыѧ.

Чтеніе и объясненіе снимка.

Τῷ συμπληρωτῇ τῶν καλῶν θῷ χάρις.

Запись писца: Ἐτελειώθη ἡ δέλτος αὕτη μηνὶ μαΐω α̅. ἰνδικτιωνος δ̅. ἔτους ϛχιθ̅. (1111 г.) ἐπὶ βασιλέως ἀλεξίου τοῦ κομνηνοῦ.

Θεοῦ δῶρον καὶ πόνος θεοδώρου μοναχοῦ...

Ἀρχὴ σὺν θῷ τῶν ἀποστολικῶν διατάξεων.

Αἱ τῶν ἁγίων ἀποστόλων διατάξεις.

Καθολικὴ διδασκαλία περὶ λαικῶν. βίβλιον α̅.

Οἱ ἀπόστολοι καὶ οἱ πρεσβύτεροι πᾶσι τοῖς ἐξ ἐθνῶν πιστεύσασιν ἐπὶ τὸν κν̄ Ιν̄ χν̄ χάρις ὑμῖν καὶ εἰρήνη.

Περὶ ἐπισκόπων πρεσβυτέρων καὶ διακόνων. Βίβλιον δεύτερον.

Περὶ δὲ τῶν ἐπισκόπων οὕτως ἠκούσαμεν παρὰ τοῦ κῦ ἡμῶν.

Διαταγαὶ τῶν ἁγίων ἀποστόλων διὰ Κλήμεντος ἀποσταλεῖσαι τοῖς ἔθνεσι. βίβλων. ζ̅.

Заставки и заглавныя буквы.

Скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: δίκαιον, αὐτοῦ.

Сокращенія и слова съ титлами: χειροτονεῖσθαι σημείωσαι οὐρανοῖς πνεύματος. Ἰησους χριστὸς.

Гласныя буквы въ связи съ другими: α., ἁγνός. ε., βαπτιζόμενοι. ἱερεῖς. ν., οὖν ἀξιωθῆναι. σ., ονομάσας. τ., βάπτισμα.

Въ дательномъ падежѣ іота написана не внизу, а рядомъ. τῷι. цифра ӥ съ титлами вверху и внизу и кривою чертою внизъ, означающая помѣту тетрадей.

Знаки вносныхъ мыслей. Слова разстановочныя написанныя на полѣ вдоль страницы. φοβερον.

Буква: ф. въ концѣ послѣдней строки съ длинною внизъ линіею.

II. Паремейникъ

Находится въ Московской Синод. Библіотекѣ подъ № 485-мъ.

Длина пергамина	$6^3/_8$	в.
Ширина	5	в.
Къ корешку	$^1/_2$	в.
Между столбцами	$^1/_2$	в.
Къ правой сторонѣ	$1^1/_2$	в.
Къ верху	$^3/_4$	в.
Къ низу	$1^1/_8$	в.

Пергаменъ довольно хорошо выдѣланъ.

Писано довольно крупною скорописью по нарѣзамъ въ два столбца на 183-хъ листахъ. Въ началѣ рукописи 17-ть листовъ, не вошедшихъ въ счетъ общій, приплетено изъ другихъ рукописей. На

2-мъ, 3. 4. 5. и 6. листѣ писано въ XIV в. по смытымъ и замасленымъ чернилам нѣсколько паремій. Прежде неизвѣстно что было написано. Какія буквы видны тѣ писаны уставомъ IX—X в. На 1-мъ и 7. листѣ писано въ XI в. поученіе какого-то святаго безъ начала и конца. Съ 8-го листа цѣлая тетрадь 24. изъ другаго паремейника XIV в. вплетена. На 16-мъ и 17-мъ листѣ писано на бомбицинѣ въ XIV вѣкѣ. Въ началѣ помѣченнаго вверху листа написано: Τῆς λαύρας τοῦ νοσοκομίω ἁγίου Νικολάω; Внизу; арсеній ꙗ҃а. Заставка и заглавныя нѣкоторыя буквы раскрашены синею, голубою, темно и свѣтло-зеленою, темно-малиновою, розовою и бѣлою красками. Заглавіе въ началѣ писано уставомъ твореннымъ золотомъ. Въ прочихъ мѣстахъ заглавія и заглавныя буквы писаны темно-розовою краскою, какою означены и древнія ноты. Тѣми же красками на 160. листѣ раскрашена заставка предъ чтеніемъ паремій въ день Благовѣщенія. Колеръ чернилъ темно-коричневый, мѣстами полиняли чернила. Число строкъ на страницѣ 22. Помѣта тетрадей внизу у корешка съ обоихъ сторонъ тетради.

Выписки изъ Подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ.

л. 1. Τῇ παραμονῇ τῆς χῦ γεννέσεως: ἀναγνωσμα λ. Γενέσεως.

Ἐι ἀρχῇ ἐποίησεν ὁ θς̄ τὸν ουρανὸν και τὴν γῆν. ἡ δε γῆ ἦν ἀορατος καὶ ἀκατασκευαστος, καὶ σκότος ἐπάνω τῆς ἀβύσσου καὶ πν̄α θῦ ἐπεφέρετο ἐπάνω τοῦ ὕδατος. καὶ εἶπεν ὁ θς̄. γενηθείτο φῶς. καὶ ἐγένετο φῶς. καὶ εἶδεν ὁ θς̄ τὸ φῶς ὅτι καλόν. β΄. καὶ διεχώρισεν ὁ θς̄ ἀναμέσον τοῦ φωτὸς, καὶ ἀναμέσον τοῦ σκότους. καὶ ἐκάλεσεν ὁ θς̄ τὸ φῶς ἡμέραν καὶ τὸ σκότος ἐκάλεσεν νύκτα. καὶ ἐγένετο ἐσπερὰ, καὶ ἐγένετο πρωῒ ἡμέρα μία. καὶ εἶπεν ὁ θς̄. γενηθήτο στερέωμα ἐν μεσο τοῦ ὕδατος. καὶ ἔστω διαχορίζον ἀναμεσον ὕδατος л. 1 об. ά καὶ ὕδατος. καὶ ἐγένετο οὕτως. καὶ ἐποίησεν ὁ θς̄ τὸ στερέωμα. καὶ διεχώρισεν ὁ θς̄ ἀναμέσον τοῦ ὕδατος ὅ ἦν ὑποκάτω τοῦ στερεώματος καί ἀναμέσον τοῦ ὕδατος τοῦ ἐπάνω τοῦ στερεώματος. καὶ ἐκάλεσεν ὁ θς̄ τὸ στερέωμα οὐν̄ὸν καὶ εἶδεν ὁ θς̄ ὅτι καλὸν καὶ ἐγένετο ἑσπέρα καὶ ἐγένετο πρωὶ ἡμέρα δευτέρα. καὶ ἔιπεν Ὁ θς̄ συναχθείτο τὸ ὕδωρ τὸ ὑποκάτω τῶ̄ οὐν̄οῦ ἐις συναγωγῆν μίαν, καὶ ὠφθείτο ἡ ζηρά. καὶ ἐγένετο οὕτως καὶ συνήχθη τὸ ὕδωρ. τὸ ὑπὸ κάτω τῶ̄ οὐν̄οῦ ἐις τὰς συναγωγὰς β΄. αὐτῶν καὶ ἐκάλεσεν ὁ θς̄ τὴν ξηρὰν γῆν καὶ τὰ συστήματα τῶν ὑδάτων ἐκάλεσεν θαλάσσας. καὶ ἴδεν ὁ θς̄ ὅτι καλὸν. καὶ εἶπεν Ὁ θς̄ βλαστήσατο ἡ γῆ βοτάνην χόρτου. σπείρων σπέρμα κατὰ γένος και καθ᾽ ὁμοιώτητα. καὶ ξύλον κάρπιμον ποιοῦν καρπὸν οὗ τὸ σπέρμα αὐτοῦ ἐν αὐτῶ κατὰ γένος ἐπὶ τῆς γῆς. καὶ εγένετο οὕτως καὶ ἐξήνεγκεν ἡ γῆ βοτάνην χόρτου σπείρων σπέρμα κατὸ γένος καὶ καθ᾽ ὁμοιώτητα ἐπι τῆς τῆς καὶ ξύλον κάρπιμον ποιοῦν καρπὸν οὗ τὸ л. 2 ά σπέρμα αὐτοῦ ἐν αὐτῶ. κατὰ γένος ἐπὶ τῆς γῆς. καὶ εἶδεν ὁ θς̄ ὅτι καλὸν. καὶ ἐγένετο ἑσπέρα καὶ ἐγένετο πρωῒ ἡμέρα τρίτη:

Изъ Трефолоя XV—XVI в. моего собранія въ листъ, л. 278 об.—280 б.

Въ начале сътвори бъ нбо и землю. землѧ же бѣ невидима, и неоукрашенѣ. и тма верхоу безны. и дхъ бжии ношашесѧ верхоу воды. и рече бъ да боуде свѣтъ и бы свѣтъ. и видѣ бъ свѣтъ ꙗко добро. и разлоучи бъ межю свѣтомъ и межю тмою. и наре бъ свѣтъ днь и тму нарече нощью. и бы вечеръ. и бы оутро днь единъ. и рече бъ да будеть твердь посреди воды и воды и бы тако. и сътвори бъ твердь. и разлоучи бъ посреди воды ꙗже бѣ по твердию и посреди воды ꙗже на твердию. и нарече бъ нбо и видѣ ꙗко добро. и бы вечеръ и бы оутро днь вторы. и рече бъ да сберетсѧ вода ꙗже по нбсемъ в сонмъ единъ. и да ꙗвить соуша и бы тако. и собрасѧ вода ꙗже по нбсемъ в сонмы своѧ. и ꙗвисѧ соуша и нарече бъ соушю землю. и сонмы водамъ нарече море. и видѣ бъ ꙗко добро и рече бъ да прорастїть землѧ травоу сѣнѧ сѣѧ сѣмѧ по родоу и по подобию. и древо плодовито творѧщее плодъ. емоу же сѣмѧ его в немъ по родоу на земли. и бы тако изнесе земьлѧ травоу сѣнѧ. сѣющю сѣмѧ по родоу и по подобию на земли. и древо плодовито творѧщее плодъ. емоу же сѣмѧ его в немъ по родоу на земли. и видѣ бъ ꙗко добро и бы вечеръ и бы оутро днь третии.

Ἀριθμῶν τὸ:

Ἐγένετο πν̄α θῦ ἐπὶ βαλάαμ καὶ ἀναλαβῶν τὴν παρεμβολὴν αὐτοῦ εἶπεν. ὡς καλοῖς σου οἱ οἶκοι ἰακώβ αἱ σκηνκῖ σου Ιη̄λ ὡσεὶ νάπαι σκιάζουσαι καὶ ὡσεὶ παράδεισσοι ἐπὶ ποταμῶν καὶ ὡσεὶ σκηναὶ ἃς ἔπηξεν κς̄ ὡσεὶ κέδ-

Ѿ числъ.

Бы дхъ бжии на валамѣ. и въсприемъ притчю свою рє. ꙗко добри доми твои ꙗкове. и скинїа твоѧ израилю ꙗко страшины осѣнѧющиѧ. и ꙗко садовїе при рѣкахъ. и ꙗко скиньѧ иже водроузи гь. и ꙗко кедры

ροι παρ' ὕδατα. Ἐξελεύσεται ἄν͞ος ἐκ τοῦ σπέρματος αὐτοῦ καὶ κυριεύσει ἐθνῶν πολλῶν καὶ ὑψωθήσεται ἡ βασιλεία αὐτοῦ καὶ αὐξηθήσεται. ὁ θ͞ς ὡδήγεισεν αὐτὸν ἐξ αἰγύπτου. ὡς δόξαν μονοκέρωτος αὐτῶ. ἔδεται ἔθνη ἐχθρῶν αὐτοῦ καὶ τὰ πάχει αὐτῶν ἐκ μυελῆ καὶ ταῖς βολήσιν αὐτοῦ κατὰτοξέυσει ἐχθρῶν κατακληθεῖς ἀνειπάυσατο ὡς λέων καὶ ὡς σκύμνος τίς ἀναστήσει αὐτόν. οἱ εὐλογοῦντες σε ἐυλογημένοι καὶ οἱ καταρώμενοι σε καὶ κατήρανται ἀνατελεῖ ἄστρων ἐξ ἰακὼβ. καὶ αναστήσεται ἄν͞ος ἐξ Ἰη͞λ καὶ θράυσει τοὺς л. 2 об. á. ἀρχηγοὺς μωὰβ καὶ προνομέυσει πάντας τοὺς υἱοὺς σὴθ καὶ ἔσται ἐδὼμ κληρονομία καὶ ἔσται κληρονομία ἡσαῦ ὁ ἐχθρὸς αὐτοῦ καὶ ἴη͞λ ἐποίησεν ἰσχύν:

при кодахъ. иꙁидеть чл҃къ ѿ сѣмени его. и ѡкладаеть ꙗꙁыкы мьногими, и коꙁкысит҃ цр҃тко его и коꙁрастеть. б҃ъ настакить его иꙁъ египта ꙗко слакꙋ инорога его. и поꙗсть ꙗꙁыкы крагъ свои҃ и толькоущи҃ иꙁможеть и стрѣлами скоими оустрѣлить крага. къꙁлегъ почиеть ꙗко лекъ и ꙗко и скимень. кто къстакить и. бл҃гкащаа та бл҃гкени. и проклинающаа та проклати. косиꙗюще ꙁкѣꙁда ѿ ꙗкока. и къстанеть чл҃къ ѿ иꙁла и съсѣчеть началныꙗ моакитьскыꙗ. и плѣнить кса с҃ны сифокы. и коудеть едомъ достоꙗние. и коудеть наслѣдие исакъ крагъ его и иꙁ҃ль сътвори крѣпость.

г҃. Προφήτου μιχαίου τὸ:

Ἐν ταῖς ἡμέραις ἐκείναις λέγει κ͞ς συνάξω τὴν συντετριμένην καὶ τὴν ὑποσμένην ἐιςδέξομαι καὶ οὓς ἀπωσάμιν. καὶ θήσομαι τὴν συντετριμμένην ἐις ὑπόλυμμα καὶ τὴν ἀποσμένην ἐις ἔθνος ἰσχυρόν καὶ βασιλεύσει κ͞ς ἐπ' αὐτοὺς ἐν ὄρει σιὼν ἀπὸ τοῦ νῦν καὶ ἐις τὸν αἰῶνα. καὶ σὺ β'. βηθλεὲμ οἶκος τοῦ εὐφραθὰ. μὴ ὀλιγοστὸς εἶ τοῦ εἶναι ἐν χιλίασιν, ἰούδα. ἐξ οὗ μοι ἐξελέυσεται ἡγούμενος τοῦ εἶναι ἐις ἄρχοντα ἐν τῶ Ἰη͞λ. καὶ ἔξοδοι αὐτοῦ ἀπάρχης ἐξ ἡμέρων αἰῶνος. διὰ τοῦτο δώσει αὐτοὺς ἕως καιροῦ τικτούσης τέξεται και οἱ ἐπίλοιποι τῶν ἀδελφῶν αὐτοῦ ἐπιτρέψουσιν ἐπὶ τοὺς υἱοὺς Ἰη͞λ. καὶ στησεται καὶ ὄψεται καὶ ποιμανῆ τὸ κ͞υ ποιμνιον αὐτοῦ ἐν ἰσχύϊ κ͞υ. καὶ δοξη τοῦ ὀνόματος κ͞υ τοῦ θ͞υ αὐτῶν ὑπάρξουσιν. Διὸ τι νῦν μεγαλυνθήσεται ἕως ἄκρων γῆς.

ѿ пр҇рчьстка ми҃.

Ко дни ѡны гл҃ть г҃ь съкероу и съкроушенноую. и ѿринокенноую приимоу, юже ѿриноухъ. и положю сътреноую къ ѡстанокъ. и ѿринокенноую къ ѡстанокъи ѿринокенꙋю къ ꙗꙁыкъ крѣнокъ. и коцр҃ить г҃ь на҃ ними къ горѣ сиѡньстѣи и к кѣкъ и к кѣкы. и ты кифлеѡме доме ефрантокъ иичимже мении еси ко кл҃кахъ июдокахъ. не теке ко иꙁыдеть кл҃ка кыти кн҃ꙁа ко иꙁ҃ли. и исходи его иꙁначала ѿ дн҃ии кѣка. сего ради дасть емоу до кремени рож҃ьшаа и родить. и прочии ѿ крати его ѡкрататса на с҃ны иꙁ҃кы. и станеть и оуꙁрить. и оупасеть стадо ское крѣпостїю г҃ь. и къ слакꙋ имени г҃а б҃а их҃ и коудоуть. ꙁане н҃нѣ коꙁкеличитса до конець ꙁемли.

л. 3 об. β'. ἀνάγνωσσμα ε҃. προφήτου ἱερεμίȣ.

Οὗτος ὁ θ͞ς ἡμῶν. οὐ λογισθήσεται ἕτερος πρὸς αὐτὸν. ἐξεῦρεν πᾶσαν ὁδὸν ἐπιστήμης. καὶ ἔδωκεν αὐτὴν ἰακὼβ τῶ παιδὶ αὐτοῦ καὶ Ἰη͞λ τῶ ἠγαπημένω ὑπ' αὐτοῦ μετὰ τοῦτο ἐπὶ τῆς γῆς ὤφθη καὶ τοῖς ἀν͞οις σὺνανεστράφη л. 4 á. αὕτη ἡ βιβλος τῶν προσταγμάτων τοῦ θ͞υ, καὶ νόμος ὁ ὑπάρχων ἐις τὸν αἰῶνα. πάντες οἱ κρατοῦντες αὐτὴν ἐις ζωὴν, οἱ δὲ καταλιπόντες αὐτὴν ἀποθανοῦντα ἐπιστράφου ἰακὼβ καὶ ἀντιλαβοῦ αὐτῆς. διόδευσον πρὸς τὴν λάμψιν κατέναντι τοῦ φωτὸς αὐτῆς. μὴ δῶς ἑτέρω τὴν δόξαν καὶ τὰ συμφέροντα σοι ἔθνη ἀλλοτρίω. μακάριοι ἀσμὲν Ἰη͞λ ὅτι τὰ ἀρεστὰ τῶ θ͞ω ἡμῖν γνωστὰ ἐισίν:

ѿ пр҇рчка еремѣ.

Се б҃ъ нашь и не приложитса инъ книемоу. иꙁъѡбрѣте кьсакъ поуть хоудожьстка. и дасть ꙗкокоу ѡтрокꙋ скоемоу, и иꙁ҃лю коꙁлюбленомоу ѿ него. посе҃ на ꙁемли ꙗкиса и съ челокѣкы поживе. сиа книга покелѣниꙗ бж҃иꙗ. и ꙁаконъ сеи к кѣкы. кси держащеиса еꙗ жикꙋть. а ѿстакльше еꙗ оумроуть. ѡбращаиса ꙗкоке имиса еꙗ. хо҃ противоу сиꙗнїю скѣта еꙗ, не даи же иномоу слакы скоеꙗ и полеꙁны҃ токѣ, ꙗꙁыкꙋ чюжемоу. бл҃жени есмы иꙁ҃лю. ꙗко оугодна г҃ꙋ. и намъ раꙁоумна соуть.

Чтеніе и объясненіе снимка.

Τῆ κ҃. μεγάλης ἑυδομάδος. τροπάριον ἐις τ. τριτ. ѕ҃. ἦχος βαρὺς.

Κύριε μὴ τῶ θυμῶ σου ἐλέγξης λαὸν ἡμαρτικότα μὴ δὲ τῶ ὀργῆ σου παιδεύσης ἡμᾶς. ὑπαρχων. σὲ γὰρ δοξάζει πᾶσα ἡ γῆ. καὶ δεόμεθα φεῖσαι ἡμῶν ἅγιε.

Запись писца: Ἐγράφη ἡ παροῦσα βίβλος αὕτη διὰ προτρόπου τοῦ τιμιωτάτου καὶ καθηγουμένου κυρ. θεοδώρου τοῦ κεφαλ. ἐν ἔτει τῶ ҂ѕхкд. ἐπὶ τῶ. лд. ἔτει τοῦ βασιλεως κυρ. αλεξιου τοῦ κομνηνοῦ. ἰνδικτῶνος θ҃.

Ἐγράφη ταῦτα πατέρες χεὶρ ἀθλία. τοῦ τῶν μοναχῶν ἐυτελοῦς βασιλειου. οἱ ἀναγινώσκοντες ἔυχεσθαι τοῦτον τὸν πολὺν ἐν πάθεσι καὶ ἁμαρτίαις.

Θεοῦ τὸ δῶρον καὶ πονοι βασιλείου.

Τῇ ἁγία καὶ μεγάλη δ̄. τροπάριον ἦχος κ̄. σήμερον τὸ πονηρὸν συνήχθη συνέδριον. καὶ κατὰ σου κενὰ ἐμελέτησαν.

Τῇ κ̄. τῆς μεγάλης ἑβδόμαδος.

Μετὰ τὴν εἰσόδον καὶ τὸ φῶς ἱλαρὸν ἀνάγνωσμα ᾱ. γενέσεως τὸ ἀνάγνωσμα.

Γενέσεως τὸ ἀνάγνωσμα. εἶπεν ὁ θς̄ † γενηθήτωσαν φωστῆρες ἐν τῷ στερεώματι τοῦ οὐρανοῦ εἰς φαῦσιν ἐπὶ τῆς γῆς.

Знаки заглавныя буквы.

Скорописная азбука. Слова съ знаками препинанія: Ἑσπέρα: · νῶε. ἐρήμου, ἐν: · υἱὸς ζωήν. εὐφρανθήτωσαν: · ;

Сокращенія и слова съ титлами: καί. ψαλμὸν τὴν μηδαμῶς εἶπεν. θεοῦ. Ἰσραήλ.

Гласныя буквы въ связи съ титлами: α., ἄξω ἀναγγελῶ. ἐπάταξεν. ε., ἐρχομένην ἐξ ἐπιδή. ν., τὸν ὦσιν, γῆν., σ., θάλασσαν μόνος. τ., μετά.

Слово Ἰησοῦς въ родителномъ падежѣ написано всѣми словами вопреки неправильнаго писанія нашихъ старобрядцевъ, на л. 7 об. ἰησοῦ τοῦ ναυῆ.

Цифра: Γ. съ двумя титлами вверху, однимъ внизу и кривою продольною внизъ линіею, написанная при помѣтѣ тетрадей.

III. Житіе Прен. Нифонта.

Находится въ Московской Сѵнодальной Библіотекѣ подъ № 406-мъ.

Длина Пергамина	$3\frac{1}{8}$	в.
ширина	$2\frac{3}{8}$	в.
къ корешку	$\frac{1}{4}$	в.
къ правой сторонѣ	$\frac{3}{8}$	в
къ верху	$\frac{1}{4}$	в.
къ низу	$\frac{1}{2}$	в.

Пергаменъ выдѣланъ довольно хорошо, у краевъ пожелтѣлъ и въ нѣкоторыхъ мѣстахъ поврежденъ.

Писано скорописью по нарѣзамъ въ одинъ столбецъ на 177 листахъ. 12 и 13 листы за потерею ихъ писаны на бумагѣ въ XIV вѣкѣ. Вверху 1 листа написано Λαύρας, а внизу: Арсеній ξλ. Заставка въ началѣ рукописи, заглавіе житія и 1-я буква отъ времени стерлись, такъ что буквъ въ заглавіи, писанномъ киноварью почти ни одной не видно. Колеръ чернилъ темный. Число строкъ на страницѣ 22. Помѣта тетрадей урѣзана.

Выписки изъ подлинника съ древнимъ славянскимъ переводомъ.

Изъ макаріевскихъ четьи-миней XVI в. 989. Дек. л. 480. а.

Μυστήριον βασιλέως κρύπτειν καλόν. τὰ δὲ ἔργα τοῦ θῦ ἀνακηρύσττην ἔνδοξον τὸ δὲ εἰδότι τὰ θεῖα ἔργα καὶ μηδὲ ἡγουμένῳ δι ὀκνιρίαν, ἡλίκος κίνδυνος ἄρα συμβήσεται κατ᾽ ἐκείνην τὴν ὥραν, ὅτ᾽ ἂν ἥξει ἐπὶ τῶν νεφελῶν ὁ μέγας κριτὴς ζῶντων καὶ νεκρῶν. τοῦ ἀποδοῦναι ἑκάσῳ κατὰ τὰ ἔργα αὐτοῦ. Τοι γὰρ οὖν καγὼ ο ἐλάχιστος ἀκριβεῖ συνιδίσει φέρων τὰ περὶ τοῦ μακαρίου νιφῶντος. μαλλον τα ρυφθήσεσθαι ψυχοφελῆ διηγήματα, πρόσέθηκα γρά-

Въ тои же днь, книга и житіе, прѣбнаго оца нашго, нифонта

Таиноу цркоу достоить хранити. а дѣла бжтвенаа пронов ѣдати славно. да вѣдѫщемꙋ божественаа дѣла его. и не провѣдающемꙋ. лѣности ра. кака оуко бѣда бѫдеть въ онъ чс. кои приидеть на облацѣ великии сѫдіа. сѫдаи живымъ и мртвы. комꙋжо воздаа по дѣломъ его. да вѣсте вси. тѣмже и азъ хꙋдыи. онаснѣ вѣдыи. ꙗ ѡ божествене нифонтѣ. хота-

ψαι τοῖς χρίζουσιν ὠφελεῖσθαι. καὶ ἐκμανθάνειν τὴν ἐναρετον αὐτοῦ πολιτείαν καὶ τὰ θεῖα αὐτοῦ ἀγωνίσματα. παραδειξον γὰρ τουτο... εστιν ἐκπαιδόθεν ἔτρεψε τὸν πονηρον διάβολον. ἐις τέλος αὐτὸν ἐξαφανῆσαι л. 1 об. εἶτα σκελισθεῖς οὐκοδ᾽ ὅπως πάλιν ὁ νεος ἐτρώθη ὑπὸ τοῦ σατανὰ. καὶ πέλαγος ἁμαρτίας ἐγένετο. ὅμως, παρὴν ὥσπερ ναίος στρατιῶτις. ἐξαναστὰς κραταιῶς τὸν ἀκάθαρτον καὶ ἀλαζόνα συνέτριψεν δράκοντα. ἀλλ᾽ ἐπειδὴ ἀκριβότερον χρὴ ἡμᾶς ἐιπεῖν. καὶ ἄνοθεν ἄρξασθαι τοῦ ἐυσεβοῦς λόγου συντίναται ἑαὐτοῖς παρακαλῶ. πρὸς τὴν θείαν διήγησιν ἐπὶγομένου μου. καταλειψας δὲ τὰ περὶ συλλήψεως καὶ γεννησεως αὐτοῦ τοῦ λέγειν. ἀνοτέρω ποῦ τῆς ἀρχῆς ἐπὶ λάβομαι. ἐν ταῖς ἡμέραις κωνσταντίνου τȣ̃ ἐυσεβεστάτου καὶ θεοφιλοὺς βασιλέως χρηματίσαντος. ἦν τίς ἀνὴρ ἐυσεβῆς καὶ φεβούμενος τὸν θν̄. ὀνόματι σαββάτιος. οὗτος ἀπεσταλη ὡς ἔφην παρὰ τοῦ εὐσεβοῦς βασιλέως. χειροτονοθεῖς στρατιλάτης ἐν τῆ χώρα τῶν πλαγίων τῆς ἁλμυροπόλεως. παραγενομένου δὲ αὐτοῦ κατὰ τὴν χώραν. ὑπήντησαν αὐτῶ πάντες οἱ ἄρχοντες καὶ οἱ προύχοντες л. 2. τῆς πόλεως. μετὰ ἐδοὺς καὶ εὐλαβήας ἀσπαζόμενοι αὐτὸν. μεθῶν ἦν καὶ ὁ πῆρ᾽ τοῦ νίφωντος ὀνόματι αὐτῶ ἀγαπητὸς. ἔξω τε δε εἶδεν αὐτὸν ὁ πῆρ τοῦ νίφωντος τὸν προλεχθέντα σαββάτιον τὸν στρατιλάτην, πάνι ἐτέρφθη ἡ καρδία αὐτοῦ ἐις τὴν ἀγάπην αὐτοῦ. εἶσαν γὰρ αμφότεροι ζῶντεσ εὐσευῶς καὶ φιλοθέως. καὶ διὰ τοῦτο πλέον ἐπεπόθουν ἀλλήλους. ἦν γὰρ ὁ στρατιλάτης ἄγαν ταπεῖνωσιν φέρων. ὑπεριφάνιαν δὲ μὴδόλως ἔχων ὁ δὲ ἀγαπητὸς ἄρχον τοῦ αὐτοῦ στρατοῦ ὑπάρχων. τὸ χάρισμα τῆς ἀγάπης ἐπὶ πολὺ κεκτημένος. ἐν μιᾶ Δὲ τῶν ἡμερῶν. ἀπάρας ὁριθεῖς ἀγαπιτὸς τὸν ῡν αὐτοῦ νίφωντα ἐκ τοῦ οἴκου αὐτοῦ. ἔρχεται πρὸς τὸν στρατιλάτην ἐχώντων δὲ τὰς διατριβὰς προς τὸν θαλασσώδι οἶκον τῶν πραιτορίων, ἦν δὲ τότε ὁ νίφων ὁ τῶν ὀκτῶ. εἶτα εἰσελθόντων αὐτῶν πρὸς τὸν στρατιλάτην, ἠσπάσατο αὐτοὺς περιχαρῶς. καὶ πρὸἔταξεν ἔγγυσα αὐτοῦ καθεσθῆναι αὐτοὺς. ἔπιτα λέγει τῶ ἀγαπητῶ л. 2 об. τὰ δε σοι ἄρχον. οὗτος ὁ παῖς ῡς σου ἐστιν, ἢ ἑτέρου τινος. λέγει αὐτῶ ὁ ἀγαπητὸς. ναὶ δέσποτα οὗτος ὁ παῖς ῡς μου ἐστὶν. λέγει αὐτῶ ὁ στρατιλάτης. ἔστιν ἐις διατριβὴν ἵνα τὴν γραφὴν ἐκμανθάνει. ἀποκριθεῖς δὲ ὁ ἀγαπητὸς ἔφη. ȣ̓χὶ κύριε μου. ποίος γὰρ καὶ διδάσκαλος πρόσεστιν ἐν τῆ πατρίδι ἡμῶν ὁ δυνάμενος παιδευσαι. καὶ μάλιστα γραφὴν τοῦ διδάξαι λέγει αὐτῶ ὁ στρατιλάτης. ἔαν μοι αὐτὸν παρέχεις. ἐγὼ ἀποστέλω αὐτὸν ἐν κωνσταντίνουπόλη. ὅπου πέρ ἐστιν τὸ πλῆθως τῶν διδασκάλων, καὶ ὅπου δ᾽ ἂν βούλει. μάθη γραφὴν ὁ ῡς σου. ὁ δὲ πῆρ τοῦ νιφωντος. τούτο ἀκούσας, ἀναστὰς πρὸσἔπεσεν τοῖς ποσὶ τοῦ στρατιλάτου. λέγων. ὃ ἤθελον ἐγῶ. κύριε μου παρὰ σοῦ αἰτῆσαι. τούτο σὺ ἐκ θῡ ὁδιγηθεὶς εἴρηκας. νῦν ἰδοῦ ὁ παίς σου ἀπόστηλον αὐτὸν. λέγει αὐτῶ ὁ στρατιλάτης. ἐγὼ ποιήσω πάντα ἔσα ὀρεστὰ τοῖς ὀφθαλμοῖς σου καὶ τῶ νωή σου. τούτο ἀκούσας ὁ πῆρ τοῦ παιδὸς, πάνυ ἐχάρη καὶ ἠγαλλιάσατο л. 3. σφόδρα διατρίψαντες οὖν μετὰ τοῦ στρατιλατου ὁ ἀγαπιτὸς καὶ ὁ ῡς αὐτοῦ νίφων, ώς ἡ τρεῖς εὐδομάδας. ὁ μὲν ἀγαπιτὸς ἀνεχώρησεν εις τὸν οἶκον αὐτοῦ δοξάζον τὸν θν̄. τὸν δὲ νίφωντα ὁ τίμιος εκείνος στρατιλάτης, ἐξέπεμψεν σὺν τὸ προτὸβηστηάρίω αὐτοῦ ἐν κωνσταντινουπόλη. γράψας τῆ συμβηῶ αὐτοῦ οὗτως. θελσήεις ὦ γύναι. τοῦτω τὸ παῖδίονεὐμενῶς ὑποδέξασθαι. ὅτι ἀγαπιτοῦ μου φίλου ἐστὶν ῡς.

ще рєчена кыти. дн҃и полєзчаа сказанїа оусердїє прїахъ писати си. трєкȣющимъ ползоу прїати и наоучитиса. доброправиомȣ житию, мȣжа. кж҃єсткєныа єго подкигы. прєславныи ко сєи. ѡ кз҃ѣ оукѣдєнъ кы҃. како оубо из дѣтьска покѣди нєпрїазни; и сȣпостата нашєго дїавола како ли҃ оубо ѡвъ ѿ нєго оуазвиса. и потокъса. пȣчина грѣховъ кы҃. каколи жє пакы доблїи воинъ кы҃ крѣпокъ, сквєрнаваго и вєличаваго съкрȣши змїа. но понє҃ свышє, подобашє на҃, пачєниии сказанїє полєзнаго сєго словєсѣ сътворишє. приклонитиса молю кы. ко кж҃ткєнѣи сєи повѣсти. идȣщоу ми къ дн҃и кгоуч҃иваго цр҃а констаитина: Кѣ моу҃ бл҃гокѣрєнъ. боиса кг҃а. имєнємъ савати. сїи пȣщєнъ кы҃. ѿ благовѣрнаго цр҃а воєводою. на мѣсто нарицаємоє п л а г ї о н ъ. дошє҃дшȣ жє ємȣ к зємаю тоу. срѣтоша и вси кн҃зи церкви града. съ страхо҃ и г о в ѣ и ї є м ь и цєловашє и. с нимижє кы нифонтъ къ ѿц҃ь ємоу҃ имꙗ аганитъ и видѣвь савати. к҃, воєводȣ возвєсєлиса ср҃цє єго любєзно. кѣ бо воєвода вєлми смирєнъ и мр҃ъ. никако҃ имѣа прєзорьства к сєбѣ. агапи жє кн҃зь тѣхжє и даръ любовєнъ зѣло имѣа. къ єдин жє ѡ дн҃ии; поимъ сн҃а своєго нифонта. придє с нимъ к воєводѣ. приходы творащє въ прємїрстємъ домȣ. бѣжє тогда нифонтъ лѣтиєвъ сн҃ъ. з҃. лѣ҃ и шє҃шȣ ємȣ к воєводѣ. цѣлова и воєвода. и повєлѣ близъ сєбє посадити а. и гл҃а агапию сицє. ты кн҃жє сє дѣтищь ли є҃. ѿвѣща агапитъ єи гй сн҃ъ ми є҃ и рєчє ємȣ нє оучиши ли єго книга҃. и рєчє ємȣ агапитъ ни г҃и мои. ащѣи оучитєли соу҃ въ ѡ҃тцѣ нашємь. ижє могȣть книга҃ наоучити. гл҃а воєвода. ащє бы ли далъ тогда и бы далъ к констаитинȣ гра҃ идѣжє єсть мн҃ѡство оучт҃ль. ижє хощє҃ наоучитса. си жє слышавъ ѿц҃ь єго. надє на ногоу єго гл҃а. єжє азъ хотѣ҃ рєщи г҃и. то ты мнѣ ѿ кг҃а наставлаємь гл҃єнии. г҃и сє нн҃ѣ рабъ твои пȣсти и. гл҃а ємȣ воєвода азъ сътворю вса оугоднаа тєбѣ. сє слышавъ агапи҃ зѣло възра҃довася. обєсєлися вєлми. прєбывша жє своєводою агапи҃ и сн҃ъ єго нифонтъ. до трєтїаго дн҃є. и ѿидє агапитъ к домъ свои славꙗ бг҃а. нифонта жє воєвода пȣсти и съ противъстаромъ свои҃. к константинȣ гра҃. писавъ книги к жєнѣ своєи сицє. вєлю ти жєно сє дѣтищь имѣти понє҃ дрȣга сн҃ъ ми є҃ да имѣи на нємь любовь. кажȣщє ꙗко-

ἵνα δὲ μοι δεῖξεις ἐμφανῆ εἰς αὐτῷ τὴν ἀγάπη σῦ ὥσπερ ἐμαῖ αὐτὸν οὕτως. αὐτοῦ ἐπιμελήθητι παρὰ δοῦς αὐτῷ τοῦ ἐκμανθάνη τὰ ἱερὰ γράμματα. ταῦτα γράψας καὶ ἴδια ἕτερα. δέδωκεν τῷ ἀν͞ῳ αὐτοῦ τὸ μέλλοντι ἀπὸπλεῖν. παρέδωκεν δὲ αὐτῷ καὶ τὸ παιδίον νίφωντα. προστάξας ἐν ἀνέσει αὐτῷ τὴν ἀπόπλευσιν ποιῆσθαι. εἰσελθόντων δὲ αὐτῶν ἐν τῷ πλοίῳ. ἐντῶς ὀλίγων ἡμερῶν. ἔφθασαν ἐπὶ τὴν βασιλέυουσαν πόλιν ταῖς ἡμέρας τοῦ μεθ'οπόρου σφοδροτάτου καύσωνος ὑπάρχοντος. л. 3 об. ὡς δὲ ἦν ὁ παῖς ἄπειρος θαλάσσης. πάνυ ἐκακώθη ἐκ τοῦ ἀσυννήθους πλοῶς. ἦν γὰρ ἐξ ἀρχῆς ψιλάσθενον καὶ θλιβερὸν μίαν. εἶτα ἐνελθόντων αὐτῷ ἀπὸ της θαλάσσης εἰς τὸν οἶκον τοῦ στρατιλάτου. ὑπεδέξατο αὐτους ἡ τοῦ στρατιλάτου γυνὴ χαίρουσα. μαλιστα δὲ περὶ τοῦ παιδὸς νίφωντος ἀκούσασα. ὅτι εναρέτου ἀνδρὸς ἐστὶν υ͞ς. δεξιωσαμένη οὖν ἡ εὐσευεῖς ἐκεῖνη γυνὴ τὸ παιδίον πάνυ ἐν πάσιν ἐθεράπευσεν αὐτῷ εἰς τὰς χρείας αὐτοῦ. καὶ ἐπηράτο νουθετῆν αὐτῷ ἐν καλωήθεσιν ὁμιλίαις. ὁ δὲ παῖς. δεκτικὸν νουν ἔχων ἐπεκροᾶτω τὰς νουθεσίας τῆς γυναικὸς καὶ περιἐπάτην ἐν σιγῇ πολλὴ καὶ κατὰστάσει. ἐνέδοκεν δὲ αὐτῷ χρόνον τινὰ. πρὸς τὸ ἠθῆσαι τὸν τόπον. καὶ ἀναλαβέσθαι καὶ εἰς υγίαν σώματος. καὶ οὕτως παραδώσει αὐτὸν εἰς τὸ διδασκάλιον. ἦν γὰρ ὡς προείπων ὁ νεανίας ταλαιπορημένος. τὸ μὲν, ἐκ τοῦ πλόως. τὸ δὲ ἐκ τῆς λύπης τῶν γονέων. л. 4. Ἔχουσα δὲ πρεσβύτερον ἡ ἐύσευῆς. ἐκείνη γυνῆ ἐν τῷ οἴκῳ αὐτῆς ὀνοματι πέτρον ἐυουλεύσατο ἕνα παραδώσει αὐτῷ τὸν νίφοντα. τέως ὅπως διδάξει αὐτὸν πρὸς μικρὸν τὸ ψαλτήριον. ὃ καὶ πεποίηκεν. ἡμέρα δὲ καὶ ἡμέρα προέκοπτεν ο παῖς ἐν τοῖς ἱεροῖς μαθήμασιν. καὶ μὴν ἐξ ὑπηρέτη καὶ τὸ εἰρημένῳ πετρῳ τὸ πρεσβυτέρῳ ἐν τῇ ἐκκλησία. εἰς πάσαν διακονίαν σπουδαίως. ἦγεν δὲ πόνον εἰς τὸ μανθάνειν ὁ νίφων πάνυ. ὥστε καὶ ἐν ταῖς νυξὶν ἅπτον λύχνον ἢ κηρὸν. οὕτω ἐν ησυχία ἐκάθητω μελετῶν. εἶχεν δὲ φόβον οὐ τὸν τυχόντα. ὁμοιως καὶ ἐντροπὴν ὥσαυτος. πρός τε τὸν διδάσκαλον καὶ πρὸς πάντας. ἐθλήβετο δὲ πάντοτε ὁ παῖς. διὰ τὸ εἶναι αὐτὸν ἀκμὴν ἀπαλὸν ταῖς φρεσιν. καὶ οὐκένοητὴν λύσιν τῆς γραφῆς. κὰν τάχα καὶ ἐν τοῖς ὄρθροις ἐσχόλαζεν. καὶ τῶ διδασκάλου αὐτοῦ ἀναγινώσκοντος ἤκυεν. ὅμως τὰ ἐυηθέτθερα καὶ εὐκολότερα л. 4 об. πλειοτάκις νοῶν ἐπυρίζετο τὴν ψυχὴν. ἐπιθυμῶν καὶ αὐτὸς εἶνε οὕτως. ὃν τρόπον οἱ ἅγιοι εἴσαν.

же и ма любиши. тако и о семь попекущися. преда и оучитися бжтвены писменемь. си списавъ жене своеи дасть. и преда ему отрочища нифонта. влезшема же има к корабль. л. 480 об. а. доплыста црьграда въ времѧ осени. не зѣло зною сущю. сии же дѣтищь неискусенъ плаванию. велми ѿпаде. понеже ѿ дѣтьска издастиву бѣ и зѣло поуганвъ. излѣзшема же има ѿ морѧ и приатъ а воеводина жена с радостию. паи паче же дѣтища нифонта. слышавши же о немь ѩко добра мужа есть снъ. оучредивши же блгоутна жена. дѣтищъ. наставлающи блгутнимь беседамъ, дѣтищь принимаше наказание жены тоѧ. и хожаше к тихости и к молчанию. попоучети же ему блгоутнѣва жена да обыкне. и пото вдасть и на оучение. бѣ бо ѩкоже преже рѣхо отроча съдручена ѿ плутиѧ и ѿ печали. и ѿ разлучениѧ родителю. имѣющи попа на дворѣ блгоутнѣва жена та. именемь петра. помысливши да ему нифонта. да помалу плоучить ѱалтырь. дйь же ѿ дйь оуспѣваше дѣтищь въ бжтвены оученихъ. еще оуспѣваше подвиго въ стѣи цркви попови. имѧ же печаль на оучение нифонтъ ѕѣло. ѩко и нощью вжегъ свѣщю. или кадило оучашесѧ, бѣже и страшливъ ѕѣло. и стыдашесѧ велми оучителѧ и всѣ. понеже баше малъ и немысленъ. и не разумѣваше толкованиѧ книжнаго ѡбаче ни оухода не престаше. и оучителѧ своего чтущѧ послушаше и въѕыграшесѧ дшею. желаѧ са быти такъ, ащѣ и же соу были стии

Чтеніе и объясненіе снимка.

л. 57 об. Τῷ ὁ μακάριος. ὁ θεὸς τοῦ οὐρανοῦ καὶ τῆς γῆς κατὰ σὴν πίστην σου χωριγήσῃ σοι τὸν λόγον δὶ ἐμοῦ πρὸς ὄφελος. ἐπὶ ἐγὼ ἀσθενῆς καὶ ἀνάξιος εἰμί. ἡ δὲ θέλης ἄκουσον τι τοιοῦτον. πρόσεχε καὶ ὁ γ͞ς χωρηγῇ. καὶ μικρὸν ἡσυχάσας λέγει αὐτῷ. ἄκουσον. ἀδελφὲ. ἐν ταῖς ἡμέραις ἐκεῖναις. ὅτε ἔξη κατὰ τὸν βίον κυριακὸς ὁ ἱερωσολύμων ἀρχιερεὺς ἦν τις ἄν͞ος εὐσεβῶς κατὰ τὸν βίον ζῶν. ἦν δὲ καὶ ἐλεήμων ἄκρεις. ὄνομα δὲ αὐτῷ συζώμενος. οὗτος ὁ ἄν͞ος ἐν μιᾷ διερχόμενος διὰ τῆς πλατείας τῆς πόλεως. ὁρᾷ πένητα γυμνὸν καὶ μίαν τρυχόμενον. На полѣ разстановочными перпендикулярно буквами написано: περὶ ἐλεημοσύνης.

л. 101. Πρὸσευχομένου αὐτοῦ καὶ εἰς οὐρανοὺς τὸ ὄμμα τεταμένον ἔχωντος. ἄφνω φῶς ἔλαμψεν κύκλῳ αὐτοῦ θνεῖον καὶ οὐράνιον. ὤφθη δε αὐτῷ ἄγγελος κυρίου ἔμπροσθεν αὐτοῦ εστῶς λευκοφόρος σχῆμα ἔχων διακόνου. καὶ κατίχεν θυμιατήριον χρυσοῦν βαλῶν δὲ θυμίαμα ἐυωδίαζεν ὡς πρὸς τὸν οὐρανὸν.

Запись писца: Ἐτελιωθ. ἡ δέλτος αὕτη τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν νίφωντος διὰ συνδρομῆς Ἰωαννίκυ μοναχοῦ ἁμαρτωλοῦ καὶ ἐλαχίστου τῶν μοναχῶν μηνὶ Ιαννουαρίῳ λ͞α. ἰνδικτιῶνος δ͞. ἔτους ͵ςχлд. (1126 г.) καὶ οἱ ἀναγινώσκοντες εὔχεσθε ὑπὲρ αὐτοῦ. ἵνα τύχει ελέους ἐν ἡμέρα κρήσεως, ἡ χεὶρ μεν γράψασα σίπεται τάφῳ. γραφῆ δὲ μένη εἰς αἰῶνας.

Нѣсколько буквъ заглавныхъ не фигурныхъ. Азбука скорописная.

Сокращенія.

Слова съ знаками препинанія: ἑαυτὸν. ἐις αἰῶνας:

Буквы въ связи съ другими: α) ἄξιος. ε) ἐξ μετανοσσω ἡμεῖς. ν) γῆν. σ) θαλάσσης. τ) τῶ.

IV. Четвероевангеліе

Находится въ Московской Сѵнодальной Библіотекѣ подъ № 278-мъ.

Длина пергамина	$4^3/_8$	в.
ширина	$3^3/_8$	в.
къ корешку	$^1/_2$	в.
къ правой сторонѣ	$^7/_8$	в.
къ верху	$^6/_8$	в.
къ низу	$^7/_8$	в.

Пергаменъ отъ времени покоробился, выдѣланъ хорошо, но есть поврежденія.

Писано скорописью по нарѣзамъ на 255 листахъ въ одинъ столбецъ. На первыхъ двухъ листахъ пергаменныхъ ничего не написано. На 3—6 написано на бумагѣ, когда читаются Евангелія. На 7 пергаменномъ листѣ и оборотѣ въ контурѣ нарисовано изображеніе Божіей Матери съ превѣчнымъ младенцемъ Іисусомъ. Внизу 7 листа подписано: Арсеній. На 8 и 9 ничего неписано. На верху 10 листа подписано: Τοῦ βατοπαιδίου. Съ 10 по 24. написано, начиная съ Пасхи и во весь годъ, когда читаются Евангелія съ началомъ и концомъ Евангелія: Съ 24 по 28. Каноны Евангелій. съ 28 по 98 об. Евангеліе отъ Матѳея. съ 99 по 142 Марка. съ 142 об.—по 209 об. Луки. съ 210 по 255 Іоанна.

Заставки раскрашены красками, пунцовою, желтою, зеленою, бѣлою и черною. Заглавныя буквы и оглавленія писаны киноварью пунцоваго цвѣта. Колеръ чернилъ черный. На страницѣ 22 строки. Помѣта тетрадей въ низу по срединѣ.

Выписки изъ Подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ.

Изъ четверо-Евангелія XII. в. № 54. Сѵнодальной. Типографской Библіотеки. л. 10 об.

Προσέχετε τὴν ἐλεημοσύνην ὑμῶν μὴ ποιεῖν ἔμπροσθεν τῶν ἀνῶν πρὸς τὸ θεαθῆναι αὐτοῖς. ἐιδὲ μή γε μισθὸν οὐκ ἔχετε παρὰ τῶ πρὶ ὑμῶν τῶ ἐν τοῖς οὐνοῖς. ὅταν οὖν ποιῆς ἐλεημοσύνην, μὴ σαλπίσης ἔμπροσθέν σου ὥσπερ οἱ ὑποκριταὶ ποιοῦσιν ἐν ταῖς συναγωγαῖς καὶ ἐν τοῖς ῥύμαις. ὅπως δοξασθῶσιν ὑπὸ τῶν ἀνων. ἀμὴν л. 4. λέγω ὑμῖν ἀπέχουσϊ τὸν μισθὸν αὐτῶν. σοῦ δε ποιοῦντος ἐλεημοσύνην, μὴ γνώστω ἡ ἀριστερά σου τι ποιεῖ ἡ δεξία σου. ὅπως ᾖ σου ἡ ἐλεημοσύνη ἐν τῶ κρυπτῶ. καὶ ὁ πὴρ σου ὁ βλέπων ἐν τῶ κρυπτῶ αὐτὸς ἀποδώσει σοι ἐν τῶ φανερῶ. καὶ ὅταν προσεύχη, οὐκέση ὥσπερ οἱ ὑποκριταί. ὅτϊ φιλοῦσιν ἐν τοῖς συναγωγαῖς καὶ ἐν ταῖς ῥύμαις. ἑστῶτες προσεύχεσθαι. ὅπως φανῶσι τοῖς ἀνοις. ἀμὴν γὰρ λέγω

Мѳ҃ѳ. ҁ҃а. Вънемлѣте мл҃стынѭ вашѫ, не творити прѣдъ ч҃лкы. да невидими бѫдете ими. аще ли же ни. мъзды не имате ѿ о҃ца вашего. иже есть на небесьхъ. егда ѹбо твориши мл҃стыню не въструбли прѣдъ собою. ѩко и ѵпокрити творѩть въ сънъмищихъ и въ стьгнахъ да прославѩтьсѧ л. 11 а. ѿ ч҃лкъ. аминь гл҃ю вамъ въсприимѫть мьздѫ своѭ. тебѣ же творѩщю мл҃стыню. да не чюѥть шюица твоѩ что творить десница твоѩ. да бѫдеть мл҃стыни твоѩ въ таинѣ. и о҃ць твои видѧ тѧ въ таинѣ. въздасть тебѣ ѩвѣ. и егда молиши сѧ не бѫди ѩко лицемѣръ (sic). ѩко любѧть на сънъмищихъ и въ стьгнахъ и на распѫтиихъ стоѩще молитисѧ. да ѩвѧтьсѧ ч҃лкмъ. аминь гл҃ю

ὑμῖν, ὅτι ἀπέχουσι τὸν μισθὸν αὐτῶν. σὺ δὲ ὅταν προσεύχῃ, εἴσελθε ἐις το ταμεῖον σου. καὶ κλείσας τὴν θύραν σου προσευξαι τῷ πρ҃ι σου τῷ ἐν τῷ κρυπτῷ. καὶ ὁ πη҃ρ σȣ ὁ βλέπων ἐν τῷ κρυπτῷ, ἀποδώσει σοι ἐν τῷ φανερῷ. προσευχόμενοι δὲ μὴ βαττολογήσητε ὥσπερ οἱ ἐθνικοὶ. δοκοῦσι γὰρ ὅτι ἐν τῇ πολυλογία αὐτῶν ἐισακουσθήσονται. μὴ οὖν ὁμοιωθήτε αὐτοῖς. οἶδε ὁ πη҃ρ ὑμῶν ὧν χρείαν ἔχετε πρὸ τȣ҃ л. 41 об. υμὰς αἰτῆσαι αὐτόν. οὕτως οὖν προσευχεσθε ὑμεῖς. πε҃ρ ἡμῶν ὁ ἐν τοῖς οὐ҃νοις. ἁγιασθήτω τὸ ὄνομά σου. ἐλθέτω ἡ βασιλεία σου. γενηθήτω τὸ θέλημά σου ὡς ἐν οὐρανῷ καὶ ἐπὶ τῆς γῆς. τὸν ἄρτον ἡμῖν τὸν ἐπιούτιον δὸς ἡμιν σήμερον. καὶ ἄφες ἡμῖν τὰ ὀφελήματα ἡμῶν. ὡς καὶ ἡμεῖς ἀφίαιμεν τοῖς ὀφειλέταις ἡμῶν. μὴ εισενέγκης ἡμᾶς ἐις πειρασμόν. ἀλλὰ ῥύσαι ἡμᾶς ἀπὸ τοῦ πονηροῦ. ὅτι σοῦ ἐστιν ἡ βασιλεία καὶ δύναμις καὶ ἡ δόξα ἐις τοὺς αἰῶνας. ἀμήν. ἐὰν γὰρ ἀφῆτε ἀν҃οις τὰ παραπτώματα αὐτῶν, ἀφήσει καὶ ὑμιν ὁ πη҃ρ ἡμῶν ὁ οὐράνιος. ἐὰν δὲ μὴ ἀφῆτε τοῖς ἀν҃οις τὰ παραπτώματα αὐτῶν, οὐδὲ ὁ πη҃ρ ἡμῶν ἀφήσει τὰ παραπτώματα υμῶν. ὅταν δὲ νηστεύητε, μὴ γίνεσθε ὥσπερ οἱ ὑποκριταὶ σκυθρωποὶ. ἀφανίζουσι γὰρ τὰ πρώσωπα αὐτῶν, ὅπως φανῶσι τοῖς ἀν҃οις νηστεύοντες. ἀμην λέγω ὑμῖν ὅτι ἀπέχουσι л. 42. τὸν μισθὸν αὐτῶν. σὺ δε νηστέυων ἄλειψαι σου τὴν κεφαλὴν, καὶ τὸν πρόσωπον σου νίψαι. ὅπως μὴ φανῇς τοῖς ἀν҃οις νηστέυων, ἀλλὰ τῷ πρ҃ὶ σου τῷ ἐν τῷ κρυπτῷ καὶ ὁ πη҃ρ σου ὁ βλέπων ἐν τῷ κρυπτῷ ἀποδώσει σοι. μὴ θησαυρίζετε ὑμῖν θησαυροὺς ἐπὶ τῆς γῆς. ὅπȣ σὴς καὶ βρῶσις ἀφανίζει καὶ ὅπου κλέπται διορύσσουσι καὶ κλέπτουσι. θησαυρίζετε δὲ ὑμῖν θησαυροὺς ἐν οὐ҃νῷ ὅπου οὔτε σῆς οὔτε βρῶσις ἀφανίζει. καὶ ὅπου κλέπται οὐ διορύσσουσιν οὐ δὲ κλέπτουσιν. ὅπου γὰρ ἐστιν ο θησαυρὸς ὑμῶν ἐκεῖ ἐσται καὶ ἡ καρδία ὑμῶν. ὁ λύχνος μχ҃. τοῦ σώματος. ἐστὶν ὁ ὀφθαλμὸς. ἐὰν οὖν ὁ ὀφθαλμος σου ἁπλοῦς ᾖ, ὅλον τὸ σῶμα σου φωτεινὸν ἔσται. ἐὰν δὲ ὁ ὀφθαλμὸς σου πονηρὸς ἔσται. ἐὰν δὲ ὁ ὀφθαλμὸς σου πονηρὸς ᾖ, ὅλον τὸ σῶμα σου σκοτεινὸν ἔσται. ἐι οὖν τὸ φῶ' τὸ ἐν σοὶ σκοτος ἐστὶ, τὸ στότος πόσον. οὐδεὶς οἰκέτης μн҃. δύναται δυσὶ κυρίοις δουλέυειν. ἢ γὰρ л. 42 об. τὸν ἕνα μισήσει καὶ τὸν ἕτερον ἀγαπήσει. ἢ ἑνὸς ἀνθέξεται καὶ τοῦ ἑτέρου καταφρονήσει. οὐ δύνασθε θῷ δουλέυειν καὶ μαμωνᾷ μθ҃ Διὰ τοῦτο λέγω ὑμῖν. μη μερϊμνᾶτε τῇ ψυχῇ ὑμῶν τί φάγητε καὶ τί πίητε. μὴ δὲ τῷ σώματι ὑμῶν τί ἐνδύσησθε ȣ҆χὶ ἡ ψυχὴ πλεῖον ἐστὶ τῆς τροφῆς. καὶ τὸ σῶμα τοῦ ἐνδύματος, ἐμβλέψατε ἐις τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ, ὅτι οὐ σπειρουσιν οὐ δὲ θερίζουσιν ȣ҆ δὲ συνάγουσιν ἐις ἀποθήκας. καὶ ὁ πη҃ρ ἡμῶν ὁ οὐ҃νιος τρέφει αὐτὰ. οὐχ ὑμεῖς μᾶλλον διαφέρετε αὐτῶν. τίς δὲ ἐξ ὑμῶν μεριμνῶν δύναται προσθηναι ἐπὶ τὴν ἡλϊκίαν αὐτοῦ πῆχον ἕνα. καὶ περι ἐνδύματος τί μεριμνάτε. καταμάθετε τὰ κρίνα τοῦ ἀγροῦ πῶς αὐξάνει. οὐ κοπιᾷ οὐ δὲ νήθει λέγω δὲ ὑμῖν ὅτι οὐ δὲ σολομὼν ἐν πάσῃ τῇ δόξῃ αὐτοῦ περιεκάλετο ὡς ἓν τούτων. ἐι δὲ τὸν χόρτον τοῦ ἀγροῦ σήμε-

вамъ. ꙗко въсприемлють мьꙁдоу своѭ. ты же егда молишиса. в. вьниди въ клѣть твоѭ. и ꙁатвори двьри твоꙗ. и помолиса о҃цю твоемоу въ таинѣ. и о҃ць твои видаи тꙗ въ таинѣ въꙁдасть тебѣ ꙗвѣ. молаще же са не лихо гл҃ите ꙗко же и ꙗꙁычьници мьнать бо са ꙗко въ мънoꙁѣ гл҃ании своемь оуслышани бѫдѫть. не подобите са оубо имъ. вѣсть бо о҃ць вашь ихъ же трѣбѫете и прѣже прошениꙗ вашего. тако оубо молите са вы ·:· Оч҃е нашь иже еси на нб҃сѣхъ да ст҃ить са имꙗ твое. да придеть цр҃ствие твое. да бѫдеть волꙗ твоꙗ. ꙗка на небеси и на ꙁемли. хлѣбъ нашь наставшаго дн҃е даждь нам дньсь. и ѿпѫсти намъ дългы наша. ꙗко и мы ѿпѫщаем длъжьникомъ нашимъ. и не въведи насъ въ напасть. нъ иꙁбави насъ ѿ неприꙗꙁни. ꙗко твое есть цр҃ствие и сила и слава въ вѣкы аминъ ·:· ꙁ҃а. мѳ҃. мд҃. г҃. Аще оубо ѿпѫщаете чл҃вкмъ съгрѣшениꙗ ихъ. ѿпѫстить и вамъ о҃ць вашь нб҃сныи. аще ли не ѿпѫщаете чл҃вкомъ съгрѣшеньꙗ ихъ. ни о҃ць вашь нб҃сныи ѿпѫстить вамъ съгрѣшении вашихь ·:· мѳ҃. ме҃. г҃. Егда же постите са не бѫдѣте ꙗко і. ѵпокрити. сѣтѫѭще. просмражають бо лица своꙗ. да бѫша сꙗ ꙗвили чл҃комъ постꙗще са. аминъ гл҃ю вамъ ꙗко въсприемлють мьꙁдоу своѭ. ты же постꙗсꙗ. помажи главѫ своѭ. и лице свое оумыи. да не ꙗвишисꙗ чл҃вмъ постꙗса. нъ о҃цѫ твоемѫ. иже есть въ таинѣ. и о҃ць твои видаи въ таинѣ въꙁдасть тебѣ ꙗвѣ. не съкрывайте себѣ съкровищь л. 12 а. на ꙁемли идеже чьрвь. и тьлꙗ тьлить. идеже татые подъкопавають и крадѫть ·:· съкрывайте же себѣ съкровища на нб҃се идеже ни чьрвь. ни тьлꙗ тьлить. ни татие подъкопавають ни крадѫтъ. иде же бо есть съкровище ваше. тѹ есть и ср҃це ваше ·:· свѣтилникъ тѣлѫ есть око. аще оубо бѫдеть око твое просто все тѣло твое свѣтло бѫдеть. аще ли око твое лоукаво бѫдеть. все тѣло твое тьмьно боудеть. аще оубо свѣтъ иже въ тебѣ тьма есть. то тьма колми свѣтить. Никоторыи же рабъ можеть двѣма г҃нома работати. ли единого въꙁненавидить. а дроугаго въꙁлюбить. ли единого дьржить са. а о дрѫꙁѣмь нерадити начьнеть. не можете бѡ҃у работати ни мамонѣ ·:· Сего ради гл҃ю вамъ. не пьцѣте сꙗ дш҃еѭ. вашеѭ. что есте и что пиете. ни тѣлъмь вашимь въ что ѡблѣчете сꙗ. не дш҃а ли больши есть пища. и тѣло одежда. въꙁьрите на птицѣ нб҃сныꙗ. ꙗко ни сѣють ни жьнють. ни събирають въ житьницꙗ. и о҃ць вашь нб҃сныи питѣеть ꙗ. не вы ли паче ихъ лоучьши есте. кто же ѿ васъ пекыисꙗ. можеть приложити тѣлѣ своемь лакъть единъ. і ѡ одежди что сꙗ печете съмотрите цвѣтьць сельныихъ. како растѫть. не трѫжаютьсꙗ ни прꙗдѹть. гл҃ю же вамъ. ꙗко ни соломонъ въ всеи славѣ своиси облѣче сꙗ. ꙗко единъ ѿ сихъ. аще же сѣно се дьньсь сѫщее. а оутрѣ въ огнь вьмета-

ρον ὄντα καὶ αὔριον εἰς κλίβανον βαλλόμενον. ὁ θς̄ οὕτως ἀφιέννουσιν. οὐ πολλῷ л. 43. μᾶλλον ὑμᾶς ὀλιγόπιστοι. μὴ οὖν μεριμνήσητε λέγοντες. τί φάγωμεν ἢ τί πίωμεν ἢ τί περιβαλλόμεθα. πάντα γὰρ ταῦτα, τὰ ἔθνη ἐπιζητεῖ. οἶδε γὰρ ὁ πὴρ ὑμῶν ὁ οὐν͞ιος ὅτι χρήζεται τ8των ἁπάντων. ζητεῖτε δὲ πρῶτον τὴν βασῖλείαν τοῦ θῦ. καὶ ταῦτα παντα, προστεθήσεται ὑμῖν. μη οὖν μεριμνήσετε εἰς τὴν αὔριον. ἡ γαρ αὔριον μεριμνήσει ἑαυτῆς. ἀρκετὸν τῇ ἡμέρα. ἡ κακία αὐτῆς. μὴ κρίνετε ἵνα μὴ κριθῆτε ἐν ᾧ γὰρ κρίματῖ κρίνετε κριθήσεσθε. καὶ ἐν ᾧ μέτρῳ μετρεῖτε, ἀντιμετρηθήσεται ὑμῖν. τί δε βλέπεις τὸ κάρφος τὸ ἐν τῷ ὀφθαλμῷ τοῦ ἀδελφοῦ σου. τὴν δὲ ἐν τῷ σῷ ὀφθαλμῷ δοκὸν οὐ κατανοεῖς ἢ πῶς ἐρεῖς τῷ ἀδελφῷ σου ἄφες ἐκβαλῶ τὸ καρφός τοῦ ὀφθαλμοῦ σου, καὶ ἰδοὺ ἡ δοκὸς ἐν τῷ ὀφθαλμῷ σου. ὑποκριτὰ ἔκβαλλε πρῶτον τὴν δοκὸν ἐκ τοῦ ὀφθαλμοῦ σου. καὶ τότε διαβλέψεις л. 43. τὸ καρφος, εκβαλεῖν ἐκ τοῦ ὀφθαλμοῦ τ8 ἀδελφοῦ σοῦ μὴ δότε τὰ ἅγια τοῖς κυσὶ. μὴ δὲ βάλητε. τοὺς μαργαρίτας ὑμῶν ἔμπροσθον τῶν χοίρων. μήποτε καταπατήσωσιν αὐτοὺς ἐν τοῖς ποσὶν αὐτῶν, καὶ στραφέντες ῥήξωσιν ὑμᾶς. Αἰτεῖτε καὶ δοθήσεται ὑμῖν. ζητεῖτε καὶ εὑρήσετε. κρούετε καὶ ἀνοιγήσεται ὑμῖν. πᾶς γὰρ ὁ αἰτῶν λαμβάνει. καὶ ὁ ζητῶν εὑρίσκει καὶ τῷ κρούοντι ἀνοιγήσεται. ἢ τίς ἐστιν ἐξ ὑμῶν ἄνος ὃς ἐὰν αἰτήσῃ ὁ υἱος αὐτοῦ ἄρτον. μὴ λίθον ἐπιδώσει αὐτῷ, ἢ καὶ ἐὰν ἰχθὺν αἰτήσῃ, μὴ ὄφιν ἐπιδώσῃ αὐτῷ, εἰ οὖν ὑμεῖς πονηροὶ ὄντες οἴδατε δόματα ἀγαθὰ διδόναι τοῖς τέκνοις ὑμῶν, πόσῳ μᾶλλον ὁ πὴρ ὑμῶν ὁ οὐν͞ιος. δώσει ἀγαθὰ τοῖς αἰτοῦσιν αὐτόν. πάντα ὅσα ἂν θέλητε ἵνα ποιῶσιν ὑμῖν οἱ ἄν͞οι, οὕτω καὶ ὑμεῖς ποιεῖτε αὐτοῖς. οὕτω γὰρ ἐστιν ὁ νόμος καὶ οἱ προφῆται. εἰσέλθατε διά л. 44. τῆς στενῆς πύλης ὅτι πλατεία ἡ πύλη καὶ εὐρύχωρος ἡ ὁδὸς ἡ ἀπάγουσα εἰς τὴν ἀπώλειαν. καὶ πολλοί εἰσὶν οἱ εἰσερχόμενοι δἰ αὐτῆς. τι ἡ στενὴ ἡ πύλη καὶ τεθλιμμένη ἡ ὁδὸς, ἡ ἀπάγουσα πρὸς τὴν ζωὴν, καὶ ὀλίγοι εἶσὶν οἱ εὑρίσκοντες αὐτήν. προσέχετε δὲ ἀπὸ τῶν ψευδοπροφητῶν. οἵτινες ἔρχονται πρὸς ὑμᾶς ἐν ἐνδύμασῖ προβάτων ἔσωθεν δὲ εἰσὶ λύκοι ἅρπαγες. ἀπὸ τῶν καρπῶν αὐτῶν, ἐπῖγνώσεσθε αὐτούς. μήτῖ συλλεγουσιν ἀπὸ ἀκανθῶν σταφυλὴν, ἢ ἀπὸ τριβόλων σῦκα, οὕτω πᾶν δένδρον ἀγαθὸν, καρποὺς καλοὺς ποιεῖ. τὸ δε σαπρὸν δένδρον, καρποὺς πονηροὺς ποιεῖ. οὐ δύναται δένδρον ἀγαθὸν, καρποὺς πονηροὺς ποιεῖν. οὐ δὲ δένδρον σαπρὸν καρποὺς καλοὺς ποιεῖν. πᾶν δένδρον μὴ ποιοῦν καρπὸν καλὸν ἐκκόπτεται καὶ εἰς πῦρ βάλλεται. ἄρά γε ἀπὸ τῶν καρπῶν αὐτῶν, л. 44 об. ἐπιγνώσεσθε αὐτοὺς οὐ πᾶς ὁ λέγων μοι κε̄ κε̄ εἰσελεύσεται εἰς τὴν βασιλείαν τῶν οὐν͞ων. ἀλλ' ὁ ποιῶν τὸ θέλημα τοῦ πρ̄ς μου τοῦ ἐν τοῖς οὐν͞οις. πολλοὶ ἐροῦσι μοι ἐν ἐκείνῃ τῇ ἡμέρα κε̄ κε̄. οἱ τῷ σῷ ὀνόματι ἐπροεφητεύσαμεν. καὶ τῷ σῷ ὀνόματι δαιμόνια ἐξεβάλομεν, καὶ τῷ σῷ ὀνόματῖ εις δυνάμ πολλὰς ἐποιήσαμὲν, καὶ τότε ὁμολογήσω αὐτοῖς ὅτι οὐδέποτε ἔγνω ὑμᾶς. ἀποχωρεῖτε ἀπ εμοῦ οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ἀνομίαν. πᾶς ὅστις ἀκούει μου τοὺς λέγους τούτους καὶ ποιεῖ αὐτούς,

мо. бъ̄ тако одѣваѥть. кольми паче васъ маловѣри. не пьцѣтесꙗ ѹбо глю҃ще. что ѣмъ или чьто пиѥмъ. ли чимь ѡ҆деждемъсꙗ. всѣхъ бо сихъ ꙗзы҃ци ищють. вѣсть бо оц҃ь вашь небесьныи. ꙗко трѣбѹѥте сихъ всѣхъ. ищѣте же паче цр҃твиꙗ бж҃иꙗ. и правьды ѥго и си вьсꙗ приложатьсꙗ вамъ ·:· не пьцѣтеса ѹбо на оутрѣи. оутрьнїи бо дьнь собою печетьса. довълѥть дьни зълоба своꙗ ·:· Не осѫждаите да не осѫждени бѫдете. имь же бо соудъмь сѫдите сѫдать вамъ л. 13 а. и въ нюже мѣроу мѣрите възмѣритьсꙗ вамъ. Что же видиши сѫчьць иже ѥтть въ оцѣ брата твоѥго. а бьрвьна ѥже ѥсть въ оцѣ твоѥмь не чюши (sic) или како речеши братѫ твоѥмѫ остави и изьмѫ сѫчьць изъ очесе твоѥго. и бьрвьно въ оцѣ твоѥмь. лицемѣре. ізьми пьрвѣѥ бьрвьно изъ очече твоѥго. и тъгда оузьриши изати сѫчьць ізъ очесе брата твоѥго. Не дадите ст҃аго псомъ ни помещѣте бисьръ вашихъ прѣдъ свиниꙗми. да не попержть ихъ ногами своими. и врашьшесꙗ растьргнѫть вы ·:· ма҃. нг. Просите и дастьса вамъ. ищѣте и обращете. тълцѣте и ѿвьзътьсꙗ вамъ. вcase бо просꙗи приѥмлеть. и ищаи обрѣтаѥть. и тълкѫщоуоумѫ ѿвьрзаѥтьсꙗ ·:· ли кто ѥсть ѿ васъ чловѣвъ. ѥго же аще просить сн҃ъ свои хлѣба. еда камень подасть ѥмоу. ли аще рыбы просить. еда змию подасть ѥмоу. аще оубо лѫкавии сѫще. оумѣѥте даꙗниꙗ благаꙗ. даꙗти чадомь вашимъ. колмі паче оц҃ь вашь иже ѥсть на нбсьхъ дасть благаꙗ просащиимь оу нѥго ·:· Вcase оубо ѥлико аще хощете. да творꙗть вамъ члв҃ци. тако и вы творите імъ. се бо ѥсть законъ и прр҃ци ·:· Вънидѣте оузъкыими враты. ꙗко пространа врата и широкъ пѫть вьводꙗи въ пагѫбѫ. и мнози сѫть въходащеи имь. Коль оузъка врата. и тѣснъ пѫть. въводаи въ животъ. і мало ихъ ѥсть иже и обрѣтають ·:· Вънемлѣте ѿ лъжиихъ прр҃къ. иже приходать къ вамъ въ ѡдеждахъ овчахъ. вънѫтрь же соуть вълци и хыщьници. ѿ плодъ ихъ позпаите ꙗ ·:· Єгда обьѥмлють ѿ трьниꙗ грозиъ. ли ѿ рѣпьꙗ смокви тако вьсꙗко дрѣво добро. плоды добры творіть. а зло дрѣво плъды зълы творить. не можеть дрѣво добро плода зла творіти. ни дрѣво зло пло҃дъ добръ творити ·:· Всꙗко дрѣво ѥже не творить плода добра посѣкають ѥ. и въ ѡгнь въмѣтають. тѣмже ѹбо ѿ плодъ ихъ познаите ꙗ ·:· не вьсь глꙗи ми гн҃и гн҃и. вънидеть въ цр҃твиѥ нб҃ское. нъ твораи волю оц҃а моѥго иже ѥсть на небесьхъ ·:· мнози рекоуть мънѣ въ ты дн҃и гн҃и гн҃и. не въ твоѥ ли има прр҃чьствовахомъ. и твоимъ именемь бѣсы изгониихомъ. и твоимъ іменьмь силы многы сътворихомъ. и тъгда и повѣмь имъ. ꙗко николиже знахъ васъ. отидѣте ѿ мене дѣлающеи безаконниѥ ·:· вьсъ оубо иже слышить словаса моꙗ сии творить ꙗ. ѹподоблю и моу-

ὁμοιώσω αὐτὸν ἀνδρὶ φρονίμω. ὅστις ὠκοδόμησε τὴν οἰκίαν αὐτοῦ ἐπὶ τὴν πέτραν. καὶ κατέβη ἡ βροχὴ. καὶ ἦλθον οἱ ποταμοὶ. καὶ ἔπνευσαν οἱ ἄνεμοι. καὶ προσέπεσαν τῆ οἰκία ἐκείνη καὶ οὐκέπεσε. τεθεμελίωτο γὰρ ἐπὶ τὴν πέτραν. καὶ πᾶς ὁ ἀκούων μου τοὺς λόγους τούτους καὶ μὴ ποιῶν αὐτοὺς, ὁμοιωθήσεται ἀνδρι μωρῶ. ὅστις ὠκοδόμησε τὴν οἰκίαν αὐτοῦ ἐπὶ τὴν ἄμμον. καὶ κατέβη л. 45. ἡ βροχὴ καὶ ἦλθον οἱ ποταμοὶ. καὶ ἔπνευσαν οἱ ἄνεμοι. καὶ προσέκοψαν τῆ οἰκία ἐκείνη καὶ ἔπεσε. καὶ ἦν ἡπτῶσις αὐτῆς μεγάλη σφόδρα. καὶ ἐγένετο ὅτε συνετέλεσεν ὁ Ις̅ τοὺς λόγους τούτους ἐξεπλήσσοντο οἱ ὄχλοι ἐπὶ τῆ διαχῆ αὐτοῦ. ἦν γὰρ διδάσκων αὐτοὺς, ὡς ἐξουσίαν ἔχων καὶ οὐχ ὡς οἱ γραμματεῖς.

жю мѹдрѹ. иже съзъда храминоу свою на камене. и сънидє дъждь. и прідоша рѣкы. и въз҄вѣꙗша вѣтри. и нападоу на храминѹ тѫ. и непадеса. основана бо бѣ на камене. и вьсь слышаи словеса моꙗ си и не творꙗи ихъ. оуподобиться мѹжю боуію. иже съзьда свою храминоу на пѣсъцѣ. и сънидє дьждь и придоу рѣкы. и въз҄вѣꙗша вѣтри. и опьрошасꙗ храминѣ той. и падеса. и бѣ раздроушениє єꙗ велиє ѕѣло.. и бы̄ єгда съконьча і҃съ вьсꙗ словеса си. дивлꙗахѹса. народи о оучении єго. бѣ во ѹча ꙗ. ꙗко власть имыи а не ꙗко книжьници ихъ и фарисеи ·:·

Чтеніе и объясненіе снимка.

л. 145. Ἐυαγγέλιον κατὰ λουκᾶν. Ἐπειδήπερ πολλοὶ ἐπεχείρησαν ἀνατάξασθαι διήγησιν. περὶ τῶν πεπληροφορημένων ἐν ἡμῖν πραγμάτων. καθὼς παρέδοσαν ἡμῖν οἱ ἀπ᾽ ἀρχῆς αὐτόπται καὶ ὑπηρέται γενόμενοι τοῦ λόγου. ἔδοξε καμοὶ παρηκολουθηκότι ἄνωθεν πᾶσιν.

л. 255. Запись писца: Τὸ παρὸν τετραευαγγέλιον ἔγραφη διὰ χειρὸς Ἰωάννου ἁμαρτωλοῦ ἱερέως μηνὶ μαίω. ιβ. τοῦ ͵ςψζ. ἔτους (1199 г.).

Слова съ знаками препинанія: ἀμήν:· ἁμαρτίας.

Сокращенія и слова съ титлами: ἄφωνται, αὐτοῖς οὕτως. καὶ εἰπεῖν πορευόμενος. ἀνθρώπου.

Слова въ связи съ другими: α., ἀφιεναι. ὑπάγε. ε., ἔρχεται ἐθεράπευσεν. εἰς. ν., τὴν λέγων. σ., παντες σε.

V. Стихирарь нотный.[1]).

Находится въ Русскомъ Императорскомъ Археологическомъ обществѣ подъ № 1-мъ.

Длина пергамина	6	в.
Ширина	$4\frac{5}{8}$	в.
Къ корешку	$\frac{3}{8}$	в.
Къ правой сторонѣ	$1\frac{1}{8}$	в.
Къ верху	$\frac{3}{8}$	в.
Къ низу	1	в.

Пергаменъ выдѣланъ хорошо, хотя и не такъ тонокъ. Кой гдѣ есть поврежденія въ немъ.

Писанъ скорописью въ одинъ столбецъ съ Греческими нотами на 258. листахъ. Помѣта тетрадей Греческая внизу съ правой лицевой стороны, а Грузинская помѣта, какъ замѣтилъ Г. Прозоровскій, вверху въ углу въ началѣ тетради, и въ концѣ тетради внизу послѣдней 16-й оборотной страницы. Число строкъ на страницахъ 21. Первая заставка по золотому фону состоитъ изъ цвѣтовъ съ синею краскою, розовою и голубою. Прочія малыя заставицы и заглавныя

---

[1]) Сей Стихирарь означенъ здѣсь подъ числомъ рукописей V, тогда какъ надо бы означить. 1. До напечатанія описи сего Стихираря Г. Прозоровскимъ я не зналъ сей рукописи. По просьбѣ моей при содѣйствіи Г-на Библіотекаря ИМПЕРАТОРСКОЙ Публичной Библіотеки Аѳанасія Ѳеодоровича Бычкова эта драгоцѣнная рукопись 1106. года мнѣ лично доставлена Секретаремъ Общества и профессоромъ ИМПЕРАТ. С. П. Б. Университета Иваномъ Васильевичемъ Помяловскимъ 9. Апрѣля 1879. г. Глубокая моя имъ признательность за содѣйствіе и доставленіе ко мнѣ лично на домъ этой рукописи.

буквы писаны большею частію карминною краскою. Заглавныя буквы очень фигурны. Писецъ въ правописаніи весьма часто писалъ ι. вм. η и ει., αι, вм. ε. ω. вм. ο. Стихирарь состоитъ изъ нѣсколькихъ стихиръ избраннымъ святымъ на весь годъ, въ четыредесятницу и Пасху до недѣли всѣхъ святыхъ. Подобное содержаніе сего стихираря описано Г. Прозоровскимъ въ его описи древнихъ рукописей хранящихся въ Музеѣ Императорскаго Русскаго Археологическаго общества. См. стр. 3—14. На пустомъ листѣ въ концѣ книги замѣчено О. Архимандритомъ Антониномъ: „Стихиры на пасху не извѣстныя у насъ и въ Греціи".

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Τῇ παραμονῇ τῶν χῦ γέννω.

φ. 66 об. ηχ. κ. Δεῦτε ἀγαλιασωμεθα τῶ Κυρίω. το παρον μυστηριον ἐκδιηγουμενοι. τὸ μεσοτυχον τοῦ φραγμοῦ διαλλελυται. η φλογινη ρομφαια τα νοτα διδωσιν. καὶ τὰ χερουβιμ παραχωρεῖ του ξυλου τῆς ζωῆς καγὼ. τοῦ παραδεισου τῆς τρυφῆς μεταλαμβανω. ου προσεξεβλιθη διὰ τῆς παρακοῆς. ἡ γὰρ ἀπαλλάκτος εἰκὼν τοῦ πατρος. ο χαρακτηρ τῆς ἀειδιοτιτος αὐτοῦ. μορφὴν δούλου λαμβάνει. ἐξαπειρογάμου μητρὸς προελθων. οὐ τροπὴν ὑπομηνας. ο γαρ ην διεμεινας θεὸς ων ἀληθηνος. καὶ ο οὐκ ην προσελαβεν ἄνθρωπος γενόμενος δια φιλανθρωπιαν. αὐτῶ βοήσωμεν. ὁ τεχθεὶς ἐκ παρθενου θεὸς. ἐλέησον ἡμᾶς.

Изъ Стихираря XII г. № 384-й Софійской Новгородской Библіотеки. 1156—1166. г.

л. 13. об. Накеүе рож. хва. сти. гла. к.

к. Придѣте въздрадоуемъса господеви. нынѣшьнюю таиноу испокѣдающе. средоградне стѣнѣ разорися. и пламеньно ороужїе плещи даеть ми и херовимъ отстоупаеть от древа жизни. и азъ. рая пища причащюся. иж негоже изгнанъ быхъ преслоушения ради. ибо неизмѣньныи образъ отьць. образъ подобия присносоущия его. образъ рабии прїемлеть. из неискоусобрачныя матере пришьдъ. не прѣложение принятъ. еже бо бѣ прѣбысть, богъ сын истиньнъ. и еже не бѣ принятъ. человѣкъ бысь л. 14. быкъ. за человѣколюе. томоу възъпиемъ. рожнися отъ дѣвы боже помилоуи насъ: ·

φ. 67. ηχ. κ. Τοῦ Κυριου. ἰησοῦ γεννηθεντος. ἐκ τῆς αγίας παρθενου πεφώτησται., τὰ σύμπαντα. ποιμενων γὰρ ἀγραυλοῦντων. καὶ μάγων προσκυνούντων. ἀγγέλων ἀνυμνοῦντων ηρωδης εταράττετο. ὅτι θεος ἐν σαρκὶ εφανη σωτηρ τῶν ψυχῶν ἡμῶν.

Господоу иисоусоу рожьшоуся. отъ святыя дѣвица. просвѣтишася всячьская. пастыремъ свирающемъ и вълхвомъ покланяющемъся. ангеломъ въспѣвающемъ иродъ матяшеся. яко богъ. плътию явися. съпасъ доушамъ нашимъ: ·

ηχ. κ. Ἡ βασιλεια σου χριστε ο θεὸς. βασιλεια παντων τῶν αἰώνων. καὶ ἡ δεσποτεια σου ἐν πασι γεννεα καὶ γενεᾶ. ὁ σαρκωθεις ἐκ πνέυματος ἁγίου. καὶ ἐκ τῆς ἀειπαρθένου μαριας ενανθρωπησας. φῶς ἡμῖν ἔλαμψεν χριστὲ ὁ θεὸς ἡ σὴ παρουσία. φῶς ἐκ φωτὸς τοῦ πατρὸς τὸ ἀπαυγασμα. πᾶσαν κτισιν ἐφαίδρυνας. πᾶσα πνωὴ αἰνεῖται τὸν χαρακτῆρα τῆς δόξης τοῦ πατρὸς. ο ων καὶ προων. καὶ ἐκλάμψας ἐκ παρθένου ἐλέησον ἡμᾶς.

Цьсарьствие твое христе боже. цьсарьствие всѣх вѣкъ. и владычьствие твоие въ вьсякомъ родѣ и родѣ. въплъщься отъ доуха свята. и отъ присньдѣвыя марня въчловѣчивыися. свѣтъ нашь въсия христе боже. твоимь пришьствиемь. свѣтъ ѿ свѣта. отьче зарение. вьсю тварь просвѣтилъ еси. вьсяко дыхание славить тя. л. 14 об. Образъ славы отьца сын прѣже сы въсиявы отъ дѣвы помилуи насъ жоже: ·

ηχ. κ. Τι σοι προσενέγκωμεν χριστε. ὅτι ὤφθης ἐπὶ γῆς ὡς ἄνθρωπος δι' ἡμᾶς. εκαστον γαρ τῶν ὑπο σου γενομενων κτισμάτων. τὴν εὐχαριστεῖαν σοι προσαγει. οἱ ἄγγελοι τὸν ὕμνον. οἱ οὐρανοὶ τὸν ἀστέρα. οἱ μάγοι τὰ δῶρα. οἱ ποιμεναις τὸ θαῦμα. ἡ γῆ τὸ σπήλαιον. ἡ ερημος τὴν φατνην. ἡμεῖς δε μητερα παρθενον. ὁ πρὸ αἰώνων θεὸν ἐλέησον ἡμᾶς.

Сла. Что ти принесемъ христе. яко явися на земли. яко человѣкъ насъ ради. кажьда бо тварь бывъшия. тобою. благодарение ти приносить. ангели хваление. небеса же звѣздоу. вълъсви дарение. пастыри дивление. земля пещероу. поустыни ясли. мыже. матерь дѣвоу. прѣвѣчьныи боже помилоуи насъ: ·

Κασίας μοναχ... ηχ. κ. Αὐγουστου μοναρχήσαντος ἐπὶ τῆς γῆς. ἡ πολυαρχία τῶν ἀνθρώπων ἐπαύσατο. καὶ σου ἐνανθρωπεισαντος ἐκ τῆς ἁγνῆς. ἡ πολυθεΐα τῶν εἰδώλων κατηργηται. ὑπὸ μίαν βασιλεῖαν ἐγκόσμιον αἱ πόλεις γεγεννηνται. καὶ εἰς μιαν δεσποτεῖαν θεότιτος. τὰ ἔθνη

· Ини. Авгоусту единовластьствоующоу на земли. многоматежьно человѣчьство оуставляшеся. тебеже въплъщьшоуся отъ чистыя. мъногобожьно идольское прокланяшеся. въ едино цьсарьство мирьно гради быша. и въ единоу власть божьствьноу. азыци вѣро-

ἐπίστευσαν. ἀπεγραφησαν οἱ λαοὶ τῷ δόγματι τοῦ καισαρος. ἐπεγραφημεν οἱ πιστοὶ ὀνόματι θεότητος. σου τοῦ ἐνανθρωπείσαντος θεοῦ ἡμῶν. μέγα σου τὸ ἔλεος Κύριε δόξα σοι.

ваша. ѡтъписашеса людие повелѣниѥ кесарева. написахомъса вѣрьнии. л. 15. имена божьствьноуоумоу. тебе въчловѣчьшасѧ бога нашего. велиꙗ ти милость господи слава тебе:·

По прѡ. ѕ. Ангельскꙑꙗ прѣдъидѣте силы. въ вифлеѡмѣ оуготовите ꙗсли. слово бо ражаетсꙗ. премоудрость приходить. приими цѣлование цьркы на радость богородици. людие рьчѣмъ. благословенъ рожьсꙗ богъ нашь слава тебе:·

Троубьныи гласъ вънемлѣте пастыри. словеса вышьствьнаꙗ. ѿтъверзѣте вълсви. хълми радостию придѣте дъщери цьсаревы. на радость богородици людие рьцѣмъ благословенъ рожьсꙗ.

Радость ради моуже неискоусьнаꙗ мариꙗ престала есть оубо. праѡтьцьскаꙗ печаль. несъзьданыи ражаетьсꙗ. безъ ѿтьца исходить, дьньсь прелесть по лътисѧ. рожьшаагосꙗ ради цьсара. людие рьцѣмъ. благословенъ рожьсꙗ:·

φ. 68. ἠχ. δ. 'Ευφραινεσθαι δικαιοι. οὐρανοὶ ἀγαλλιασθαι. σκηρτησαται τὰ ορη. χριστοῦ γεννηθεντος. παρθενος καθεζεθαι τὰ χερουβὶμ μιμουμενη. βασταζουσα εν κολποις θεον λογον σαρκωθεντα. φ. 68 об. ποιμενες τὸν τεχθέντα δοξαζουσιν. μάγοι τῷ δεσποτη δῶρα προσάγουσιν. ἄγγελοι ἀνυμνοῦντες λέγουσιν. ακατάληπτε Κύριε δόξα σοι.

Д. л. 15. об. Веселитесꙗ правьдьнии. небеса радоуитесꙗ. възыграитесꙗ горы христоу рожьшоусꙗ. дѣваꙗ бо сѣдить херовимоу подобꙗщисꙗ. носꙗщи на лонѣ божие слово въплъщено. пастыри рожденоуѹмоу дивꙗтьсꙗ. вълъсви владыцѣ дары приносꙗть. ангели въспѣвающе глаголахоу. непостыжимые господи слава тебе:·

Ηχ. δ. Θεοτόκε παρθενε, ἡ τεκουσα τὸν σωτηρα ἀνετρεψας τὴν πρώτην καταραν τῆς ευας. ὅτη μήτηρ γεγωνας τῆς εὐδοκίας τοῦ πατρὸς. βαστάζουσα ἐν κόλποις. θεον λόγον σαρκωθέντα. οὐ φέρει τὸ μυστήριον ἐρευνᾶν. πιστοι μονη τουτον παντες δοξάζωμεν. κράζοντες. μετὰ σου καὶ λέγοντες. ἀνερμηνευτε Κύριε δόξα σοι.

Богородице дѣво. рожьши съпаса. оупраздни клꙗтвоу пьрвоую евжиноу ꙗко мати бысть благоволениꙗ ѿтьца носꙗщи на лонѣ божиꙗ слова въплъщена. не тьрпить таина испытаниꙗ. вѣрою единоу сию прославимъ. вопиюще съ тобою и глаголюще. неиздреченьне господи слава тебе:·

Ηχ. δ. Δεῦται ἀνυμνησωμεν. τὴν μητέραν τοῦ σωτηρος. τὴν μετὰ τόκον πάλιν. ωφθησαν. παρθενον. χαιροις πολις ἔμψυχε τοῦ βασιλεως καὶ θεοῦ. ἐν ῃ χριστὸς οικησας σωτηρίαν ηργάσατο. μετὰ τοῦ γαβριὴλ ἀνυμνήσωμεν. μετὰ τῶν ποιμένων δοξάσωμεν. κράζοντες. θεοτόκε πρέσβευε. τῷ ἐκ σοῦ σαρκωθέντι σωθῆναι ἡμᾶς.

Придѣте въсхвалимъ матерь съпасовоу. ꙗкы по рожьствѣ ꙗвленоу дѣвоу. л. 16. радоуисꙗ граде доушевьныи. цьсарꙗ и бога. въ немь же христосъ поживъ. съпасение сдѣꙗ. съ гавриломь поемь тꙗ. съ пастыри прославимъ. вопиюще. богородице молисꙗ въплъщеноуоумоу ис тебе съпастисꙗ намъ:·

ἠχ. δ. 'Ο πατηρ ηυδοκησεν. ὁ λόγος σάρξ ἐγένετο. καὶ ἡ παρθενος ἔτεκεν θεὸν ἐνανθρωπήσαντα ἀστὴρ μηνυει. μάγοι προσκυνουσιν. ποιμενες θαυμαζουσιν. καὶ ἡ κτίσις ἀγάλλεται.[1]

Сла и нҍі.

Отьць изволилъ есть. и плъть бысть. и дѣваꙗ роди бога въчловѣчьшасꙗ. звѣзда възвѣщаеть. вълъсви клатꙗютьтꙗ. пастыри дивꙗтьсꙗ. и тварь радоуетьсꙗ:·

φ. 67 об. ηχ. β. Σημερον ο χριστὸς ἐν βηθλεὲμ γεννᾶτε ἐκ παρθένου. σήμερον ὁ ἄναρχος ἄρχεται καὶ ὁ λόγος σαρκοῦται. αἱ δυνάμεις τῶν οὐρανῶν ἀγάλλονται. καὶ ἡ γῆ σὺν τοῖς ἀνθρώποις εὐφραίνεται. οἱ μάγοι τὰ δῶρα προσφέρουσιν. ὑ ποιμεναις τὸ θαῦμα θαυμάζουσιν. ἡμεῖς δὲ ἀκαταπαυστως βοῶμεν, δόξα ἐν ὑψίστοις θεῷ καὶ ἐπὶ γῆς εἰρήνη ἐν ανοις ευδοκία.

Гл а. в. Дьньсь христосъ въ вифлеѡмѣ ражаетьсꙗ ѿтъ дѣвица. дьньсь безначальныи зачало приемлеть. и слово въ плъть бываеть. силы небесьныꙗ радоуютьсꙗ. землꙗ съ человѣкы веселитьсꙗ вълъсви владычѣ дары приносꙗть. пастыри ѡ чюдеси дивꙗтьсꙗ. мыже. непрѣстающе вопиемъ. л. 16. об. слава въ вышьнихъ богоу и на земли миръ въ человѣцѣхъ благоволение:·

Пѡ. Дьньсь безначальныи. ѿтьцю сынъ начатъкъ приемлеть. дьньсь несъзьданыи зиждетьсꙗ. неплъщении съмѣраетьсꙗ. пеленами неприкосновеныи. ѡвиваетьсꙗ (sic) въ ꙗсльхъ христосъ полагаетьсꙗ. оуже нѣсть плача клꙗтвьнаго. радости бо податель ражаетьсꙗ. о чюдо. ѡ оудивление. ѡ благости въистиноу съ нами христосъ. въ едино растоꙗщаасꙗ. съмѣшение събирꙗꙗ:·

[1] Въ Славянскомъ Стихирарѣ XII в. эта стихира прежде написана предъидущей.

По̑. Ѕижетьса егоже нирева ѡтьць ражасть. преже дьньнира ражаетьса богъ. егоже повелѣнию покиноуютьса соуцила. къ ѡтьцихъ възглашенне приходить. къ пророцѣхъ прореченне раздрѣшаетьси. прѣстолъ давыдовъ. ѡбнавлаетьса. ѡтъ нюды кънязь ѡскоудѣ. л. 17. ѕвѣзда. ѡтъ иакова въсниа. прнде богъ ѡтъ оуга. донть дѣвнца. адамъ ѡбнавлаетса:·

φ. 69 об. ἠχ. πа̑. (5). Μαγοι περσων βασιλεὺς. ἐπιγνῶντες σαφῶς. τὸν ἐπὶ γῆς τεχθέντα βασιλέα ουρανων. ὑπὸ λαμπροῦ ἀστέρος ελκομενοι εφθασαν. ἐν βηθλεὲμ δῶρα προσφέροντες ἐγκριτα. χρυσον καὶ λιβανον καὶ σμύρναν. καὶ πεσόντες προσεκύνησαν. ἰδὼν γὰρ ἐν τῶ σπηλαίω. βρεφος κιμενον τὸν ἄχρονον.

є̑. Вълъсви пьрсьстии цьсаре. оувѣдѣвъше моудро на ѕемли. рожьшагоса цьсара небесьнааго. ѡтъ свѣтьлыиа ѕвѣзды водими придостигоша. въ вифлеѡмъ дары приносаще чьстьныса. злата и ливанъ и змюрноу. и падъше поклониша са. видѣша бо въ вьртьпѣ. младеньць лежащь безлѣтьнъ:·

φυλ. 70. ἠχ. πв̑. (6). Χορέυουσιν αγγελοι παντες. ἐν οὐρανῶ. καὶ ἀγάλλονται σημερον σκιρτάτω πᾶσα ἡ κτισις. διὰ τὸν γεννηθέντα ἐν βηθλεέμ. σωτῆρα κύριον. ὅτι πᾶσα πλανὴ τῶν ειδώλων πεπαυται. καὶ βασιλέυει χριστὸς εἰς τοὺς αἰῶνας.

Ликоують ангели вьси на небесѣхъ. и радоуютьса дьньсь. играють же вса създаниа. рожьшагоса ради въ вифлеѡме. съпаса и господа. яко вьса съблазнь идольскаꙗ ѡтъпаде. и цьсарьствоуеть христосъ въ вѣкы.

ἠχ. πв̑. (6). Δόξα ἐν ὑψίστοις θεῶ καὶ ἐπὶ γῆς ειρήνη. σήμερον δέχεται ἡ βηθλεὲμ τὸν καθήμενον δια παντὸς σὺν πατρι. σήμερον ἄγγελοι τὸ βρεφος τὸ τεχθὲν. θεοπρεπῶς δοξολογουσιν. δόξα ἐν ὑψίστοις θεῶ. καὶ ἐπὶ γῆς ειρήνη ἐν ἀνθρώποις εὐδοκία.

г̑. Слава въ вышьнихъ богоу. и на ѕемли миръ. дьньсь въсприимаеть л. 17. об. вифлеѡмъ. сѣдащааго вьиноу съ ѡтьцемь. дьньсь англи младеньца рожьшаагоса боголѣпьно славословать. слава въ вышьнихъ богоу. и на ѕемли миръ. въ чловѣчѣхъ благоволение:·

φυλ. 70 об. πв̑. (6). Σήμερον. ι ἄορατος φύσις. τοῖς κροτοις ἐκ παρθένου συνάπτεται. σήμερον ἡ απηρος ουσία ἐν βηθλεὲμ σπαργανοις ενηλησσεται. σήμερον ὁ θεος. δι αστέρος μάγους εἰς προσκύνησιν αγει. προμηρυων αὐτοῦ τὴν τριήμερον ταφὴν. ὡς ἐν χρυσω. καὶ σμυρνη καὶ λιβανω. δι ου ψάλλομεν ὁ σαρκωθεὶς ἐκ παρθενου. χριστὲ ὁ θεὸς σῶσον τὰς ψυχὰς ἡμῶν.

ѕ̑. Дьньсь невидимое естьство ѕемьныимъ. ѡтъ дѣвы съвъкоуплаетьси. дьньсь исконсьно соуцьство. въ вифлеѡме пеленами повиваетьси. дьньсь богъ ѕвѣздою вълхвы на поклонение приводить. прѣдъвъзвѣщаꙗ свое тридьневьное погребение. яко злато. и ливанъ и змоурноу. тѣмъ въспоимъ. въплътивыиса ѡтъ дѣвы христе боже съпаси доуша наша:·

ἠχ. πδ̑. (8). Παραδοξον μυστηριων οικονομειται σημερον καινοτομουνται (sic) φυσις. καὶ θεος ἄνθρωπος γηνεται. οπερ ἠν μεμενηκεν. καὶ ὁ οὐκ ἠν προσελαβεν. ου φυρμον ὑπομεινας ουδε διαίρεσιν.

Преславное таиньство съмотриса дьньсь. ѡбнавлаютьса сетьсства. и богъ чловѣкъ бываеть. еже бѣ прибысть и егоже не бѣ приꙗтъ. не съмоущение претьрпѣвъ. ни раздѣление:·

φυλ. 137 об. Μηνὶ τῶ αὐγούστω λᾱ. τῆς τιμίας ζώνης.

л. 96. об. Мц҃а то̑ (Августа) въ ла̑ ст҃ни бц҃и поло̑. поꙗса гла̑. в̑.

ἠχ. в̑. Ὡς στεφανον ὑπερλαμπρον παραχραντε θεοτοκαι (sic). τὴν ζώνιν σου τις ἁγίαν. ι εκκλησια τοῦ θεοῦ περιεθετω. καὶ φαιδρύνεται χαιρουσα σιμερον. καὶ μυστικῶς χωρέυι δέσποινα ἐκβοῶσα σοι. χαῖρε. διαδιμα τιμιον. καὶ καὶ στεφανε, τῆς θείας δοξις. χαῖρε. μονη ι δόξα τοῦ πληρώματος καὶ εωνιος εὐφροσύνη. χαῖρε τῶν ισεπροστρεχονρων. λιμιν καὶ προστασια καὶ σωτιρια ἡμῶν.

Ꙗко вѣньць пресвѣтьлъ. пречистаꙗ богородице. поꙗсъ твои сватыи. цьркы божиꙗ превѧзаси. и свѣтитьса радоующиси дьньсь. и таино ликъствоуеть, владычице въпиюшти ти. л. 97. радоуиси. оукраѕение чьстьное. и вѣньць божиꙗ славы. радоуиса. едина слава съвершению.. и вѣчьное веселие. радоуиса. къ тебе притѣкающиимъ пристанище и избавление. и съпасение наше:·

φυλ. 210 об. 2-я стихира на св. Пасху. ἠχ. ᾱ.

Ἀναστασεως ἡμέρα καρποφορήσωμεν ἑαυτοὺς. τω τιμηωτατον κτιμα καὶ οἰκιότατον. ἀποδῶμεν τι εἰκόνι τὸ κατ᾽ εἰκόνα γνωρίσωμεν ἡμῶν τὸ ἀξιωμα φυλ. 211. τιμησωμεν τὸ ἀρχέτυπον. γνῶμεν τοῦ μυστηριου τὴν δυναμιν. καὶ ὑπὲρ τινος χριστὸς ἀπέθανεν. ἵνα ἡμᾶς τοὺς νεκρωθέντας ἐπαράξη πρὸς ζωὴν. ὡς μονος ἀγαθὸς καὶ φιλάνθρωπος.

3. ηχ. α҃. Τῆς λαμπρᾶς καὶ ἐνδόξου ἑορτάση μου ἀναστάσεως. τὰ σύμβολα λαβοῦσαι. αἱ τοῦ Κυρίου μαθητριαι. ταῦτα τοῖς ἀποστόλοις. ευηγγελίζοντο λέγουσαι. μηκετι κρύπταισθαι. ἀλλὰ κηρύξαται τοῦ σωτηρος ἡμῶν τὴν τριημερον ἔγερσιν. τὸν ἅδην γὰρ ἐσκύλευσεν. καὶ ἡμῖν ἐδωρήσατω. ἀφθαρσίαν καὶ ζωὴν καὶ ἀνάστασιν ὡς ἀγαθῶς καὶ φιλάνθρωπος.

4. ηχ. β҃. Πάσχα κυρίου ἑορτάζετω σήμερον ὁ συμπας κόσμος. ὑπὲρ ἡμῶν γὰρ ἐτύθη χριστὸς ὁ σωτὴρ ἡμῶν. ἡνα ἡμᾶς. ἐξαγοράσει ἐκ τῆς καταρας τοῦ νόμου. τῶ ἑκουσίω καὶ ζωοποιῶ αὐτοῦ πάθη. ὡς δυνατὸς καὶ μόνος ἀθάνατος.

5. ηχ. πα҃. (5). Ἀναστάσεως ἡμέρα. καὶ λαμπρυνθωμεν πανηγυρη. καὶ ἀλληλοις περιπτυξωμεθα. εἴπωμεν ἀδελφοί. καὶ τοῖς μισοῦσιν ἡμᾶς. συγχωρίσωμεν παντα τῆ αναστασει. καὶ ουτος βοήσωμεν. χριστὸς ἀνέστη.

Чтеніе и объясненіе снимка

л. 210. об. Τῆ ἀγία καὶ μεγάλη κυριακῆ τοῦ πάσχα. ηχ. α҃. Ιωάννου (Δαμασκηνου).

Σήμερον σωτηρία τῶ κόσμω. οσος τε ορατος. καὶ οσος αορατος χριστὸς ἐκ νεκρῶν συνεγειρεσθαι. χριστὸς ἐις ἑαυτὸν ἐπανέλθεται. χριστὸς ἐκ τάφου ἐλευθερωθηται. των δεσμῶν τῆς ἁμαρτίας. πύλαι αδου ἀνύγονται. καὶ θάνατος καταλύεται. καὶ ὁ παλαιος αδαμ αποτίθεται. καὶ ὁ νεος συμπληροῦται. εἴτις ἐν χριστῶ καινι κτησις ἀνακαινισθητη. πασχα κυρίου πασχα. καὶ πάλιν εν ω πασχα τημη τῆς τριαδος. αὐτη ἡμῖν εωρτων εωρτη. αυτη πανηγυρις εστι πανηγυρεως. ἐν ταυτη γαρ χριστὸς ἀνέστη ἐκ νεκρῶν. φωτιζων τοὺς ἐν σκοτη και σκια. καὶ σωζων τοὺς ὑιοὺς τῶν γιγενῶν. ὡς ἀγαθος και φιλάνθρωπος.

φυλ. 258 об. Γράψαντα προστάξαντα χριστε μου σῶσον. ἐκ προσταγῆς λαυρεντίω ευτελῆ μονοτρόπω. καὶ δομεστίκω τῆς σεβασμίας μονῆς. τῆς ὑπεραγίας θεοτόκου. τῆς τοῦ βατοπεδιου. τῆς ἐν τῶ ἁγίω ὄρει. ἐπιγράψαντα μεν. κεφαλαίοις τὲ καὶ οὐδαμινοῖς χρυσοῖς γράμμασι καὶ ἐξομπλιοις. σὺν τῶ ἀμφιάσματι. ὁ ευτελῆς ἱερεὺς ἄνθης. ξένου πάσης ἀρετῆς καὶ τῶν ἰδίων. ἐτελειώθη δὲ τὸ παρὸν στιχηραριον. ἐπὶ βασιλείας ἀλεξίου μεγάλου βασιλέως ρωμαιων τοῦ κομνηνοῦ. Μηνὶ μαίω λα҃. ινδικτιώνος ιд҃. ἔτους ҂єхιд. (1106 г.) οἱ ἐντυγχάνουντες ἔυχεσθε ἀμφ...

φυλ. 68. Ἰησοῦ. ὠδή. н҃. Στηλη κακίας ἀντιθεου παῖδες θεῖοι παρεδιγματισαν. κατὰ χριττοῦ δε φρυαττόμενον ἀνόμων συνεδριον. βουλευσασθαι κενα. κτειναι μελῖτα. τὸν ζωῆς κρατοῦντα παλαμη. ον πάντα κτισις εὐλογεῖ δοξάζουσα ἐις τοὺς αἰῶνας.

Заставки. Крестообразно по одной буквѣ написанныя заглавія нѣкоторыхъ стиховъ съ четвероконечнымъ крестикомъ вверху: † τῶν ενκενιον нс το δοξα (ἐν ὑψίστοις) † τοῦ τημηου σταυρȣ҃. † τοῦ αγηου νεστορος. † τῆς αγηας θεοτόκου τὰ αγηα τον αγίον. Первая изъ сихъ написана на полѣ стихиры начинающейся: χαῖρε ἔμψυχε νααι, θεοτοκαι μητηρ ἀνύμφευτε. на л. 138 об. Вторая на полѣ стихиры начинающейся: Ποιος νοῦς. ἄξηος ἡμνησει σε πανάγηε σταυρε, на л. 137 об. Третья на полѣ той же страницы стихиры начинающейся: Αητιτος στραταιότης νεστορ.. 4-я на полѣ стихиры начинающейся: Γεγηθότες σήμερον την θεοπαιδα πάντες μετὰ τῶν ἀσομάτων προκοπὴν ἐκτελέσομεν на л. 138.

Заглавіе стихираря написанное уставомъ и мѣстами вязью: Στιχηραριον συν θεω τȣ ολȣ χρονȣ μηνι σεπτεμριω. α҃. Αρχὴ τῆς ινδικτιωνος καὶ μνημη τȣ҃ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν συμεωνος τȣ҃ στυλίτȣ. Заглавныя буквы.

Сокращенія и слова съ титлами: μητεραν χριστὲ. ἄφθορος εὐθεως τῶ καιρῶ λόγε θεοῦ. φιλάνθρωπε τιναξαται. χριστὲ ὁ θεὸς ἄσπορος σταυρῶ καὶ. Слова съ знаками препинанія: ἀληθῶς ζωῆς: Буква 3 перечеркнутая по срединѣ. Нѣкоторыя буквы въ соединеніи съ другими: α, αγνοουν. ε, ευγνωμων ἐβόησεν ἐξηρευνήσας μετὰ νεκροῖς. ν, οὖν. σ, δεσπότην. ἐπέστη λογισθῆς. τεσσαρα κράτους σου. τ, εστισαν.

Скорописная азбука.

ОГЛАВЛЕНІЕ

XI-й ВѢКЪ.

XII-й ВѢКЪ.

Оглавленіе Древле - Славянскаго перевода съ означеніемъ времени написанія и рукописи, изъ которой заимствованъ переводъ.

ОПЕЧАТКИ.

стран.	строка.		НАПЕЧАТАНО.	ДОЛЖНО ЧИТАТЬ.
1	20	снизу.	заглявныя	заглавныя
5	3	—	овбыковенымъ	обыкновеннымъ
19	8	сверх.	XI.	IV.
85	15	—	краскою	краскою.
37	14	сверх.	писанъ	писано
46	6	снизу.	ρωμῆν	ρωμῆς
47	12	сверх.	обличенный	облаченный.
—	17	снизу.	Διοκλῆτιανοῦ μαξῖμιανοῦ окавчивается	Διοκλῆτιανοῦ Μαξιμιανοῦ оканчивается
50	15	сверх.	фонѣ	фону
52	9	—	1073.	1072.

ДОПОЛНЕНІЕ

КО II. ТОМУ ГРЕЧЕСКОЙ ПАЛЕОГРАФІИ.

ЕВАНГЕЛІЕ ПО НЕДѢЛЯМЪ.

Находится въ Библіотекѣ Алексѣя Ивановича Хлудова.

Длина пергамина	5²/₈	в.
Ширина	3⁶/₈	в.
Къ корешку	³/₈	в.
Къ правой сторонѣ	⁶/₈	в.
Между столбцами	³/₈	в.
Къ верху	⁵/₈	в.
Къ низу	1¹/₈	в.

Писано на пергаминѣ скорописью въ два столбца на 174-хъ листахъ. Сначала недостаетъ до сихъ словъ среды 4-й недѣли по пасхѣ: σαββάτω. μὴ κρίνετε κατ᾽ ὄψιν... Заглавія и заглавныя буквы писаны киноварью и наведены твореннымъ золотомъ. Заглавныя буквы и заставки фигурны. Зеленая краска въ заставкахъ проѣла тонкій пергаменъ во многихъ мѣстахъ. Надъ текстомъ означены киноварью ноты для чтенія. На оборотѣ 59. листа нарисованъ Евангелистъ Матѳей. Онъ сидитъ на сѣдалищѣ съ не высокою спинкою, и съ красною подушкою на немъ. Противъ Евангелиста столъ, на которомъ утверженъ налойчикъ съ раскинутымъ длиннымъ свиткомъ. У него правая рука положена на правое колѣно, а лѣвою облокотился на лѣвую ногу. Лице стерто, особенно глаза, а потому выраженіе его трудно опредѣлить. На оборотѣ 94. листа нарисованъ Евангелистъ Лука, сидящимъ на стулѣ съ высокою полукруглою спинкою, съ подножіемъ, столикомъ предъ нимъ съ писменными и живописными принадлежностями, и утвержденнымъ сзади налойчикомъ, на верху коего растинутъ написанный пергаменный листъ. У него на колѣнахъ лежитъ часть свитка съ слѣдующими писанными словами: εὐαγγέλιον κατὰ λουκᾶν. Волосы на головѣ и бородѣ короткіе, лице задумчивое. Въ концѣ Евангелія во св. великій четвертокъ вверху страницы нарисованъ пѣтухъ. Онъ нарисованъ въ концѣ Евангелія 3-го на страсти Господни, По пятдесятницѣ Евангелій въ Понедѣльникъ, Вторникъ, Среду, Четвертокъ и пятницу не положены. Съ 126. листа начинается Сѵнаксарь, гдѣ положены Чтенія Евангелій на праздники и избраннымъ святымъ. На послѣдней страницѣ киноварью написана слѣдующая запись писца; ἐτελειώθη ἡ βίβλος αὕτη διὰ χειρὸς παντολέοντος. καὶ οἱ ἀναγινώσκεντες εὔχεσθε διὰ τὸν κύρων δεήθητε τοῦ κυρίου κε τὸ κύριε ἐλέησον λέγετε γ̄.

Ἐγράβη ἐπὶ κωνσταντίνου βασιλέως τοῦ μονομάχου καὶ ἐπὶ πατριάρχου μιχαὴλ κερουλαρι. (1043 г.)

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

φ. 26—30 об. Σάββατον ᾱ. κατὰ ματθέον

Εἶπεν ὁ κς̄. τῶ αἰτοῦντι σε δίδου καὶ τὸν θέλοντα ἀπὸ σου δανέισασθαι μὴ ἀποστραφῇς. ἠκούσατε, ὅτι ἐρρέθη. ἀγαπήσεις τὸν πλησίον σοῦ καὶ μισήσεις τὸν ἐχθρόν σου. ἐγὼ δε λέγω ὑμῖν. ἀγαπᾶτε τοῦς ἐχθροὺς ὑμῶν. εὐλογεῖτε τοὺς καταρωμένους ὑμᾶς. καλῶς ποιεῖτε τοῖς μισοῦσιν ὑμᾶς

Изъ Евангелія Карпинскаго XIII в.

л. 28. 29. Сѫбота а҃. не҃. ѿ матѳеѣ · :

Рече гь просѧщомоу ѿ тебе дай · : · и хотѧщааго ѿ тебе заѧти не ѿврати · : · слышасте ꙗко речено есть · : · възлюбиши ближнѣго своего · : · и възненавидиши врага своего · : · азъ же гла вам любѣте врагы ваша · : · блвите кльнѫщѧѧ вы · : · добро тво-

καὶ προσεύχεσθε ὑπὲρ τῶν ἐπηρεαζόντων ὑμᾶς καὶ διωκόντων ὑμᾶς. ὅπως γένησθε υἱοὶ τοῦ πατρὸς ὑμῶν τοῦ ἐν οὐρανοῖς. ὅτι τὸν ἥλων αὐτοῦ ἀνατέλλει ἐπὶ πονηροὺς καὶ βρέχει ἐπὶ δικαίους καὶ ἀδίκους. ἐὰν γὰρ ἀγαπήσητε τοὺς ἀγαπῶντας ὑμᾶς. τίνα μισθὸν ἔχετε. οὐχὶ καὶ οἱ τελῶναι τὸ αὐτὸ ποιοῦσι. καὶ ἐὰν ἀσπάσησθε τοὺς φίλους ὑμῶν μόνον τι περίσσον ποιεῖτε. οὐχὶ καὶ οἱ τελῶναι οὕτως ποιοῦσιν. ἔσεσθε οὖν ὑμεῖς τέλειοι ὥσπερ ὁ πατὴρ ὑμῶν ὁ ἐν τοῖς οὐρανοῖς τέλειος ἔστιν.

рите ненакидѧщихь ва҃ · : · и молите ꙁа творѧщихь вамь напасти · : · и гонѧщѫѧ вы · : · да бѫдете сн҃оке ѡц҃а вашего. еже есть на небесехь ꙗко слн҃це свое сиѣеть на ꙁлыѫ и благыѫ · : · и дъж҃ь идеть на праведныѫ и на неправедьныѫ · : · аще любите любѧщѫѧ вы · : кѫѧ мьꙁдѫ имате · : · не и мытарие ли тож҃е творѧть · : · бѫдѣте оубо сьвршени вын · : · ꙗко и ѿц҃ь вашь небе҃нын. сьвршень ѥсть: ·

Κιριακῆ ἅ. καὶ τῶν ἁγίων πάντων. ἐκ τοῦ κατὰ ματθαῖου.

Не҃: вьсѣмь ст҃ымь · : · ѿ ма҃ѳ · : ·

Εἶπεν ὁ κύριος. πᾶς ὅστις ὁμολογήσει ἐν ἐμοὶ ἔμπροσθεν τῶν ἀνθρώπων ὁμολογήσω κἀγὼ ἐν αὐτῷ ἔμπροσθεν τοῦ πατρός μου. τοῦ ἐν οὐρανοῖς. ὅστις δ᾽ ἂν ἀρνήσηται με ἔμκροσθεν τῶν ἀνθρώπων ἀρνῆσομαι αὐτὸν καγὼ ἔμπροσθεν τοῦ πατρὸς μου τοῦ ἐν οὐρανοῖς. ὁ φιλῶν πατέρα ἢ μητέρα ὑπὲρ ἐμὲ. οὐκ ἐστι μȣ ἄξιος. καὶ ὁ φίλων υἱόν ἢ θυγατέρα ὑπὲρ ἐμὲ οὐκ ἔστι μου ἄξιος. καὶ ὅς οὐ λαμβάνει τὶν σταυρὸν αὐτοῦ καὶ ἀκολουθεῖ ὀπίσω μȣ, οὐκ ἔστι μȣ ἄξιος. ἀποκριθεὶς δὲ ὁ πέτρος εἶπεν αὐτῷ. ἰδοὺ ἡμεῖς ἀφήκαμεν πάντα καὶ ἠκολούθαμεν σοι. τί ἄρα ἔσται ἡμῖν. ὁ δὲ ἰησοῦς εἶπεν αὐτοῖς. ἀμὴν ἀμὴν λέγω ὑμῖν. ὅτι ὑμεῖς οἱ ἀκολουθήσαντές μοι ἐν τῇ παλιγγενέσια. ὅτ᾽ ἂν καθίση ὁ υἱὸς τοῦ ἀνθρώπου ἐπὶ θρόνου δόξης αὐτοῦ καθίσεσθε καὶ ὑμεῖς ἐπὶ δώδεκα θρόνους κρίνωντες δώδεκα φυλὰς τοῦ ἰσραὴλ. καὶ πᾶς ὃς ἀφῆκεν οἰκίας ἢ ἀδελφοὺς ἢ ἀδελφὰς. ἢ πατέρα ἢ μητέρα ἢ γυναῖκα. ἢ τέκνα. ἢ ἀγροὺς ἕνεκεν τοῦ ὀνόματος μου. ἑκατονταπλασίοντα λήψεται. καὶ ζωὴν αἰώνιον κληρονομήσει. πολλοὶ δὲ ἔσονται πρῶτοι ἔσχατοι. καὶ ἔσχατοι πρῶτοι.

л. 29. Рече г҃ь своимь оученикомь · : · вьсѣкь иже исповѣсть мѧ прѣдь ч҃ловѣкы · : · исповѣмь и аꙁь прѣдь ѡцемь моимь иже есть на небесехь · : · а иже ѿврьжеться мене прѣдь ч҃ловѣкы · : · ѿврьгѫсѧ его и аꙁь прѣдь ѡц҃емь моимь иже есть на небесехь · : · иже любить ѡц҃а ли матере паче мене нѣ҃ть мене достоинь · : · иже любить сн҃а ли дъщере паче мене нѣ҃ть мене достоинь · ; · иже не приемлеть кр҃та своего и вь слѣдь мене грѧдеть нѣ҃ть мене достоинь. ѿвѣщавь же петрь рече емоу · : · г҃и се мы ѡставихомь вьсѣ · : · и вь слѣдь тебе идемь · , · что ȣбо бѫдеть намь · ; · і҃сь же рече имь · : · амн҃и гл҃ѧ вамь. ꙗко вы шедше по мнѣ · : · вь пакыбытиꙗ · : · егда сѧдеть сн҃ь ч҃ловѣчь на прѣстолѣ славы своеѫ · : · сѧдете и вы на двою надесѧте прѣстолоу · : · сѫдѧще ѡбѣма надесѧте колѣнома иꙁ҃левома · : · и вьсѣкь иже ѡставить домь · : · ли братиѫ ли сестры · : · ли ѡц҃а ли матерь · : · ли женѫ ли дѣти ли храмы · : · имене моего ради · : · сторицеѫ прииметь · : · и животь вѣчныи наслѣдить · : · мноꙁы же бѫдѫть прьвии послѣдьнии · : · и послѣднии прьвии · : ·

Σαββάτω. ἔ. κατὰ ματθαῖον.

Сѫ҃: в҃: не҃. ѿ ма҃ѳ · : ·

Εἶπεν ὁ κυριος. μὴ κρίνετε. ἵνα μὴ κριθῆτε. ἐν ᾧ γὰρ κρίματι κρίνετε, κριθήσεσθε. καὶ ἐν ᾧ μέτρῳ μετρεῖτε μετρηθήσεται ὑμῖν. τί δὲ βλέπεις τὸ κάρφος τὸ ἐν τῷ ὀφθαλμῷ τοῦ ἀδελφοῦ σου, τὴν δὲ ἐν τῷ σῷ ὀφθαλμοῦ δοκὸν οὐ κατανοεῖς. ἢ πῶς ἐρεῖς τῷ ἀδελφῷ σȣ ἄφες ἐκβάλω τὸ καρφός ἀπὸ τοῦ ὀφθαλμοῦ σου. καὶ ἰδοὺ ἡ δοκὸς ἐν τῷ ὀφθαλμοῦ σου. ὑποκριτὰ ἔκβαλε πρῶτον τὴν δοκὸν ἐκ τοῦ ὀφθαλμοῦ σοῦ καὶ τότε διαβλέψεις ἐκβαλεῖν τὸ κάρθος ἐκ τοῦ ὀφθαλμοῦ τοῦ ἀδελφοῦ σȣ. μὴ δῶτε τὸ ἅγιον τοῖς κυσί. μὴ δὲ βάλητε τοὺς μαργαρίτας ὑμῶν ἔμπροσθεν τῶν χοίρων. μήποτε καταπατήσωσιν αὐτοὺς ἐν τοῖς ποσὶν αὐτῶν. καὶ στραφέντες ῥήξωσιν ἡμᾶς. αἰτεῖτε καὶ δοθήσετε ὑμῖν. ζητεῖτε καὶ εὑρήσετε κρούετε. καὶ ἀνοιγήσεται ὑμῖν. πᾶς γὰρ ὁ αἴτων λαμβάνει καὶ ὁ ζητῶν εὑρίσκει. καὶ τῷ κρούοντι ἀνοιγήσεται.

л. 30 об. Рече г҃ь не ѡсѫждаите да не ѡсѫждени бѫдете · : · имже сѫдомь сѫдите сѫдѧть вамь · : · и вь иже мѣрѫ вьꙁмѣрѧте вьꙁмѣрѧтсѧ вамь · : · что же видиши сѫчець · : · вь ѡчеси брата твоего · : · а брьвна еже есть вь ѡцѣ твоемь не видиши · : · ли како речеши братоу твоемȣ ѡстави и иꙁмѫ сѫчець · : · иже есть вь ѡцѣ твоемь · : · и се брьвна вь ѡцѣ твоемь · : · (sic) лицемѣре. иꙁми прьвѣе брьвно иꙁь ѡчесе твоего · : · и тогда оуꙁриши иꙁѧти сѫчець иꙁь ѡчесе брата твоего · : · не даите ст҃аго псомь · : · ни просыпаите бисерь вашихь прѣдь свинѣми · : · да не попираѫть · : · ихь ногами своими · : и ѡбращьшеѥсѧ растрьгнѫть вы · : · просите и дастсѧ вамь ищѣте и ѡбрѧщете · : · тльцѣте и ѿврьꙁѫтсѧ вамь · : · всѣкь бо просѧи приемлеть · : · и ищѫи ѡбрѣтаеть · : · тлькѫщоѡмоу ѿврьꙁаѫтсѧ. (sic) · : ·

Κυριακῆ ἔ. ἐκ τοῦ κατὰ ματθαῖον.

Не҃ в҃. еуа҃е · : · ѿ ма҃ѳ.

Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ περιπατῶν ὁ ἰησοῦς παρὰ τὴν θάλασσαν τῆς γαλιλαίας. εἶδεν δύο ἀδελφοὺς σιμωνα τὸν λεγό-

Въ оно в: · сходѧ і҃сь при мори галилеисцѣмь · : · видѣ два брата симона нарицаемаго петра · : · и ан-



μενον πέτρον καὶ ἀνδρέαν τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ βάλλοντας ἀμφίβληστρον εἰς τὴν θάλασαν. ἦσαν γὰρ ἁλιεῖς. καὶ λέγει αὐτοῖς. δεῦτε ὀπίσω μου, καὶ ποιήσω ὑμᾶς ἁλιεῖς ἀνθρώπων. οἱ δε εὐθέως ἀφέντες τὰ δίκτυα ἠκολούθησαν αὐτῶ. καὶ προβὰς ἐκεῖθεν. εἶδεν ἄλλους δύο ἀδελφοὺς ἰάκωβον τοῦ ζεβεδαίου καὶ ἰωάννην τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ ἐν τῶ πλοίω μετὰ ζεβεδαίου τοῦ πατρὸς αὐτῶν καταρτίζοντας τὰ δίκτυα αὐτῶν. καὶ ἐκάλεσεν αὐτούς. οἱ δὲ εὐθέως ἀφέντες τὸ πλοῖον καὶ τὸν πατέρα αὐτῶν ἠκολούθησαν αὐτῶ. καὶ περιῆγεν ὅλην τὴν γαλιλαίαν ὁ ἰησοῦς διδάσκων ἐν ταῖς συναγωγαῖς αὐτῶ. καὶ κηρύσσων τὸ εὐαγγέλιον τῆς βασιλείας καὶ θεραπεύων πᾶσαν νόσον καὶ πᾶσαν μαλακίαν ἐν τῶ λαῶ.

дрєѩ брата єго · : · вьмьтажщѧ мрєжѫ вь море · : · бѣста бо рыбарѣ · : · и рєче има градѣта вь слѣдь мене · : · и створа вы рыбарѣ чловѣкомь · : · ѡна же абие ѡстависта мрєжѫ по немь идоста · : · и прѣшедь ѿтѫдоу оузрѣ ина два брата · : · иѣкова ѕеведеѡва · : · іѡана брата єго · : · вь корабн сь ѕеведеѡмь ѡц͠емь єю · : · ѕаказажщѧ мрєжѫ своѫ · : · и ѕва ıа · : · ѡна же абие ѡставльша корабь · : · и ѡц͠а своего · : · по немь идоста · : · и проходжаааше вьсѧ галилеѭ іс͠ь · : · оучѧ вь сьнмищихь · : · и пропокѣдаѫ еѵ͠ліе ц͠рьствиѩ · : · ицѣлѣѫ вьсѣкь неджгь · : · и вьсѣкѫ ѧзѫ вь людехь · : ·

Σαββάτω γ'. κατὰ ματθαῖον.

Сѫботѫ г͠. не͠ ѿ мат͠ · : ·

Εἶπεν ὁ κύριος. πᾶρ ὅστις ἀκούει μου τῆς λόγους καὶ ποιεῖ αὐτούς. ὁμοιώσω αὐτὸν ἀνδρὶ φρονίμω, ὅστις ὀκοδόμησε τὴν οἰκίαν αὐτοῦ ἐπὶ τὴν πέτραν. καὶ κατέβη ἡ βροχὴ καὶ ἦλθον οἱ ποταμοὶ καὶ ἔπνευσαν οἱ ἄνεμοι. καὶ προσέπεσον τῆ οἰκία ἐκείνη καὶ οὐκ ἔπεσε. τεμελίωτο γὰρ ἐπὶ τὴν πέτραν. καὶ πᾶς ὁ ἀκούων μου τοὺς λόγους καὶ μὴ ποιῶν αὐτούς. ὁμοιωθήσεται ἀνδρὶ μωρῶ ὅστις ᾠκοδόμησε τὴν οἰκίαν αὐτοῦ ἐπὶ τὴν ἄμμον. καὶ κατέβη ἡ βροχὴ καὶ ἦλθον οἱ ποταμοὶ καὶ ἔπνευσαν οἱ ἄνεμοι. καὶ προσέπεσον τῆ οἰκία ἐκείνη καὶ ἔπεσε. καὶ ἦν ἡ πτῶσις αὐτῆς μεγάλη. καὶ ἐγένετο ὅτε συνετέλεσεν ὁ ἰησοῦς τοὺς λόγους τούτους. ἐξεπλήσσοντο οἱ ὄχλοι ἐπὶ τῆ διδαχῆ αὐτοῦ. ἦν γὰρ διδάσκων αὐτοὺς ὡς ἐξουσίαν ἔχων. καὶ οὐχ ὡς οὐ χραμματεῖς. καταβάντι δὲ αὐτῶ ἀπὸ τοῦ ὄρους ἠκολούθησαν αὐτῶ ὄχλοι πολλοί. καὶ ἰδοὺ λεπρὸς προσελθὼν προσεκύνει αὐτῶ λέγων. κύριε, ἂν θέλης δύνασαι με καθαρίσαι. καὶ ἐκτείνας τὴν χεῖρα, ἥψατο αὐτοῦ ὁ ἰησοῦς. λέγων θέλω καθαρίσθητι. καὶ εὐθέως ἐκαθαρίσθη αὐτοῦ ἡ λέπρα. καὶ λέγει αὐτῶ ὁ ἰησοῦς. ὅρα μηδενὶ εἴπης. ἀλλὰ ὕπαγε σε αὐτὸν δεῖξον τῶ ἱερεῖ καὶ προσένεγκε τὸ δῶρον ὃ προσέταξε μωσῆς εἰς μαρτύρων αὐτοῖς.

Рєче г͠ь вьсѣкь оубо иже слышить словеса сиї · : · и творить ıа · : · и по͠бла (sic) и мѫжоу мѫдроу · : · иже созда храменѫ (sic) своѫ на камени · : · и сииде дьждь и придошѫ рѣкы · : · и вьзвѣѩшѫ вѣтри · : · и нападѫ на храминѫ тѫ · : · и не падесѧ · : · ѡснована бо бѣ на камени · : · и вьсѣкь слышѧи словеса моѣ сиı · : · и не творѧ ıа · : · оупо͠бла и мѫжоу боую · : · иже созда храминѫ своѫ на пѣсцѣ · : · и сииде дьж͠ь и придошѫ рѣкы · : · и вьзвѣѩшѫ вѣтри · : · и потькошѫсѧ храминѣ тои и падесѧ · : · и бѣ раздроушение еѩ велие ѕало · : · и бысть егда скоичѣ іс͠ь словеса ои · : · дивѣхѫсѧ народи ѡ оучении его · : · бѣ бо оучѧ ж ıако власть имы · : · а не ıако книжници ихь · : · сьшедшоу же емоу сь горы · : · вь слѣдь его. идошѫ народи мнозы · : · и се прокаженѣ приступи · : · кланѣшесѧ емоу гл͠ѧ · : · г͠и аще хощи (sic) можеши ма исцѣлити и цѣлити · : · и простерь рѫкѫ и косиѫсѧ емоу іс͠ь гл͠ѧ · : · хощѫ ищиститсѧ (sic) и абие исцѣлитсѧ емоу проказа · : · рече кь немоу іс͠ь · : · виж͠ь никомоу же не повѣж͠ь · : · нь шедь покажисѧ иерєѡви · : · и принеси дарь · : · иже повелѣ мосиı · : · вь свѣдѣтельство имь · : ·

Κυριακῆ γ'. ἐκ τοῦ κατὰ ματθαῖον.

Не͠. г͠. мат͠.

Εἶπεν ὁ κύριος ὁ λύχνος τοῦ σώματος ἐστὶν ὁ ὀφθαλμός, ἐὰν οὖν ὁ ὀφθαλμὸς σου ἁπλοῦς ἦ, ὅλον τὸ σῶμα σου φωτεινὸν ἔσται. ἐὰν δὲ ὁ ὀφθαλμός σου πονηρὸς ἦ, ὅλον τὸ σῶμα σου σκοτεινὸν ἔσται. εἰ οὖν τὸ φῶς τὸ ἐν σοι σκότος ἐστὶ, τὸ σκότος πόσον. οὐδεὶς δύναται δυσὶ κυρίοις δουλεύειν. ἢ γὰρ τὸν ἕνα μισήσει καὶ τὸν ἕτερον ἀγαπήσει. ἢ ἑνὸς ἀνθέξεται. καὶ τοῦ ἑτέρου καταφρονήσει. οὐ δύνασθε θεῶ δουλεύειν καὶ μαμωνᾶ. διὰ τοῦτο λέγω ὑμῖν. μὴ μεριμνᾶτε τῆ ψυχῆ ὑμῶν τί φάγετε καὶ τί πίητε. μὴ δὲ τῶ σώματι ὑμῶν τί ἐνδύσησθε. οὐχὶ ἡ ψυχὴ πλείων ἐστὶ τῆς τροφῆς. καὶ τὸ σῶμα τοῦ ἐνδύματος. ἐμβλέψατε εἰς τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ. ὅτι οὐ σπείρουσιν οὐδὲ συνάγουσιν εἰς ἀποθήκας. καὶ ὁ πατὴρ ὑμῶν ὁ οὐράνιος τρέφει αὐτά. οὐχ ὑμεῖς μᾶλλον διαφέρετε αὐτῶν. τίς δὲ ἐξ ὑμῶν μεριμνῶν δύνασαι προσθεῖναι ἐπὶ τὴν ἡλικίαν αὐτοῦ πῆχην

Рєче г͠ь. свѣтильникь тѣла есть ѡко · : · аще оубо ѡко твое просто бѫдеть · : · все тѣло твое свѣтло бѫдеть · : · аще ли ѡко твое лѫкаво бѫдеть · : · вьсе тѣло твое темно бѫдеть · : · аще бо свѣть иже вь тебѣ тма есть · : · то тма колми · : · никыи же можеть двѣма г͠нома работати. · : · либо единого вьзненавидить · : · а дроугаго вьзлюбить · : · ли единого дрьжитсѧ · : · а ѡ дроузѣмь неродити вьчнеть · : · не можеть б͠оу работати и мамонѣ · : · сего ради гл͠ѧ вамь · : · не пцѣтесѧ д͠шеѭ вашеѭ · : · что ıасте ли что пиете · : · ни тѣломь вашимь вь что ѡблѣчетесѧ · : · не д͠ша ли колми есть пищѫ · : · и тѣло ѡдеждѫ. вьзрите на птици небе͠ныѩ ıако не сѣѭть ни жиѭть · : · ни сбираѭть вь житницѫ · : · и ѡц͠ь вашь небе͠ныи питаеть ѩ · : · не вы ли паче

ἕνα. καὶ περὶ ἐνδύματος τί μεριμνᾶτε. καταμάθετε τὰ κρίνα τοῦ ἀγροῦ. πῶς αὐξοῦσι οὐ κοπιᾶ οὐδὲ νείθει. λέγω δε ὑμῖν. ὡς οὐδὲ σολομῶν ἐν τῇ δόξῃ αὐτοῦ περιεβάλετο ὡς ἓν τούτων. εἰ δὲ τὸν χόρτον τοῦ ἀγροῦ σήμερον ὄντα καὶ αὔριον εἰς κλίβανον βαλλόμενον ὁ θεὸς οὕτως ἀμφιέννυσιν. οὐ πολλῷ μᾶλλον ὑμᾶς ὀλιγόπιστοι. μὴ οὖν μεριμνήσητε λέγοντες. τί φάγωμεν, ἢ τί πίωμεν. ἢ τί περιβαλώμεθα. πάντα γὰρ ταῦτα τὰ ἔθνη ἐπιζητεῖ. οἶδε γὰρ ὁ πατὴρ ὑμῶν ὁ οὐράνιος. ὅτι χρῄζετε τούτων ἁπάντων. ζητεῖτε δὲ πρῶτον. τὴν βασιλείαν τοῦ θεοῦ καὶ τὴν δικαιοσύνην αὐτοῦ. καὶ ταῦτα πάντα προστεθήσεται ὑμῖν.

лоучьшн нхь есте ·:· кто же ѿ ва҃ пекыса ·:· может прнложнтн тѣлесн своемоу лакоть еднnь ·:· н ѡ одєждн что пеуетеса ·:· смотрнте крннь сельныхь како растѫть :· нн троуждаѫтьса нн прадѫть ·:· гл҃а же вамь ꙗко нн соломонь вь всен славѣ своен ѡблѣуеса ·:· ꙗко еднnь ѿ снхь ·:· аще же сѣно селное дн҃е сѫще ·:· а оутрѣ вь пещь вьмѣтаемо ·:· бь тако ѡдѣваеть ·:· колмнн пауе ва҃ маловѣрнн ·:· не пщѣтеса оубо гл҃аще ·:· что ꙗсте лн что ннете ·:· нлн чнмь ѡдежемьса ·:· вьсѣхь бо снхь ѩзыцн нщѫть ·:· вѣсть бо ѡ҃ць вашь небе҃нын ·:· ꙗко трѣбоуете снхь вьсѣхь ·:· нщѣте же прѣж҃е ц҃рьствнѣ б҃нѣ ·:· н правды его ·:· н снн всѣ прнложѫтса вамь ·:·

Σαββάτῳ δ҃. ἐκ τοῦ κατὰ ματθαῖον.

Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ ἐλθὼν ὁ ἰησοῦς εἰς τὴν οἰκίαν πέτρου. εἶδεν τὴν πενθερὰν αὐτοῦ βεβλημένην καὶ πυρέσσουσαν καὶ ἥψατο τῆς χειρὸς αὐτῆς. καὶ ἀφῆκεν αὐτὴν ὁ πυρετός. καὶ ἠγέρθη καὶ διηκόνει αὐτῷ. ὀψίας δὲ γενομένης προσήνεγκαν αὐτῷ δαιμονιζομένους πολλούς. καὶ ἐξέβαλε τὰ πνεύματα λογω καὶ πάντας τοὺς κακῶς ἔχοντας ἐθεράπευσεν. ὅπως πληρωθῇ τὸ ῥηθὲν διὰ ἠσαΐου τοῦ προφήτου λέγοντος. αὐτὸς τὰς ἀσθενείας ἡμῶν ἔλαβε καὶ τὰς νόσους ἐβάστασε. ἰδὼν δὲ ὁ ἰησοῦς πόλλους ὄχλους περὶ αὐτὸν ἐκέλευσεν ἀπελθεῖν εἰς τὸ πέραν. καὶ προσελθὼν τίς γραμματεύς, εἶπεν αὐτῷ. διδάσκαλε ἀκολουθήσω σοι. ὅπου ἐὰν ἀπέρχῃ. καὶ λέγει αὐτῷ ὁ ἰησοῦς. αἱ ἀλώπεκες φωλεοὺς ἔχουσι καὶ τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ κατασκήνωσεις. ὁ δὲ υἱὸς τοῦ οὐρανοῦ οὐκ ἔχει ποῦ τὴν κεφαλὴν κλίνῃ. ἕτερος δὲ τῶν μαθητῶν αὐτοῦ εἶπεν αὐτῷ. κύριε ἐπίτρεψόν μοι πρῶτον ἀπελθεῖν καὶ θάψαι τὸν πατέρα μου. ὁ δὲ ἰησοῦς εἶπεν αὐτῷ ἀκολούθει μοι. καὶ ἄφες τοὺς νεκροὺς θάψαι τοὺς ἑαυτῶν νεκρούς. καὶ ἐμβάντι αὐτῷ εἰς τὸ πλοῖον ἠκολούθησαν αὐτῷ οἱ μαθηταὶ αὐτοῦ.

Сѫбота ·:· д҃ ·:· не҃ ·:· ѿ матѳеꙗ ·:·

л. 34 об. Вь врѣма ѡ҃ ·:· прншедь і҃сь вь домь петровь ·:· вндѣ тыщѫ его лежащѫ огнемь жегомѫ ·:· н прнкоснѫса роуцѣ еѫ н ѡставн ѫ ѡгнь ·:· н вьставшн слоужаше емоу ·:· поздѣ же бывшоу ·:· прнвѣса кь немоу бѣсны многы ·:· н нзгна д҃хы словомь ·:· н вьса не здравыѫ нцѣлн ·:· да сьбѫдетьса реуено нсанемь пр҃ркомь гл҃аще ·:· тьн недѫгы нашѫ прнѫть ·:· н болѣзнн понесе ·:· оузрѣвь же і҃сь многы народы ѡкр҃ть себе ·:· повелѣ нтн на ѡнь поль ·:· н прншедь еднnь ѿ кннжннкь н реуе емоу ·:· оучнтелю нды лн по тебѣ ·:· ꙗможе колнж҃о ндешн ·:· н гл҃а емоу і҃сь ·:· лнсн ꙗзвнны нмать ·:· н птнцн небе҃ныѫ гнѣзда ·:· с҃нь ч҃ловѣчь не нмать где главы подьклоннтн ·:· дроугыже ѿ оуеенньь его реуе кь немоу ·:· г҃н повелн мн прѣж҃е нтн н погрестн ѡ҃ца моего ·:· і҃сь же гл҃а кь немоу ·:· по мнѣ грѣдн ·:· н ѡставн м҃рьтвымь погрестн своѫ м҃ртвцѫ ·:·

Κυριακῇ δ҃. ἐκ τοῦ κατὰ ματθαῖον.

Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ. εἰσελθόντι τῷ ἰησοῦ εἰς καπερναοὺμ, προσῆλθεν αὐτῷ ἑκατόνταρχος παρακαλῶν αὐτόν. καὶ λέγων. κύριε ὁ παῖς μου βέβληται ἐν τῇ οἰκίᾳ παραλυτικὸς, δεινῶς βασανιζόμενος. καὶ λέγει αὐτῷ ὁ ἰησοῦς. ἐγὼ ἐλθὼν θεραπεύσω αὐτόν. καὶ ἀποκριθεὶς ὁ ἑκατόνταρχος ἔφη. κύριε, οὐκ εἰμὶ ἱκανὸς ἵνα μου ὑπὸ τὴν στέγην εἰσέλθῃς ἀλλὰ μόνον εἰπὲ λόγῳ καὶ ἰαθήσεται ὁ παῖς μυ. καὶ γὰρ ἐγὼ ἄνθρωπος εἰμὶ ὑπὸ ἐξουσίαν ἔχω ὑπ' ἐμαυτὸν στρατιώτας. καὶ λέγω τούτῳ πορεύθητι καὶ πορεύεται καὶ ἄλλῳ ἔρχου καὶ ἔρχεται. καὶ τῷ δούλῳ μου ποίησον τοῦτο. καὶ ποιεῖ. ἀκούσας δε ὁ ἰησοῦς ἐθαύμασε καὶ εἶπε τοῖς ἀκολουθοῦσιν. ἀμὴν λέγω ὑμῖν. οὐδὲ ἐν τῷ ἰσραὴλ τοσαύτην πίστιν εὗρον. λέγω δὲ ὑμῖν, ὅτι πολλοὶ ἀπὸ ἀνατολῶν καὶ δυσμῶν ἥξουσι καὶ ἀνακλιθήσονται μετὰ ἀβραὰμ καὶ ἰσαὰκ καὶ ἰακὼβ ἐν τῇ βασιλείᾳ τῶν οὐρανῶν. οἱ δὲ υἱοὶ τῆς βασιλείας ἐκβληθήσονται εἰς τὸ σκότος τὸ ἐξώτερον. ἐκεῖ ἔσται ὁ κλαυθμὸς καὶ ὁ βρυγμὸς τῶν ὀδόντων. καὶ εἶπεν

л. 34 об. и 35. Не҃: д҃: ѿ маѳ҃ ·:·

Въ оно в ·:· вьшедшоу і҃соу вь капернаоумь ·:· прнстѫпн кь немоу сьтннкь моля н гл҃а ·:· г҃н ѿрокъ мон лежнть вь домоу ѡслабень ·:· лютѣ страждѫ ·:· н гл҃а емоу і҃сь ·:· азь прншедь нцѣлю н ·:· н ѿвѣщавь сьтьннк реуе ·:· г҃н нѣсмь достоннь ·:· да мн подь кровь вьннденін ·:· нь тькмо рьцн словомь н нцѣлѣеть ѿрокь мон ·:· нбо азь ч҃ловѣкь есмь подь власѫ ·:· нмы подь собоѫ вонны ·:· н гл҃а семоу ндн н ндеть ·:· а дроугомоу прндн н прндеть ·:· н рабоу моемоу сьтворн се н сътворнть ·:· слышав же і҃сь днвнса ·:· н реуе градѫщнмь по немь ·:· амн гл҃а вамь ·:· ꙗко нн вь ізл҃н толнкы вѣры ѡбрѣть ·:· гл҃а же вамь ·:· ꙗко мнозы ѿ вьстокь н западь ·:· прндѫ н вьзлягѫть ·:· сь аврамомь ·:· нсаакомь ·:· нꙗковоомь ·:· вь цр҃твн небе҃нѣамь (sic) ·:· а с҃нове цр҃свнѣ нзгнанн бѫдѫть ·:· вь тмѫ кромѣшнѭѫ ·:· н тѹ

ὁ ἰησοῦς τῷ ἑκατοντάρχῃ. ὕπαγε καὶ ὡς ἐπίστευσας. γενηθήτω σοι. καὶ ἰάθη ὁ παῖς αὐτοῦ ἐν τῇ ὥρᾳ ἐκείνῃ.

бѫдеть плачь и скрежеть ѫѕбомь ·:· и рече іс҃ сьтникоу ·:· иди и ꙗкоже вѣрова бѫди ти ·:· и исцѣлѣ ѡрокь его вь тои ч҃с ·:·

Чтеніе и объясненіе снимка.

Ἐπληρώθη ἡ βίβλος αὕτη διὰ χειρὸς παντολέος καὶ οἱ ἀναγινόσκοντες ἔχεσθε διὰ τὸν κύριον δεηθ.. τοῦ κυρίου κε τὸ κύριε ἐλέησον λέγε γ҃.

Ἔγραφη ἐπὶ κωπσταντιν βασιλ.. τοῦ μον. καὶ ἐπὶ πατριάρχου μιχαὴλ τοῦ κερουλαρί:

Ἐκ τοῦ κατὰ μάρκον.

Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ παραλαμβάνει ὁ ἰησοῦς τοὺς δώδεκα μαθητὰς αὐτοῦ καὶ ἤρξατο λέγειν αὐτοῖς τὰ μέλλοντα αὐτῷ συμβαίνειν.

Нѣсколько заглавныхъ буквъ, скорописная азбука, сокращенія; ζήτει νοεμβρίου ιγ҃. ἑωθινος ζήτει μεγάλου μάρτυρος ἀρτεμίου.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими; α. ἀζύμων. ε. διεζωσεν. ν. τὴν. σ. τοὺς. τ. ἔστη.

---

2. Четвероевангеліе 1144 г.

Четвероевангеліе 1144. г. принадлежащее преосвящ. Порфирію, писанодовольно крупною скорописью на пергаминѣ въ большую четвертку на 330. листахъ. Сначала недостаетъ до половины 28. стиха 9-й главы Евангелія отъ Матѳея, начинающагося сими словами; δύναμαι τοῦτο ποιῆσαι. Киноварью въ концѣ Евангелія отъ Матѳея на оборотѣ 66. листа написано: ευαγγέλιον κατὰ ματθαῖον ἐγράφη καὶ ἀντεβλήθη ἐκ τῶν ἱεροσολύμων παλαιῶν ἀντιγράφων τῶν ἐν τῶι ἁγίωι ὄρει ἀποκειμένων. ἐν στιχ. ͵βφῖδ, κεφαλ. τπε. ὁ ἐν τριάδι ὁ θσ δόξα σοι. Киноварью писаны оглавленія чтеній Евангельскихъ, когда въ какую недѣлю или день надо читать положенное Евангеліе. Внизу въ кругахъ киноварью писаны сокращенныя буквы Евангелистовъ, при означеніи Евсевіевыхъ каноновъ, да на 67. листѣ киноварью розоваго цвѣта нарисована полузаставка. Преосв. Порфирій по полямъ своею рукою сдѣлалъ разночтенія изъ Евангелій VIII. и IX в. находящихся въ Императорской публичной Библіотекѣ, изъ Евангелія Трапезонтскаго, 1272. года. У Іоанна нѣтъ Евангелія о женѣ грѣшницѣ; оно здѣсь послѣ написано въ XIII. вѣкѣ на полѣ.

Длина пергамина.	$6^3/_8$ в.
Ширина.	5 в.
Къ корешку	$^5/_8$ в.
Къ правой сторонѣ	$1^1/_2$ в.
Къ верху	$^7/_8$ в.
Къ низу.	$1^1/_8$ в.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

ф. 85 об. Τίνι ὁμοιώσωμεν τὴν βασιλείαν τοῦ θῦ. ἢ ἐν ποίαι παραβολῆι παραβάλωμεν αὐτήν. ὡς κόκκον [1]) σινάπεως, ὅς ὅταν σπαρθῇ ἐπὶ τὴν γῆν. μικρότερος πάντων τῶν σπερμάτων ἐστὶ τῶν ἐπὶ τῆς γῆς. καὶ ὅταν σπαρῆ ἀναβαίνει καὶ γίνεται πάντων τῶν λαχάνων μείζων. καὶ ποιεῖ κλάδους μεγάλους. ὥστε δύνασθαι ὑπὸ τὴν σκιάν αὐτοῦ τὰ ταπεινὰ τοῦ ουνοῦ κατασκηνοῦν. καὶ τοιαύταις παραβολαῖς πολλαῖς ἐλάλει αὐτοῖς τὸν λόγον, καθὼς ἠδύναντο ἀκούειν. χωρὶς δὲ παραβολῆς οὐκ ἐλαλει αὐτοῖς. κατ' ἰδίαν δὲ τοῖς μαθηταῖς αὐτοῦ ἐπέλυε πάντα. καὶ λέγει [2]) αὐτοῖς ἐν ἐκείνῃ τῇ ἡμέραι ὀψίας γενομένης. διέλθω-

Изъ Новаго Завѣта св. Алексія.

л. 18. Чемꙋ оуподоби црт҃ко б҃ье. ли коеи притчи приложи͡м ю. ꙗ҆ ꙁерноу синапꙋ. иж егда сѣꙗно боудѣ на ꙁе҃. мении всѣ сѣме е҃ сꙋщи на ꙁе҃. і егда всходи і бываѥ всѣ ꙁелии болии. і твори вѣтви великы. ꙗкож мощи по сѣнью е҃. птица нб҃нымъ вселати. и таче ми притчами многими. гл҃ше и҃ слово. ꙗкож можахоу слышати. кромѣж притча не гл҃ше и҃. особьж оу҃нко свои разрѣшаше вса. и гл҃е и҃ ко днь поꙁдѣ бывшю. преидѣ на о҃ по. и оставльше наро поимаю его. ꙗко вѣ к корабли. и дроугииж корабльци бѣша с ни҃. и бы боура вѣтренаꙗ велика. волны же влѣвахоуса к ко-

---

[1]) Преосв. Порф. Петерб. IX в. Ев. на пурпур. пергаминѣ κόκκω.

[2]) Пр. Порф. Пет. „ἔλεγεν".

μεν εἰς τὸ πέραν. καὶ ἀφέντες τὸν ὄχλον παραλαμβάνουσιν αὐτὸν ὡς ἦν ἐν τῶι πλοίωι. καὶ ἄλλα δὲ πλοῖα [1]) ἦν μετ' αὐτοῦ καὶ γίνεται λαῖλαψ ἀνέμου μεγάλη. τὰ δὲ κύματα ἐπέβαλεν εἰς τὸ πλοῖον ὥστε αὐτὸ ἤδη γεμίζεσθαι. καὶ ἦν αὐτὸς ἐπὶ τῇ πρύμνῃ ἐπὶ τὸ προσκεφάλαιον καθεύδων. καὶ διεγείρουσιν αὐτόν. καὶ λέγουσιν αὐτῶι. διδάσκαλε οὐ μέλει σοι ὅτι ἀπολύμεθα; καὶ διεγερθεὶς ἐπετίμησε τῶι ἀνέμωι. καὶ εἶπε τῇ θαλάσσῃ. σιώπα πεφίμωσο. καὶ ἐκόπασεν ὁ ἄνεμος. καὶ ἐγένετο γαλήνη μεγάλη. καὶ εἶπεν αὐτοῖς. τι δειλοὶ ἐστὲ οὕτως. πῶς οὐκ ἔχετε πίστιν. καὶ ἐφοβήθησαν φόβον μέγαν. καὶ ἔλεγον πρὸς ἀλλήλους. τίς ἄρα οὗτός ἐστιν. ὅτι καὶ ὁ ἄνεμος καὶ ἡ θάλασσα ὑπακούουσιν αὐτῶι. καὶ ἦλθεν [2]) εἰς τὸ πέραν τῆς θαλάσσης. εἰς τὴν χώραν τῶν γαδαρηνῶν.

рабъ. ıакож емоу оуж наполнити. ı бѣ са на кормѣ. на къглавьи спа. и въставлıаю юго. и гл҃ю емү. оучтлю. не роди ли ти погыблє. ı въставъ запрѣти вѣтрү. ı рѣ морю, молчı оукроти. ı оулеже вѣтр. ı бы тишина велика. и рѣ и. что страшиви есте сице. како не имате вѣры. и убоıашасѧ боıазнью великою. ı глахү дрү к дроугү. кто ү се є. ıа и вѣтръ и море послүшлıаю его. и идо на о по морıа к странoу гадаринскоу · : ·

Чтеніе и объясненіе снимка.

Ἐυαγγέλιον κατὰ ἰωάννην ἐγράφη καὶ ἀντεβληθ ὁμοίος ἐκ τῶν ἀντιγράφων ἐν στιχ. ͵βῖ κεφαλ ςλβ.

Ἔλεος τῶι γράψαντι καὶ καφαλαιώσαντι. σωτηρία δε τῶι ἐκ πόθου καὶ ψίστεως κτησαμένω ἀμήν,

Ὑπὲρ μνύμης καὶ ἀφέσεως τῶν ἁμαρτιῶν τοῦ δούλου τοῦ θῦ, ἰωάννου μοναχοῦ, καὶ γεγονότος λογοθέτου τῆς τοῦ θῦ μεγάλης ἐκκλησίας, μηνὶ φευρουαρίω κγ, ινδικτιῶνος ζ. τοῦ ͵ςχπγ, ἔτους, βασιλέυοντος τοῦ ἀοιδίμυ βασιλέως ἡμῶν, κυροῦ μανουὴλ καὶ κομνηνοῦ, τοῦ πορφυρογεννήτου,

Ἐκ τοῦ κατὰ μαρκον ἁγίου ἐυαγγελίου,

Κατὰ Μάρκον.

Κατὰ μάρκον τὸ ἐυαγγέλιον καλεῖται. ἐπειδὴ αὐτός μάρκος ὁ μαθητὴς πέτρου καὶ συνέκδημος πάυλου. συνεγραψε τὸ ἐυαγγέλιον τοῦτο.

Азбука. Слова съ снаками препинанія; αὐτῶι. προφήτην, ἀμήν. ἐναγγέλιον: Сокращенія, вязь и слова съ титлами; γὰρ ὑμῖν. ματθαῖος. τῷ καιρῷ μάρκος λουκᾶς. Ниже сокращеній въ кругахъ цифры написаны означающія Евсевіевы главы, нѕ. пз. пн. рло. рмл. нѳ. рмн. сл. ἰσραὴλ κύριε ἄνθρωπον ἰησοῦς.

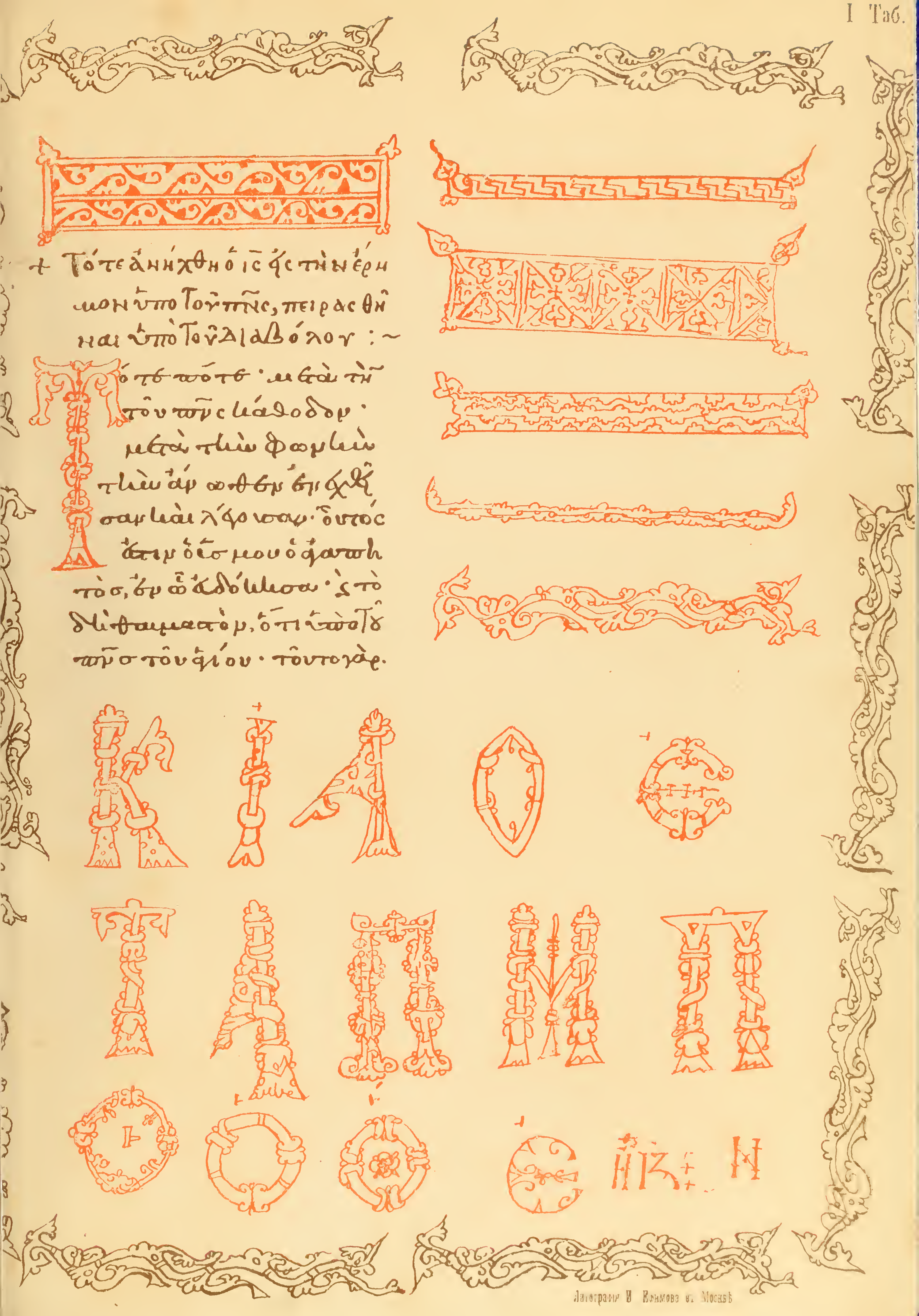
Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими; α., γραφή. ε., ἔξεστι ἔχων. ει. ν., τὴν. σ., ἐστὶν κράσπεδα. τ., πτῶμα, συναχθήσονται.

Примѣчаніе: Къ нѣкоторымъ экземплярамъ снимковъ 2-го тома палеографіи приложенъ снимокъ маніатюръ изъ Апостола 1702. г. гравированныхъ на камнѣ литографомъ Гавриловымъ, а въ 3-мъ томѣ одинъ экземпляръ въ родѣ свитка литургіи 1306. г. на Греческомъ языкѣ мною копированный литографическою тушью и отлитографированный Г. Гавриловымъ.

---

[1]) Преосв. Порф. 1272. г. πλοιάρια ἦν μετ' αὐτῶν. VIII в. αυτου, 835. г. μετ' αυτου.

[2]) Преосв. Порф. Пет. IX в. ἦλθον.



Литограф. И. Ефимова въ Москвѣ

† ΘΜΙΓ

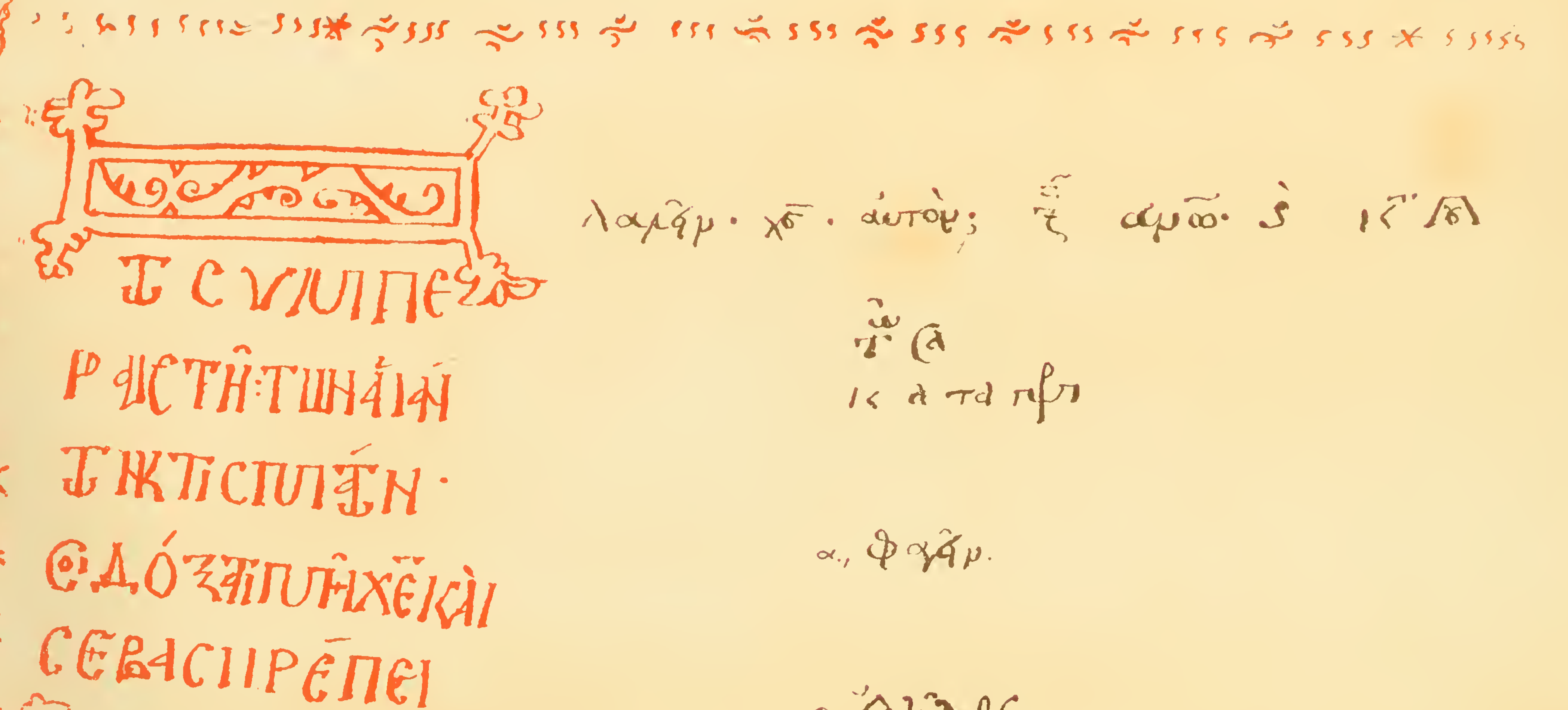
Ἀ Π Ξ

ἐγράφη ἡ θεόπνευστος
βίβλος αὕτη χειρὶ
θεοφ... μαρ...

1020 г.

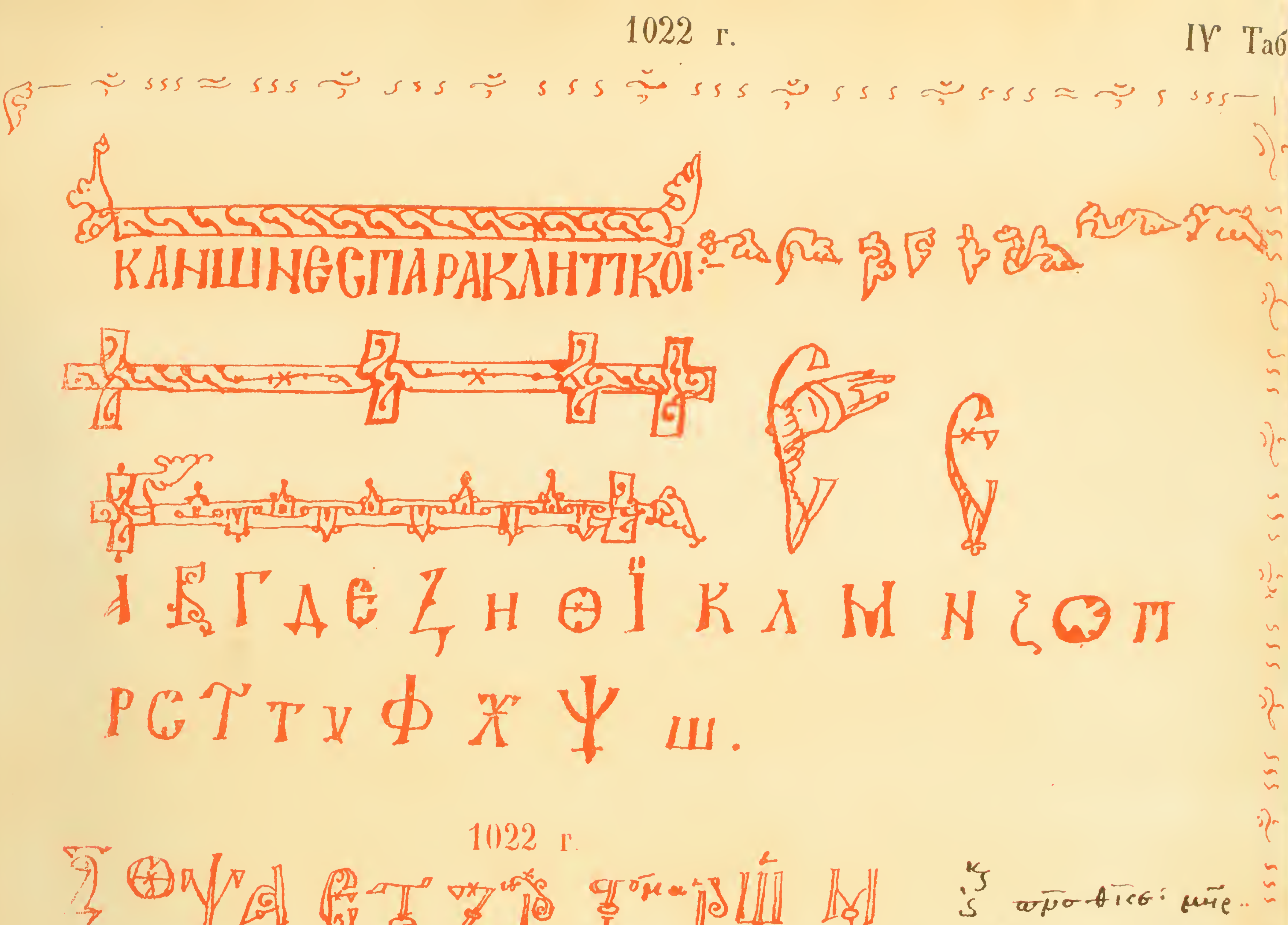
ΞΚVΘΒΟ
ΞΛΗΘVΛΩ

1020 г.

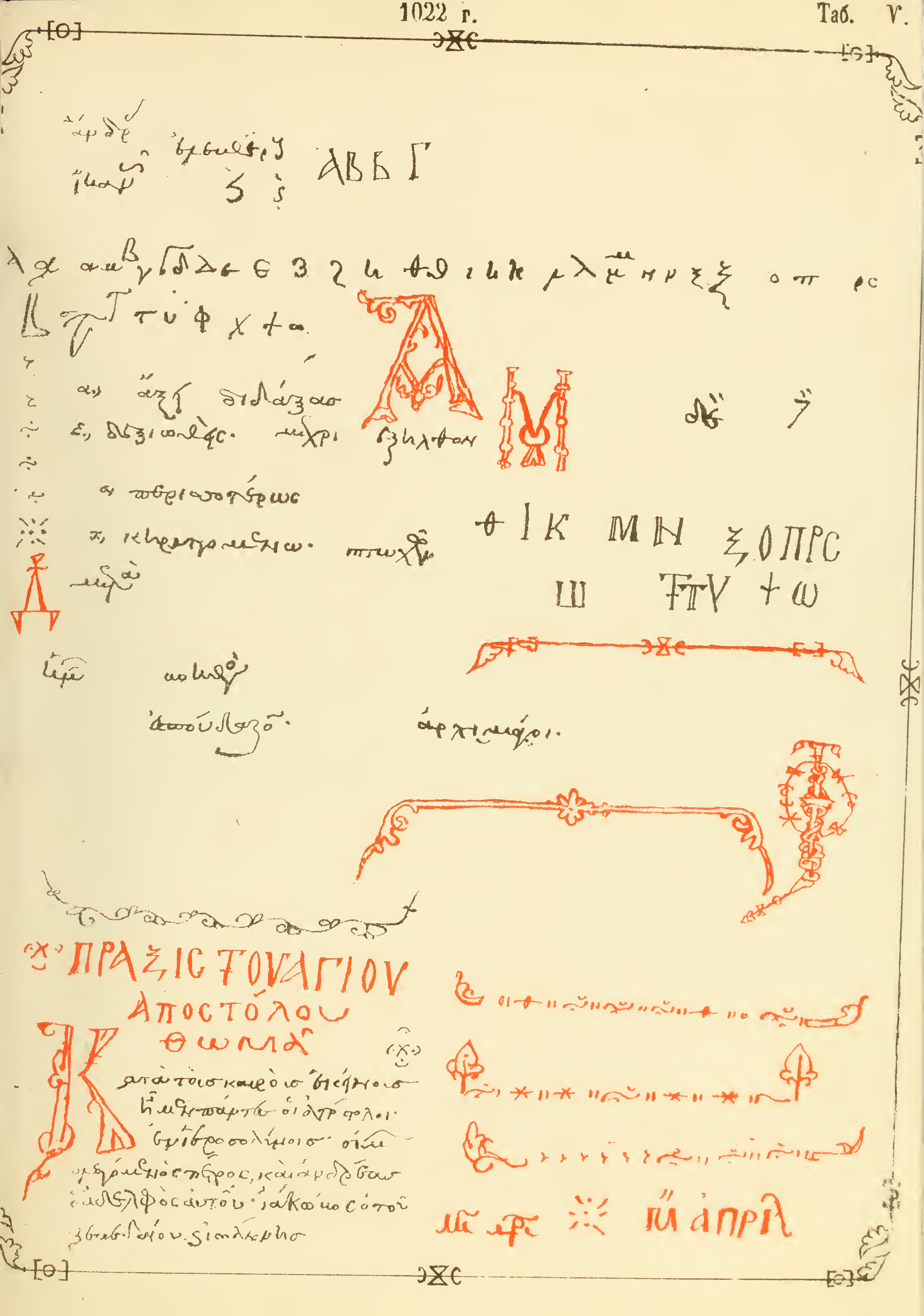


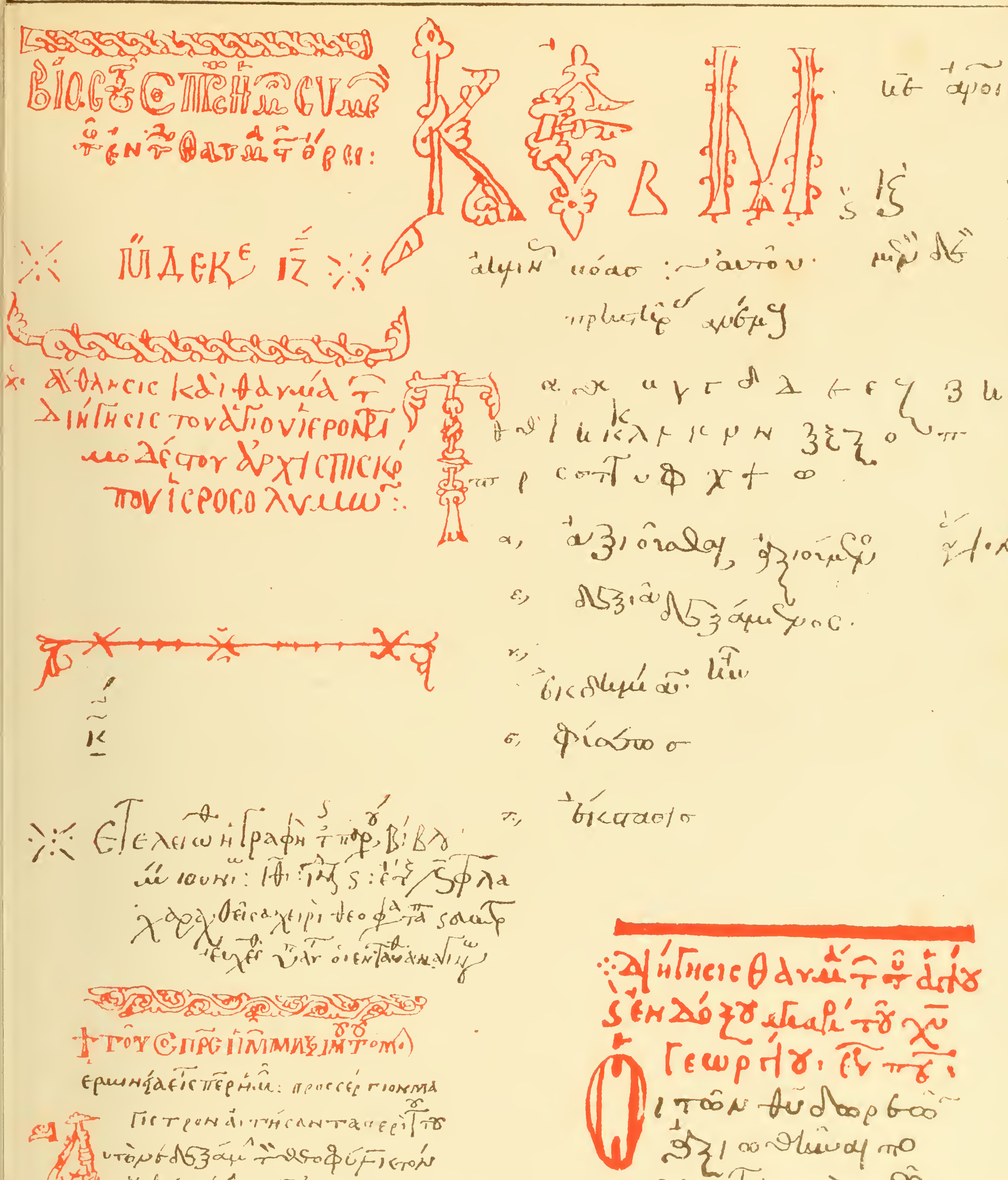
1022 г.

Литографія И. Ефимова въ Москвѣ.



1022 г.


ΠΡΑΞΙϹ ΤΟΥ ΑΓΙΟΥ
ΑΠΟϹΤΟΛΟΥ
ΘΩΜΑ



+ ΝΕΙΛΟΥ ΜΟΝΑΧΟΥ: ΠΡΟΣ ΑΓΑΘΩΝ

Δ + ΠΕΡΙ ΓΑΣΤΡΙΜΑΡΓΙΑΣ

ἀρχὴ καρποφορίας, ... καὶ ἀρχὴ πρακτικῆς ἐγκράτεια

α Γ δ ε η θ ι

μ η ξ ο π ρ ς

τ υ χ ω

α υ γ δ ε 3 ζ η θ ι κ λ μ

ν ρ ξ ζ ο π ρ ς σ τ τ υ φ χ + ω

εἰς τοῦ κυρίου ἀδ(ελφοῦ),

Τοῦ διαιρεθέντος νείλου ... πρὸς ... χεὶρ ... τοῦ ... ... διάδοχος τῆς ... ρωμαίων ... μακρὸς τοῦ ἀδελφοῦ αὐτοῦ.

Τ Τ Τ Ε Ε

Κ Α Τ Τ Ρ Ρ

ΜΗΝΟΣ ... ΒΡ ... Ω

ἐπληρώθη μ(ηνὶ) ... ἰνδ(ικτιῶνος) β' ἔτους ...

α υ γ δ ε 3 η θ ι κ λ η μ ... ζ

ο ϖ ρ ς σ τ υ φ χ + ω

γραμμάτ(ων) δι᾽ ... ...

... ἔχειν

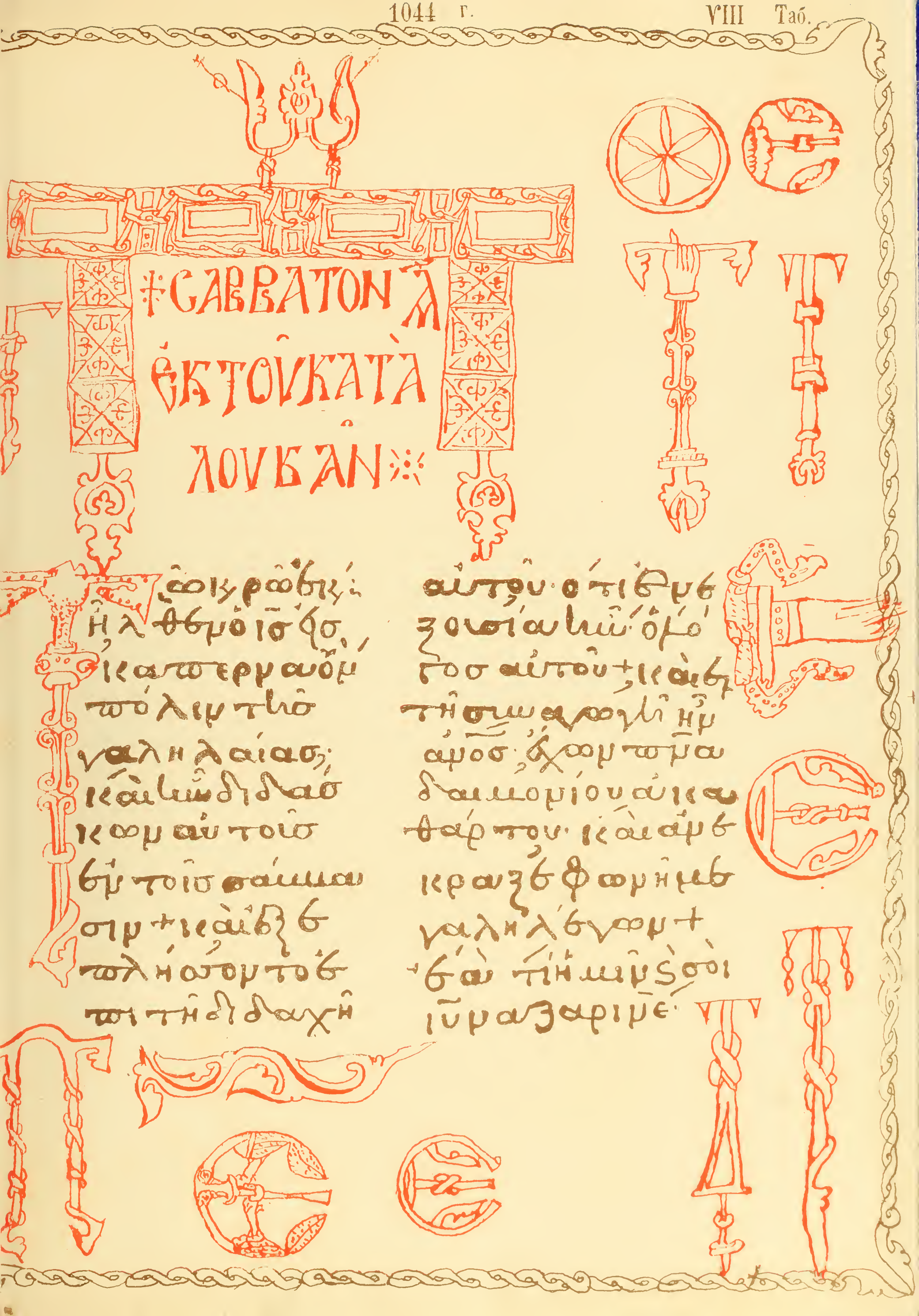
αὐτοῦ

... μετ

... ἅγιος ... πατρ(ὸς)

... ἀγαθ(ὸς)

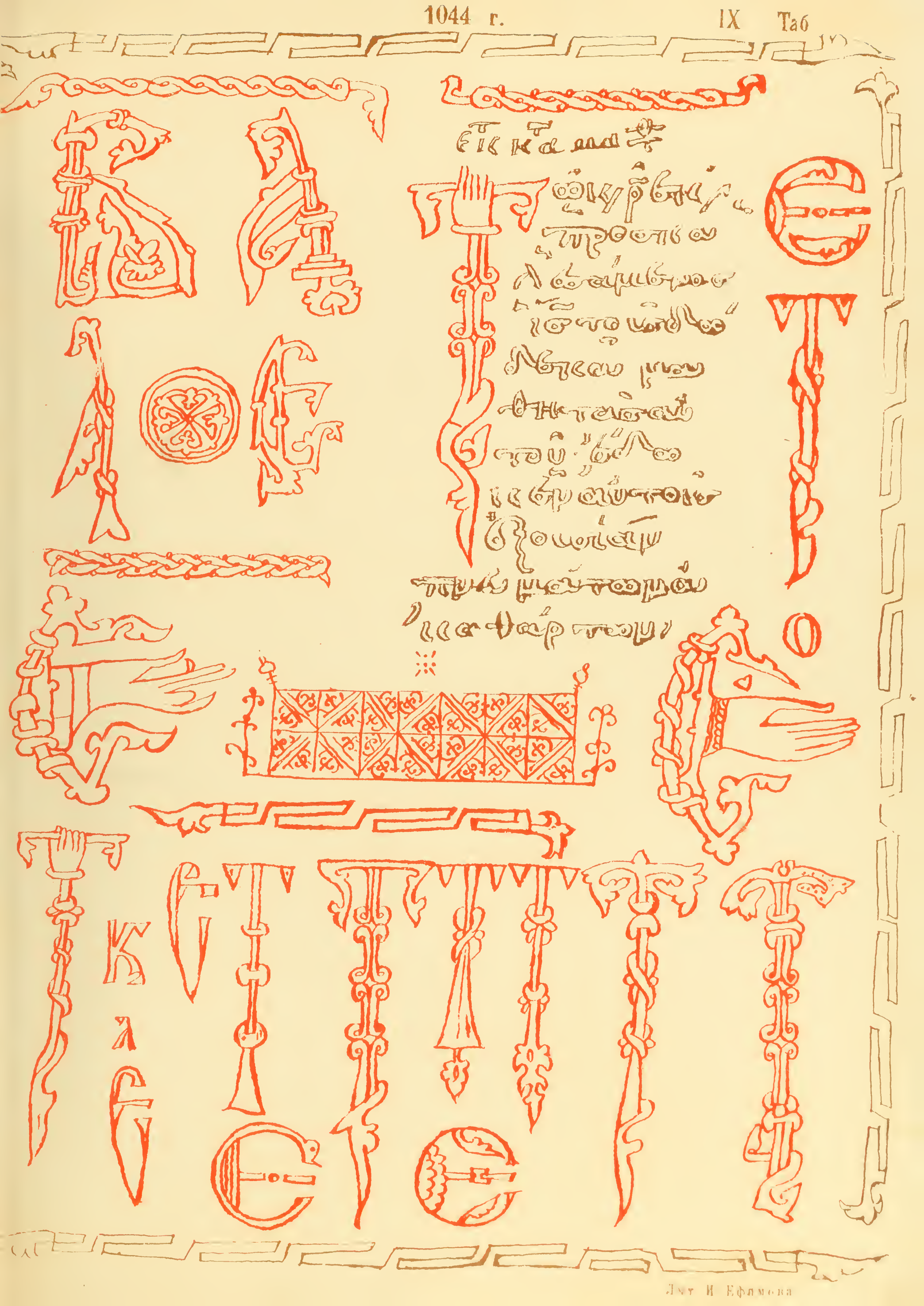
... μαργαρίτ(ης)



ϹΑΒΒΑΤΟΝ Λ̄
ἘΚ ΤΟΥ ΚΑΤᾺ
ΛΟΥΚΑ͂Ν

τῷ καιρῷ ἐκείνῳ·
ἦλθεν ὁ ἰσ̄ εἰς
καπερναούμ
πόλιν τῆς
γαλιλαίας·
καὶ ἦν διδάσ
κων αὐτοὺς
ἐν τοῖς σάββα
σιν· καὶ ἐξε
πλήσσοντο ἐ
πὶ τῇ διδαχῇ

αὐτοῦ· ὅτι ἐν ἐ
ξουσίᾳ ἦν ὁ λό
γος αὐτοῦ· καὶ ἐν
τῇ συναγωγῇ ἦν
ἄνθρωπος ἔχων πνεῦμα
δαιμονίου ἀκα
θάρτου· καὶ ἀνέ
κραξε φωνῇ με
γάλῃ λέγων·
ἔα τί ἡμῖν καὶ σοί
ἰῦ ναζαρηνέ·



Лит. И. Ефимова

Лит. Н. Ефремова

† ἐγράφη τὸ θεῖον καὶ ἄ-
χραντον εὐαγγέλιον διὰ χειρὸς
θεοδοσίου ἀναγνώστου καὶ ἁμαρτωλοῦ
ἐτελειώθη ἐν κώμῃ νιδε-
κεμβρίω ς' ἁγίων Βαρβάρ(ας)
ὥρα γ' ἰνδ(ικτιῶνος) ιβ' ἔτους ςφνβ':~
† μνήσθητι κε τῶ σῶ δούλω
γρηγορίω μοναχῶ καὶ μάρκω
μοναχῶ τοῖς πιστεῖς τῶ θῶ

πολλῶ μοχθήσαντες διὰ τὸ
ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ δόσαντος ἄ-
φεσιν ἁμαρτιῶν διὰ τὴν
πολλὴν σου εὐσπλαγ-
χνίαν σὺν καὶ τῶ γρά-
ψαντι θεοδοσίω μοναχῶ
τῶ πολύτλα· ἀμὴν
γένοιτο κε :~

1052 г.

ΕΤΗΘ

† ἀμὴν λέγω ὑμῖν·
εἰσί τινες τῶν ὧδε ἑ-
στώτων οἵτινες οὐ μὴ
γεύσωνται θανάτου· ἕ-
ως ἂν ἴδωσι τὸν υἱὸν τοῦ
ἀνθρώπου·

Ε ... πολλὰ περὶ κυρ-
... διελέχθη καὶ θαυμά-
του. καὶ τοῦ πάθους τοῦ
ἑαυτοῦ, καὶ τῆς τοῦ μνή-
ματος σφραγῖδος:

Ἐτελειώθη ἡ παροῦσα
ἱερὰ βίβλος. διὰ βασι-
λείου τοῦ κηρουλλαρίου.
μηνὶ νοεμβρίω. ἰνδ
ιᾱ: ἔτους ςφξ: +

ΟΤΘ χαλεπώτερον;
ἀμὴν †
πόλεων :— ὀχε·

α υ γ ς δ ε ε ζ η ι θ ι κ λ μ ν ξ ζ ο π π ρ σ τ υ
φ χ ψ ω

ἀμφο αὐτῶν

ἄξιος

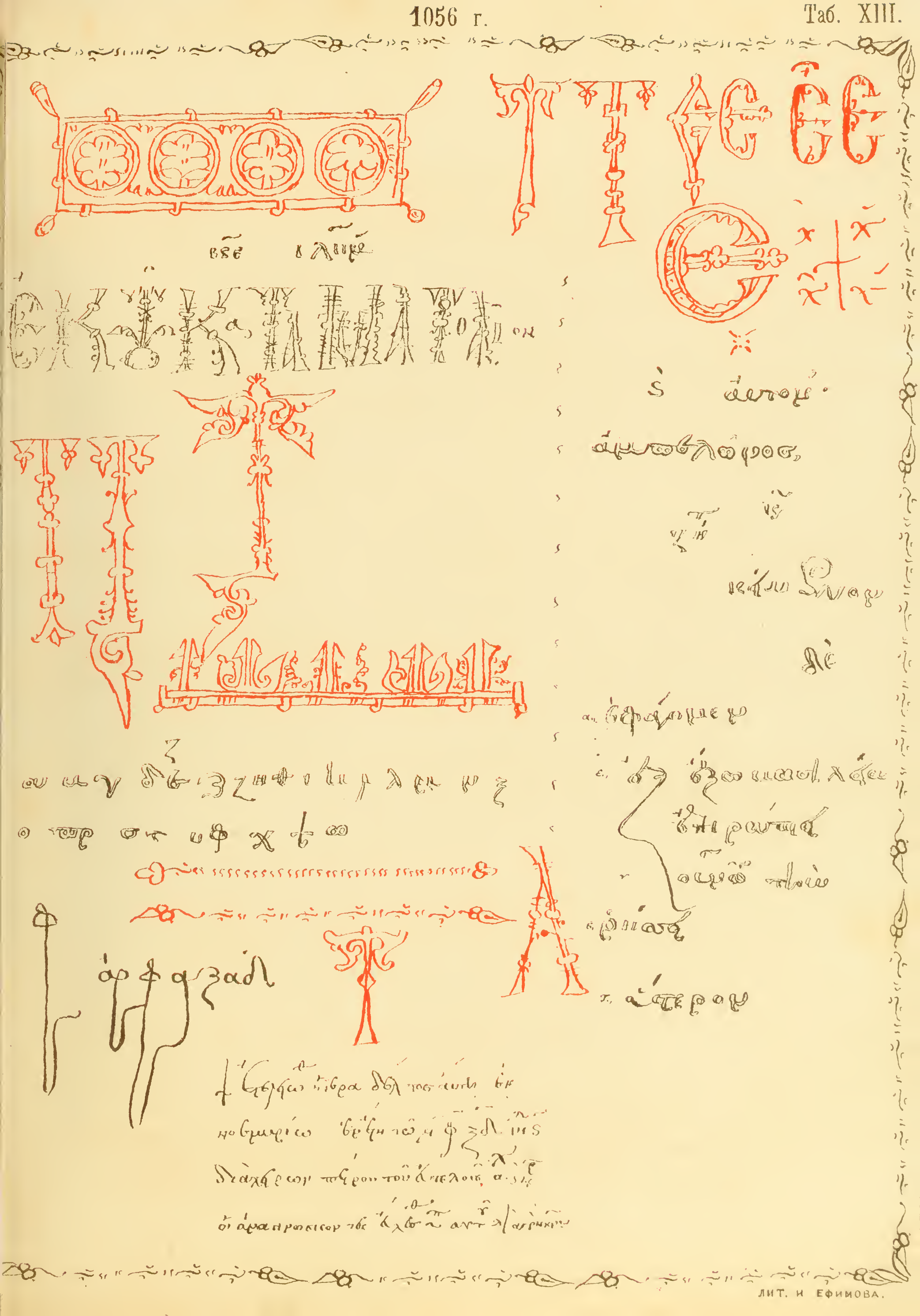
ζωοποιός σου ἰησοῦ χριστοῦ

δυνηθῆναι

τῆς ἀφημήνας·

ἦ μὲν δὲ


1055 г.
ΤΗ ΑΓΙΑ ΚΑΙ ΜΕΓΑΛΗ Κ[Υ]Ρ[ΙΑΚΗ] ΤΟΥ ΠΑΣΧΑ
ΕΚ ΤΟΥ ΚΑΤΑ ΙΩ
ЛИТ. И. ЕФИМОВА

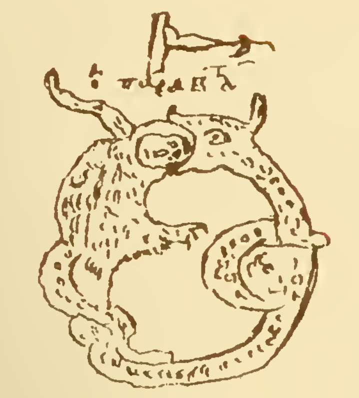


ЛИТ. И ЕФИМОВА.





ΑΒΓ ΕΖΗΘΙ ΚΛΜΝ ΟΠΡϹΤΥ



ΘΗ

ἀντίχριστος καὶ σα
ρος αὐτοῦ
καὶ κωνσταντί
τοῦ ἁγίου πατ
καὶ οἰκουμενι
κοῦ πατριάρχ.

αβγδεζηθικλμνξοπρσ
τυχψωφθ
αβγδεζηθικλμν
ξοπρσστυφχψω

δύναμιν. ἡμέρης,

ἰυ χυ θεοῖο

ἐρωνσμός; λόγον. δαβαν

τωβίας θαδδαίου ε ...

ς' λαβ ... ἐδηλωσε

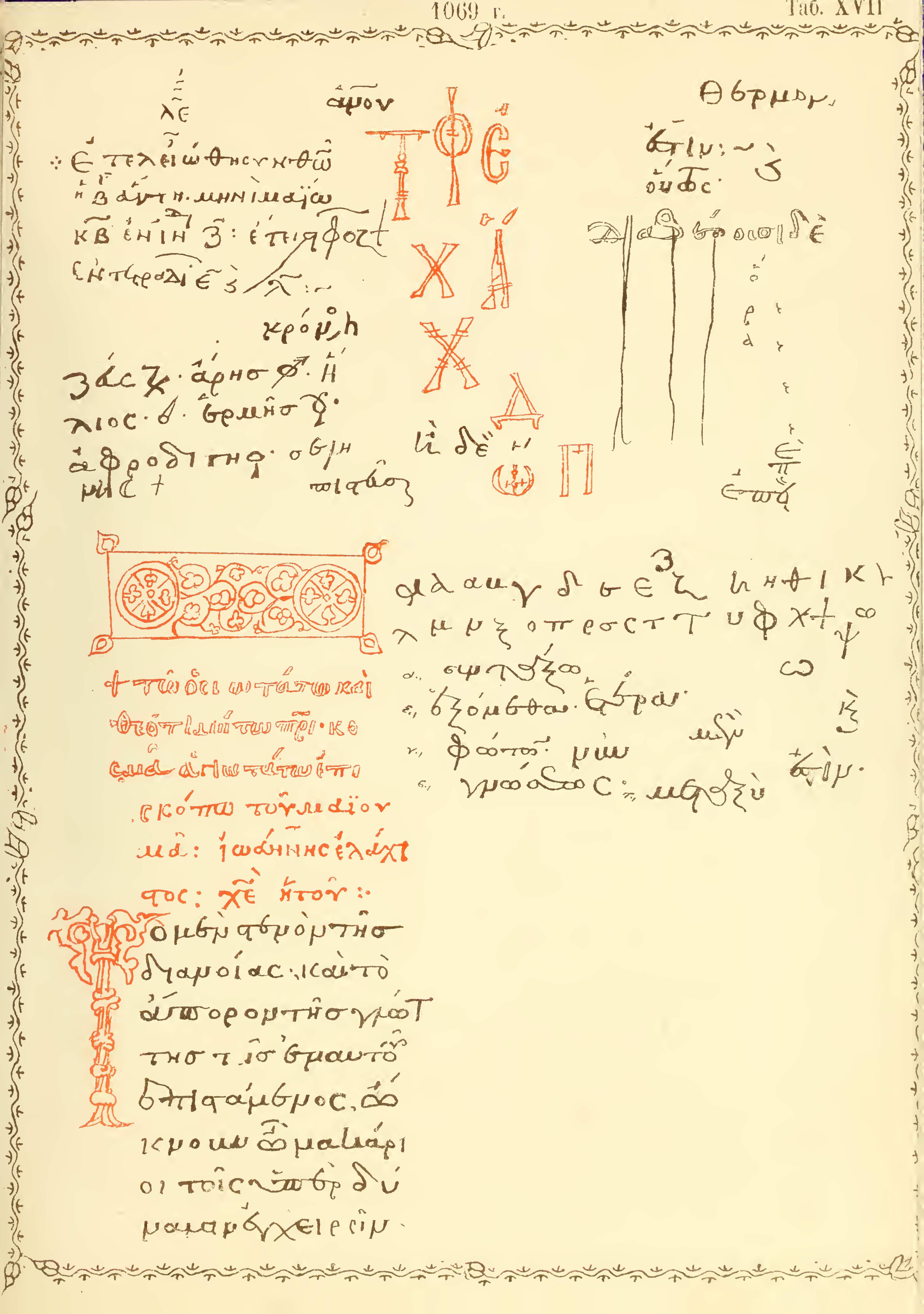
α, τεσσηγα ... ε ... θεραπεύοντος
... ἐκάρη

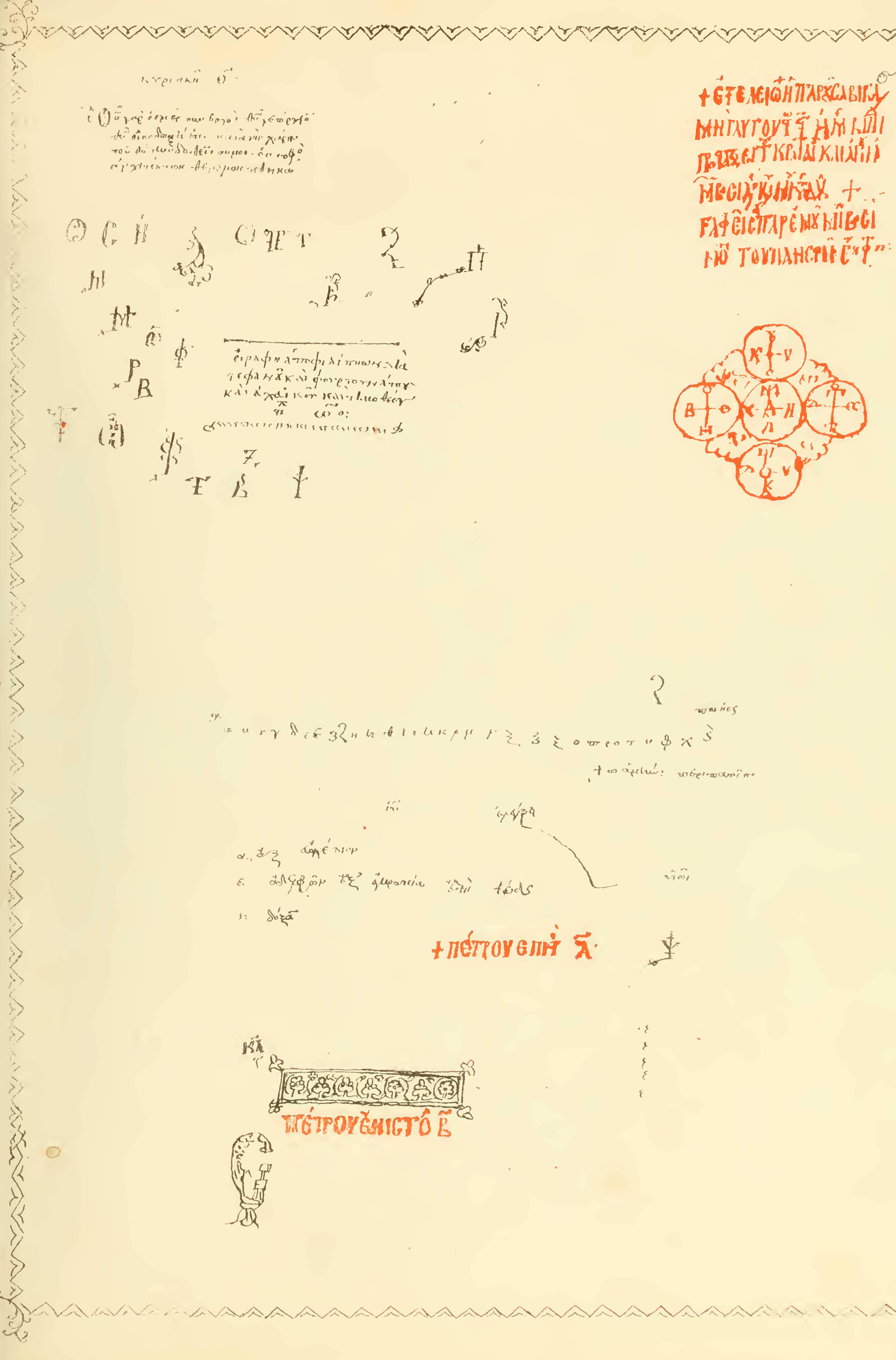
ν, σου ε, ἔδωκεν ... πάλαι

ΒΙΟϹ ΚΑΙ ΠΟΛΙΤΕΙΑ ΤΟΥ ΟϹΙΟΥ φημί

πληροφοροῦντες

ΠΡϹ ΗΜΩΝ ΑΡϹΕΝΙΟΥ ΤΟΥ ΜΕΓ







τοῦ ἐν ἁγίοις
πρς ἡμῶν βα
σιλείου ἀρχι
επισκόπου και
σαρείας. καπ
παδοκίας.
προσλαλιὰ
καὶ προεισήγη
σις. τῶν ἀσκη
τικῶν ἀπο
τυπώσεων:

Καὶ ἄλλα μὲν τοῦ βασιλέως. τὰ
πρὸς τοὺς ὑπηκόους νομοθε
τήματα. μάχονται δὲ καὶ βα
σιλικώτερα. τὰ πρὸς στρα
τιώτας παραγγέλματα
αὐτὸ οὖν στρατιωτικῶν παραγ
γελμάτων κηρυττομένων.

† προοίμιον τῶν κατ᾽ ἐπι
τομὴν ὅρων:
Ὁ φιλάνθρωπος θεὸς ὁ διδάσκων
ἀνθρώποις γνῶσιν· τοῖς μὲν τὸ
διδασκαλικὸν πεπιστευ
μένοις χάρισμα.

† ἐτελειώθη σὺν θεῷ ἡ βίβλος
μηνὶ ὀκτωβρίῳ κα· ἰνδικτιῶνος θ·
ἔτους ͵ϛφϙε· διὰ χειρὸς ἰω(άννου)
τοῦ ἐν ἁγίοις πατρὸς ... τοῦ ναοῦ τῆς θεοτόκου
[illegible] †

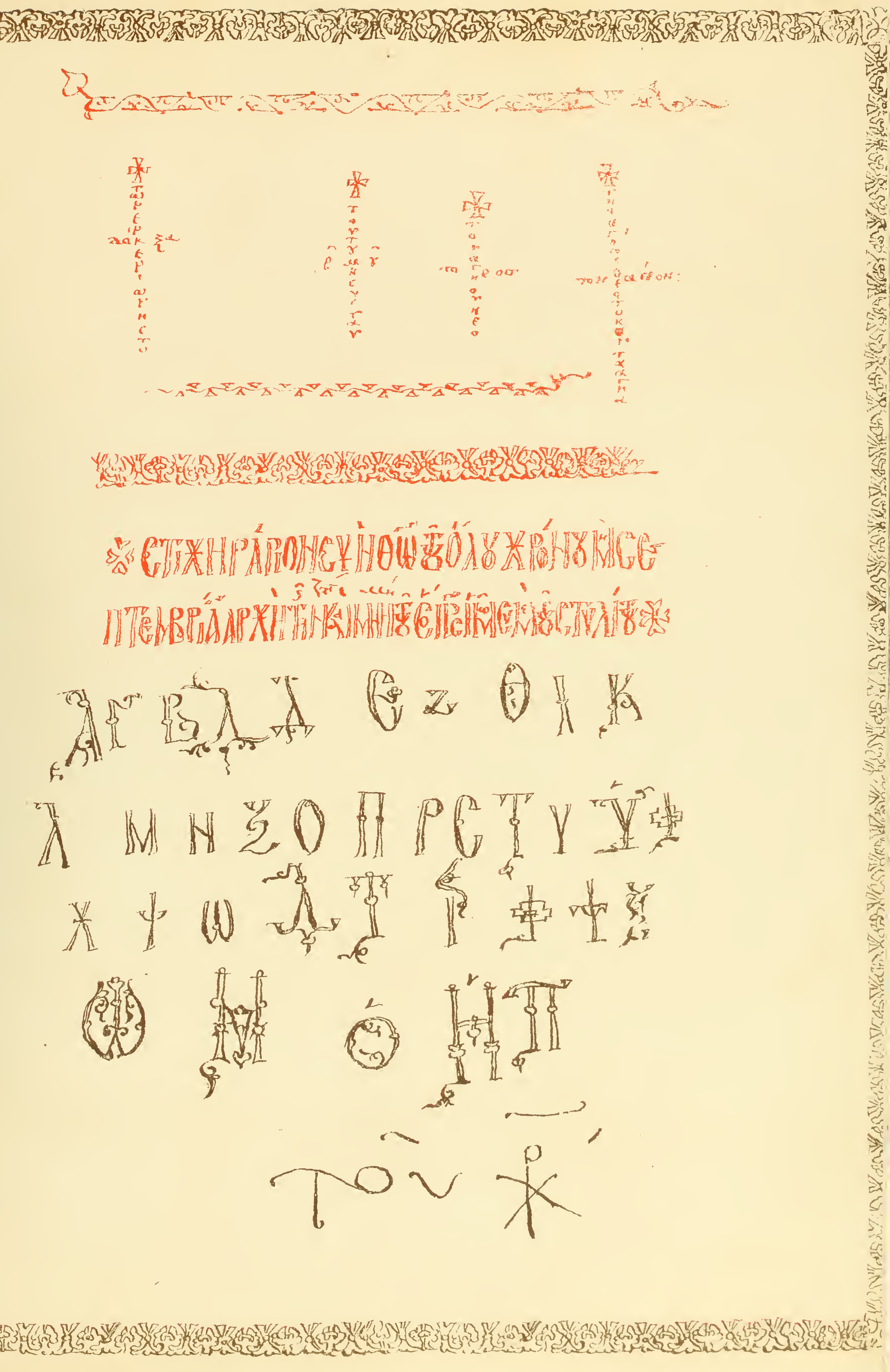
Ἰθὼ ξ ΜΗ

α β γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ
σ τ υ φ χ ω ψ
α α ω γ δ ε ζ ζ η θ ι
κ λ λ μ ν ν ξ ξ ο π
π ρ σ τ υ φ χ ψ ω

κ(ύρι)ε βοήθει χειρὸς καὶ

ε
γ
ζ
γ χ
δ





Γραφᾶν προσταξαν χ(ριστ)ὲ μονεσῶτον· ἐκ προστ
ᾶης λαυρεντίω ἐν τελῆ μονοτρο(π)ο· κ(αὶ) δο
μεστὶ τῆς σεβασμίας μ(ον)ῆς· τῆς ὑπεραγίας
θ(εοτό)κου· τῆς τοῦ βατοπε(δίου)· τ(ῆς) ἐν ἁγίω ὄρει·
ἐπιγραφὰν τὰ μὲν η. κεφαλαίοις τὲ καὶ
οὐλαμινοῖς χρυσοῖς γράμμασιν καὶ ἔξωμ
πλίοις· συν τῷ ἀμφιασμα(τι)· ὅσιου τε ἱερ(ομονάχου)
ἀνθῆς· ξένου πάσης ἀρετῆς καὶ τ(ῶν) ἰλίω(ν)
Ἐτελειώθη δὲ τὸ παρὸν στιχηράριον· ἐπὶ
βασιλείας ἀλεξίου τ(οῦ) βασιλ(έως) ῥωμαίων
τοῦ κομνηνοῦ· μ(ηνὶ) μαΐω λα· ἰ(νδικτιῶνος) ιδ
ἔτους ςχιδ· οἱ ἐντυγχά(νοντες) εὔχεσθαι μοι.

ἤχου
ᾠδὴ η·

Στήλην κακίας ἀντίθεον παῖδες θεῖοι παρέδραμον·
μέσω χ(ριστ)ῦ δὲ φερυαττώμενον ἀνόμων συνέδριον βουλευ-
σάμενον· κτεῖναι μελετᾶ· τὸν ζωῆς κράτουντα παλάμη·
ὃν πάντα κτίσις εὐλογεῖ δοξάζουσα εἰς τοὺς αἰῶνας:–

μετ(ὰ) χ(ριστ)ε ὄρθρου ἐνθέντως κ(αὶ) λοιπ [illegible]
φιλάνθρ(ωπε) πράξαι χ(ριστ)ὲ ὅλ(ο)ν αὐτοῦ στεφ(άνου) [illegible]
ὁ ἀληθῶς ζωῆς:– Ζ
α, [illegible]
ε, [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]

α β υ γ δ ε ζ η θ ι κ λ
λ μ ν ξ ο π ρ σ τ υ φ χ ψ ω

1106 г.

† Ἁγία καὶ μεγάλη κυριακὴ τοῦ πάσχα. ἦχ(ος) ᾱ ἰω:—
Σημερον σωτηρια τω κοσμω · οσος τε ορατος · και οσος
αορατος · χριστος εκ νεκρων συνεγειρεσθαι · χριστος
εις εαυτον επανηλθεν επανελθεται · χριστος εκ ταφου ελευθερω
θηται · των δεσμων της αμαρτιας · πυλαι αδου αναμυ
γονται · και θανατος καταλυεται · και ο παλαιος αδαμ
αποτεθηται · και ο νεος συμπληρουται · ει τις εν χω
καινη κτισις αν ακαινισθητε · πασχα κυριου πασχα
και παλιν ερω πασχα τη τιμη της τριαδος · αυτη ημιν
εορτων εορτη · αυτη πανηγυρις επι πανηγυρεως
εν ταυτη γαρ χριστος ανεστη εκ νεκρων φως τι ζων
τοις εν σκοτει και σκια · και συ ζωοποιησον ... γι
νωσκοντας · ως αγαθος και φιλανθρωπος :—

1111 г.

αὐτοῖς.

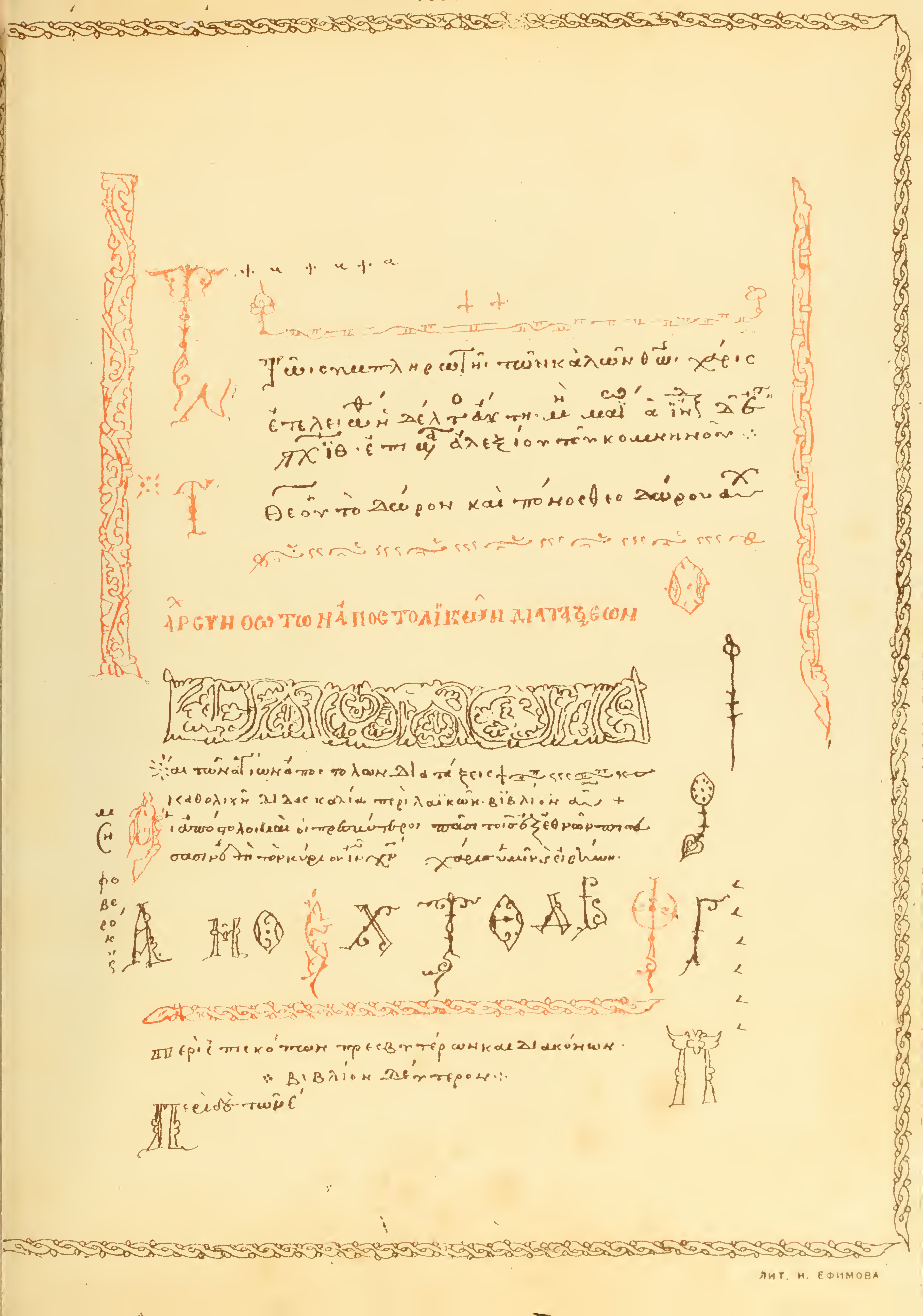
※ Διαταγαὶ τῶν ἀπο(στό)λων κατὰ πόλιν διὰ Κλή ※
τοῦ μεντος ἀποσταλεῖσαι τοῖς ἔθνεσι.

∴ βιβλίον ζ ∴ ἐκ μέρους τ

ι(ησοῦ)ς † χ(ριστό)ς δίκαιον, αὐτοῦ.

α β ɯ γ δ ε ϛ ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ σ τ υ
αυ ἀγγρός. πρς. φ χ ψ ω

κ, καταζόμενοι ἱερεῖς,
ν, ὅσοι ἀξιωθῆναι χειροτονεῖσθαι.
ο, ὀνομάσαι
χ καταλόγια


ЛИТ. Н. ЕФИМОВА

† Β τῆς μεγ' ἑβδομάδ:

προ εἰς ῥ τι: ἦχ βαρ

Κέ μὴ τῷ θυμῷ σου

ἐλέγξης λαὸν ἡμῶ

τὰ ἀμαρτήματα· μηδὲ τῇ ὀρ

γῇ σου παιδεύσης

ἡμᾶς, ἀγαθῶς ὑπερ

ὅσον γὰρ δοξάζει πᾶ

σα κτίσις καὶ δεόμεθα

φεῖσαι ἡμῶν ἅγιε:–

θυ ἐπὶ τόσ ζωῆς

εὐφρανθήτωσαν·

υ τ μηδαμ

ψαλ ει

α ἄξω ἀραγ ἀπάνθεξεν

ὀρχομένη δ ..

ν ἔδοσ νῦν

ε θάρσατε

τ μετὰ μητρὸ

† ἐγράφη ἡ παροῦσα βί

βλος διὰ προτροπῆς

τοῦ τιμιωτάτου καὶ καθη

γουμένου ἡμῶν κῦρ Θεοδώρου

τοῦ κεφαλ ἐν μεγ τῷ ἀλ

κ. ἐπὶ τῶ ἔτει

τοῦ βασιλέως κυροῦ Ἀλεξίου τοῦ

Κομνηνοῦ: ἰνδ θ:–

† † † †

Θεοῦ τὸ δῶρον καὶ πόνος Βασιλείου

ΙΙΒΟΥΛΗ

ἈΠΟΚΕΦΑΛΗΣΑΜΥ

γενέσεως τὸ ἐν

Γίνεσθωσαν ἐγεννήθη

τωσαν φωστῆρες ἐν

τῷ στερεώματι τοῦ

οὐρανοῦ, εἰς φαῦσιν

ἐπὶ τῆς γῆς,

† ἐγράφη τὰ παρὸν χῖρ

ἀθλίᾳ· τοῦ τῶν μο

ναχῶν ἐσχάτου Βασιλεί

ου· οἱ ἀναγινώσκο

ντες ἐν Χριστῷ τοῦ τον

τὸν πολυηλεῶ πά

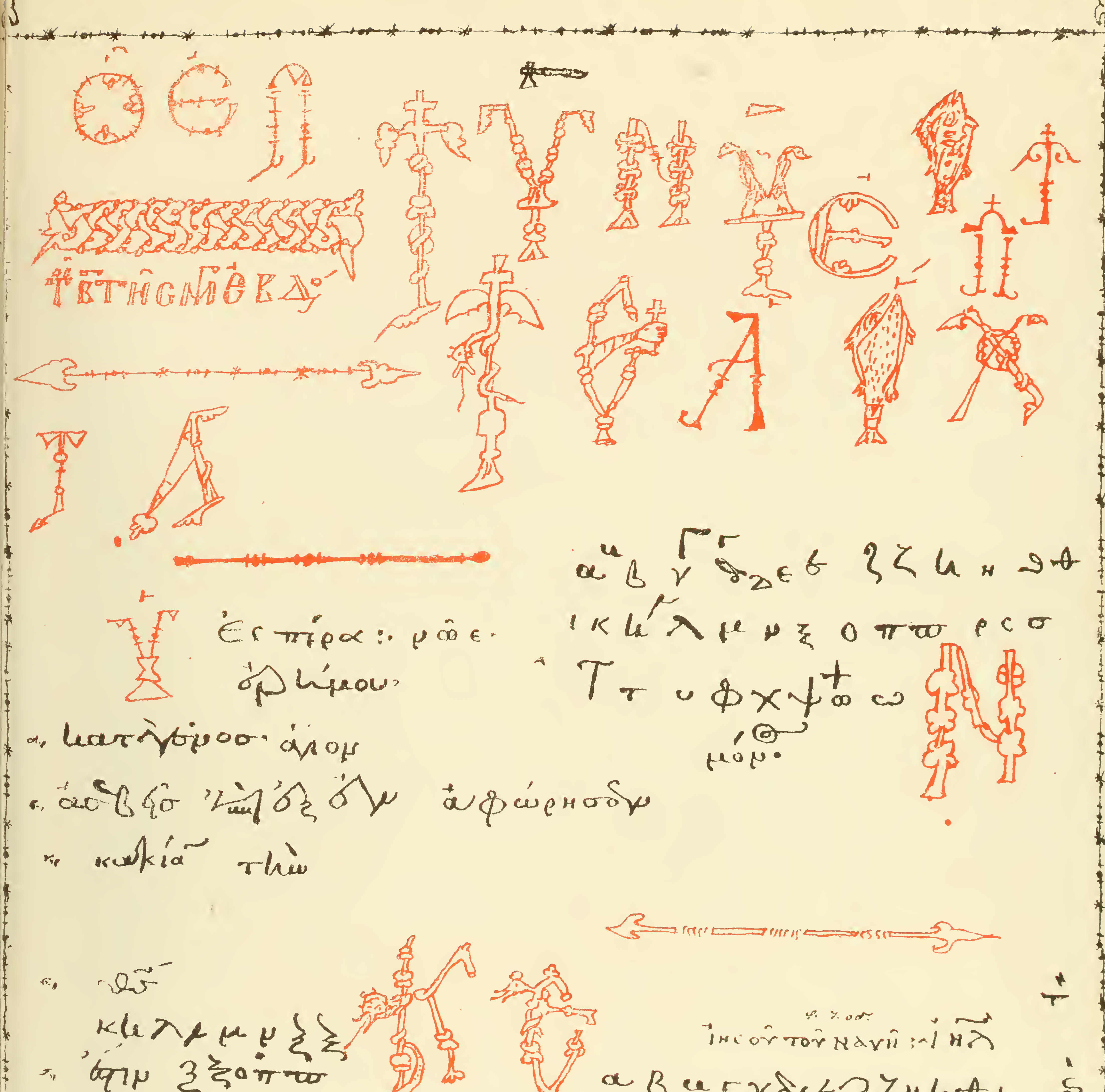
θεσι καὶ ἁμαρ

τίαις

α α α β γ δ ε ς ζ ʒ ι η θ ϑ ι κ

λ λ μ μ ν ξ ο π ϖ ρ σ

Τ τ υ φ χ ψ ψ ω



† ΜΕΤΑ ΤΗΝ ΕΙCΟΔΟΝ ΚΑΙ ΤΟ ΦΩC ΙΛΑΡΟΝ ΑΝΑΓΝΩC ΜΑ Α: ΕΝ ΤΩ ΑΝ[illegible]

[illegible] καὶ [illegible] δ: πρὸ(ς) [illegible]

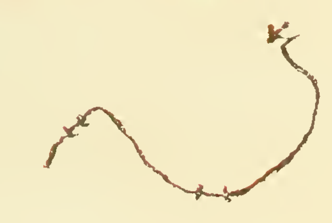
Σήμερον τὸ πονηρὸν συνήχθη συνέδριον καὶ κατὰ σοῦ κενὰ ἐμελέτησαν·

1126 г.

ἐτελειώθη ἡ δέλτος αὕτη τοῦ ὁσίου π(ατ)ρ(ὸ)ς ἡμῶν
Νίφωνος διὰ συνδρομῆς ἰω(αννικίου) ...
ἁμαρτωλοῦ καὶ ἐλαχίστου τῶν μοναχῶν
μηνὶ ἰανουαρίῳ λα' ἡμ(έρα) δ' ἔτους
͵ϛχλδ' ... καὶ οἱ ἀναγινώσ-
κοντες εὔχεσθε π(ε)ρὶ αὐτοῦ ἵνα
τύχῃ ἐλέους ἐν ἡμέρᾳ κρίσεως·
ἡ χεὶρ μὲν ἡ γράψασα σήπεται τά-
φῳ· γραφὴ δὲ μένει εἰς αἰῶνας: —

Προσερχομένου αὐτοῦ [illegible]
μετὰ [illegible]
τοῦ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ϛΘ Ρ Α Κ Β



ἀ(ρ)χ(ή)

α β γ δ ε ζ ·
θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ σ τ υ φ χ ψ ω

θ(εο)ῦ ... τὸ ... δοξά(ζειν)

ἑαυτόν

ἄξιος

[illegible]

[illegible]

[illegible]

τὸ ὁ μακάριος [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
ἐλεήμονος [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
χόμενον.

περὶ ἐλεημοσύνης

Ρ Κ Β Ε Β

α β γ δ ε ϛ ζ ȝ η θ ι κ λ μ ν ξ ȝ ζ ξ
ο π ρ σ τ υ φ χ ψ ω

+ (εὐ) κατὰ ἰω(άννην) ἐγράφη καὶ ἀντεβλήθη ὁμοίως ἐκ τῶν ἀντιγράφων· ἐν στί(χοις) ͵βι· κ(εφάλαια) σλβ:-

ἔχει τῶν παραδῶν καὶ κεφαλαίων ...

ὅσα δὲ τοῦ ἐκ πόθου καὶ πίστ(εως) κτησαμένου ... ἀμήν

Ὑπὲρ μνήμης καὶ ἀφέσεως τῶν ἁμαρτιῶν τοῦ δούλου τοῦ θ(εο)ῦ ἰω(άννου) μοναχοῦ, καὶ γεγονότος λογοθέτου τῆς τοῦ θ(εο)ῦ μεγάλης ἐκκλησίας· μη(νὶ) φεβρουαρίῳ ἰν(δικτιῶνος) ζ΄ τοῦ ͵ϛχνβ΄ ἔτους· βασιλεύοντος τοῦ ἀοιδίμου βασιλέως ἡμῶν κ(υ)ροῦ μανουὴλ καὶ κομνηνοῦ, τοῦ πορφυρογεννήτου: + +

Κ(ύρι)ε ...

+ κατὰ μάρκον +

Κατὰ μάρκον τὸ εὐαγγέλιον καλεῖται· ἐπειδὴ αὐτὸ ὁ μάρκος ὁ μαθητὴς πέτρου καὶ συνέκδημος παύλου. συνέγραψε τὸ εὐαγγέλιον τοῦτο·

α λ β γ δ δ ε ε ζ η θ ι κ λ μ ν ν ξ ο π ρ σ τ

υ φ φ χ + ω αὐτοῖς προφήταις; ἀμήν · +

εὐαγγέλιον: ...

ἰησ κε ... ἰω ... πζ πη ... ρλθ ... ρθ

α ... χρόνοις ... τὴν ... κεκράτος ...

... μου. ... ἀχθήσον

ΕΥΑΓΓΕΛΙΟΝ ΚΑΤΑ ΛΟΥΚΑΝ

Ἐπειδήπερ πολλοὶ ἐπεχείρησαν ἀνατά- κγ΄ α.
ξασθαι διήγησιν· περὶ τῶν πεπληροφορη-
μένων ἐν ἡμῖν πραγμάτων. καθὼς πα-
ρέδοσαν ἡμῖν οἱ ἀπ' ἀρχῆς αὐτόπται καὶ
ὑπηρέται γενόμενοι τοῦ λόγου· ἔδοξε
κἀμοὶ παρηκολουθηκότι ἄνωθεν πᾶσι

Τὸ παρὸν τετραεύαγγελον ἐγράφη διὰ χειρὸς ... ἱερέως ... μαΐῳ λβ΄ τοῦ ,ςψζ ἔτους:

ἀρχαῖ, αὐτ, οὐτ

Α α β γ δ ε ζ ζ ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π
ρ σ τ υ φ χ ψ ω ω

πορευόμ. ἐπί

ἀπὸ

α, ἀφιέναι ὑπηρε

ε, ἐρχεται θεράποντος

ν, τὴν λεν

σ πάντας

α, μ, η, αμαρτίας, η, ν

